सूर्योदय : 6:47
सूर्यास्त : 5:15
अधिकतम तापमान : 23.0
न्यूनतम : 6.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-176 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024
14 जमादिउस्सानी 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

विपक्ष पर बरसे मुख्यमंत्री योगी, शीतकालीन सत्र में रखा सरकार का पक्ष

राम नाम बोलना सांप्रदायिक नहीं : योगी

शीतकालीन सत्र

- कुंदरकी की जीत को वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान
- 2017 से अब तक यूपी में नहीं हुए हैं दंगे

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अपनी बातें रखते हुए विपक्ष को आईना दिखाया।

मुख्यमंत्री ने एनसीआरबी डेटा के आंकड़ों के मुताबिक बताया कि 2017 से लेकर अब तक प्रदेश में सांप्रदायिक दंगों में 97 से 99 फीसदी तक की कमी आई है। 2017 से अब तक यूपी में दंगे नहीं हुए हैं, जबकि 2012 से 2017 (सपा कार्यकाल) तक प्रदेश में 815 सांप्रदायिक दंगे और 192 लोगों की मौत हुई। 2007 से 2011 के बीच 616 सांप्रदायिक घटनाएं हुई, इसमें 121 लोगों की मौत हुई। सीएम योगी ने कहा कि आखिर तथ्यों को छिपाकर कब तक जनता को गुमराह करेंगे। संभल में माननीय न्यायालय के आदेश पर सर्वे हो रहा था। जयश्रीराम सांप्रदायिक संबोधन नहीं है। राम के बिना हमारा कोई काम ही नहीं है। यदि जयश्रीराम बोलने पर उत्तेजना से नीयत सभी लोग समझ सकते हैं। सीएम ने कहा कि कुंदरकी की जीत वोट की लूट कहना सदस्य का अपमान है। वहां सपा के प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गई। आज डिजिटल मीडिया का समय है। वहां का पठान और शेख कह रहा है कि हमारे पूर्वज हिंदू थे। आपके पूर्वज भी हिंदू थे। यह देशी-विदेशी मुसलमानों की आपसी भिड़ंत है, जो वर्चस्व की लड़ाई को लेकर चल रही है। सपा पर हमलावर योगी ने कहा कि सच पर पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सूर्य, चांद और सत्य को बहुत देर तक कोई छिपा नहीं सकता, सत्य जल्द सामने आएगा। सीएम ने नेता प्रतिपश्र के बयान पर कहा कि बाबर नामा भी कहता है कि हरिहर मंदिर को तोड़कर ढांचा खड़ा किया गया।

विधानसभा में पेश होगा अनुपूरक बजट

विधानमंडल के शीत सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को राज्य सरकार दूसरा अनुपूरक बजट लाएगी। बजट का आकार 14 हजार करोड़ रुपये का हो सकता है। सदन में अनुपूरक बजट पेश करने से पहले मंगलवार सुबह इसे कैबिनेट से मंजूरी दिलाई जाएगी। अनुपूरक बजट में मुख्य फोकस नगर विकास की योजनाओं, बुनियादी ढांचे का विकास, महाकुंभ से जुड़ी मूलभूत सुविधाएं, जनता से सीधे जुड़े विभागों के कार्य, औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य और परिवहन रहेगा। इसमें महाकुंभ के दौरान कराए जाने वाले विकास कार्यों के साथ जेवर एयरपोर्ट के लिए धन का आवंटन किया जा सकता है। अनुपूरक बजट सरकार तब पेश करती है जब उसे अपने पहले से स्वीकृत बजट में अतिरिक्त खर्च की आवश्यकता होती है।

बांग्लादेश में हिंदुओं को बचाने के लिए तत्काल कार्रवाई करे सरकार

- लोकसभा में सांसदों ने की मांग

नई दिल्ली। वर्ष 1971 में आज के दिन पाकिस्तान पर भारत की जीत के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे विजय दिवस का उल्लेख करते हुए सोमवार को लोकसभा में अनेक सदस्यों ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया और सरकार से मांग की कि पड़ोसी देश के शासन से बात करनी चाहिए। उन्होंने सरकार से इस बाबत सदन में बयान देने की भी मांग की।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने शून्यकाल में कहा, आज विजय दिवस है। 1971 के युद्ध में शहीद हुए सभी सैनिकों को और देश की जनता को आज के दिन नमन है। उन्होंने कहा कि उस युद्ध के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कठिन से कठिन परिस्थिति में साहस दिखाया और ऐसा नेतृत्व दिखाया जिससे देश की विजय हुई। कांग्रेस सांसद ने उस युद्ध के परिणामस्वरूप बांग्लादेश के निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि आज पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों हिंदुओ और ईसाइयों पर अत्याचार के खिलाफ इस सरकार को आवाज उठानी चाहिए और बांग्लादेश सरकार से बातचीत करनी चाहिए। विजय दिवस प्रत्येक वर्ष 16 दिसंबर को मनाया जाता है। यह 1971 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस व शहीद जवानों के बलिदान को याद करने का दिन है। शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी के निशिकांत दुबे ने कहा कि 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश बना था और उस समय भारतीय सेना तथा तत्कालीन नेतृत्व ने बड़ा योगदान दिया था। उन्होंने कहा कि उस युद्ध में नजरूल इस्लाम और जगजीवन राम जैसे नेताओं के योगदान को इतिहास ने भुला दिया है।

न्यूज डायरी

क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने दिया इस्तीफा

ओटावा। कनाडा की उप प्रधानमंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने सोमवार को पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को संबोधित एक पत्र के जरिए अपना इस्तीफा दिया है। इस पत्र में फ्रीलैंड ने बताया है कि पिछले हफ्ते ट्रूडो ने उन्हें वित्त मंत्री के पद से हटाने की कोशिश की थी और उन्हें मंत्रिमंडल में कोई अन्य भूमिका देने की पेशकश की थी। उन्होंने अपने इस्तीफे में कहा कि मंत्रिमंडल छोड़ना ही एकमात्र ईमानदार और व्यावहारिक रास्ता है।

सपा नहीं उतारेगी उम्मीदवार

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी उम्मीदवार नहीं उतारेगी। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दिल्ली में आप को बिना शर्त समर्थन देने की बात कही है। आम आदमी पार्टी सभी 70 सीटों पर अपने उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एक बार फिर नई दिल्ली से चुनावी मैदान में हैं। दिल्ली की मौजूदा मुख्यमंत्री आतिशी कालकाजी सीट से चुनाव लड़ रही हैं। आम आदमी पार्टी ने मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को उतारा है। ग्रेटर कैलाश से मंत्री सौरभ भारद्वाज प्रत्याशी हैं।

रेस्तरां में मृत मिले 12 भारतीय

जॉर्जिया। जॉर्जिया में भारतीय उच्चायुक्त के अनुसार जॉर्जिया के गुडौरी पर्वतीय रिसॉर्ट के एक रेस्तरां में 12 भारतीय नागरिक मृत पाए गए। इस मामले में देश के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने कहा है कि सभी की कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से मौत हुई है। वहीं जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि प्रारंभिक निरीक्षण में किसी भी तरह की चोट या हिंसा के कोई संकेत नहीं मिले। पुलिस का हवाला देते हुए बताया कि सभी पीड़ित कार्बन मोनोऑक्साइड विषाक्तता से मर गए। त्बिलिसी में भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि सभी 12 पीड़ित भारतीय नागरिक थे। हालांकि, जॉर्जिया के आंतरिक मामलों के मंत्रालय के बयान में कहा गया कि 11 विदेशी थे जबकि एक पीड़ित उसका नागरिक था।

संभल में चार और प्राचीन कुएं मिले

- हिंसाग्रस्त इलाके में खोदाई जारी, प्रशासन कर रहा जांच

संभल। संभल में सोमवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में चार प्राचीन कुएं और मिले हैं। लोगों ने अतिक्रमण कर कुओं का पाट दिया था। पालिका ने कुओं से अतिक्रमण हटवाकर संवारने का काम शुरू कर दिया है। फिलहाल खोदाई करवाई जा रही है। ताकि कुओं को पुराने स्वरूप में लौटाया जा सके।

नगर पालिका के ईओ मणिभूषण तिवारी ने बताया कि एजेंटी तिराहा, खग्गू सराय के अलावा मोहल्ला कोर्टगर्वी और खग्गू सराय की मस्जिद में बंद कुएं मिले हैं। अभी तक खग्गू सराय, आलम सराय, कोटगर्वी, एजेंटी तिराहा, चमन सराय में मिले कुएं की खोदाई और सफाई कराई जा रही है। इन सभी को पालिका की ओर से संवारा जाएगा। कोटगर्वी की एक रात वाली मस्जिद और खग्गू सराय स्थित नियारियों वाली मस्जिद में दो कुएं बंद मिले हैं। इन कुएं को भी कब्जामुक्त कराया जाएगा। ईओ ने बताया कि जो भी कुएं बंद हो गए हैं या कब्जा कर बंद कर दिए गए हैं सभी को मुक्त कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सुरक्षा हित आपस में जुड़े : पीएम मोदी

- भारत और श्रीलंका में रक्षा और ऊर्जा समेत कई समझौतों पर हस्ताक्षर
- दोनों देशों की कनेक्टिविटी पर जोर

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका ने सोमवार को अपनी साझेदारी का विस्तार करने के लिए एक भविष्यवादी दृष्टिकोण अपनाया है। दोनों देशों ने जल्द ही एक रक्षा सहयोग समझौते को पूरा करने का संकल्प लिया, इसी के साथ बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइनों की स्थापना करके ऊर्जा संबंधों को बढ़ाने का फैसला किया। दरअसल, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका इस समय भारत के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी से मुलाकात की। दोनों देश के नेताओं ने मुलाकात के दौरान व्यापक वार्ता की और कई निर्णय लिए। मुलाकात के बाद पीएम मोदी ने कहा कि दोनों पक्षों ने भारत-श्रीलंका आर्थिक साझेदारी के लिए निवेश-आधारित विकास और कनेक्टिविटी पर जोर देने का फैसला किया और यह निर्णय लिया गया कि भौतिक, डिजिटल और ऊर्जा कनेक्टिविटी सहयोग के प्रमुख स्तंभ होंगे। उन्होंने कहा कि बिजली ग्रिड कनेक्टिविटी और बहु-उत्पाद पेट्रोलियम पाइपलाइनों की स्थापना के लिए काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत द्वीप राष्ट्र के बिजली संयंत्रों को तरलीकृत प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करेगा। प्रधानमंत्री ने यह भी घोषणा की कि दोनों देशों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए रामेश्वरम और तलाईमनार के बीच एक नौका सेवा शुरू की जाएगी। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत ने अब तक श्रीलंका को 5 बिलियन अमेरिकी डॉलर की ऋण सहायता और अनुदान सहायता प्रदान की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम श्रीलंका के सभी 25 जिलों में सहयोग कर रहे हैं और हमारी परियोजनाओं का चयन हमेशा हमारे साझेदार देशों की प्राथमिकताओं के आधार पर होता है। भारत ने श्रीलंका को अब तक पांच अरब डॉलर की क्रेडिट लाइन और अनुदान सहायता प्रदान की है। श्रीलंका के सभी 25 जिलों में हमारा सहयोग है और हमारी परियोजनाओं का चयन हमेशा साझेदार देशों की विकास प्राथमिकताओं पर आधारित होता है। अपने विकास सहयोग को आगे बढ़ाते हुए हमने तय किया है कि महो-अनुराधापुरम रेलवे सेक्शन और कांकेसंथुरई पोर्ट के सिग्नलिंग सिस्टम के पुनर्वास के लिए अनुदान सहायता दी जाएगी।

महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर की सुरक्षा के लिए बने दिशा निर्देश : सुप्रीम कोर्ट

- सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को भेजा नोटिस
- देश में महिलाओं के लिए सुरक्षित वातावरण कब तक बनेगा

सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से भी मांगी मदद

सुप्रीम कोर्ट ने इन निर्देशों पर काम करने के लिए अटॉर्नी जनरल की भी मदद मांगी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिका में मांगे गए कुछ निर्देश मुश्किल हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बसों, ट्रेनों, हवाई अड्डों, एयरलाइनों में सार्वजनिक परिवहन में सामाजिक व्यवहार पर एक संहिता जारी करने की अपील चर्चा योग्य है।

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने भारत में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के खिलाफ बढ़ते अपराधों से निपटने और उन्हें सुरक्षित वातावरण देने के लिए विभिन्न उपायों की मांग करने वाली याचिका को रिव्यू करने पर सहमत हो गया है।

कोर्ट ने सोमवार को गृह मंत्रालय सहित केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों से इस पर जवाब मांगा है। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट महिला वकील एसोसिएशन की तरफ से सीनियर वकील महालक्ष्मी पावनी ने दायर की है. मामले की सुनवाई जनवरी 2025 में होगी। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि संयोग से, आज निर्भया सामूहिक बलात्कार की घटना की 12वीं वर्षगांठ भी है। पावनी ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल की दुखद घटना का जिक्र किया। जहां एक डॉक्टर के साथ बलात्कार किया गया और उसकी हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि इस घटना के बाद, यौन हिंसा के लगभग 95 मामले सामने आए लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर जरूरी ध्यान आकर्षित करने में नाकाम रहे। उन्होंने याचिका में कठोर दंडात्मक उपायों की वकालत की है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अखिल भारतीय दिशा-निर्देशों की मांग करने वाली जनहित याचिका में बलात्कार के दोषियों की रासायनिक नसबंदी, पोर्नोग्राफी पर प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और विभिन्न मंत्रालयों को कोई जमानत नहीं देने की मांग पर नोटिस भी भेजा है और चार सप्ताह में जवाब भी मांगा है।

अजीत डोभाल जाएंगे चीन

- विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए कर सकते हैं चीन की यात्रा
- पांच साल बाद होगी खास बैठक

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अगले कुछ सप्ताह में चीन की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान वे व्यापक सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नए संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह वार्ता करीब पांच साल के अंतराल के बाद होगी।

इससे पहले विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की वार्ता दिसंबर 2019 में नई दिल्ली में हुई थी। वार्ता के इस तंत्र को बहाल करने का निर्णय 23 अक्टूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच हुई बैठक में लिया गया था। सूत्रों के अनुसार, एनएसए डोभाल 23वें दौर की एसआर वार्ता में भाग लेने के लिए संभवतः जल्द ही चीन की यात्रा करेंगे। एसआर वार्ता इस महीने के अंत में या जनवरी की शुरुआत में हो सकती है। हालांकि, अभी इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है कि एसआर वार्ता किस जगह पर होगी। भारत और चीन ने पांच दिसंबर को अपनी कूटनीतिक वार्ता में विशेष प्रतिनिधि वार्ता की तैयारी की थी। वार्ता के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल हैं, जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के कारण पिछले पांच साल में कोई विशेष प्रतिनिधि वार्ता नहीं हुई।

आतंकवादियों के हाथों में सीरिया: बशर अल-असद

मॉस्को। सीरिया के अपदस्थ राष्ट्रपति बशर अल-असद ने कहा है कि उनका देश छोड़ने का इरादा नहीं था लेकिन आठ दिसंबर को रूसी वायुसेना अड्डे पर ड्रोन हमले के बाद ऐसी स्थितियां बनीं कि उन्हें रूस के लिए रवाना होना पड़ा। दमिश्क पर इस्लामिक संगठन के कब्जे और असद के सीरिया छोड़ने के बाद आठ दिसंबर की स्थितियों पर पहली बार उनका बयान आया है।

रूस में शरण लिए असद ने फेसबुक पोस्ट में कहा है कि वह सात दिसंबर की रात तटवर्ती लताकिया प्रांत में स्थित रूसी वायुसेना अड्डे पर लड़ाई की योजना बनाने के लिए गए थे। लेकिन उसी समय रूसी अड्डे पर कई ड्रोन से हमला हो गया। इसी के बाद उन्हें देश छोड़ने की सलाह दी गई और वह वहीं से मास्को के लिए रवाना हो गए। असद ने उन चर्चाओं को खारिज किया है जिनमें कहा गया है कि उन्होंने योजनाबद्ध तरीके से सीरिया छोड़ा था। उन्होंने कहा, उनकी पद छोड़ने या किसी देश में शरण लेने या किसी को ऐसा कोई प्रस्ताव भेजने की कोई योजना नहीं थी। वह आतंकियों के खिलाफ लड़ाई लड़ना चाहते थे लेकिन अचानक स्थितियां बदल गई और उन्हें देश छोड़ना पड़ा। सीरिया में पिछले हफ्ते विद्रोहियों द्वारा राष्ट्रपति बशर अल-असद को उखाड़ फेंकने के बाद कमजोर सीरियाई लोगों की मदद के लिए ब्रिटेन ने रविवार को 50 मिलियन पाउंड के आर्थिक सहायता पैकेज की घोषणा की है।

सीरिया पर विद्रोहियों का कब्जा

विगत 08 दिसंबर को सीरिया के विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने 11 दिन की लड़ाई में देश पर कब्जा कर लिया था। वहीं, विद्रोहियों ने 5 दशक पुरानी असद परिवार की सत्ता को उखाड़ फेंका था। खुद राष्ट्रपति बशर-अल- असद देश छोड़कर चले गए थे। जानकारी दें कि सीरिया में साल 2011 से ही असद और एचटीएस के बीच गृह युद्ध होते आ रहा है। हालांकि, असद रूस और ईरान की मदद से विद्रोहियों को खदेड़ने में सफल होते रहे हैं, लेकिन इस बार वह मात खा गए और विद्रोहियों ने दमिश्क पर कब्जा कर लिया।

भाजपा ने लोकसभा सांसदों के लिए जारी किया व्हिप

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी लोकसभा सदस्यों के लिए तीन-लाइन व्हिप जारी किया, जिसमें उनसे भारत के संविधान पर निर्धारित बहस के दौरान 17 दिसंबर को उच्च सदन में उपस्थित रहने का आग्रह किया गया। उम्मीद है कि कल एक देश एक चुनाव बिल पेश हो सकता है। वन नेशन वन इलेक्शन बिल के पास होने पर पूरे देश में एक साथ ही लोकसभा और विधान सभाओं के चुनाव कराए जाएंगे। बहरहाल अभी उस बिल को कार्यसूची में शामिल नहीं किया गया है। इससे पहले भाजपा ने 13 दिबंसबर को संविधान अंगीकरण वर्षगांठ पर चर्चा के लिए 16-17 दिसंबर को राज्यसभा में उपस्थित रहने के लिए सांसदों को 3-लाइन व्हिप जारी किया था। बहस के बारे में बोलते हुए, बीजेपी आरएस सांसद दिनेश शर्मा ने कहा भारतीय संविधान बहुत मजबूत और मजबूत है। अगर इसका अक्षरशः पालन किया गया होता, तो आज मौजूद सांप्रदायिकता, अलगाववाद, जातिवाद की भावनाएं नहीं पनपतीं कांग्रेस संविधान में इतने सारे बदलाव किए।

सभी को रहना होगा मौजूद

कृष्णा को सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार प्राप्तकर्ता के रूप में नहीं मिलेगी मान्यता

सुप्रीम कोर्ट का आदेश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि अंतरिम उपाय के तौर पर कर्नाटिक गायक टी.एम.कृष्णा को एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में मान्यता न दी जाए। जस्टिस ऋषिकेश रॉय और जस्टिस एस.वी. एन.भट्टी की बेंच ने यह आदेश सुब्बुलक्ष्मी के पोते वी. श्रीनिवासन की उस याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि कृष्णा ने दिवंगत गायिका के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं।

बेंच ने कहा, संगीत प्रेमियों के बीच एम. एस. सुब्बुलक्ष्मी की जो प्रतिष्ठा है, उस पर कोर्ट ध्यान दे रहा है। वह एक महान गायिका थीं और दिसंबर 2004 में उनका निधन होने के बावजूद उनकी मधुर आवाज आज भी उनके प्रशंसकों में उत्साह भर देती है। शीर्ष कोर्ट ने कहा, पुरस्कार पहले ही दिए जा चुके हैं, इसलिए हम एक अंतरिम उपाय के रूप में यह कहते हैं कि टी.एम. कृष्णा को एम.एस. सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार का प्राप्तकर्ता के रूप में मान्यता न दी जाए। दरअसल, श्रीनिवासन की ओर से दायर मुकदमे पर आदेश पारित करते हुए मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जी.जयचंद्रन ने 19 नवंबर को कर्नाटक संगीत गायक कृष्णा को एम एस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार दिए जाने पर रोक लगाई थी। बाद में मद्रास हाई कोर्ट ने 13 दिसंबर को कृष्णा को एम एस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार देने पर लगी रोक को खारिज कर दिया। जस्टिस एस एस सुंदर और जस्टिस पी धनबल ने 19 नवंबर, 2024 के आदेश को चुनौती देने वाली अपील को स्वीकार करते हुए यह आदेश पारित किया था।

कृषि ड्रोन से किसानों की बढ़ेगी दक्षता और पैदावार, लागत में आएगी कमीः सीडीओ

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। ड्रोन तकनीकी से किसानों को जोड़कर उनकी दक्षता, पैदावार बढ़ाने और लागत में कमी लाने के उद्देश्य से सोमवार को सीडीओ अभिषेक कुमार ने कलेक्ट्रेट में ÷नमो ड्रोन दीदी योजना÷ की क्रियान्वयन हेतु अफसरों की बैठक ली रणनीति बनाकर काम करने, कृषि क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान बनाने के निर्देश दिए। बैठक का संचालन डीडी कृषि अरविंद मोहन मिश्रा ने किया बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीडीओ अभिषेक कुमार ने कहा कि कृषि ड्रोन खेती के आधुनिक उपकरणों में से एक है, जिसके इस्तेमाल से किसानों को काफी मदद मिल सकती है। ड्रोन से बड़े क्षेत्रफल में महज कुछ मिनटों में नैनो उर्वरक,कीटनाशक या दवाओं का छिड़काव किया जा सकता है। इससे न सिर्फ लागत में कमी आएगी, बल्कि समय की बचत भी होगी। सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि सही समय पर खेतों में पोषक तत्व एवं कीट प्रबंधन किया जा सकेगा। सरकार कृषि क्षेत्र में तकनीक के उपयोग को बढ़ावा दे रही है, ताकि बेहतर उपज के साथ-साथ किसानों की आय में भी वृद्धि हो। कृषि में इस नवीनतम प्रयोग से किसानों की दक्षता और पैदावार बढ़ेगी। लागत में कमी आएगी सीडीओ ने डीसीओ वेद प्रकाश सिंह को निर्देशित किया कि व्यापक स्तर पर जिले के गन्ना किसानों को इस तकनीक के फायदे बताकर इस तकनीकी से किसानों को जोड़े और उन्हें समृद्ध बनाएं। इसमें जिले की चीनी मिलों को लक्ष्य देकर उनका अपेक्षित सहयोग प्राप्त करें। इफको के फील्ड ऑफिसर को निर्देशित किया कि कृषि ड्रोन तकनीकी का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराए। डीसी एनआरएलएम को समूह की महिलाओं को इससे जोड़कर उनके जीवन को समृद्ध और खुशहाल बनाएं डीडी कृषि ने कहा कि ड्रोन तकनीक से नैनो उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है, जिससे पारंपरिक कृषि पद्धतियों में बदलाव आता है। उन्नत जीपीएस और सेंसर तकनीक से लैस, ड्रोन को खेतों में सटीक उड़ान पथों का पालन करने, समान और लक्षित अनुप्रयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रोग्राम किया जा सकता है ।

विधायक होते हुए मुझे ही न्याय नहीं मिला तो विधानसभा में जाकर जनता को क्या न्याय दिला पाउंगाः योगेश वर्मा

लखीमपुर खीरी। भाजपा विधायक योगेश वर्मा को दो महीने बाद भी थप्पड़ का दर्द है। सोमवार को लखनऊ में मौजूद रहने के बाद भी विधानसभा के सत्र में शामिल होने नहीं गए। कहा कि जब विधायक होते हुए मुझे ही न्याय नहीं मिला तो विधानसभा में जाकर जनता को क्या न्याय दिला पाउंगा विधानसभा में साथियों को क्या मुंह दिखाउंगा। इसलिए ही विधानसभा में जाने की हिम्मत नहीं हो रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी कार्रवाई का आश्वासन दिया था लेकिन दो महीने बाद भी कुछ नहीं हुआ विधायक योगेश वर्मा के साथ 9 अक्टूबर को थप्पड़ मारने की घटना हुई थी। लखीमपुर में अर्बन कोऑपरेटिव बैंक के चुनाव के नामांकन के दौरान जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अवधेश सिंह ने पुलिस के सामने ही विधायक की पिटाई कर दी थी। उन्हें कई थप्पड़ जड़ दिए थे। अवधेश सिंह के सहयोगियों ने भी विधायक की पिटाई कर दी थी। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था।

खीरी पहुंचे नपाप पलिया अध्यक्ष उपचुनाव के प्रेक्षक

लखीमपुर खीरी। नगरीय निकाय उपनिर्वाचन 2024 सकुशल, शान्तिपूर्ण, निर्विघ्न सम्पन्न कराये जाने हेतु आयुक्त, लखनऊ मण्डल, लखनऊ द्वारा नियुक्त प्रेक्षक सिद्धार्थ, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन), रायबरेली का जनपद में आगमन 16 दिसंबर को हो गया है।

उक्त आशय की जानकारी उप जिला निर्वाचन अधिकारी (नगरीय निकाय) संजय कुमार सिंह ने दी उन्होंने बताया कि प्रेक्षक का प्रवास बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल, गेस्ट हाउस, मिल कालोनी, पलिया में है प्रेक्षक से मोबाइल नं0-7317619200 पर सम्पर्क किया जा सकता है। प्रेक्षक पूर्वान्ह 11 बजे से 12 बजे के मध्य अपने प्रवास स्थल बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल, गेस्ट हाउस, मिल कालोनी, पलियाकलां में मिलेंगे।

ऑनलाइन बुकिंग कर जंगल सफारी का आनंद उठा सकते दुधवा में क्रिसमस और नववर्ष मनाने आने वाले सैलानी

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर-खीरी। क्रिसमस और नए साल के जश्न के लिए दुधवा नेशनल पार्क में सैलानियों ने कुछ हटों की ऑनलाइन बुकिंग अभी से करा ली है। बीते वर्षों की बात करें तो दुधवा नेशनल पार्क में दूर-दराज से सैलानी क्रिसमस और नए साल का जश्न मनाने के लिए आते रहे हैं। इसी बीच सर्दी की छुट्टियां भी होती हैं। ऐसे में दिसंबर के आखिरी सप्ताह से जनवरी के शुरुआती 15 दिनों तक पार्क के सभी हट बुक हो जाते हैं और यहां अन्य आने वाले सैलानियों को बाहर होटलों का सहारा लेना पड़ता है। इस बार भी कुछ हटों की बुकिंग हो चुकी है दुधवा पार्क सूत्रों के अनुसार आगे जिस हिसाब से बुकिंग होती रहेंगी, उसी आधार पर दुधवा में थारू हटों की उपलब्धता रहेगी। ऐसे में दुधवा में नववर्ष मनाने आने वाले सैलानियों के लिए यह बढ़िया अवसर है और वह ऑनलाइन बुकिंग कर जंगल सफारी का आनंद उठा सकते हैं। दुधवा के थारू हटों और जंगल सफारी की ऑनलाइन बुकिंग यूपी ईको टूरिज्म की वेबसाइट https://upecotourism.iठ पर जाकर कर सकते हैं क्रिसमस और नए साल में दुधवा के थारू हटों और डॉरमेट्री की बुकिंग हो जाने के बाद पलिया के होटलों में भी हर साल सैलानियों की भीड़ लगती है। ऐसे में पलिया के होटल मालिकों ने भी इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि अभी नया साल दूर है, ऐसे में धीरे-धीरे व्यवस्थाओं को ठीक करने का कार्य किया जा रहा है दुधवा नेशनल पार्क का जंगल भ्रमण करने आने वाले सैलानियों के लिए पार्क प्रशासन ने इस बार नए साल पर तैयारियां की हैं। पार्क की तरफ से सैलानियों को बाघों की साइटिंग के प्रति आकर्षित किया जाएगा और साइटिंग के लिए मशहूर क्षेत्रों के बारे में बताया जाएगा। ताकि सैलानी दुधवा के प्रति आकर्षित हों और स्वच्छंद विचरण करते हुए बाघों को करीब से देख सकें। हालांकि प्रतिबंधित क्षेत्रों में न जाने के निर्देश भी जिप्सी चालकों व गाइडों को दिए गए हैं दुधवा में स्वच्छंद विचरण करने वाले बाघों के दीदार शुरुआत से ही सैलानियों को होने लगे थे। ऐसे में बाघों को करीब से देखने के लिए भी लोग दुधवा के प्रति आकर्षित होंगे। वहीं विदेशों से सर्दी के मौसम में आने वाले प्रवासी परिंदे भी दुधवा के प्रति लोगों का आकर्षण बढ़ाएंगे। प्रकृति प्रेमी, कैमरामैन व पक्षियों के प्रति लगाव और उनकी प्रजातियों के बारे में जानने के उत्सुक लोगों का भी नए साल में दुधवा पहुंचने के आसार लगाए जा रहे हैं दुधवा नेशनल पार्क के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रंगाराजू टी. ने बताया कि नया साल और क्रिसमस आ रहा है। ऐसे में सैलानियों को बढ़िया व्यवस्थाएं मुहैया कराई जाएंगी। अधीनस्थों को निर्देश दिया जा चुका है कि क्रिसमस और नए साल में आने वाले सैलानियों को जानकारियां दें लखनऊ से सड़क मार्ग सीतापुर, लखीमपुर, पलिया होते हुए दुधवा जाया जा सकता है। शाहजहांपुर से खुटार, मैलानी, पलिया होते हुए सैलानी दुधवा पार्क तक पहुंच सकते हैं। हवाई यात्रा की बात करें तो यहां से सबसे नजदीक एयरपोर्ट लखनऊ है, जो कि पार्क से 238 किलोमीटर की दूरी पर है लखनऊ फ्लाइट से आकर वहां से निजी वाहनों से दुधवा पार्क पहुंचा जा सकता है।

जनपद में 22 दिसम्बर को 26 केन्द्रों पर दो पालियों में होगी परीक्षा

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने कहा कि सभी सैक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केन्द्र व्यवस्थापक, केन्द्र पर्यवेक्षक निर्धारित प्रक्रियानुसार उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस परीक्षा को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए लगन, सजगता, आत्मानुशासन एवं समयबद्धता से सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी मनीष बंसल कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में पीसीएस परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा को पूर्व परीक्षाओं की भांति पूरी पारदर्शिता के साथ नकलविहीन संपन्न करायी जाये। इसकी संवेदनशीलता, शुचिता एवं पारदर्शिता किसी भी स्तर पर भंग न हो, यदि कोई भंग करने का प्रयास करेगा तो उसके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी।

मनीष बंसल ने कहा कि समस्त परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित कर ली जाए। जनपद में काफी संख्या में अभ्यर्थियों का मूवमेंट होगा। किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसलिये अधिकारी 20 दिसम्बर तक सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। उन्होंने परीक्षा में महिला अभ्यर्थियों के शामिल होने के दृष्टिगत सुरक्षा के लिये विशेष प्रबंध किये जाने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि अभ्यर्थियों के साथ मधुर व्यवहार किया जाए एवं उनके बैग इत्यादि रखवाने की उचित व्यवस्था की जाए। उन्होने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि सभी परीक्षा केन्द्रों पर चिकित्सक की तैनाती करने के साथ ही आपात स्थिति के लिए एक नम्बर जारी किया जाए।

घर पर नेबुलाइजर के इस्तेमाल में सावधानी जरूरीः विशेषज्ञ

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। इंडियन एकेडमी ऑफपीडियाट्रिक्स के तत्वावधान में आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बच्चों में सांस की बीमारियों के बेहतर उपचार की जानकारी दी। दिल्ली रोड स्थित एक सभागार में आयोजित कार्यशाला का शुभारंभ महापौर डॉ.अजय कुमार सिंह, मुख्यचिकित्सा अधिकारी डॉ.प्रवीण कुमार, आईएपी प्रेसीडेंट डॉ.रविकांत निरंकारी एवं आईएमए अध्यक्ष डॉ.नरेश नौसरान ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए आईएपी अध्यक्ष डॉ.रविकांत निरंकारी ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में सांस की बीमारियाँ बढ़ रही है और सभी लोग आजकल घर पर बिना चिकित्सक की सलाह के नेबुलाइजर का इस्तेमाल कर रहे है, जो कि गलत है। उन्होंने कहा कि बिना विशेषज्ञ डॉक्टर से चेकअप करवाये और दवाओं की सही जानकारी के बिना बच्चों को इस तरह खुद घर पर इलाज करने से नुकसान हो सकता है। मेरठ के पल्मनोलॉजिस्ट डॉ.आयुष जैन ने नेबूलाइजेशन में इस्तेमाल होने वाली मशीनों के बारे में विस्तार से जानकारी दी एवं उनके उपयोग और उनके कार्य करने के तरीके पर व्याख्यान दिया। मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभागध्यक्ष डॉ.प्रमोद यादव ने बताया कि बच्चों को भांप की दवाई लगाने का सही तरीका बताया। उन्होंने बताया कि भांप की दवाई में पानी नही मिलाना चाहिए, इससे केवल सेलाइन ही मिक्स किया जा सकता है। मेडिकल कॉलेज की डॉ.पूजा शर्मा ने हाइपरटोनिक सलाइन के इस्तेमाल की जानकारी दी। मैक्स हॉस्पिटल नई दिल्ली के पीडियाट्रिक पल्मनोलॉजिस्ट डॉ.दीपक कुमार ने बच्चों में सांस की बीमारी में इस्तेमाल होने वाली कॉर्टिकोस्टेरॉइड की सही खुराक की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि घर पर एमडीआई से भांप एक दिन में दो से तीन बार ही बच्चों में इस्तेमाल करनी चाहिए। कार्यशाला को डॉ.महेश गोयल व डॉ.अभिलाषा स्मिथ ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.उपासना ने किया। कार्यक्रम में डॉ.रिक्की चौधरी, डॉ.डी के तिवारी, डॉ.मनदीप सिंह, डॉ.विक्रम सिंह पुंडीर, डॉ.अरशद खान, डॉ.दीपक बंसल, डॉ.स्वर्णजीत सिंह, डॉ.डीके गुप्ता, डॉ.पुनीत खुराना, डॉ.राजेश शर्मा, डॉ.राजेश गुप्ता, डॉ.वरुण पालीवाल, डॉ.हिमांशु कुमार, डॉ.राज खन्ना, डॉ.सफल कुमार, डॉ.जी बी लाल, डॉ.हिमांशु, डॉ.आरएस पंवार, डॉ.सीएस चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी । थाना मैलानी पुलिस द्वारा मु0अ0सं0 380/24 धारा 118(1)/352/351(2)/109/333 भादवि में वांछित अभियुक्त कूका उर्फ गुरुप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त का चालान न्यायालय भेजा जा रहा है।

नमन पाण्डेय होंगे नए डिप्टी आरएमओ

लखीमपुर खीरी। धीमी धान खरीद के मामले में डिप्टी आरएमओ संतोष पटेल हटाए गए नए डिप्टी आरएमओ होंगे नमन पाण्डेय धान खरीद को लेकर आए दिन मिल रहीं थी अनियमितताएं।

स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए नगर निगम ने कमर कसी

सहारनपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण के लिए नगर निगम ने कमर कसनी शुरु कर दी है। आज नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. ए एस मलिक ने स्वच्छता व डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन, एमआरएफ सेंटरों तथा सार्वजनिक शौचालयों और सामुदायिक शौचालयों के रखरखाव को लेकर स्वास्थय विभाग के अधिकारियों एवं निगम से जुड़े एनजीओ को निर्देश दिए। नगरायुक्त संजय चौहान के निर्देश पर नगर स्वास्थय अधिकारी डॉ. ए एस मलिक ने स्वास्थय अधिकारियों के साथ बैठक की। नगर स्वास्थय अधिकारी का पदभार संभालने के बाद डॉ. मलिक की यह पहली बैठक थी। उन्होंने मुख्य सफाई निरीक्षकों, सफाई निरीक्षकों एवं आईटीसी मिशन सुनहरा कल उमंग, फोर्स व स्पेस सोसायटी के संचालकों से कहा कि अगले महीने से स्वच्छ सर्वेक्षण की प्रक्रिया शुरु हो जायेगी। सहारनपुर को नंबर वन लाने के लिए जरुरी है कि हम अभी से तैयारियों को अंतिम रुप देना शुरु कर दें। उन्होंने डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को विस्तार देते हुए लोगों को जागरुक करने तथा घरों से लिये जाने वाले कूड़े को गीला-सूखा अलग-अलग लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि घरों से निकलने वाला 70 प्रतिशत कचरा गीला होता है। जिसका उपयोग जैविक खाद बनाने में किया जा सकता है।

चोरी की बाईक समेत शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

सहारनपुर। थाना देहात कोतवाली पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को दबोचकर उसके कब्जे से चोरी की बाईक बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया। थाना देहात कोतवाली प्रभारी चन्द्रसैन सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 25 अक्टूबर को वादी संजय सिंह पुत्र भरत सिह ग्राम हलालपुर थाना कोतवाली देहात की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ उत्तम विहार कॉलोनी से वादी की बाईक चोरी कर ले जाने के संबंध में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। उन्होने बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक आकाश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर एक शातिर वाहन चोर अनिकेत उर्फ अंकित पुत्र शिव कुमार कश्यप निवासी ग्राम चकहरेटी थाना जनकपुरी को दबोचकर उसके कब्जे से चोरी की बाईक बरामद कर ली। पुलिस ने आरोपी का चालान काटकर जेल भेज दिया।

अवैध शस्त्र समेत चार शातिर बदमाश चढ़े पुलिस के हत्थे

सहारनपुर। थाना कुतुबशेर पुलिस ने चार शातिर बदमाशों को दबोचकर उनके कब्जे से नाजायज देशी पिस्टल, देशी तमंचा 315 बोर बरामद कर लिया। पुलिस ने दबोचे गये आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया। थाना कुतुबशेर प्रभारी एचएन सिंह ने बताया कि उनके व उपनिरीक्षक आशीष कुमार, अशोक कुमार के नेतृत्व मे पुलिस टीम ने चैकिंग के दौरान मानकमऊ नहर मार्ग से चार शातिर बदमाशों समद पुत्र जुल्फान, आरिफ पुत्र अनीस, आवेश पुत्र मंसूर निवासीगण ग्राम ठोकरपुर थाना गागलहेड़ी व शोएब पुत्र मुफीद अहमद निवासी खाताखेड़ी फरमान बस्ती थाना मण्डी को गिरफ्तार कर लिया।

आगरा में चल रहा था कोख में कत्ल का काला कारोबार, आगरा में 11 हॉस्पिटल पर एफआईआर, झोलाछाप कराते थे डिलीवरी और गर्भपात

अवधनामा संवाददाता

आगरा। शहर और देहात में झोलाझाप क्लीनिक खोलकर लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं यह कोई नई बात नहीं हैं. वही अब जाकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग 2 माह से झोलाझापों की धर-पकड़ के लिए अभियान चला रहा है. बिना डिग्री व लाइसेंस के प्रसव और गर्भपात कराने वाले कई झोलाछाप पकड़े जा चुके हैं. टीम ने मौके से दवाएं और उपकरण भी जब्त किए. नोटिस दिए गए. जो झोलाझाप अपने चिकित्सक होने का कोई प्रमाण नहीं दे पाए, उनके खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने तहरीर दी. जिले में ऐसे ही 11 झोलाछापों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है. सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में करीब दो माह में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापे मारे. शहर और देहात में 20 से अधिक झोलाछाप और उनके अवैध अस्पताल-क्लीनिक संचालित होते पकड़े गए. स्वास्थ्य विभाग की टीम को इन क्लीनिक पर गर्भपात-प्रसव कराने के उपकरण और दवाएं भी मिली थीं. सभी जब्त किए गए. वहां पर सील लगाई गई थी. सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव ने बताया कि छापामार कार्रवाई के बाद सभी को नोटिए दिए गए.।

11 क्लीनिक और अस्पतालों बिना चिकित्सकीय डिग्री के चल रहे थे. क्लीनिक व अस्पताल का लाइसेंस भी नहीं था. एनओसी का प्रमाण नहीं भी नहीं लिया गया था. इसके बाद इन 11 झोलाझाप के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए पुलिस कमिश्नर और संबंधित थानों में तहरीर दी गई. इन पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. इसकी रिपोर्ट शासन को भी भेजी गई है. बाकी के भी रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराने पर एफआईआर कराई जाएगी. इनके खिलाफ दर्ज हुआ मुकदमा कसाव पॉली क्लीनिक किरावली, गणपति हॉस्पिटल शमसाबाद, प्रीति हॉस्पिटल जगनेर, न्यू राधिका हॉस्पिटल शमसाबाद, जीएस पैथोलॉजी लैब शमसाबाद, शन्नो क्लीनिक अछनेरा, राकेश क्लीनिक किरावली, स्नेहलता क्लीनिक ताजगंज, ज्योति हॉस्पिटल बाह, संगीता जादौन क्लीनिक पिनाहट, अमिता मसीह क्लीनिक शाहगंज. रिकॉर्ड नहीं मिलने पर इन पर भी होगी कार्रवाई सीएमओ ने बताया कि छापामार कार्रवाई में ट्रांस यमुना कॉलोनी स्थित जेपी हॉस्पिटल, महादेव हॉस्पिटल, लोकहितम हॉस्पिटल, शिवशक्ति हॉस्पिटल, आकाश हॉस्पिटल, ग्लोबल हॉस्पिटल, कमला नगर स्थित ओम अशोका हॉस्पिटल, भाटिया क्रिटिकल केयर यूनिट, हृदयम हॉस्पिटल में छापे के दौरान चिकित्सक नहीं मिले थे. ट्रांस यमुना कॉलोनी स्थित सूर्य उदय हॉस्पिटल में डॉक्टर नहीं थे. अवैध मेडिकल स्टोर मिला था. लाइसेंस का नवीनीकरण भी नहीं कराया गया था. इनको नोटिस देकर चिकित्सक-पैरामेडिकल स्टाफ की चिकित्सकीय डिग्री, लाइसेंस, विभिन्न विभाग से एनओसी मांगी. अभी तक इन चिकित्सा संस्थान से कोई डिटेल्स नहीं मिली है।

इसके चलते इन पर कार्रवाई की तैयारी चल रही है. बता दें कि आगरा में बीते दो माह तक चले अभियान में शहर और देहात में झोलाछाप सर्दी, खांसी, जुकाम, बुखार, डेंगू, मलेरिया के साथ ही अन्य मर्ज के मरीजों का इलाज करते मिले. महिला झोलाछाप तो घर पर प्रसव कराती मिली थी. छापामार कार्रवाई में झोलाछाप मौके से धरे गए. मगर, उन्हें गिरफ्तार नहीं किया. अपंजीकृत हॉस्पिटल और क्लीनिक खेल के प्रभारी डॉ. जितेंद्र लवानिया ने बताया कि छापे के दौरान झोलाछाप के मिलने पर उसे पुलिस को सौंप दिया जाता है. इसके बाद नोटिस और तहरीर भी दी गई थी।

बायोमेट्रिक अटेंडेंस के खिलाफ आयुष चिकित्सकों ने किया प्रदर्शन

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। जनपद के आयुष चिकित्सकों ने बायोमेट्रिक अटेंडेंस ऐप को आधार से लिंक किए जाने के विरोध में काली पट्टी बांध कर मरीजों का उपचार किया तथा आयुष विभाग के प्रमुख सचिव को संबोधित ज्ञापन क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी चिकित्साधिकारी को सौंपकर समस्या का समाधान कराने की मांग की। गौरतलब है कि शासन द्वारा आयुष चिकित्सकों के अटेंडेंस ऐप को आधार से लिंक कर ऑनलाइन अटेंडेंस के निर्देश जारी किए गए थे। जिसके विरोध में आज चिकित्सकों ने अपनी बांहों पर काली पट्टी बांध कर मरीजों का उपचार किया। आयुष चिकित्सकों का कहना है कि चिकित्सालयों में संसाधनों की भारी कमी होने के बावजूद चिकित्सक पूरी ईमानदारी के साथ कार्य कर रहे है। कई चिकित्सालयों में फार्मासिस्ट, स्टाफ नर्स, और स्वीपर के रिक्त पदों पर भर्ती ना होने के कारण चिकित्सक परामर्श से लेकर दवा वितरण, अस्पताल खोलने, पोर्टल पर मरीज एवं दवाई को लिखने का सभी कार्य अकेले कर रहे है।

बूथ अध्यक्षों को इंडियन इलेक्ट्रॉनिक धर्मकांटा पर प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

बरेलीः मीरगंज भाजपा विधानसभा प्रभारी भगवान सिंह गंगवार ने रविवार को दियोरिया अब्दुल्लागंज क्षेत्र का दौरा किया। अपने दौरे के क्रम में भाजपा नेताओं ने बूथ अध्यक्षों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। उन्होंने सहकारी साधन समिति के उपसभापति शाहनवाज के इंडियन इलेक्ट्रॉनिक धर्मकांटा पर बूथ अध्यक्ष, संयोजक, सह संयोजकों के साथ बैठक की। विधानसभा 119 मीरगंज मंडल मीरगंज के शक्ति केंद्र नंदगांव के अंतर्गत गांव दियोरिया, लाभेड़ा दुर्गाप्रसाद, सलामतगंज, शीशमखेड़ा, अब्दुल्लागंज, नंदगांव के बूथ अध्यक्षों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर तथा उन्हें पटुका पहनकर अभिनंदन किया द्य जिसमें बूथ अध्यक्ष दियोरिया शाहनवाज, उमेश मौर्य, राजपाल गंगवार, गुलाब सिंह, रामचंद्र, नबी अहमद आदि बूथ अध्यक्ष को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कहा की सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के साथ हम सभी मिलकर ही आने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा को भारी मतो से जीत दर्ज करेंगे। इस दौरान पूर्व प्रधान अनवार खां, सतीश गंगवार पूर्व प्रधान भैरपुर, एडवोकेट मोहित शर्मा, चम्मू खा, अब्दुल रहमान खा आदि लोग उपस्थित रहे।

ट्रक व बाईक की भिड़न्त में महिला की मौत, पति गंभीर

सहारनपुर। कोतवाली व कस्बा नकुड़ में अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने बाईक को अपनी चपेट में ले लिया, जिसके चलते बाईक पर सवार महिला की मौके पर दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा तथा ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया। मिली जानकारी के अनुसार नकुड़ कोतवाली क्षेत्रान्तर्गत गांव घाटमपुर निवासी 50 वर्षीय महिला सुदेश अपने पति अमर सिंह के साथ बाईक पर सवार होकर जा रही थी। बताया जाता है कि वह नकुड़ बस स्टैण्ड पर पहुंचे, तभी अनियंत्रित गति से आ रहे ट्रक ने उनकी बाईक में टक्कर मार दी, जिससे महिला सुदेश की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि उसका पति गंभीर रूप से घायल हो गया।

आगरा में एक ढाबे पर खाना खाते-खाते एक आढ़ती की मौत

अवधनामा संवाददाता

आगरा। आगरा के सिकंदरा में एक ढाबे पर खाना खाते हुए व्यक्ति की अचानक मौत हो गई. इस घटना के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई. यह व्यक्ति ढाबे में सामान्य अवस्था में खाना खाने पहुंचा था. खाना खाते हुए वह अचानक कुर्सी से लुढ़क गया और फिर शरीर में कोई हरकत नहीं हुई. यह मामला आगरा के भगवती ढाबे का है, जहां 50 वर्षीय आढ़ती संजय खाना खाने पहुंचे थे. ढाबे पर पहुंचने के बाद संजय ने खाने का ऑर्डर दिया और फिर सामान्य अवस्था में कुर्सी पर बैठ गए. आढ़ती संजय के ऑर्डर का खाना भी आ गया और उन्होंने खाना भी शुरू कर दिया. बताया जा रहा है कि आढ़ती संजय ने सिर्फ आधी रोटी ही खाई थी, तभी अचानक उनकी तबियत खराब होने लगी और वह कुर्सी पर ही बैठे रह गए. इसी दौरान ढाबे के कर्मचारी ने देखा कि खाना खाते हुए संजय अचानक कुर्सी पर ही लुढ़क गए है तो उसने इसकी सूचना फौरन ढाबे के मालिक को दी. इस घटना के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए. लोगों ने देखा तो आढ़ती संजय के शरीर में कोई भी हरकत नहीं हो रही थी. इसके बाद किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी. सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संजय को एंबुलेंस से आनन फानन में अस्पताल पहुंचाया. जहां डॉक्टरों ने चिकित्सकीय परीक्षण के बाद संजय को मृत घोषित कर दिया. आशंका जताई जा रही है कि संजय कि मौत हार्ट अटैक से हुई है. हालांकि अभी मृतक के मौत वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है. पहले तो ढाबा कर्मचारी को लगा कि थकान की वजह से ऐसी हालत हुई है, लेकिन जब कर्मचारी ने रोटी के लिए पूछा तो कोई जबाव नहीं आया. जिसके बाद ढाबे पर अफरा तफरी का मच गई. मृतक संजय के बारे में बताया जा रहा है कि उनका आढ़ती का काम है. उन्हें शारीरिक रुप से कोई परेशानी नहीं थी, हालांकि अचानक हुई मौत ने चिकित्सकों को भी अचंभित कर दिया है. मौत के लिए हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है, इसकी वजह ये है कि जब उनको डॉक्टर के पास ले जाया गया तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित किया था. सूचना मिलते ही मृतक संजय के परिजन भी पहुंच गए हैं. परिजनों के मुताबिक, संजय को कोई शारीरिक परेशानी नहीं थी।

एयर इंडेक्स में सुधार के लिए निगम ने की सड़कों की धुलाई

सहारनपुर। सहारनपुर का एयर इंडेक्स में और सुधार व उसे नियंत्रित रखने के लिए नगर निगम ने मुख्य चौराहों, सड़कों एवं डिवाइडरों की विशेष साफ-सफाई के साथ धुलाई का भी अभियान शुरु किया है। नगरायुक्त संजय चौहान के निर्देश और अपर नगरायुक्त मृत्युंजय के दिशा निर्देशन में नगर निगम ने मुख्य चौराहों, सड़कों एवं डिवाइडरों की विशेष साफ-सफाई के साथ धुलाई का भी अभियान शुरु किया है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सेवा व सुविधा का संगम बनेगा खिचड़ी मेला

अवधनामा संवाददाता

- मकर संक्रांति से गोरखनाथ मंदिर में महीने भर लगने वाले मेले की तैयारियां जोरों पर
- मुख्यमंत्री योगी कर चुके हैं व्यवस्थाओं की समीक्षा

गोरखपुर। मकर संक्रांति के पर्व से शुरू होकर एक माह से अधिक समय तक चलने वाला गोरखनाथ मंदिर का विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेला श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सेवा और सुविधा का संगम बनेगा। इसे लेकर प्रशासन के कई विभागों की तैयारियां जोरों पर हैं। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ खिचड़ी मेले की जारी तैयारियों की समीक्षा कर चुके हैं। इस बार मकर संक्रांति 14 जनवरी 2025 को मनाई जाएगी। इस अवसर पर लगने वाले खिचड़ी मेले को लेकर गोरखनाथ मंदिर का मेला परिसर सजने-संवरने लगा है।

खिचड़ी मेले में पूर्वी उत्तर प्रदेश के अलावा, बिहार और नेपाल से भी श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ता है। इसे देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खिचड़ी मेले में श्रद्धालुओं के आने-जाने से लेकर मंदिर परिसर में उनकी सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, ठंड से बचाव या फिर आकस्मिक जरूरत में चिकित्सा तक, हर दृष्टिकोण से जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। विगत दिनों हुए समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा था कि खिचड़ी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सेवा और सुविधा विशेष प्राथमिकता होनी चाहिए। खिचड़ी मेले में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए सर्वाधिक जिम्मेदारी नगर निगम की तरफ से उठाई जाएगी। नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल के मुताबिक खिचड़ी मेले के दौरान समूचे परिसर की समुचित सफाई के लिए नगर निगम दो महीने तक 40 सफाईकर्मियों की तैनाती करेगा। इसके साथ ही 5 मोबाइल शौचालय बनाए जा रहे हैं। परिसर को मच्छर व अन्य कीड़ों से मुक्त रखने के लिए प्रतिदिन दवा का छिड़काव और फॉगिंग कराई जाएगी। मेला परिसर कूड़ा मुक्त रहे इसके लिए अलग अलग स्थानों पर 30 डस्टबिन रखे जाएंगे। पेयजल की व्यवस्था के लिए 25 हैंडपम्प लगाए जा रहे हैं और 22 टोटी तथा 4 पानी टैंकर की भी व्यवस्था रहेगी। चूंकि खिचड़ी मेला के समय शीतलहर और ठंड अधिक होती है इसलिए मुख्यमंत्री ने पर्याप्त संख्या में अलाव की व्यवस्था करने के निर्देश दे रखे हैं। इस निर्देश के क्रम में नगर निगम ने मेला परिसर/मंदिर परिसर में अलाव जलवाने के लिए कुल 20 स्थानों को चिन्हित किया है। इसमें हर उस क्षेत्र को कवर किया जा रहा है जहां श्रद्धालु मौजूद रहते हैं। गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर आयोजित होने वाले खिचड़ी मेले में नगर निगम और पुलिस विभाग की तरफ से छह स्थानों पर वाहनों की पार्किंग की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए जिला उद्योग केंद्र परिसर, एमपी पॉलिटेक्निक, रामलीला मैदान अंधियारी बाग, मेवालाल गुप्त गुरुकुल माध्यमिक विद्यालय, भगवती प्रसाद महिला महाविद्यालय और दुर्गाबाड़ी के पास स्थित जूनियर इंस्टिट्यूट को चयनित किया गया है। खिचड़ी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस विभाग एक अस्थायी मेला थाना और साथ अस्थायी पुलिस चौकियों की स्थापना करेगा। एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने बीते दिनों खिचड़ी मेला की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री को बताया था कि मेला थाना गोरखनाथ मंदिर परिसर में स्थापित किया जाएगा।

अलीगढ़ की मीट फैक्ट्री में अमोनिया लीक होने से हड़कंप, 6 महिलाओं समेत कई मजदूर बेहोश

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। जिले के रोरावर इलाके में स्थित फेयर मीट फैक्ट्री में रविवार शाम को अमोनिया गैस का रिसाव होने लगा। गैस लीक होने के बाद फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई. हादसे के दौरान फैक्ट्री में काम कर रहे 10 मजदूर बेहोश हो गए, जिनमें 6 महिलाएं भी शामिल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, अमोनिया गैस का रिसाव अचानक हुआ. इससे मजदूरों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन महसूस होने लगी. गैस का प्रभाव इतना गंभीर था कि कुछ ही पल में मजदूर बेहोश हो गए. घटना के तुरंत बाद बेहोश मजदूरों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया. अस्पताल प्रशासन ने बताया कि प्रभावित मजदूरों की स्थिति फिलहाल स्थिर है, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है। मामले की सूचना मिलते ही एडीएम सिटी, सिटी मजिस्ट्रेट, पुलिस क्षेत्राधिकारी और थाना पुलिस मौके पर पहुंचे. प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों का जायजा लिया. पुलिस ने फैक्ट्री में कामकाज रुकवा दिया है और गैस रिसाव के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने इस घटना के लिए फैक्ट्री प्रबंधन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया है. अमोनिया गैस जैसे खतरनाक रसायन का उपयोग करते समय पर्याप्त सुरक्षा उपायों का पालन न करना गंभीर चूक मानी जा रही है. प्रशासन मामले की जांच कर रहा है. गैस रिसाव के कारण फैक्ट्री के आसपास के इलाके में भी हड़कंप मच गया. मीट फैक्ट्री प्रबंधन से इस मामले में पूछताछ की जा रही है। सीओ प्रथम अभय पांडे के अनुसार बेहोश होने वाले मजदूरों में चांदनी पुत्री शाहिद निवासी शाहजमाल, नाजिया पुत्री अकबर निवासी रोरावर, अलिकशां पुत्री अकबर निवासी भुजपुरा कोतवाली नगर, जैनब पुत्री जाहिद निवासी शाहजमाल, सोफिया पुत्री इस्लाम निवासी मकदूम नगर, अरमान पुत्र मुख्त्यार अहमद तालसपुर, रोरावर समेत सात मजदूरों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

श्री रामस्वरूप मेमोरियल कालेज, लखनऊ की टीम रोबोटिक्स ने स्टेट टेक्निकल फेस्ट में मारी बाजी

लखनऊ अवधनामा संवाददाता। श्री रामस्वरूप मेमोरियल कालेज आफ इन्जीनियरिंग एण्ड मैनेजमेण्ट, लखनऊ की टीम रोबोटिक्स ने डा0 एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल युनिवर्सिटी की स्टेट लिटरेरी -टेक्निकल प्रतियोगिता में सर्वाधिक तीन गोल्ड मेडल (जिसमें रोबोवार, रोबो सुमो तथा रोबोरेस हैं), जीतकर अपने कालेज को गौरवान्वित किया। कॉलेज के संस्थापक इं0 पंकज अग्रवाल एवं सह-संस्थापिका इं0 पूजा अग्रवाल जी ने बताया कि कॉलेज टीम रोबोटिक्स ने अपने लगन, परिश्रम, समर्पण एवं दृढ़ इच्छाशक्ति से अपने रोबोट से जीत हासिल की जो कि श्री रामस्वरूप कालेज के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं एवं रोबोटिक्स क्लब के फैकल्टी कोआर्डिनेटर प्रो. उद्येश पोरो का उत्साहवर्धन किया एवं बधाई दी।

यूपीएस लौना की कबड्डी की टीम उप विजेता बनी

उरई (जालौन)। मर्दन सिंह इंटर कॉलेज ताल बेहट ललितपुर में आयोजित मंडलीय मिनी बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में यूपीएस लौना की कबड्डी की टीम आयोजक जिला ललितपुर के साथ फाइनल खेलते हुए उप विजेता बनी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री मनोहर लाल, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ए डी बेसिक के कर कमलों द्वारा सभी बच्चों को मेडल पहनाकर और प्रमाण पत्र व शील्ड प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित श्रीमान जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जालौन श्री चंद्र प्रकाश डीसी प्रशिक्षण श्री विश्वनाथ दुबे जिला व्यायाम शिक्षक अभिनव दीक्षित व्यायाम शिक्षिका ममता स्वर्णकार ने भी सभी बच्चों को बधाई दी। इस उपलब्धि पर प्रसन्न होकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि बलवान कुशवाहा, प्रधानाचार्य अरविंद श्रीवास्तव ने सभी बच्चों और विद्यालय परिवार को बधाई दी।

हिंसक जानवर के पग चिन्ह मिलने से ग्रामीण भयभीत

अवधनामा संवाददाता

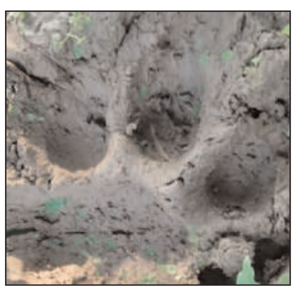

काकोरी लखनऊ। मलिहाबाद के हाफिज खेड़ा गांव के बाद रहमान खेड़ा से करीब 5 किमी से अधिक की दूरी पर स्थित काकोरी के गुरुदीन खेड़ा गांव में माइनर के पास व आस पास के खेतो में टाइगर के नए पग चिन्ह मिले। खेत पर शौच के लिए गए युवक को फूल व सरसो के खेतों में पग चिन्ह बने दिखाई पड़े। युवक ने भाग कर गांव में लोगों को इसकी जानकारी दी। खेतो में बड़ी संख्या मिले पग चिन्ह को देखकर गांव में दहशत का माहौल बन गया। गुरुदीन खेड़ा के कमल लोधी सुबह गुरुदीन खेड़ा गांव के माइनर (छोटी नहर) की तरफ शौच के लिए गए थे। जहां कमल को माइनर के आस पास व खेतो में बड़े बड़े पगचिन्ह दिखे। पगचिन्ह देखकर घबराए कमल ने गांव में सूचना दी। करीब 4 से 5 ग्रामीण झुंड में खेतों के पास आकर पग चिन्ह को देखा। ग्रामीण दिवाकर लोधी ने बताया कि माइनर के पास फूलों व सरसो के खेत मे पग चिन्ह दिखे। टाइगर के निकलने से सरसो के खेत में सरसों भी गिरे दिखाई पड़े। वन विभाग की टीम ने पगचिन्हों की तस्दीक कर ग्रामीणों को सतर्क किया। वन विभाग टीम ने गांव में जाकर पग चिन्ह देख कर तस्दीक की। पगचिन्ह को टाइगर के पगचिन्ह होने की पुष्टि की। टीम ने ग्रामीणों को सतर्क किया। ग्रामीणों को अकेले आने जाने से मना किया। अंधेरे में खेतों व बागों की तरफ जाने के लिये मना किया।

महाकुंभ के शुभ अवसर पर लक्ष्मणपुरी लखनऊ इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स-2024 लिफ्पा 2024 का भव्य समारोह हुआ

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। अनुज मिश्रा कथक अकादमी द्वारा महाकुंभ के शुभ अवसर पर लक्ष्मणपुरी लखनऊ इंटरनेशनल फेस्टिवल ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स-2024 लिफ्पा 2024 का भव्य समारोह संगीत नाट्य अकादमी के संत गाडगे हॉल गोमती नगर लखनऊ में हुआ। कार्यक्रम मे एडमोंटोन, अल्बर्टा से आए हुए कोरियोग्राफर एंड डायरेक्टर मिस्टर0 ब्रायन वेब जी हैं जो कि बहुत बड़े प्रोड्यूसर है। जिन्होंने ने बहुत सारे इंडो कैनेडियन प्रोडक्शन्स को कनाडा और इंडिया में प्रस्तुति किया हैं। इस बार कैनेडियन डायरेक्टर और प्रोड्यूसर ब्रायन वेब ने अनुज मिश्रा डांस कंपनी के साथ मिलकर इनफिनिटी प्रोडक्शन को प्रस्तुत किया। जिसमें ब्रायन वेब ने ड्रामा ट्रेज की शानदार भूमिका निभाई और साथ ही साथ इनफिनिटी के अलावा कथक कटेम्परारी बेस्ड प्रोडक्शन की भी प्रस्तुति दी जिसमें कथक नृत्य के साथ साथ कटेम्परारी और कथक नृत्य को नए आईडिया के साथ सम्मिश्रण प्रस्तुति दी गयी। तथा अमेरिका से आए हुए हिंडोल मजूमदार जो कि बहुत प्रसिद्ध तबला वादक प्लेयर है उनका एक सोलो तबला वादन भी हुआ तथा इसके उपरान्त प्रांतीय कलाकारों के साथ - साथ राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय कलाकारों का संगीत एवम् कथक नृत्य का प्रदर्शन हुआ।जिसमें मुख्य रूप से पंडित अनुज मिश्रा एवम् उनकी धर्म पत्नी नेहा सिंह मिश्रा जो कि ब्रेस्ट कैंसर होने के बाद भी अनेक सुंदर कथक नृत्य की विविध संरचनाओं को प्रदर्शित किया। तथा उनकी बहन कांतिका मिश्रा जी ने तीन मात्रा पर शानदार परफॉर्मेंस दिया।इसके उपरान्त महाकुंभ का महापर्व भी आ रहा है इसलिए इस महोत्सव में शिवोहम नाम की प्रस्तुति अर्थात् भगवान शिव पर आधारित कई लीलाओं के समागम का अदभुत नृत्य दिखाया गया है जिसमें की भगवान शिव ने समुद्र मंथन में जिस तरह से हलाहल विष - पान किया था और साथ ही गंगा जी का अवतरण पृथ्वी पर हुआ तो शिव गंगा के बारे में एवम् भागीरथी जी के द्वारा गंगा को लाना पृथ्वी पर, इन दोनों लीलाओं का भव्य और आधुनिक प्रदर्शन हुवा और अंत में शक्ति पूजन श्री राम का में श्री राम ,मां सीता और लक्ष्मण जी पर आधारित एक सुंदर नृत्य नाटिका का भव्य प्रदर्शन हुआ जिसमें अकादमी के जूनियर और सीनियर कथक छात्र छात्राओं ने भाग लिया जिसमें मुख्य रूप से प्रीतम दास, पीयूष पांडे, विवेक वर्मा, कमल, निखिल, शुभ सिन्हा, आरती बघेल, अनामिका सिंघा, राखी पटेल, प्रेरणा विश्वकर्मा, मैत्री चौहान, वंशिका शर्मा, प्रज्ञांशी पाठक, रुद्राक्षी शर्मा,नेहा शर्मा, आकृति, रियांशी , रिशा, नव्या त्रिपाठी, अन्वीशा सिंह, प्रतिष्ठा शर्मा, अंश, मिश्रा, आरोही वर्मा, एंजेल, पारुल, आराध्य, प्रज्ञा, पारुल, पीकू, कुल्फी, रिया, वंशी, ज्ञानवी, खुशी, हर्निका बिष्ट का नाम शामिल है। अमेरिका से आए हुए मशहूर तबला वादक हिंडोल मजूमदार और एडमोंटोन,अल्बर्टा से आए हुए प्रसिध्द सारंगी वादक में डॉ दीपक परमशिवन जी है जो कि प्रसिद्ध सारंगी वादक है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के विशेष सचिव शशांक त्रिपाठी और ब्रायन वेब रहे।

इस्लाम विरोधी है बांग्लादेश में हिन्दू एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हमले: मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

गोरखपुर अवधनामा संवाददाता। बांग्लादेश में हिन्दू अल्पसंख्यकों के विरुद्ध बढ़ती हिंसा ने मानवता और लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरा आघात पहुंचाया है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने इन घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाते हुए न्याय की मांग एवं इस मुद्दे को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उठाने के लिए अभियान शुरू किया है। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने स्पष्ट किया है कि अब कही भी अन्याय के खिलाफ चुप्पी नहीं साधी जाएगी। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मार्गदर्शक एवं संस्थापक वरिष्ठ प्रचारक आरएसएस डॉ इंद्रेश कुमार के आदेशानुसार मुस्लिम राष्ट्रीय मंच बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार के विरोध में 10 से 16 दिसंबर तक मानवाधिकार सप्ताह के रूप में मना कर पूरे देश में विरोध प्रदर्शन कर रहा है। इसी क्रम में आज गोरखपुर में मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गोरक्ष प्रान्त के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन बाबा मुबारक खा शहीद की मजार से होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंच कर माननीय महामहिम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम का ज्ञापन दिया। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गोरक्ष प्रान्त संयोजक याक़ूब अली ने कहा कि इस्लाम धर्म अमन शान्ति सद्भाव एवं भाईचारे का मजहब है। इस्लाम धर्म के आखिरी पैगम्बर मोहम्मद अलैहिस्सलाम साहब ने पूरी दुनिया को शांति भाईचारे का संदेश दिया। दुनिया के तमाम मुसलमान आपके बताए हुए रास्ते पर चलते है।

केजीएमयू के ब्लड बैंक में अटल आहार्य सेवा संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। विजय दिवस के उपलक्ष्य में देशभर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसी कड़ी में केजीएमयू के ब्लड बैंक में अटल आहार्य सेवा संस्थान लखनऊ के तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य न केवल रक्त की कमी को दूर करना था, बल्कि विजय दिवस की ऐतिहासिक और देशभक्ति भावना को जनमानस में पुनर्जीवित करना भी था।

इस शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि इस पहल से जरूरतमंद मरीजों की मदद होगी और रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ेगी साथ ही युवाओं में राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना बढ़ेगी। कार्यक्रम में मुख्य रुप से संस्थान के संरक्षक अमित अग्रवाल और केजीएमयू के ट्रांसफ्यूजन विभाग की विभागाध्यक्ष व ब्लड बैंक की इंचार्ज डॉक्टर तूलिका चंद्रा ने प्रतिभागियों का उत्साह वर्धन करते हुए रक्तदान प्रमाणपत्र वितरित कर के सम्मानित किया साथ ही डॉ चंद्रा की विशेषज्ञों की टीम ने प्रतिभागियों का रक्तदान से पहले उनका ब्लड प्रेशर और खून से सम्बंधित कुछ जरूरी जांचें निःशुल्क रुप से किया और रक्तदान हेतु मार्गदर्शन उत्साहवर्धन किया। आयोजन में संस्थान के राष्ट्रीय सचिव राम बाबू मिश्रा ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा, रक्तदान एक ऐसा पुण्य कार्य है जो दूसरों के जीवन को बचाने में सहायक है। विजय दिवस पर इस तरह का आयोजन हमारे शहीदों की स्मृति को सम्मानित करने का एक सुंदर माध्यम है। इस अवसर पर रक्तदाताओं ने भारत-पाक युद्ध में शहीद हुए वीर जवानों के बलिदान को याद किया और रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के जीवन बचाने में योगदान दिया। देशवासियों से समाजसेवा के प्रति जागरूक होने की अपील की रक्तदान शिविर के सफल आयोजन ने समाज में सेवा, एकता और देशभक्ति की भावना को प्रोत्साहित किया। विजय दिवस के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण है।

सिंचाई बन्धु की बैठक

अवधनामा संवाददाता

बस्ती। जनपद सिंचाई बन्धु की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उपाध्यक्ष गजेन्द्र मणि त्रिपाठी ने कहा कि किसानों के हित में खाद, बीज के मूल्यों को नियंत्रित किया जाय तथा उर्वरक की उपलब्धता ससमय सुनिश्चित की जाये। विकास भवन सभागार मे आयोजित बैठक में उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी दशा में किसानों को समय से उर्वरक उपलब्ध कराना शासन की स्पष्ट मंशा है, इसमें शिथिलता से आम जनमानस में गलत संदेश जाता है। इसके लिए अधिकारीगण तत्परता से कार्य करें, जिससे शासन की नीतियों के अनुरूप किसानों को लाभ मिलें। बैठक में उपस्थित मुख्य विकास अधिकारी जयदेव सी.एस. के निर्देश पर संबंधित विभागों की कार्यानुपालन आख्या नोडल अधिशासी अभियन्ता सिंचाई राकेश कुमार गौतम द्वारा प्राप्त की गयी और यह बताया गया कि संबंधित विभागों ने आख्या/प्राप्त सूची के अनुसार मानक के अनुरूप कार्य कराया है। सीडीओ ने अधिशासी अभियन्ता लघु सिंचाई को बोरिंग पाईप की टेस्टिंग रिपोर्ट मंगाये जाने का निर्देश दिया है।

द मदद सहयोग गाइडेंस फ़ाउंडेशन का डोर-टू-डोर निःशुल्क मेडिकल कैम्प

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। राजाजीपुरम, हैदर कैनाल द एमएसजी फ़ाउंडेशन ने में राजाजीपुरम, हैदर कैनाल के पास एक डोर-टू-डोर निःशुल्क मेडिकल कैम्प का आयोजन किया।

इस कैम्प में मुख्य अतिथि डा. नाजिया सिद्दीकी Psychologist and Hypnotherapist Founder - योद्धा फाउंडेशन एसोसिएट काउंसलर वर्ल्ड मेंटल हेल्थ केयर संगठन के रूप में उपस्थित रहीं। डॉ. नाज़िया ने बताया कि इस तरह के मेडिकल कैम्प बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इस कैम्प में आज 65 मरीज़ों का चेकअप किया गया और उन्हें दवाएं दी गई। डॉ. की टीम में अरीशा सिराज, फ़ैक अहमद मनसूरी, अनिकेत चौधरी और समीना सिद्दीकी मौजूद रहीं। फ़ाउंडेशन की टीम में संस्थापक मोहम्मद सादिक, ज़मन और अतहर अब्बास शामिल थे।

विद्युत निजीकरण का विरोध करने की मांग

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। उत्तर प्रदेश विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर संगठन की फर्रुखाबाद इकाई के जिला अध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव से मिलकर उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन डिस्कॉम पूर्वांचल एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निजीकरण संबंधी प्रस्ताव को निरस्त किए जाने का अनुरोध किया है। उन्होंने सपा जिला अध्यक्ष से अनुरोध करते हुए कहा कि वह समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से इस संबंध में वार्ता कर प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी होने के नाते इस प्रस्ताव को कर्मचारी हित को ध्यान में रखते हुए निरस्त किए जाने की मांग करते हैं। उन्होंने कहा निजीकरण होने के कारण कई सुविधाएं समाप्त हो जाएगी साथ ही निजीकरण होने पर प्राइवेट कंपनी अपने मनमाने तौर पर विभाग में छटनी करेगी जिससे उनका एवं उनके बच्चों का भविष्य अंधकार में हो जाएगा।

महिलाओं के लिए वृहद रोजगार मेला टीकाराम कन्या महाविद्यालय में 18 दिसंबर को

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय, मॉडल कैरियर सेन्टर एवं टीकाराम कन्या महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में 18 दिसंबर को प्रातः 10 बजे से केवल महिलाओं के लिए वृहद रोजगार मेला का आयोजन टीकाराम कन्या महाविद्याल में आयोजित किया जा रहा है। मेले में कुल 16 कम्पनियों द्वारा प्रतिभाग कर लगभग 1400 रिक्त पदों पर चयन किया जायेगा। क्षेत्रीय सेवायोजन अधिकरी डा0 पी0पी0सी0शर्मा ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार मेले में आईसीआईसीआई बैंक दिल्ली, श्री हरि सर्विस अलीगढ, डिस्टिल टैक्नोलौजी प्रा0लि0 नोयडा, विजन इण्डिया सर्विस नोयडा, टाटा स्ट्राईव स्किल डवलपमेंट सेंटर अलीगढ़ एवं अन्य के द्वारा मार्केटिग, अकाउण्टेन्ट, प्रोडक्शन एसोसिएट, कम्प्यूटर आपरेटर, सेल्स, वेलनेस एडवाईजर, सुपरवाईजर, स्टोर इंचार्ज, पैकिंग इंचार्ज, टेलीकालर के पदों पर हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा, बीटैक, बीबीए, बीसीए, एमबीए उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का चयन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि इच्छुक पंजीकृत अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल roj-gaarsangam.up.gov.in एवं www.ncs.gov.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि उक्त पोर्टल पर रजिस्टर्ड अभ्यर्थी ही प्रतिभाग कर पायेंगे।

सूचना

मेरा एक बैनामा बही न 1 जिल्द 6616 पृष्ठ सं0-121 से 138 क्रमांक 695 दिनांक 20/1/2012 जो कि मौहम्मद आलम ने वीना को बेचा था कहीं गुम हो गया है। जिसका प्रयोग अवैध होगा। किसी को मिले तो संपर्क करें।

गगन कुमार पुत्र अनिल कुमार नि दरा कोटला, तह. सहारनपुर मो. 8979141675

अनुरागिनी संस्था की बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता पहल

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। अनुरागिनी संस्था द्वारा जनपद के छौक कालपी स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में जिला प्रशासन, जनपद जालौन के सहयोग से बाल विवाह निषेध जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी जी एवं यूपीसीएलडीएफ की वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव जी द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य डॉ. शुचिता चतुर्वेदी ने कहा, बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाती है, बल्कि उनके शारीरिक और मानसिक विकास में बाधा उत्पन्न करती है। हमें अपने बच्चों को शिक्षित और जागरूक बनाकर इस कुप्रथा को समाप्त करना होगा। जागरूकता ही परिवर्तन की पहली सीढ़ी है। यूपीसीएलडीएफ की वाइस चेयरमैन जयति श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा, ÷समाज में व्याप्त बाल विवाह की कुप्रथा को समाप्त करने के लिए हम सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। हेल्पलाइन नंबर और सरकारी योजनाओं की जानकारी हर बच्चे और अभिभावक तक पहुंचाई जानी चाहिए। कार्यक्रम में दीपा, रीमा, रिया, साम्य, सेजल, मानसी, प्रांजल, दिव्यांशी एवं मोहिनी ने एक लघु नाटक के माध्यम से बाल विवाह के दुष्प्रभावों को उजागर किया और बच्चों को बाल विवाह रोकने के लिए हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी। साथ ही, बालिकाओं को गुड टच और बैड टच के प्रति जागरूक किया गया, ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

अनुरागिनी संस्था के अध्यक्ष डॉ. प्रवीण सिंह ने कहा, बाल विवाह न केवल बच्चों के अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर भी नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चे सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण में अपना विकास कर सकें। अनुरागिनी संस्था इस दिशा में हर संभव प्रयास कर रही है और करती रहेगी। जिला समन्वयक (कस्तूरबा विद्यालय) श्याम जी गुप्ता ने संगोष्ठी में कहा, बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने के लिए सामूहिक प्रयास अत्यंत आवश्यक है। बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस तरह के आयोजन बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। कार्यक्रम में विद्यालय की वार्डन रेवती कुमारी, पूजा भदौरिया, कुसुम लता, और मधुबाला चतुर्वेदी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। संचालन शिक्षिका पूजा श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में जिला केंद्रीय सहकारी उपभोक्ता जालौन के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राजावत, क्रय विक्रय सहकारी समिति के उपसभापति उदय प्रताप सिंह, कालपी सहकारी संघ के निदेशक रविन्द्र सिंह संस्था के उपाध्यक्ष बृजेन्द्र कश्यप, समन्वयक राहुल सामदिया, प्रद्युम्न सिंह, हरिहर सिंह, राज प्रताप सिंह अनेक बालिकाओं, शिक्षकों ने सहभागिता की। संगोष्ठी का उद्देश्य बच्चों, विशेष रूप से बालिकाओं, को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समाज को प्रेरित करना था।

सामूहिक विवाह में दस जोड़ो ने थामा एक-दूजे का हाथ

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। फूल माला से सजी कारों पर सवार दूल्हे। बैंडबाजे के साथ निकली बरात। द्वारचार के बाद जयमाल की अनुपम छ्टा। यह नजारा था आयोजित सामूहिक सरल विवाह समारोह का। आचार्य अनूप शास्त्री ने मंत्रोच्चार के साथ विवाह की रस्में करायीं। सर्वजातीय सामूहिक कन्या विवाह 12 बजे नगर के मुख्य चौराहे से बैंडबाजों के साथ बरात निकली। कारों में सभी दस दूल्हे सवार थे। कार्यक्रम स्थल महक गार्डन में बरात पहुंचने पर द्वारचार हुआ। स्टेज पर दूल्हा दुल्हन बैठाए गए। जयमाल की रस्म के बाद विवाह संपन्न कराया गया। विदाई में नव दंपतियों को गृहस्थी का सामान अलमारी, सिलाई मशीन, मेज कुर्सी, पंखा, बर्तन आदि उपहार स्वरूप भेंट किए गए। इस अवसर पर वर वधू पक्ष की ओर से परिवारीजन व रिश्तेदार मौजूद रहे। नगर अध्यक्ष राघवेंद्र व्यास व प्रभारी निरीक्षक पप्पू यादव ने वर वधू को आशीर्वाद दिया। मुख्य कार्यक्रम के संयोजन ऋषि राणा ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी जल्द ही 51 जोड़ो का सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा एक हमारे लिए सौभाग्य की बात है जो इस प्रकार के कार्यक्रम सफल हो रहे है इस प्रकार के पुनीत कार्यक्रम को सफल बनाने मे हमें क्षेत्रीय सहयोग प्राप्त हो रहा है। इस अवसर पर अनूप दौहलिया, अकरम खान, अजीत उपाध्याय, आशुतोष व्यास, अंश गुर्जर, मुनेश कुमार आदि रहे।

अवधनामा

लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024

कुर्मी समाज का महाकुंभ 29 दिसंबर को

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। फैजाबाद जिले में कुर्मी समाज द्वारा 29 दिसंबर 2024 को महाकुंभ का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की एकता, सम्मान और शक्ति का प्रदर्शन करना है। महाकुंभ का आयोजन फैजाबाद-लखनऊ मार्ग पर स्थित एक बड़े मैदान में किया जा रहा है, जिसमें कुर्मी समाज के सभी राजनीतिक दलों से जुड़े प्रमुख नेता और बुद्धिजीवी शामिल होंगे।आयोजन स्थल फैजाबाद-लखनऊ रोड पर लगभग 50 बीघे के विशाल मैदान में तैयार किया जा रहा है। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक जयकरन वर्मा ने दी।इस आयोजन को खास बनाने के लिए कुर्मी समाज के नेताओं ने सामाजिक एकता के तहत सभी राजनीतिक दलों के सदस्यों को एक मंच पर लाने का काम किया है। बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित नेताओं में शामिल हैं। जयकरन वर्मा प्रदेश महासचिव, कांग्रेस पार्टी,चौधरी राम सिंह पटेल राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश उपाध्यक्ष, स्वामी नाथ वर्मा समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता,राम शंकर पटेल राष्ट्रीय नेता,अजय कुमार वर्मा और राजीव वर्मा बीकापुर विधानसभा अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी अमित वर्मा भारतीय जनता पार्टी के प्रतिनिधि शामिल रहे।बैठक में वक्ताओं ने बताया कि कुर्मी समाज फैजाबाद जनपद में बड़ी संख्या में है, लेकिन फिर भी समाज को राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। समाज के सम्मान, स्वाभिमान और अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए इस महाकुंभ का आयोजन जरूरी हो गया है। महाकुंभ की सफलता के लिए समाज के लोग गांव-गांव जाकर आमंत्रण पत्र बांट रहे हैं। यह अभियान समाज के हर घर तक पहुंचने का संकल्प लेकर चलाया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग इस कार्यक्रम में शामिल होकर सामाजिक एकजुटता का परिचय दें। सपा नेता अशोक वर्मा ने कहा कि इस महाकुंभ का उद्देश्य समाज की एकता को मजबूत करना, समाज के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ना और भविष्य में समाज को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक तौर पर सशक्त बनाना है। बैठक में यह संकल्प लिया गया कि समाज का हर व्यक्ति इस कार्यक्रम में शामिल होकर एकजुटता का परिचय दे। महाकुंभ को सफल बनाने के लिए कुर्मी समाज के सभी लोगों से सहयोग और भागीदारी की अपील की गई है।

ज्वलनशील पदार्थ डालकर बुजुर्ग की हत्या के मामले में शान्त व्यवस्था को लेकर पुलिस पहरे मे रही रामपुर भगन बाजार

अवधनामा संवाददाता

तारुन- अयोध्या। थाना क्षेत्र की रामपुर भगन बाजार में बुजुर्ग को ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाकर मारने के मामले मे नामजद आरोपी के खिलाफ़ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर सोमवार को जेल भेज दिया। बाजार में पूरी तरह शांत व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिये घटना के दूसरे दिन मौके पर भारी तादात में पुलिस कर्मी मौजूद रहे। मृतक का शव पँहुचते ही बाजारवासियों का जमावड़ा लग गया। अंतिम संस्कार के लिए परिजन शव को अयोध्या ले गये। आपसी विवाद के चलते रविवार को रोशन लाल 68 वर्ष को भतीजे अभिषेक उर्फ सत्यम ने ज्वलनशील पदार्थ डालकर जलाकर जान से मारने की कोशिश किया था। गम्भीर रूप से झुलसे रोशनलाल को इलाज के लिये तारुन अस्पताल के बाद जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां हालत नाजुक देख जिला अस्पताल से ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। जहाँ उनकी मौत हो गई और पुलिस ने शव का रात मे ही पोस्टमार्टम करा दिया था । सोमवार को मृतक के शव के रामपुरभगन बाजार मे पहुँचने से पहले ही शांत सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस सतर्क हो गई। और क्षेत्राधिकारी पीयूष पाल, थाना प्रभारी निरीक्षक सुमित श्रीवास्तव, हैदरगंज मो अरशद तथा कोतवाल बीकापुर लालचंद सरोज, मय पुलिस के साथ मौजूद रहे। इसके अलावा उपनिरीक्षक ऐश्वर्या श्रीवास्तव, ज्योति यादव के साथ मुस्तैद रही।मृतक के पुत्र पवन मोदनवाल ने पिता की मौत पर मृतक के दोनों भाइयों राम चरन और सोहनलाल पर भी हत्या में शामिल होने का आरोप मौजूद पुलिस अधिकारियों के समक्ष लगाया। और सभी दूकानों को सीलकर करने की मांग किया। हालांकि करीब एक घण्टे बाद परिजन शव का अंतिम संस्कार करने के लिए अयोध्या लेकर चले गये। ततपश्चात धीरे धीरे शांत व्यवस्था में मौजूद पुलिस कर्मी वापस जाने लगे। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि मृतक के बयान व तहरीर के आधार पर नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया। शांत व्यवस्था की दृष्टि से घटनास्थल पर पुलिस बल मौजूद था।

टोल प्लाजा कर्मियों को दी गई ट्रेनिंग

अयोध्या। टोल प्लाजा तहसीन पुर में हिंदुस्तान लाटेकस फैमिली प्लैनिंग प्रमोशन ट्रस्ट के द्वारा टोल प्लाजा कर्मियों को केमिस्ट्री बिल्डिंग की ट्रेनिंग दी गई जिसमें स्टाफ को अपने काम के बारे में समझाया गया इमरजेंसी में मदद करना टीम के साथ कोई दिक्कत हो तो उसका समाधान करने काम में तनाव को कम करने लोगों से बात करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए इसके टिप्स दिये गये जो की जानकारी देना फायदेमंद है यह हिंदुस्तान लाइफ केयर लिमिटेड के अंतर्गत भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में काम करते हैं स्वास्थ्य प्रोटोकस टीवी मरीजों के लिए काम करते हैं आयुष्मान जैसी सरकारी योजनाओं का भी काम करवाती है।

बहु प्रतिक्षित बीएससी लैब का कुलपति ने किया उद्घाटन

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो0 प्रतिभा गोयल ने परिसर में संचालित बीएससी पाठ्यक्रम के छात्रों की प्रयोगात्मक लैब की बहु प्रतिक्षित मुराद पूरी की। सोमवार को परिसर के दीक्षा भवन में संचालित बीएससी पाठ्यक्रम के प्रयोगात्मक लैब का उद्घाटन कुलपति प्रो0 गोयल द्वारा फीता काटकर व नारियल फोड़कर किया गया। मौके पर बीएससी पाठ्यक्रम के समन्वयक प्रो0 चयन कुमार मिश्र, विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो0 संत शरण मिश्र व सहायक अभियंता आरके सिंह मौजूद रहे। मालूम हो कि परिसर में बीएससी पाठ्यक्रम संचालित है। इन पाठ्यक्रम के छात्रों को प्रायोगिक कार्य के लिए एमएससी पाठ्यक्रम के लैब पर अबतक निर्भरता थी। कुलपति प्रो0 गोयल ने छात्रों व शिक्षकों की मांग को दृष्टिगत रखते हुए पूरी की।

करियर गाइडेंस कार्यक्रम फॉर गर्ल्स का डीएम ने किया शुभारंभ

बाराबंकी। करियर गाइडेंस कार्यक्रम फॉर गर्ल्स% के अंतर्गत राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं नोडल शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संबंधी कार्यक्रम राजकीय जिला पुस्तकालय, बाराबंकी में जिला विद्यालय निरीक्षक ओपी त्रिपाठी के मार्गदर्शन तथा डॉ पूनम सिंह, पुस्तकालयाध्यक्ष, राजकीय जिला पुस्तकालय, बाराबंकी के कुशल नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार के द्वारा मां शारदे की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। दीप प्रज्जवलन के उपरांत ओपी त्रिपाठी, जिला विद्यालय निरीक्षक, बाराबंकी द्वारा मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस प्रशिक्षण में बाराबंकी जनपद के 34 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्य प्रधानाध्यापक एवं नोडल शिक्षकों ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि पंख पोर्टल पर उपलब्ध 560 करियर विकल्पों की जानकारी शिक्षकों को भी हो जिससे वे सभी विद्यार्थियों की आवश्यकता अनुरूप व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन कर सकें, साथ ही उन्होंने शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को सकारात्मक रूप से अभिप्रेरित करने पर बल दिया।

जिला चुनाव अधिकारी ने लिया चुनाव प्रक्रिया का जायजा,किया प्रवास

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। बूथ अध्यक्ष और बूथ समितियों के चुनाव संपन्न हो जाने के बाद भाजपा ने मंडल अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया तेज कर दी है। जिला चुनाव अधिकारी रमेश सिंह ने मंडल अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया का सोमवार को जायजा लिया। कुर्सी और रामनगर विधानसभा के सभी आठ मंडलों में प्रवास करके कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक चुनाव को लेकर चर्चा की। फतेहपुर कस्बा स्थित एक मैरिज लॉन में उन्होंने मंडल कार्यकर्ताओं से कहा कि चुनाव को लेकर राष्ट्रीय स्तर से लेकर जिला स्तर तक पार्टी गंभीर है। सभी कार्यकर्ताओं से चुनाव की गंभीरता को ध्यान रख कर काम करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि भाजपा में एक बूथ अध्यक्ष पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है।भाजपा में जीवंत लोकतंत्र है,जहां प्रत्येक छह वर्ष बाद चुनाव प्रक्रिया संपन्न होती है।कहा कि जनपद स्तर पर संगठनात्मक चुनाव पांच चरणों में पूर्ण होगी। जिसके तहत प्रथम चरण में प्राथमिक सदस्य बनाए गए।द्वितीय चरण में सक्रिय सदस्यता अभियान चलाया गया।तृतीय चरण में बूथ अध्यक्ष और बूथ समितियों का चुनाव संपन्न हुआ।चतुर्थ चरण में मंडल अध्यक्षों की चुनाव प्रक्रिया अंतिम पड़ाव पर है।पांचवे चरण में जिला अध्यक्ष के चुनाव संपन्न होंगे।उन्होंने मंडल अध्यक्ष के प्रत्येक दावेदारों से अलग - अलग चर्चा की।वरिष्ठ कार्यकर्ताओं से भी उन्होंने फीडबैक लिया।जिला चुनाव अधिकारी ने कुर्सी विधानसभा के निंदुरा, बड्डूपुर, फतेहपुर, बेलहरा एवं रामनगर विधानसभा के सूरतगंज, रामनगर, महादेवा व सिरौलीगौसपुर में प्रवास करके कार्यकर्ताओं से फीडबैक लिया।जिला अध्यक्ष अरविंद मौर्य ने बताया कि जिले के सभी 25 मंडलों में चुनाव प्रक्रिया संपन्न हो चुकी। बताया कि मंडल चुनाव अधिकारियों के समक्ष बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने निर्धारित प्रारूप पर नामांकन किया है।

श्री रामचरित मानस प्रकाशन समिति तत्वाधान में रामलीला आयोजित

बाराबंकी। नगर के दर्पण सिनेमा के पीछे श्री रामचरित मानस प्रकाशन समिति की ओर से आयोजित रामलीला में धनुष भंग कार्यक्रम संपन्न हुआ। पूर्णिमा के दिन इस प्रोग्राम में रावण बाणासुर संवाद व परशुराम संवाद हजारों लोग देर रात तक देखते रहे। धनुष तोड़ने आए छोटे-छोटे राजाओं ने दर्शकों का दिल मोह लिया। लीला कमेटी अयोध्या से बुलाई गई थी। कमेटी के अध्यक्ष पंकज निगम ने बताया राम बारात सोमवार का व कलेवा विवाह मंगलवार को धनुष यज्ञ में संपन्न होगा। इस अवसर पर कमेटी के महामंत्री राजकुमार वर्मा, उपाध्यक्ष आलोक श्रीवास्तव, सोरभ श्रीवास्तव, रमेशकुरील, आकाश वर्मा, प्रमोद पाण्डे आदि शामिल थे।

राम जानकी मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव के साथ भंडारे का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। गोंडा बहराइच राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पशु बाजार मसौली स्थित राम जानकी मंदिर का आठवां वार्षिकोत्सव उल्लास के साथ मनाया गया तथा आयोजित भंडारे मे साधु संतो के आलावा आसपास गांवो के सैकड़ो भक्तो ने प्रसाद ग्रहण किया। मसौली चौराहा स्थित पशु बाजार मे कस्बा मसौली निवासी लल्लू जयसवाल द्वारा स्थापित किये गये राम जानकी मंदिर का आठवा वार्षिकोत्सव के मौके पर रामचरित मानस का सुंदरकांड का आयोजन किया गया। अभिषेक के उपरांत प्रतिमाओं का दिव्य श्रंगार हुआ। सुबह आठ बजे से मंदिर प्रांगण में हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। जिसमें श्रद्धालुओं द्वारा आहुतियां डालकर पुण्य लाभ कमाया गया। दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति के पश्चात आरती संपन्न हुई और प्रसाद का वितरण किया गया पूजा अर्चना के बाद भंडारे का आयोजन किया गया जिसमे साधु संतो के आलावा सैकड़ो भक्तो ने भाग लिया। इस दौरान लल्लू जयसवाल, राहुल, शुभम, शिवकरण वर्मा, लवकुश वर्मा, रोहित, लक्ष्मण, हर्षित, राकेश जयसवाल, आदि लोग मौजूद रहे।

नाटक 'इन टू द डार्क रूम' का हुआ सुन्दर मंचन

अपर नगर आयुक्त ने किया शुभारम्भ

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। मन्थन आर्टस सोसाइटी के तत्वावधान में सत्य घटना पर आधारित कृष्ण गोपाल द्वारा लिखित नाटक ' इन टू द डार्क रूम' का सन्देशपरक मंचन गाँधी भवन सभागार में किया गया। कुशल निर्देशन शिवा सक्सेना ने किया। चाइल्ड अब्यूज़ व ख़ास तौर पर गर्ल चाइल्ड अब्यूज़ पर आधारित इस नाटक में साकेत की भूमिका में अनमोल सिंह ने अपने जीवन्त अभिनय से सभी का मन मोह लिया। अन्य पात्रों में रोहित वर्मा ने दर्शकों पर अपने अभिनय का प्रभाव छोड़ा। इसके साथ ही अंकित अवस्थी, शिवा सक्सेना, ऐश्वर्य कृष्ण मिश्र, रोहित वर्मा,अरशद आज़ाद व देवेन्द्र पाल भी प्रभावशाली रहे। नाटक यह सन्देश देने में सफल रहा कि अभिभावकों को अपने बेटे व बेटी के विषय में हर वक्त सचेत रहना चाहिए कि उन्हें किसी प्रकार के शारीरिक या मानसिक उत्पीड़न का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही किसी भी अनापेक्षित स्थिति को छुपाने से बचना चाहिए।विषय महत्वपूर्ण था इसलिए नाटक के मंचन से ज़्यादा उसके सन्देश पर ध्यान दिया जाना अधिक आवश्यक है। मंचन में सोनू सक्सेना, कोमल सक्सेना, यशदेव शर्मा, मोहित कनौजिया, मोहित बाजपेयी, पारस दीक्षित, नितेश गुप्ता का विशेष सहयोग रहा।नाटक के उपरान्त यावर ख़ान द्वारा निर्देशित शार्ट फ़िल्म ' झोलाछाप डॉक्टर' का भी प्रदर्शन किया गया।नाटक का शुभारम्भ मुख्य अतिथि अपर नगर आयुक्त एसके सिंह ने दीप प्रज्वलन कर किया। कवि डॉ इन्दु अजनबी के संचालन में सम्पन्न हुई प्रस्तुति में प्रमुख रूप से ज़रीफ़ मलिक आनन्द, कृष्ण कुमार श्रीवास्तव, बलराम शर्मा, रागिनी श्रीवास्तव, सुहेल अहमद, राज भूषण जौहरी, मनोज मंजुल, जितिन गुप्त, विकास भारती, अंकित मिश्रा समेत काफ़ी संख्या में रंगप्रेमी उपस्थित रहे।

31 दिसंबर तक किसान करा सकते हैं फसल का बीमा : धीरेंद्र सिंह

शाहजहांपुर। रबी मौसम के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत बीमा करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर है। रबी मौसम में अधिसूचित फसलें गेहूं, सरसों, मसूर व आलू की फसल का किसान करा सकते हैं फसल बीमा।उप कृषि निदेशक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि किसान अपनी फसल का बीमा अवश्य कर लें जिससे प्राकृतिक आपदा से होने वाली क्षति का लाभ ले सकें, इसमें कृषक को 72 घंटे के अंदर 14447 पर अपनी शिकायत दर्ज कराकर क्षति का सर्वे करा कर क्षतिपूर्ति प्राप्त कर सकते हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिक लाभ लेने के लिए किसानों को जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

युवा अनुशासित जीवन और पवित्र भावनाओं के साथ बढ़ें और राष्ट्र के लिए बनें उपयोगी : जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

शाहजहांपुर। स्वामी धर्मानंद सरस्वती इंटर कालेज के खेल मैदान में भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश संस्था के तत्वावधान में मंडलीय स्काउट गाइड का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ शुभारंभ हुआ। डीएम ने मार्च पास्ट के दौरान सलामी ली। डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन और ध्वजारोहण के साथ शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारतीय स्काउटिंग के जनक पंडित राम बाजपेयी ने राम प्रसाद बिस्मिल जैसे क्रांतिकारी दिए। युवा अनुशासित जीवन और पवित्र भावनाओं के साथ आगे बढ़ें और राष्ट्र के लिए उपयोगी बनें।जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला मुख्यायुक्त हरिवंश कुमार ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं में देशभक्ति का अनोखा जज्बा पैदा करती है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डाक्टर अजीत कुमार ने कहा कि श्रेष्ठ संस्कारों से जीवन उत्कृष्ट और महान बनता है। पूर्व जिला मुख्यायुक्त संतोष कुमार पाण्डेय, जिला सचिव डाक्टर अमीर सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। रैली में बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर की स्काउट गाइड की टीम में प्रतिभा कर रही हैं। इस मौके पर नागेंद्र कुमार सिंह, डीओसी मोहम्मद असरार, डीटीसी सत्यपाल गुप्ता, जिला गाइड कैप्टन ज्योति सक्सेना, जिला स्काउट मास्टर सुदेश चंद्र, डीटीसी डाक्टर पुष्पकांत शर्मा, हरी लाल शर्मा, जिला सचिव डाक्टर अनार सिंह, डीटीसी निकहत परवीन, जिला गाइड कैप्टन दपिंदर, शालिनी पांडेय, अनुज कुमार शुक्ला, गौरव पांडेय, घनश्याम, महावीर प्रसाद, अरविंद कुमार, चित्रसेन, धीरज कुमार, जमुनावती, सीमा शाक्य, डीओसी सुशील कुमार, डीटीसी करुण कुमार पांडेय, शबीना परवीन, वंदना रस्तोगी, नीलम आदि मौजूद रहे। रैली का संचालन नेहा कटियार सहायक प्रदेशिक संगठन कमिश्नर बरेली मंडल ने किया।

बेटे के साले के साथ मिलकर शमीम बानो ने की थी पति की हत्या

शाहजहांपुर। खुटार क्षेत्र के गांव टाह खुर्द कलां में 45 वर्षीय यूनुस की हत्या उसकी पत्नी शमीम बानो ने अपने बेटे रिजवान के गांव मे रहने वाले सगे साले मानूस अली के साथ मिलकर की थी। मानूस और शमीम बानो के बीच प्रेम प्रसंग चल रहा था और घटना वाली रात यूनुस ने दोनों को एक ही चारपाई पर संदिग्ध हालत में पकड़ लिया था। यूनुस के विरोध करने पर शमीम बानो ने उसके सिर पर ईंट से प्रहार कर दिया था। इसके बाद उसकी निर्ममतापूर्वक हत्या कर दी गई थी। घटना को हादसा दिखाने के उद्देश्य से शमीम बानो ने अपने बेटे के साले प्रेमी मानूस अली के साथ मिलकर उसकी लाश को घर के अंदर से उठाकर बाहर लगे ईंट के चट्टे के किनारे डाल

वार्षिक निरीक्षण में निचलौल थानेदार को मिला गुडवर्क

परिसर की साफ सफाई को लेकर पुलिस अधीक्षक ने की सराहना

अवधनामा संवाददाता

निचलौल (महराजगंज)। एसपी सोमेन्द्र मीना ने सोमवार दोपहर में निचलौल थाना का वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना गेट के सामने नवनिर्मित एसओ कक्ष, मालखाना कक्ष और सीओ कार्यालय के नए कक्ष का लोकार्पण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने लंबित विवेचना को जल्द निपटाने का निर्देश दिया। एसपी के पहुंचते ही श्रीमोनियल गारद ने उन्हें सलामी दी। उसके बाद उन्होंने असलहों का बारीकी से निरीक्षण किया। थाना के मुख्य भवन में एक कक्ष में बनाए गए मालखाना कक्ष, एसओ कक्ष और सीओ कार्यालय में एक कक्ष का फीता काटकर उन्होंने लोकार्पण किया। इसके बाद उन्होंने थाना परिसर में बनाई गई बहुमंजिली पुलिस बैरक भवन को देखा, थाना के हेड मुहर्रिर कक्ष में अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति देखी और संतोष जताया। मेस के निरीक्षण में उन्होंने भोजन बनाने के स्टोर और सामान की उपलब्धता आदि की जानकारी लिया। महिला पुलिस चौकी का निरीक्षण कर महिला संबंधित आने वाली शिकायतों की भी जानकारी ली। एसपी ने थाना परिसर में जर्जर हो चुके बैरक भवन को ध्वस्त करने का निर्देश दिया। अभिलेखों के निरीक्षण के दौरान जमानत रजिस्टर, त्योहार रजिस्टर, थाना दिवस से संबंधित रजिस्टर आदि को बारीकी से देखा।

गुमटी में आगजनी करने पर मुकदमा दर्ज

निचलौल (महराजगंज)। ठूठीबारी कोतवाली क्षेत्र के सिहाभार सुकरहर नया पुल के समीप एक नाई की गुमटी में अज्ञात द्वारा आगजनी कर दी। जिससे गुमटी सहित उसमें रखा सामान जलकर राख हो गया। कोतवाली में पीड़ित की तहरीर पर केस दर्ज कर जांच की जा रही है। पीड़ित छविलाल शर्मा पुत्र श्रीराम शर्मा निवासी ग्राम सेमरहना बड़ा टोला थाना बरगदवाँ द्वारा तहरीर में बताया गया कि ग्राम सिहाभार सुकरहर नया पुल थाना ठूठीबारी के समीप गुमटी ने बाल कटिंग का दुकान किया था। बीते 24 नवंबर की रात करीब दस बजे दुकान को अज्ञात लोगों के द्वारा जला दिया गया। दुकान जल जाने से आर्थिक रूप से काफी नुकसान हुआ है।

कलश यात्रा के साथ श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ शुरु

निचलौल (महराजगंज)। ठूठीबारी विश्व शांति जन कल्याण की कामना को लेकर राजाबारी गांव में मंदिर प्रांगण में नौ दिवसीय श्री श्री 1008 रुद्र महायज्ञ का शुभारंभ हुआ। इस दौरान यज्ञ स्थल से ढोल व नगाड़ों रथपर झांकी के साथ देवी- देवताओं के जयघोष के बीच भव्य कलश यात्रा निकाली गई।यज्ञाचार्य पण्डित शुभम त्रिपाठी के नेतृत्व में राजाबारी मंदिर प्रांगण स्थित यज्ञ स्थल से कलश यात्रा गाजे-बाजे के निकला गया। कलश यात्रा में 501 कन्याएं व महिलाए पीताम्बर वत्र धारण व माथे पर कलश लेकर जयकारा लगाते हुए प्रतिभाग किया। इस दौरान श्रद्धालुओं के जयघोष से वातावरण गूंज उठा। वही महिलाओं के मंगल गीत से वातावरण भक्तिमय हो गया। कलश यात्रा यज्ञ स्थल से पाड़ियाताल मंदिर से कस्बा ठूठीबारी का भ्रमण करते हुए चंदन नदी घाट पर जल भरकर वापस मंदिर परिसर के यज्ञ स्थल मे लाया गया। जहां वैदिक मंत्रों के साथ कलश की स्थापना की गयी। वही डीजे व भक्ति गानों के धुनों पर युवा व छोटे बच्चे डांस करते चल रहे थे। इसी के साथ यज्ञाचार्यो की उपस्थिति में नौ दिवसीय महायज्ञ की शुरुआत की गई। यज्ञ समिति के अध्यक्ष संतोष गुप्ता ने बताया कि यज्ञ का कार्यक्रम 16 से शुरू होकर 24 दिसंबर को पूर्णाहुति की जाएगी।

लापरवाही पर अधिशासी अभियंता जल निगम को चेतावनी

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन के तहत संचालित निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें सर्वप्रथम कार्यदायी संस्था जेएमसी के प्रोजेक्ट मैनेजर से संचालित परियोजनाओं के बावत जानकारी ली। संतोषजनक प्रगति न किये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम को निर्देशित किया कि इनके कार्यों में सुधार लाने हेतु चेतावनी जारी करे। इसी प्रकार पम्प हाउसों में विजली कनेक्शन उपलब्ध न कराने के मामले में अधीक्षण अभियंता विद्युत को उनके कार्यशैली में सुधार लाने हेतु निर्देशित किया तथा आगामी बैठक में प्रगति बढ़ाने हेतु निर्देश दिया। इसीप्रकार कार्यदायी संस्था रिथवीक एवं कोया के कार्यों की समीक्षा की तथा निर्देशित किया कि अगकी बैठक में संतोषजनक प्रगति प्राप्त न करने की दशा में ब्लैकलिस्टिंग एवं विभागीय कार्यवाही की जाएगी। जिलाधिकारी ने कहा कि जल जीवन मिशन एक बेहद ही अहम परियोजना है और यह शासन की शीर्ष प्राथमिकता में सम्मिलित हैं। इसलिए परियोजना के क्रियान्वयन में शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और जवाबदेही तय करते हुए कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जल निगम और संबंधित कार्यदायी संस्थाएं तेजी लाते हुए, निर्माणाधीन परियोजनाओं को पूर्ण करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अनुराज जैन, अधीक्षण अभियंता विद्युत, एक्सईएन जल निगम, सहायक अभियंता जल निगम, आईएसए सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

18 को दिव्यांगता मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। ब्लॉक संसाधन केंद्र डुमरियागंज परिसर में आगामी 18 दिसंबर को दिव्यांगता मेडिकल असेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया है। जिसमें दिव्यांग बच्चों की जांच कर प्रमाण पत्र बनाया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए खंड शिक्षा अधिकारी डुमरियागंज संजय कुमार ने बताया कि पीएम श्री योजना अंतर्गत परिषदीय विद्यालय सहित अन्य विद्यालयों में अध्यनरत 14 वर्ष तक के समस्त दिव्यांग बच्चों की जांच कैंप में उपस्थित चिकित्सकों द्वारा किया जाएगा। शिविर में हियरिंग, गूंगे बहरे, बोलने सुनने में अक्षम, ऑर्थो, आंख व मानसिक रूप से दिव्यांग बच्चों की जांच की जाएगी। शिविर के संबंध में विशेष शिक्षक गणेश कुमार गौड़ व अंजनी कुमार सिंह ने बताया कि शिविर का आयोजन सुबह 11 बजे से शुरू होगा। जो भी दिव्यांग बच्चे हैं उनके अभिभावक शिविर में आधार कार्ड की फोटो कॉपी व एक फोटो साथ में अवश्य लेकर आए।

18 केन्द्रो पर हुई शिक्षक पात्रता परीक्षा

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा (सीटेट) दूसरे दिन रविवार को जिले के 18 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई। इसमें पंजीकृत 9111 अभ्यर्थियों में से 8890 ने परीक्षा दी, 321 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे।
बीएनकेबी पीजी कॉलेज समेत अन्य परीक्षा केंद्रों पर सुबह आठ बजे से ही परीक्षार्थियों की भीड़ जुटने लगी। नौ बजे परीक्षार्थियों को गहन तलाशी के बाद प्रवेश दिया गया। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों समेत मोबाइल को केंद्र के बाहर ही रखवा दिया गया। यहां पंजीकृत 600 परीक्षार्थियों में 565 ने परीक्षा दी, 35 अनुपस्थित रहे। परीक्षा के लिए बनाए गए सीबीएसई के सचल दल टीम के सदस्य डीएन पांडेय ने विद्यालय पहुंचकर परीक्षा की शुचिता की जांच की। कहीं किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं मिली। डॉ. शिव सहाय सिंह गुरुकुल एकेडमी सोनगांव में पंजीकृत 600 अभ्यर्थियों में 556 ने परीक्षा दी, वहीं 44 गैरहाजिर रहे। सेंट जेवियर्स स्कूल अहरिया में पंजीकृत 360 में 338 ने परीक्षा दी, 22 ने परीक्षा से किनारा कर लिया। महारानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल बालिका इंटर कॉलेज में 420 पंजीकृत परीक्षार्थियों में 394 परीक्षार्थी परीक्षा देने पहुंचे, यहां 26 अनुपस्थित रहे।

सूचना

मैं यादव हरिओम रामभूआल पुत्र रामभूआल निवासी -सरैया जगदीशपुर कटया जलालपुर, अम्बेडकर नगर, उत्तर प्रदेश का हूं मेरे सभी दस्तवेज़ो में मेरा नाम हरिओम यादव (HARI-OM YADAV) दर्ज है, मैने अपना नाम यादव हरिओम रामभूआल (YADAV HARIOM RAMB-HUAL) से बदलकर हरिओम यादव (HARIOM YADAV) रख लिया है, अब भविष्य में मुझे हरिओम यादव (HARIOM YADAV) के नाम से जाना पहचाना व पुकारा जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट संख्या K3435048 मे मेरा नाम त्रुटिवश हिना (HINA) दर्ज हो गया है मेरा सही नाम हिना शकील (HINA SHAKEEL) जो मेरे सभी अभिलेखों मे दर्ज है मुझे हिना शकील के नाम से ही जाना पहचाना व पुकारा जाए।

हिना शकील पुत्री शकील अहमद सिद्दीकी 119/147 खनदारी बाजार हाता मुस्तफा खान लालबाग, लखनऊ।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है की मैं रानू पुत्र इजहार हुसैन निवासी 456/142ए /005 सज्जाद गंज दौलतगंज चौक लखनऊ का हूं। मैंने अपना नाम रानू से बदलकर रानू अब्बास ज़ैदी (RANU ABBAS ZAIDI) रख लिया है अब भविष्य मे मुझे इसी नाम से जाना पहचाना पुकारा जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री के पासपोर्ट संख्या K3435042 मे मेरी पुत्री का नाम नाम त्रुटिवश जुबिया (ZUBIYA) दर्ज हो गया है मेरी पुत्री का सही नाम जुबिया शकील (ZUBIYA SHAKEEL) जो मेरी पुत्री के सभी अभिलेखों मे दर्ज है मेरी पुत्री को जुबिया शकील के नाम से ही जाना पहचाना व पुकारा जाए।

आइशा परवीन पत्नी शकील अहमद सिद्दीकी 119/147 खनदारी बाजार हाता मुस्तफा खान लालबाग, लखनऊ।

उर्दू अकादमी के तत्वाधान मे ऑल इंडिया मुशायरे का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश उर्दू अकादमी के तत्वावधान में साहिल एजुकेशनल सोसायटी लखनऊ के बैनर तले कुल हिंद मुशायरा घेरवा हंसवर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम जलाल सिद्दीकी के संरक्षण, जियाउल हक एवं जावेद सिद्दीकी की निगरानी, मो. इकराम के संयोजन व समाजसेवी समीउल्लाह सिद्दीकी के उप संयोजन, पूर्व एसडीएम अब्दुल बासित की अध्यक्षता तथा गैबी जौनपुरी के संचालन में की आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अतिथि बसखारी ब्लॉक प्रमुख संजय सिंह ने कहा कि मुशायरों से आपसी सौहार्द को बल मिलता है। जलाल सिद्दीकी ने कहा कि भारत की गंगा जमुना तहजीब का को कायम रखना हम सब की का जिम्मेदारी है। मो. शफी नेशनल इंटर कॉलेज हंसवर के शिक्षक मो. असलम खान ने कहा कि देश की आजादी में उर्दू ने अहम किरदार अदा किया है। मुशायरा रात भर बड़ी कामयाबी के साथ संपन्न हुआ। मुशायरे में नासिर फराज उड़ीसा ने शेर पढ़ा कि दिलों केरिश्ते कभी तोड़ कर नहीं जाना, वतन की मिट्टी से मुंह मोड़ कर नहीं जाना। डॉ. अना देहल्वी ने कहा जब कभी हुस्न की पाकीज़ा कहानी लिखना, श्याम के इश्क़ में मीरा को दिवानी लिखना। मैकश आजमी ने कहा जो दिल में हौसला पंखों में जान रखते हैं, वही परिंदे तो ऊंची उड़ान रखते हैं। खुर्शीद हैदर मुजफ्फरनगर ने कहा खुशियों के तराने में जरा देर लगेगी, रुठे हैं मनाने में जरा देर लगेगी। जमील खैराबादी ने कहा बहुत बुलंद फिजा में तेरी पतंग सही, मगर यह सोच जराडोर किसके हाथ में है। साबिर जलालपुरी ने कहा वतन से प्यार की साबिर यही निशानी है, लगा है छत पे जो हिंदुस्तान का परचम। सलीम दरियापुरी ने कहा प्यार बनके छाना है आज हमको भारत में, दिल से दिल मिलाना है आज हमको भारत में। इसके अलावा जीनत मुरादाबादी, करीमुद्दीन सिद्धार्थ नगरी, कविता शाहीन, इमरान फैज नागपुरी, जमशेद फैजाबादी, मदर जलालपुरी, शगुफ्ता अंजुम लखनवी व अन्य ने अपने कलाम पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ज़िला अस्पताल में मरीज़ों को ठंड से बचने के लिए नहीं मिल पा रहा कंबल

- ठंड से बचना है तो घर से लेकर आएं कंबल

अवधनामा संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिला अस्पताल में भर्ती मरीजों को ठंड से बचने के लिए घर से कंबल या रजाई लानी पड़ रही है। दरअसल भर्ती मरीजों को जो कंबल मिल रहा, वह इतना पतला है, जिससे ठंड दूर ही नहीं हो सकती। वहीं, अस्पताल स्थित रैन बसेरे का भी बेहतर तरीके से लाभ तीमारदारों को नहीं मिल रहा।जिला अस्पताल में मरीजों व तीमारदारों को समुचित व्यवस्था का दावा तो बढ़-चढ़कर किया जा रहा, लेकिन उसे जमीनी हकीकत देने को लेकर ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा।

मौजूदा समय में अलग-अलग वार्ड में भर्ती मरीजों व तीमारदारों का कहना है कि ठंड लगातार बढ़ रही है, लेकिन इससे बचने के लिए मरीजों को बेहतर व्यवस्था नहीं मिल रही।वार्ड में भर्ती मरीजों का आरोप है कि जो कंबल उन्हें अस्पताल से मिल रहा है, वह अत्यंत पतला है। चादर के समान कंबल से ठंड दूर नहीं होती। ऐसे में घर से कंबल व रजाई मंगवाना पड़ रहा है।

जिम्मेदारों से शिकायत भी की गई, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका।रामनगर से आए तीमारदार विनय कुमार ने कहा कि उनके चाचा यहां भर्ती हैं। अस्पताल से पतली सी चादर मिली है। ऐसे में ठंड को देखते हुए घर से कंबल लाना पड़ा। अकबरपुर के तीमारदार संजय ने कहा कि उनकी मां को ठंड लगने के चलते उल्टी व बुखार था। उन्हें यहां भर्ती कराया। यहां ठंड से बचने की कोई व्यवस्था नहीं थी। इसलिए घर से रजाई मंगानी पड़ी। उतरेथू के तीमारदार आदर्श ने कहा कि बड़े भाई को यहां भर्ती कराया है। जब पतली सी चादर ओढ़ने को मिली, तो कहा कि इससे तो ठंड नहीं दूर होगी। घर से कंबल लाना पड़ा। कई अन्य मरीजों व तीमारदारों ने जिला अस्पताल में ठंड से बचने का उपाय न होने की शिकायत दर्ज कराई।जिला अस्पताल में मिले जहांगीरगंज के राजनाथ व मालीपुर के नीरज ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि दिन तो किसी तरह कट जाता है, लेकिन रात में तेज ठंड पड़ने से मुश्किल हो रही है। अलाव की समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। ऐसे में खुद ही अलाव की व्यवस्था कर रहे हैं। कटेहरी के तीमारदार राकेश कुमार व किछौछा के इमरान ने कहा कि रैन बसेरा तो स्थापित है, लेकिन उसका समुचित लाभ नहीं मिल रहा। अक्सर वह बंद ही रहता है। जब इसे लेकर जिम्मेदारों से कहा जाता है, तो ताला खोला जाता है। डॉ. ओमप्रकाश, सीएमएस ने कहा ठंड से बचाव के लिए मरीजों को सुविधाएं दी जा रही हैं। अस्पताल से उन्हें एक कंबल दिया जाता है। रैन बसेरा स्थापित है, तो अलाव की भी व्यवस्था की गई है।

बीआरसी में नोडल शिक्षको का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

- समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों को दी गई तमाम जानकारी
- विद्यालयों में दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग करें शिक्षक- ट्रेनर

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। स्थानीय ब्लॉक संसाधन केंद्र के प्रशिक्षण हाल में समेकित शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग बच्चों के समावेशी शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से नोडल शिक्षकों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण का सोमवार को शुभारंभ किया गया। अंतिम बैच के प्रशिक्षण अवसर पर ट्रेनर गणेश गौड़ ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को समावेशी शिक्षा दिलाने के उद्देश्य यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। सभी नोडल शिक्षक प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारी को सीखते हुए अपने विद्यालय में लागू करें। दिव्यांग बच्चे व सामान्य बच्चे एक साथ मिलकर शिक्षा ग्रहण करें। उन्होंने यह भी कहा कि स्क्रीनिंग के उपरांत ऐसे बच्चे जिनमें कोई शारीरिक बाधा / दिव्यांगता होने की संभावना होती है तो इन बच्चों की ट्रैकिंग कर संबंधित विद्यालय का भ्रमण एजुकेटर करते हैं। प्रशिक्षण में जानकारी देते हुए प्रशिक्षक अंजनी कुमार सिंह, रामकुमार चौधरी व शिवम शुक्ला ने बताया कि सामान्य जीवन में सभी बच्चे एक साथ शिक्षा ग्रहण करें और बच्चों में एक दूसरे के प्रति सहयोग की भावना हो ऐसा माहौल शिक्षक अपने कक्ष में तैयार करें। प्रशिक्षण के अंत में विभिन्न प्रकार के दिव्यांगता की पहचान के बारे में किट के माध्यम से समझाया गया। इस मौके पर नोडल शिक्षक नफीस हैदर रिजवी, अमृतलाल, आरिफ उस्मानी, राकेश कुमार,सलीम, संजय ,कुलदीप गौड़, अब्बास अली, दीपा कौशल, प्रियंका, संगम प्रजापति, आफरीन रिजवी, प्राप्ति अग्रहरि, मनीष चौरसिया, बीआरसी कार्यालय के अभिषेक सिंह, अमित मिश्रा,प्रेम प्रकाश चौबे सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे।

पूर्णिमा स्नान के साथ करेंगे गोविन्द साहब मेले मे श्रद्धालु पूजन

अंबेडकरनगर। पूर्वांचल के ऐतिहासिक गोविंदसाहब मेले में रविवार को श्रद्धालु पूर्णिमा का स्नान करने के साथ ही विशेष पूजन-अर्चन करेंगे। इस बीच परिसर स्थित गोविंद सरोवर में डुबकी लगाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु परिसर में पहुंच गए।वैसे तो पूर्णिमा के मौके पर मठ सरोवर में स्नान शनिवार मध्यरात्रि से ही शुरू हो गया, लेकिन रविवार सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धालु डुबकी लगाएंगे और इसके बाद मठ मंदिर में पहुंचकर विशेष पूजा-अर्चना करेंगे। साथ ही मंदिर में खिचड़ी भी चढ़ाएंगे। पूरे दिन यह सिलसिला जारी रहेगा। इस बीच पवित्र स्नान करने व पूजन-अर्चन के लिए शनिवार सुबह से ही न सिर्फ अंबेडकरनगर बल्कि पड़ोसी जनपद आजमगढ़, जौनपुर, संतकबीरनगर, गाजीपुर, गोरखपुर से श्रद्धालु पहुंचने लगे। देर शाम तक यह सिलसिला जारी रहा।इस बीच परिसर में पहुंचे बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने परिसर में लगी दुकानों पर पहुंचकर जमकर खरीदारी की। साथ ही झूले का भी आनंद लिया।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्माणाधीन ग्रामीण स्टेडियम निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी जयेंद्र कुमार द्वारा तहसील शोहरतगढ़ में ग्राम मधवापुर में प्रान्तीय रक्षक दल के द्वारा स्वीकृति निर्माणाधीन ग्रामीण स्टेडियम निर्माण कार्य का निरीक्षण किया गया। ग्रामीण स्टेडियम में मल्टी परपज हॉल, एथलेटिक टैक/ नेचुरल फुटवाल फिल्ड, फेंसिंग-बाउण्डीवाल एवं स्थल विकास कार्य कराया जाना है। निरीक्षण के समय मल्टीपरपज हॉल का निर्माण होता पाया गया। निर्माण कार्य नींव स्तर पर पूर्ण है। निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की गुणवत्ता आदि परीक्षण किया गया। साइट इंजिनियर द्वारा बताया गया कि प्राक्कलन के अनुसार निर्धारित सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है। पिलर में कही-कही हनी कम्बिंग पाया गया। जिसे ठीक करने के निर्देश दिये गये। निर्देशित किया गया कि निर्धारित समय सीमा तक निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

प्रा. विद्यालय रमवापुर का सीडीओ ने किया निरीक्षण

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार ने विकास खण्ड शोहरतगढ़ के ग्राम पंचायत रमवापुर तिवारी में प्राथमिक विद्यालय का निरीक्षण किया गया द्य निरीक्षण के दौरान शिक्षक गण एवं छात्र छात्राओं की उपस्थिति पंजिका को देखा गया। नामाकंन 109 के सापेक्ष उपस्थित 85 पाया गया। उपस्थिती अध्यापक द्वारा बताया गया कि अध्यापक की संख्या कम है। निर्देशित किया गया कि बच्चो की उपस्थिति बढ़ाने के लिए अभिभावक से वार्तालाप करें तथा नियमित रूप से ग्राम में भ्रमण करेंद्य रसोइए द्वारा एप्रन एवम हेड कैप के प्रयोग किया जा रहा है। प्रधानाध्यापक को निर्देशित किया गया कि जिन बच्चो के अभिभावक के खाते में ड्रेस, किताब, जूता मोजा आदि क्रय करने हेतु धनराशि प्रेषित किया गया है, ऐसे अभिभावको को जागरूक करते हुए क्रय कराये जाने हेतु निर्देश दिया गया। निपुण के सम्बन्ध में वार्तालाप किया गया। विद्यालय परिसर में ग्राम पंचायत से बॉउंड्रीवॉल, रसोई घर एवं एम.डी.एम शेड का निर्माण महात्मा गांधी नरेगा योजना से कराया जा रहा है। जिसका निरीक्षण करते हुए आवश्यक निर्देश दिया गया।

शैक्षणिक भ्रमण पर गए विद्यालय के छात्र छात्राओं ने देखा अयोध्या धाम की ऐतिहासिक स्थल

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। गेटवे ऑफ नेपाल का प्रसिद्धनगर पंचायत बढ़नी में स्थित आर्यकन्या एवं दयानंद विद्यालय के छात्र / छात्राओं ने धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से विश्व विख्यात अयोध्या नगरी का भ्रमण करते हुए वहाँ की प्राचीन विरासत और नव निर्माण हो रहे दिव्य, नव्य और भव्य मंदिर में स्थित श्रीराम लला को देख प्रसन्न और आनंदित हो उठे। शैक्षणिक भ्रमण पर गए विद्यालय के छात्र छात्राओं ने अयोध्या धाम पहुंचकर श्रीराम पैड़ी, हनुमान गढ़ी तथा सरयू तट आदि प्रसिद्ध स्थानों पर जाकर धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी प्राप्त की। तदोपरांत भ्रमण करते हुए हजारों की लंबी कतार में लगकर छात्र छात्राओं ने का दिव्य, नव्य और भव्य मंदिर में विराजमान प्रभु श्रीराम लला का दर्शन कर प्रफुल्लित हो उठे और विद्यार्थियों ने तीव्र ध्वनि से जयसियाराम का जयघोष किया। शास्त्रों में वर्णित अवध धाम के उल्लेखनीय स्थानों का भ्रमण करते हुए विद्यार्थियों और शिक्षक शिक्षिकाओं का समूह वापस अपने गंतव्य पर पहुंचा। इस दौरान वरिष्ठ शिक्षक वीपी शुक्ला, जुग्गीराम राही, राजेश कुमार, चन्दा लाल, दीपक अग्रहरि, रामबरन यादव, लौहर राम, गणेश पाण्डेय, सुश्री वर्षा वर्मा, रेणुका श्रीवास्तव, रीता शाही, वीरेंद्र पाण्डेय, कृष्ण मोहन त्रिपाठी, आशीष यादव, ऋषि अग्रहरि आदि भूमिका सराहनीय रही।

168 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य शिविर में हुई जांच 16 उच्च जोखिम वाली महिलाएं चिन्हित

भनवापुर के सीएचसी सिरसिया में आयोजित प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान शिविर

अवधनामा संवाददाता

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। भनवापुर विकास क्षेत्र स्थित सीएचसी सिरसिया में सोमवार को अधीक्षक डॉ.शैलेन्द्र मणि ओझा की अगुवाई में प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) के तहत गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में 168 गर्भवती महिलाओं की जांच की गई, जिसमें से 16 जोखिम वाली महिलाएं पाई गई,जिन्हे जरूरी सुझाव के साथ ही उपचार किया गया।

एचआरपी डे प्रत्येक माह के 1, 9, 16 व 24 तारीख को सीएचसी पर पीएमएसएमए का आयोजन किया जाता है।डॉ.शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया कि आयोजन के माध्यम से गर्भवती महिलाओं में गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं का गर्भावस्था की शुरुआती दिनो में चिन्हीकरण करते हुए समय रहते चिकित्सीय परामर्श व इलाज तथा संस्थागत प्रसव की सुविधा देते हुए जच्चा और बच्चा को सुरक्षित किया जाता है। गर्भवती महिलाओं को चिन्हित प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर पर निःशुल्क में अल्ट्रासाउंड की सुविधा दी जाती है,लेकिन इसके लिए गर्भवती महिला को पीएमएसएमए दिवस में प्रतिभाग करना जरूरी होता है। इस अभियान में डॉ.सिद्धार्थ, डॉ आशीष, डॉ.एलबी यादव, मेराज अहमद, विनय कुमार भारती, प्रिंस पाण्डेय, रविंद्र कुमार, अमित कुमार, रूपम पाठक, वर्षा सागर, रेखा पांडेय, आशा देवी आदि के द्वारा अपना योगदान दिया गया।

ईओ की निगरानी में हुई मंदिर परिसर में साफ सफाई एवं दवा छिड़काव

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत भारत भारी के भरत नगर तीर्थ सागर के चारों तरफ एवं मंदिर परिसर में सोमवार को अधिशासी अधिकारी राजन गुप्ता की निगरानी में नगर पंचायत द्वारा साफ सफाई एवं दवा छिड़काव किया गया। साफ-सफाई को लेकर अधिशासी अधिकारी राजन कुमार गुप्ता ने बताया कि सागर में बहुत सारे जीव जंतु हैं, जिनके जान की सुरक्षा हेतु नियमित रूप से पानी साफ करवाया जाता है तथा उसमें आवश्यक दवाइयां भी डाली जाती हैं। इस अवसर पर सुधांशु अग्रहरि, कपिल पांडेय, सुपरवाइजर महेन्द्र, प्रेम चन्द्र, सलमान, गोविंद पांडेय, कर्मचारी संदीप गुप्ता, राम सुरेश, बुद्धिराम, सुभाष, गंगा राम, अमित कुमार, विनय, सुनील आदि लोग मौजूद रहे।

सभी परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां समय से पूर्ण करें : डीएम

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी व आयोग से नामित प्रेक्षकों की उपस्थिति में सम्मिलित राज्य/ प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा0) परीक्षा 2024 को सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्षता एवं सुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने की दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों, सहायक केंद्र व्यवस्थापकों एवं अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की तथा समस्त तैयारियों को समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों को परीक्षा की आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का गहन अध्ययन करने और समस्त दिशा निर्देशों से भली भांति अवगत हो लेने तथा परीक्षा के दौरान माननीय लोक सेवा आयोग के दिशाङ्कनिर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट को आज ही अपने से संबंधित परीक्षा केंद्रों और उनके प्रत्येक परीक्षा कक्ष का स्वयं निरीक्षण करने और प्रत्येक केंद्र/कक्ष में सीसीटीवी की क्रियाशीलता, प्रकाश व्यवस्था, दीवाल घड़ी, परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल एवं आवागमन आदि व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा की समस्त प्रक्रियाओं में माननीय आयोग की समयबद्धता का अक्षरशः अनुपालन करने के निर्देश दिए।

सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के सामग्रियां के रखने हेतु क्लॉक रूम की व्यवस्था करने, परीक्षा केंद्र में प्रवेश से पूर्व प्रत्येक परीक्षार्थी के सघन तलाशी की समुचित व्यवस्था/ ड्यूटी लगाने और यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि कोई भी परीक्षार्थी आयोग द्वारा प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा केंद्र के अंदर लेकर न जाने पाए। उन्होंने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर तैयारियां समय से पूर्ण करें और त्रुटि विहीन परीक्षा संपन्न कराएं, किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी/कर्मचारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी द्वारा सभी मजिस्ट्रेटों एवं केंद्र व्यवस्थापकों को माननीय लोक सेवा आयोग के निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

उन्होंने बताया कि जनपद अंबेडकरनगर में आयोग द्वारा पीसीएस परीक्षा 2024 को 22 दिसंबर 2024 को जनपद के 19 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जा रही है जिसमें कुल 8352 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा दो पालियों में सुबह 9:30 बजे से 11:30 तक एवं अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षा को निर्विघ्न एवं सकुशल संपन्न कराए जाने के लिए माननीय आयोग के मानक के अनुरूप प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक-एक सेक्टर एवं एक-एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए गए हैं। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सशस्त्र महिला एवं पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की तैनाती की गई है। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों के प्रवेश का समय प्रथम पाली में प्रातः 8:00 बजे से 8:45 बजे तक तथा द्वितीय पाली में अपराह्न 1:00 से 1:45 बजे तक होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 45 मिनट पहले परीक्षा केंद्र में प्रवेश बंद कर दिया जाएगा प्रवेश बंद होने के उपरांत किसी भी अभ्यर्थी को परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

दिल्ली की टीम ने दुकान पर मारा छापा

अंबेडकरनगर। बड़ी मात्रा में नकली तेल व फूड सामग्री पकड़े जाने के मामले में पुलिस ने संबंधित कंपनी के अधिकारी की तहरीर पर व्यापारी के खिलाफ कापी राइट एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। दक्षिणी दिल्ली के महरौली स्थित कंपनी के मुख्यालय के रिशू मिश्रा टाटा कंज्युमर प्रोडक्ट व पतंजलि फूड कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि व उच्चाधिकारी हैं। काफी दिनों से कंपनी के अधिकारियों को महरुआ कस्बे में कंपनी के नाम पर नकली प्रोडक्ट रखने व बेचने की शिकायत मिल रही थी। शनिवार को एरिया मैनेजर के नेतृत्व में कंपनी ने टीम गठित कर जांच के लिए महरुआ भेजा। कंपनी के अधिकारी, कर्मचारी तथा पुलिस की संयुक्त टीम ने पहुंचकर कस्बे के शिवगणेश गुप्ता के किराना की दुकान पर छापा मारा। पुलिस की मौजूदगी में टीम ने दुकान व गोदाम में सघन जांच-पड़ताल की। इस दौरान टीम को दुकान में रखा पतंजलि कंपनी का फर्जी लेबलयुक्त 113 बोतल सरसों का तेल व टाटा कंपनी के नकली लेबलयुक्त 251 पैकेट चायपत्ती बरामद हुई।

नगर के विभिन्न जगहों पर ईओ ने जलवाए अलाव

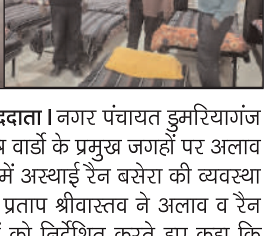

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। नगर पंचायत डुमरियागंज में बढ़ती ठण्ड को देखते हुए नगर के विभिन्न वार्डो के प्रमुख जगहों पर अलाव जलवाया साथ ही नगर पंचायत सभागार में अस्थाई रैन बसेरा की व्यवस्था कराई गई है। अधिशासी अधिकारी महेश प्रताप श्रीवास्तव ने अलाव व रैन बसेरा का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि ठण्ड का मौसम चल रहा है ऐसे में नगर का कोई भी व्यक्ति प्रभावित न होने पाए इसलिए अलाव की व्यवस्था निरंतर की जाए वही गरीबों और यात्रियों को कही सहारा न मिलने पर रैन बसेरा में ठहरने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि दोनों कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नही की जाएगी। इस मौके पर मोहम्मद हैदर, कासिम मेंहदी, अर्पित द्विवेदी, हैदर सहित तमाम नगर पंचायत कर्मी मौजूद रहे।

रोकने के जगह खन्डन

बांगला देश में जिस तरह हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों पर हमले हो रहे है उसे रोकने के बजाय वहां के अन्तरिम सरकार के मुख्य सलाहकार उसके खन्डन में लगे हुये है। वह कह रहे है घटनाओं को भारत और उनका मीडिया बढ़ा चढ़ा कर बता रहा है। अमेरिका और अन्य देशो की चिन्ताओं पर वह खामोशी अख्तियार किये हुये है। पर अमेरिकी इन घटनाओं पर नलदीकी नजर रखे हुये है।

अमेरिका की मुहम्म्द यूनुस से करीबी है। कहते है हंसीना को बाहर करने में अमेरिका का परोक्ष समर्थन है। इस्लामिक कट्टरपन्थी तत्वों की भूमिका तो जग जाहिर है। पर अमेरिका इस तरह के हमलों के पक्ष में नहीं है उसकी चिन्ता देख अन्दाज लगाया जा रहा है कि मोहम्मद युनुस किस हद तक अपने व्योहार और सोच में अमेरिकी चिन्ता को लेकर बदलाव ला पाते है।

अभी तक तो यूनुस के सोच और कार्यकलाप में कोई बदलाव नही दिख रहा है। युनुस की नीतियां बांगलादेश के साथ-साथ पाकिस्तान के कट्टरपन्थियों को भी बढ़ावा देने का काम कर सकते है। अमेरिकी वहां के मानवाधिकारों के लिये चिन्तित है। भारत अपने पड़ोसी देश में अशान्ती नहीं चाहता है। शेख हसीना जब तक थी भारत के हितों को ख्याल रखती थी। भारत वहां के इनफ्रास्ट्रक्चर के लिये पहले से ही काफी मदद दे रहा है।

अन्तरिम सरकार ने फैसला लिया है कि पाकिस्तानी और पाकिस्तानी मूल लोगों के लिये बांग्लादेश में यात्रा करने के लिये सिक्योरिटी क्लीयरेन्स लेना जरूरी नही होगा। इससे भारत की चिन्ता बढ़ना लाजिमी है। क्योकि इससे पाकिस्तान में सक्रिय आतकवादी तत्वों का बांग्लादेश आना जाना हो जायेगा। चूकि बांग्लादेश और भारत की लम्बी सीमा रेखा है इसलिये आतंकीयों को भारत की सुरक्षा में सेन्ध लगाना आसान हो जायेगे और वे अपने कूकृत्यों से बाज नहीं आयेगे। भारत की 4000 कि.मी. लम्बी सीमा रेखा है। 2001 से 2006 के बीच बीएनय और जमात-ए-इस्लामी शासन के दौरान बांग्लादेश में सक्रिय आतंकी तत्वों के कई कारनामें कर भारत के परेशानी में डाला है।

बांग्लादेश एक तो भारत का पड़ोसी है यहां की घटनायें भारत के लिये कड़ी कूटनीतिक चुनौतियों पेश करता रहता है। कभी एक देश थे आज दो देश हो गये है। मसला सिर्फ अल्पसंख्यको पर हो रहे हमलों को लेकर ही नहीं है कानून व्यवस्था तक ही सीमित नहीं है। बांग्लादेश के अन्तरिम सरकार की लापरवाही उसके लिये भी परेशानियां पैदा कर देगी। देश के विकास को छोड़ ध्यान आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहेगा स्वयम अन्तरिम सरकार के लिये भी खतरा पैदा हो जायेगे। कुछ देश ऐसे है जहां सत्ता परिवर्तन रह रह कर होता ही रहत है। स्थायी शान्ती उनके लिये सपना होता है। नतीजन जनता मूलभूत सुविधायें के लिये तड़पती रहती है। आतकी संगठन तोड़ फेड़ मे लगे रहते है। क्योंकि इसी लिये उन्हें गलत देशों से फन्ड मिलते रहते है वे जुर्म भी करते है ऐश भी करते है। यहां के ताजा हालात से भारत हमेशा सचेत रहता है। अघोषित कार्रवाई चलती रहती है।

प्रयागराज का महाकुंभ सामाजिक समरसता और एकता का महासूत्र

विभिन्न धर्मों और संप्रदायों में विश्वास करने वाला हमारा यह देश है। यहां अनेक पर्व, उत्सव और मेले आयोजित होते हैं, इसलिए यह कहावत है सात वार और नौ त्यौहार! धार्मिक पर्वो और उत्सवों से त्याग, तप, साधना, परोपकार, धार्मिक जागृति और आध्यात्मिक चेतना के दर्शन होते हैं। ऐसे ही सनातनधर्मियों का, हिन्दुओं का सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है कुंभ, या कह सकते हैं महाकुम्भ, जो विश्व का सबसे बड़ा मेला कहा जा सकता है। यह महापर्व कब, क्यों और कहां मनाया जाता है, इसके आधार को पुराणों में उल्लेखित निम्न पंक्तियों से समझा जा सकता है।

सुरेश सिंह बैस

कुशस्थली तीर्थवर, देवानामपि, दुर्लभ्य।
माधवे, धवले पक्षे सिंह जीवे इनोश्चगे।
तुलाराशौ क्षपानाथे स्वातिथे पूर्णिमा तिथौ।
व्यतिपाते तु सम्प्राप्ते चंद्रवासर संयुते।।
एजेनशत महायोगः स्थानान्मुक्ति फलप्रदा।।

उक्त संदर्भ समुद्र मंथन से है। जब देव दानवों द्वारा समुद्र मंथन किया गया, मंथन से अमृत सहित चौदह दिव्य रत्नों की प्राप्ति, अमृत पर अधिकार के लिये देव- दानवों में संघर्ष और संघर्ष में भारत के चार प्रमुख तीर्थों में अमृत बिन्दु का छलक पड़ना। अमृत बिन्दु पतन से चारों तीर्थ स्थान अमर और पवित्र हो गये। यहां की पवित्र नदियां भी अमृतमयी हो गई है।

विष्णु द्वारे तीर्थराजे
वन्त्यां गोदावरी तटे।
सुधा बिन्दु विनिक्षेपात
कुम्भपर्वेति-विश्रुतम।।

अर्थात् अमृत बिंदु पतन से पृथ्वी पर चार कुंभ पर्व हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में आयोजित होते हैं। जिसमें हरिद्वार का कुंभ पर्व कुंभ राशि के गुरु, मेष के सूर्व में वैशाख मास में आयोजित होता है। वहीं प्रयाग (इलाहाबाद) का कुंभ महापर्व मेष वा वृषभ का गुरु, मकर का सूर्य और माध मास में सम्पन्न होता है। नासिक में सिंह राशि का गुरु, सिंह का सूर्य तथा श्रावण मास के संयोग से पर्व होता है। इसी प्रकार उज्जैन का कुंभ सिंह राशि का गुरु, वैशाख मास के मेष के सूर्य में कुंभ पर्व होता है। कुंभ भारतीय जनजीवन, संत महात्माओं के आध्यात्मिक चिंतन, जीवन दर्शन और प्राचीन संस्कृति का पुंजीभूत है। इसकी मांगलिक विचारधाराएं सरिताओं के पावन जलप्रवाह के माध्यम से जन जागृति और नवचेतना का शंखनाद सदियों से करती आई है। बारह वर्ष बाद यह पुनः पुनः आ जाता है। प्रयागराज का अमृत महाकुंभ, जो विश्व का सबसे बड़ा मेला पुनीत पावनक गंगा जमुना, और अदृश्य सरस्वती के संगम पर उभरता एक लघु भारत। प्रयाग की धरती से एक बार फिर गूंज रहा है हम एक हैं का अमृत घोष। अजस्त्र वाहिनी गंगा जमुना-सरस्वती का संगम-स्थल। भूमंडल के पूर्व यानी नासिकाग्र (प्रयाग) पर होता है राशि चक्र में कुंभ राशि पर गुरुदेव बृहस्पति के परिभ्रमण पर यह अमृत योग आता है। यह भी गौर करने की बात है कि सभ्यता एवं संस्कृति के विकासमान जीवन और जगत को प्राचीन समय में ही नहीं आज के वैज्ञानिक तकनीकी समय में भी महाकुंभ से संबंधित शहरों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के व्यापार, व्यवसाय,विपणन, वाणिज्य को बल मिलता है। यहां वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी विनियम होता है। इन विराट कुंभ मेलों में शास्त्रज्ञों, ज्योतिषियों, विद्वानों, कलाकारों, कवियों का समागम सम्मान होता है, तो दूसरी ओर नाम दान द्वारा अपरिग्रह की भावना को सुंपष्टि दी जाती है। पर्यटन एवं पर्यावरण के महत्व को आत्मसात करने वाले मानव समाज को यात्रा की प्रवृत्ति, उसे एकरस जीवन से हटाकर पाप विमुक्ति तथा ग्रहचक्र एवं दुर्देव से सुरक्षा के भाव जगाता है। इस पावन - महापर्व का आकर्षण ही ऐसा है कि भारत के कोने-कोने से और तो और विश्व के अनेक देशों के लोग भी कुंभ नगरी में सिमटने लगे हैं। कुंभ महापर्व की यह पराकाष्ठा ही है की उत्तरप्रदेश की सरकार ने 12 जनवरी 2025 से आयोजित गंगा किनारे कुंभ स्थल क्षेत्र को कुंभ जिला घोषित कर दिया है। यद्यपि इनकी भाषा, वेशभूषा, रंगढंग सभी एक दूसरे से भिन्न होते हैं, परंतु इनका लक्ष्य एक होता है, मंजिल एक होती है सभी में एक ही भावना और समरसता के दर्शन किये जा सकते हैं और यह हैं अनेकता में एकता का संगम। आज का मनुष्य क्या स्त्री, पुरुष, बाल-अबाल, साधू महात्मा, धन्वान-गरीब, गृहस्थ, संन्यासी, साक्षर असाक्षर हर तरह के लोग और समुदाय, कष्टों समस्याओं की चिंता नहीं करते हुये भी अमृत कुंभ के अमृतपान के लिये सहज एवं प्रसन्नता के साथ प्रत्येक स्थिति में भी उद्यत रहते हैं, यही तो है इस महापर्व का महात्म्य।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़्वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन
स्थानीय संपादक
मोहम्मद आलम रिज़्वी
RNI No UPHIN/2010/31173
टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716
avadhnamahindi@gmail.com,

जाकिर हुसैन यूं तो सम्मान एवं पुरस्कारों से ऊपर थे। फिर भी उन्हें 1988 में जब पद्मश्री का पुरस्कार मिला था तब वह महज 37 वर्ष के थे और इस उम्र में यह पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति भी थे। इसी तरह 2002 में संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण का पुरस्कार दिया गया था। 22 मार्च 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उस्ताद जाकिर हुसैन तबले को हमेशा आम लोगों से जोड़ने की कोशिश करते थे।

जाकिर हुसैन के निधन से शून्य हुई तबले की थाप

दुनियाभर में शास्त्रीय संगीत में भारत को अलग पहचान दिलाने वाले उस्ताद और मशहूर तबला वादक जाकिर हुसैन अब हमारे बीच नहीं रहे। 73 साल की उम्र में हुसैन ने अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को में आखिरी सांस ली। उनके निधन से आज भारतीय संगीत की लय थम गई, सुर मौन हो गए, भाव शून्य हो गए। मौसिकी की दुनिया में हुसैन के तबले की थाप एक अलहदा पहचान रखती है, वे दुनिया भर के अनगिनत संगीत प्रेमियों द्वारा संजोई गई एक असाधारण विरासत छोड़ गए हैं, जिसका प्रभाव आने वाली पीढ़ियों तक बना रहेगा। भारतीय तबले की गौरवशाली परंपरा की सुगंध विश्व भर में प्रसारित करने वाले हुसैन के अनंत में विलीन होने से गहन सन्नाटा छा गया है। हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत एवं तबला वादन का दुनिया में विशिष्ट स्थान है, क्योंकि यह सत्यं, शिवं और सौन्दर्य की युगपत् उपासना की सिद्ध एवं चमत्कारी अभिव्यक्ति है। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत में क्रांति का शंखनाद किया।

ललित गर्ग

उस्ताद जाकिर हुसैन का जन्म 9 मार्च 1951 को हुआ, जाकिर हुसैन तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के बेटे थे। हुसैन का बचपन मुंबई में ही बीता। 12 साल की उम्र से ही जाकिर हुसैन ने संगीत की दुनिया में अपने तबले की आवाज को बिखेरना शुरू कर दिया था। प्रारंभिक शिक्षा और कॉलेज के बाद हुसैन ने कला के क्षेत्र में अपने आप को स्थापित करना शुरू कर दिया। 1973 में उनका पहला एलबम लिविंग इन द मैटेरियल वर्ल्ड आया था। उसके बाद तो जैसे जाकिर हुसैन ने ठान लिया कि अपने तबले की आवाज को दुनिया भर में बिखेरेंगे। 1979 से लेकर अब तक जाकिर हुसैन विभिन्न अंतरराष्ट्रीय समारोहों और एलबमों में अपने तबले का दम दिखाते रहे। जाकिर हुसैन भारत में तो बहुत ही प्रसिद्ध थे साथ ही साथ विश्व के विभिन्न हिस्सों में भी समान रूप से लोकप्रिय थे। वे भारतीय संगीत जगत का एक उज्ज्वल नक्षत्र थे। वे पारम्परिक कौशल, रचनात्मकता एवं संवेदनशीलता से युक्त तबला वादन में कल्पनाशील विस्तार, गहन अलौकिकता और अचूक कलात्मक संयम एवं वैभव के लिये विख्यात थे। वे अपनी कला के अकेले महारथि थे। उन्होंने शास्त्रीय संगीत एवं कला को लोकरंजन का साधन बनाने के लिये क्लिष्टता को दूर कर उसे सुगम बनाया। ईश्वर को आलोकपुंज मानते हुए उससे एकाकार होकर अपनी कला को प्रस्तुति देते हुए हुसैन ऐसा प्रतीत कराते थे, मानो उनका ईश्वर से सीधा साक्षात्कार हो रहा है। यही कारण है कि उनके तबले वादन एवं संगीत साधना से रू-ब-रू होने वाले असंख्य लोग उनकी साधना में गौता लगाते हुए मंत्रमुग्ध हो जाते थे। उनका यह स्थान सर्वोपरि रहा है, जिसे अब कोई पूरा नहीं कर सकता। उनके निधन से तबला वादन संसार की एक पाठशाला आज वीरान हो गई।

जाकिर हुसैन यूं तो सम्मान एवं पुरस्कारों से ऊपर थे। फिर भी उन्हें 1988 में जब पद्मश्री का पुरस्कार मिला था तब वह महज 37 वर्ष के थे और इस उम्र में यह पुरस्कार पाने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति भी थे। इसी तरह 2002 में संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म भूषण का पुरस्कार दिया गया था। 22 मार्च 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। उस्ताद जाकिर हुसैन तबले को हमेशा आम लोगों से जोड़ने की कोशिश करते थे। यही वजह थी कि शास्त्रीय विधा में प्रस्तुतियों के दौरान बीच-बीच में वे अपने तबले से कभी डमरू, कभी शंख तो कभी बारिश की बूंदों जैसी अलग-अलग तरह की ध्वनियां निकालकर सुनाते थे। वे कहते थे कि शिवजी के डमरू से कैलाश पर्वत से जो शब्द निकले थे, वही शब्द लेकर उन्हें ताल की जुबान में बांधा। हम सब तालवादक, तालयोगी या तालसेवक उन्हीं शब्दों को अपने वाद्य पर बजाते हैं। गणेशजी इन सबके कुलदेव हैं। उस्ताद जाकिर हुसैन की शख्सियत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने महज 11 साल की उम्र में अमेरिका में पहला कॉन्सर्ट किया। यानी तकरीबन 62 साल तक उनका और तबले का साथ नहीं छूटा। उन्हें उनकी पीढ़ी के सबसे महान तबला वादकों में माना जाता है।

जब तबले का जिक्र आता है तो सबसे बड़े नामों में उस्ताद जाकिर हुसैन का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। उन्होंने न सिर्फ अपने पिता उस्ताद अल्ला रक्खा खां की पंजाब घराने (पंजाब बाज) की विरासत को आगे बढ़ाया, बल्कि तबले के शास्त्रीय वादन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ले गए। उस्ताद को संगीत की दुनिया का सबसे बड़ा ग्रैमी अवॉर्ड 1992 में 'द प्लेनेट ड्रम' और 2009 में 'ग्लोबल ड्रम प्रोजेक्ट' के लिए मिला। इसके बाद 2024 में उन्हें तीन अलग-अलग संगीत एलबमों के लिए एकसाथ तीन ग्रैमी मिले। 1978 में जाकिर हुसैन ने कथक नृत्यांगना एंटोनिया मिनीकोला से शादी की थी। उनकी दो बेटियां हैं, अनीसा कुरैशी और इसाबेला कुरैशी। अनीसा ने यूसीएलए से स्नातक किया है और वह एक फिल्म निर्माता हैं। 1983 में जाकिर हुसैन ने फिल्म 'हीट एंड डस्ट' से अभिनय के क्षेत्र में कदम रखा। इसके बाद 1988 में 'द परफेक्ट मर्डर', 1992 में 'मिस बैटीज चिल्डर्स' और 1998 में 'साज' फिल्म में भी उन्होंने अभिनय किया।

हुसैन का तबला वादन का सृजन एवं संगीत मनोरंजन एवं व्यावसायिकता के साथ आध्यात्मिकता एवं सृजनात्मकता का आभामंडल निर्मित करने वाला है। उनके भारतीय शास्त्रीय संगीत की साधना एवं तबला वादन का उद्देश्य आत्माभिव्यक्ति, प्रशंसा या किसी को प्रभावित करना नहीं, अपितु स्वान्तः सुखाय, पर-कल्याण एवं ईश्वर भक्ति की भावना है। इसी कारण उनका शास्त्रीय संगीत, एवं तबला वादन स्वरों की साधना सीमा को लांघकर असीम की ओर गति करती हुई दृष्टिगोचर होती है। उनका उनका तबला वादन हृदयग्राही एवं प्रेरक है क्योंकि वह सहज एवं हर इंसान को आत्ममुग्ध करने, झकझोरने एवं आनन्द-विभोर करने में सक्षम है। भगवान शिव की जीवंतता को साकार करने वाला यह महान् कलाकार सदियों तक अपनी शास्त्रीय-संगीत साधना एवं तबला वादन के बल पर हिन्दुस्तान की जनता पर अपनी अमिट छाप कायम रखेगा। 90 के दशक में ताजमहल चाय के 'वाह ताज' विज्ञापन ने उन्हें हर घर में पहचान दिलाई। इस विज्ञापन में चाय की चुस्की लेते हुए उनकी तबला जुगलबंदी के दौरान बोली गई वाह ताज ने ताजमहल चाय को आम लोगों में फेमस कर दिया था।

दहेज प्रथा को खत्म करना हम सब की साझी जिम्मेदारी

हर मुद्दे पर लोग अपनी राय देने के लिए तैयार बैठे होते है। मुझे लगता है की राय दी जानी चाहिए बशर्ते आपको उसके बारे में जानकारी हो, अन्यथा नहीं बोलना चाहिए। मुझे नहीं पता किसका दोष है, हमारा सहज लोगों का समाज़ नहीं है। अगर एक आदमी दोषी है या एक महिला दोषी है तो पूरे वर्ग को लपेटना और पूरे वर्ग को दोषी कहना कहीं से भी जायज नहीं है। हमारे देश की लगभग 70 फ़ीसदी महिलाएं कभी न कभी अपनी ज़िंदगी में क्रूरता की शिकार होती है। यह भी सच है शादी के बाद अधिकांश दहेज के जो मामले होते हैं वह अधिकांश झूठे होते हैं। कुछ सालों से पुरुष प्रताड़ना के केस भी खुलकर सामने आ रहे हैं। हालांकि इससे कौन इंकार करेगा हमारे देश में दहेज खूब लिया जाता है, खूब दिया जाता है।

अभी कुछ दिनों से इंजीनियर का मामला विमर्श का विषय बना हुआ ह। सोशल मीडिया के दौर में हर कोई अपना मत प्रस्तुत कर रहा है, मैं समझता हूं कि हर मुद्दे पर अपनी राय रखना भी नहीं चाहिए। देखिए अगर किसी महिला ने गलत किया है तो इससे यह सिद्ध नहीं होता कि सारी की सारी महिलाएं खराब होती हैं या क्रूर होती है और अगर किसी पुरुष ने किसी महिला के साथ क्रूरता कर दी तो इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुरुष क्रूर होता है। अगर किसी वर्ग के किसी व्यक्ति ने कुछ गलत किया है तो इसका मतलब यह नहीं कि सारे वर्ग को कटघरे में खड़ा कर दिया जाए। यह बहुत नॉर्मल बात है केवल समझने की दरकार ह।

दिलीप पाठक

मै ऐसे कितने लोगों को जानता हूं जिन्होंने महिलाओं के साथ क्रूरता की है। ऐसी कितनी सारी महिलाएं हर रोज़ क्रूरता का शिकार होती हैं। संभवत आप सब भी जानते होंगे तो इसका मतलब यह नहीं है कि हर पुरुष को क्रूर कहा जाए। हम समाज का अध्ययन करेंगे तो पता चलेगा कि भारत में खासकर हिंदी पट्टी राज्यों में अधिकांश लोगों का शादी सीजन में इन्हीं बातों पर दिन खर्च हो जाता है कि किसको कितना दहेज मिला है किसको कितना पैसा मिला है, किसको कौन सी गाड़ी मिली है। हिंदी पट्टी की यह भी एक सच्चाई है। हम कितने भी प्रोग्रेसिव बनने का ढोंग करें सच यही है कि हम अपने रिश्तेदारों को दहेज लेने - देने से भी रोक नहीं पाते। खुद से पूछिए आपने ऐसी कितनी शादियों का बहिष्कार किया या अपने रिश्तेदारों को दहेज के लिए रोका और जागरूक किया, दरअसल दूसरों को हर रोज़ आईना दिखाने वाला समाज़ कभी आईना नहीं देखता... ग़र आईना देखेंगे तो समाज़ में व्याप्त कुरीतियों को ख़त्म किया जा सकता है । यह हम सब की नैतिक ज़िम्मेदारी है।

हमारे यहां गवर्नमेंट जॉब, या किसी बड़ी नौकरी का बच्चों से ज्यादा माता-पिता में एक फितूर होता है, कि मेरा बेटा नौकरी से लग जाए तो सबसे पहले मैं उसकी बोली लगाऊँ। अधिकांश यही होता है, हां मैं बड़ी जिम्मेदारी के साथ कह रहा हूं। कुछ ऐसे भी लोग होते हैं जो अपनी बेटियों की शादी तभी करते हैं जब वे लड़के वाले से पैसे ले लेते हैं। कई जगह मिसमैच शादियाँ ऐसे भी होती हैं। यह हद् गंदी बात है और इसीलिए मैं हमेशा कहता हूं किसी भी संदर्भ में देखिए ये सबसे खराब दौर है।

हर मुद्दे पर लोग अपनी राय देने के लिए तैयार बैठे होते है। मुझे लगता है की राय दी जानी चाहिए बशर्ते आपको उसके बारे में जानकारी हो, अन्यथा नहीं बोलना चाहिए। मुझे नहीं पता किसका दोष है, हमारा सहज लोगों का समाज़ नहीं है। अगर एक आदमी दोषी है या एक महिला दोषी है तो पूरे वर्ग को लपेटना और पूरे वर्ग को दोषी कहना कहीं से भी जायज नहीं है। हमारे देश की लगभग 70 फ़ीसदी महिलाएं कभी न कभी अपनी ज़िंदगी में क्रूरता की शिकार होती है। यह भी सच है शादी के बाद अधिकांश दहेज के जो मामले होते हैं वह अधिकांश झूठे होते हैं। कुछ सालों से पुरुष प्रताड़ना के केस भी खुलकर सामने आ रहे हैं। हालांकि इससे कौन इंकार करेगा हमारे देश में दहेज खूब लिया जाता है, खूब दिया जाता है। हम बहुत से ऐसे लोगों को जानते हैं जो बहुत पढ़े लिखे हैं समाज में बहुत अच्छी उनकी इज्जत है और वे समय - समय पर अच्छी खासी तकरीरें भी करते हैं लोगों को जागरूक करने का ढोंग भी करते हैं, लेकिन दहेज लेते है। कई तो दहेज बताते हैं कि इतने पैसे मिले हैं, बड़ी गाड़ी मिली है। मतलब हिन्दी पट्टी में ये भी इज्ज़तअफजाई का एक कारण होता है।

अभी पिछले हफ़्ते एक सज्जन मुझे बता रहे थे कि दिलीप मैंने अपनी बेटी की शादी 25 लाख में तय किया है घर अच्छा है लड़का सरकारी नौकरी करता है, मेरी बेटी को आराम रहेगा जबकि वे सज्जन राजनेता हैं. 25 लाख इसलिए क्योंकि पहले ही किसी ने 20 लाख रुपये का दहेज देने की बोली लगाई हुई थी। जबकि वो लड़का सरकारी अध्यापक है। मैंने कहा मुझे लेकर चलना फ्री शादी न हो तो कहना और आपने पैसे क्यों दिए? जिगर का टुकड़ा (बेटी) दिया यह क्या कम है? फिर ऐसे लालची लोगों के यहां रिश्ता क्यों करना? उन्होंने कहा कि फिर तो उनसे बुराई हो जाएगी अगर आपको लेकर चलेंगे। और फ़िर सरकारी नौकरी वाले लड़के आसानी से मिलते नहीं है। मैं सच कह रहा हूं मैं ऐसी फूहड़ अश्लील शादियों में शामिल ही नहीं होता। मुझे लेने वालों से ज्यादा दहेज देने वालों पर ज़्यादा गुस्सा आता है। दहेज देने की अपेक्षा बेटियों को पढ़ाने पर ज़ोर देना चाहिए।

यह समाज कैसे बदलेगा? इंजीनियर वाले मामले ने एक चिंता ये भी बढ़ा दी है कि सामाजिक स्तर ख़राब हुआ है। हम सब के लिए चिंता की बात है। इंजीनियर के साथ गलत हुआ है उसका मूल्यांकन होना चाहिए। अगर दहेज से संबंधित किसी कानून में कोई त्रुटि है तो उसकी कमियां दूर होना चाहिए। इंजीनियर के साथ क्रूरता हुई है उसकी पत्नी को सज़ा मिलनी ही चाहिए। किसी के साथ भी अन्याय मानवता पर प्रश्न चिन्ह है। हमारे देश का कानून भी लोगों के लिए अलग - अलग प्रकार से न्याय करता हुआ दिखता है.... हालाँकि जब तक हमारे दिमाग में दहेज, पुरुष प्रधानता जैसे मकड़जाल रहेंगे, इंजीनियर जैसे मामले आते रहेंगे।

विज़न 2047 की टीम इंडिया का मंथन

हम भारत के मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन 13-15 दिसंबर 2024 के आगाज़ की करें तो,केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और अधिक बढ़ावा देने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम हुआ इस सम्मेलन में राज्यों के साथ साझेदारी में एक साझा विकास एजेंडा और सुसंगत कार्रवाई के लिए प्रारूप तैयार करने और उसे लागू करने पर बल दिया। यह उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल पहलों को बढ़ाने और ग्रामीण एवं शहरी दोनों आबादी के लिए स्थायी रोजगार के अवसरों का सृजन करते हुए भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने हेतु सहयोगी कार्रवाई के लिए आधार तैयार करेगा।

वैश्विक स्तरपर जिस तेजी के साथ भारत प्रौद्योगिकी, विज्ञान, स्पेस सहित सभी क्षेत्रों में तेजी से नए इनोवेशन व नवाचार सृजित कर आगे बढ़ रहा है उसे देखकर दुनियाँ हैरान है व समझ गई है कि भारत अपने लक्ष्य विज़न 2047 की डेड लाइन से पहले ही पूरा कर लेगा व विकसित भारत बन विश्व की नंबर एक अर्थव्यवस्था बन जाएगा,जिससे विश्वगुरु का दर्जा पाने से कोई नहीं रोक सकता, जिसका पहिया लग चुका है व तेजी से रणनीतियां बनाकर क्रियान्वयन किया जा रहा है उसी कड़ी में दिनांक 13-15 दिसंबर को भारत के विभिन्न मंत्रालय के मुख्य सचिवों क़े चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन का समापन 15 दिसंबर को माननीय पीएम के संबोधन से हुआ जिसमें सम्मेलन में मुख्य रूप से जिन व्यापक विषयों पर चर्चा की उसके अंतर्गत छह क्षेत्रों पर विशेष जोर दिया,विनिर्माण, सेवा, ग्रामीण गैर-कृषि, शहरी, नवीकरणीय ऊर्जा और परिपत्र अर्थव्यवस्था को चिन्हित किया गया है।विकसित भारत के लिए अग्रणी प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास केंद्रों के रूप में शहरों का विकास, निवेश के लिए राज्यों में आर्थिक सुधार और मिशन कर्मयोगी के माध्यम से क्षमता निर्माण पर चार विशेष सत्र भी किए। इसके अलावा, भोजन के दौरान कृषि में आत्मनिर्भरताः खाद्य तेल और दालें, वृद्ध आबादी के लिए देखभाल अर्थव्यवस्था, पीएम सूर्य घर निःशुल्क बिजली योजना कार्यान्वयन औरभारतीय ज्ञान परंपरा पर केंद्रित विचार- विमर्श किया।सम्मेलन में प्रत्येक विषय के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रोंकी सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को भी प्रस्तुत किया,ताकि राज्यों में पारस्परिक शिक्षा को प्रोत्साहित किया जा सके। सम्मेलन में सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव,वरिष्ठ अधिकारी, क्षेत्र विशेषज्ञ तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे चूँकि मुख्य सचिव रूपी टीम इंडिया का मंथन हुआ, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी क़े सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, मुख्य सचिवों रूपी टीम इंडिया का खुले दिमाग से चर्चा के लिए एक साथ आना विज़न 2047 के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

किशन भावनानी

साथियों बात अगर हम भारत के मुख्य सचिवों के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन 13-15 दिसंबर 2024 के आगाज़ की करें तो,केंद्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी को और अधिक बढ़ावा देने की दिशा में यह एक और महत्वपूर्ण कदम हुआ इस सम्मेलन में राज्यों के साथ साझेदारी में एक साझा विकास एजेंडा और सुसंगत कार्रवाई के लिए प्रारूप तैयार करने और उसे लागू करने पर बल दिया।यह उद्यमिता को बढ़ावा देने, कौशल पहलों को बढ़ाने और ग्रामीण एवं शहरी दोनों आबादी के लिए स्थायी रोजगार के अवसरों का सृजन करते हुए भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का दोहन करने हेतु सहयोगी कार्रवाई के लिए आधार तैयार करेगा।सम्मेलन में केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों, नीति आयोग, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और क्षेत्र विशेषज्ञों के बीच व्यापक विचार-विमर्श के आधार पर, चौथा राष्ट्रीय सम्मेलन उद्यमिता, रोजगार और कौशल को बढ़ावा देना-जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाना विषय पर केंद्रित था, जिसमें राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के लिए अनुसरण करने हेतु सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और रणनीतियों को शामिल किया।

साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन को 15 दिसंबर 2024 की शाम समापन संबोधन की करें तो, रविवार को राज्यों से कहा कि वे ऐसा वातावरण बनाएं जहां स्टार्ट-अप्स आसानी से बढ़ सकें, साथ ही सरकारी नियमों को सरल बनाएं, जो आम नागरिकों के लिए अक्सर कठिन होते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यों को शासन के तरीके में सुधार करना चाहिए ताकि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बढ़ सके। सुधार प्रदर्शन और बदलाव पर ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है और लोगों को सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देना भी जरूरी है।स्वास्थ्य क्षेत्रपर पीएम ने कहा कि मोटापा देश के लिए बड़ी चुनौती बन गया है और इसे गंभीरता से लेना चाहिए। उनका मानना था कि एक फिट और स्वस्थ भारत ही विकसित भारत बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत को 2025 तक तपेदिक (टीबी) मुक्त किया जा सकता है और इस लक्ष्य में आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का अहम रोल होगा।उन्होंने कहा कि भारत की पुरानी पांडुलिपियां हमारी धरोहर हैं और राज्यों को इन्हें डिजिटल रूप में सुरक्षित रखने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए।राज्यों से कहा कि वे छोटे शहरों में ऐसे स्थानों की पहचान करें, जहां उद्यमी बैंकिंग, रसद और अन्य सेवाओं का फायदा उठा सकें। उन्होंने ई-कचरे के पुनर्चक्रण की जरूरत पर भी बात की, क्योंकि डिजिटल समाज बढ़ने से यह समस्या और बड़ी हो सकती है।शहरों को आर्थिक विकास का केंद्र बनाने के लिए मानव संसाधन विकास पर काम करना चाहिए, और शहरी शासन, जल प्रबंधन और पर्यावरण के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले संस्थान बनाने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि बढ़ती शहरीकरण के साथ, हमें शहरी आवास की समस्या पर भी ध्यान देना होगा। यह सम्मेलन विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। इसमें यह बात भी सामने आई कि महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास से भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिल सकता है।सम्मेलन यह दर्शाता है कि भारत को मध्यम आय वाले से उच्च आय वाले देशों मेंबदलने के लिए उद्यमिता, कौशल और रोजगार के नए अवसरों पर काम करना जरूरी है,और इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है।विशेष रूप से टियर 2/3शहरों में स्टार्ट-अप की तारीफ की, उन्होंने राज्यों से ऐसे इनोवेशन को प्रोत्साहित करने और ऐसा माहौल देने करने की दिशा में काम करने को कहा,जहां स्टार्ट-अप को मदद मिल सकें. उन्होंने राज्यों से छोटे शहरों में एंटरप्रेन्योरशिप के लिए सही जगह की पहचान करने और उन्हें बैंकिंग सिस्टम से जोड़ने, लॉजिस्टिक्स और सुविधा प्रदान करने की पहल करने की अपील की।

कई जिलों में घना कोहरा और शीतलहर की चेतावनी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। दिन भर खिली धूप में ठंड से राहत है, लेकिन शाम ढलते ही ठंडी हवाओं ने गलन का एहसास कराना शुरू कर दिया। प्रदेश के कई जिलों में सुबह और रात के समय घना कोहरा छाया हुआ है। जबकि कई जिलों में शीतलहर जारी है। पूर्वा हवाओं के असर से पिछले 24 घंटे में राजधानी लखनऊ समेत यूपी के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री तक बढ़त देखने को मिली है।

16 और 17 दिसंबर को आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं और आसपास इलाकों में घना कोहरा रहेगा। वहीं, गोंडा, श्रावस्ती,

■ प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा

बहराइच, लखीमपुर, सीतापुर, बाराबंकी, अयोध्या, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और आसपास क्षेत्र में शीतलहर की चेतावनी दी गई है।

मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार से पुरवाई जोर पकड़ेगी और तापमान में मामूली बढ़त के साथ प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिलेगा। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक अफगानिस्तान के आसपास एक नए विकसित हो रहे पश्चिमी विक्षोभ और केंद्रीय पाकिस्तान के ऊपर साइक्लोनिक सिस्टम के प्रभाव से बंगाल की खाड़ी की ओर से आ रही नमीयुक्त और अपेक्षाकृत गर्म पूर्वा हवाओं की वजह से तराई व पूर्वांचल समेत प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान में 1 से 2 डिग्री की बढ़त देखने को मिलेगी साथ ही अगले दो से तीन दिनों के लिए शीतलहर से राहत मिलेगी।

छह डिग्री से नीचे बना रहेगा तापमान

मौसम विज्ञानियों की माने तो अभी सोमवार को भी तापमान छह डिग्री सेल्सियस से नीचे ही बना रहेगा। मंगलवार को कोहरा छाएगा तो इसी दिन से चलने वाली पछुआ हवा तापमान को कमजोर कर देगा। इसका असर दिखेगा और न्यूनतम तापमान बढकर ठंड से थोड़ी राहत जरूर मिल जाएगी। उधर प्रदेश में सबसे ज्यादा ठंड वाला जिला अयोध्या रहा जहां तापमान ढाई सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। बरेली मंडल में बरेली से कम तापमान शाहजहांपुर का रहा जहां न्यूनतम तापमान 5.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ठंड अपने पूरे प्रभाव दिखा रहा है। नौ दिसंबर के बाद से रात का तापमान गिरा तो गिरता ही चला गया। दस डिग्री सेल्सियस से यह गिरते गिरते शनिवार को 4.4 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा जो प्रदेश के कम तापमान वाले आखिरी के दस जिलों में शुमार हो गया था। इसके साथ ही नैनीताल से भी ज्यादा ठंड वाला बरेली बन गया था।

तेज धूप से मिली राहत

रविवार को थोडी राहत जरूर मिल गई। तेज धूप की वजह से लोगों को दिन में तो राहत मिली लेकिन शनिवार की रात कष्ठकारी रही। शहर के साथ ग्रामीणांचल तक लोग ठिठुरते ही रहे। किसी ने अलाव के सामने रात बिताई तो तमाम लोग घरों में ही कैद रहे। जो किसान पशुओं से फसल की रखवाली करते थे वह भी रात में अपने घर में रहना मुनासिब समझे। सड़कों पर विचरण करने वाले बेसहारा पशु भी परेशान दिखे तो पक्षी भी।

हमारे पूर्वज हिंदुस्तान में रुके... शायद ये उनकी गलती थी

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन में बहराइच और संभल हिंसा को लेकर जमकर हंगामा हुआ। इस दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष ने जमकर एक दूसरे पर आरोप लगाए। सपा ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर सांप्रदायिक हिंसा को बढ़ावा देने के आरोप लगाए। अपना पक्ष रखने के दौरान सपा के विधान परिषद सदस्य शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली ने कहा कि इस सरकार में मुसलमानों पर अत्याचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे पूर्वज हिंदुस्तान में रुके शायद यह उनकी गलती थी। आज प्रदेश में मुसलमानों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसके बाद सपा के सदस्यों ने संभल हिंसा के मुद्दे पर सदन से बर्हिगमन कर दिया।

आरोपों पर जवाब देते हुए नेता सदन और उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद

मौर्य ने विपक्ष के सभी आरोपों को बेबुनियाद ठहराया और कहा कि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की गई है। एक भी उपद्रवी बचने नहीं पाएगा।

इसके पहले सीएम योगी ने संभल हिंसा पर जवाब दिया। उन्होंने कहा कि बहराइच और संभल की घटना में कार्रवाई आगे बढ़ रही है। सच सामने आएगा। आपकी पत्थरबाजी से सौहार्द नहीं आएगा। भारत एक ऐसा देश है, जहां बहुसंख्यक समाज सिर्फ समान नागरिक कानून मांग रहा है। इसकी

■ संभल हिंसा पर चर्चा में बोले सपा एमएलसी

मांग कोई बुरी बात नहीं है। विपक्ष सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग करता है। उन्होंने कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश ने समान नागरिक संहिता की बात कही तो विपक्ष ने उनके खिलाफ महाभियोग का नोटिस दे दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दंगे में शामिल, तमंचा लहराते और पत्थर फेंकते लोगों के सारे विजुअल मौजूद हैं।

भाषा विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं आरंभ

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय लखनऊ के सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं प्रारंभ हो गई हैं। विदित है कि खूवाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सत्र 2024-25 के सम सेमेस्टर की परीक्षाएं 16 दिसम्बर से प्रारंभ हो गई हैं सम सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए केन्द्र अध्यक्ष प्रो. एहतेशाम अहमद को बनाया गया है। वहीं सहायक केन्द्र अध्यक्ष में डॉ. राजेंद्र त्रिपाठी, डॉ. आज़म अंसारी और डॉ. श्वेता अग्रवाल को बनाया गया है। परीक्षा के पहले दिन दोनों पालियों में कुल 1737 विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई तो वहीं 40 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के पहले दिन निरीक्षण के दौरान माननीय कुलपति प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह ने केन्द्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं के साथ परीक्षाओ के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परीक्षाओं

■ दोनों पालियों में 1737 विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

के सफल संचालन के लिए विवि प्रशासन के द्वारा उड़ाका दल को भी नियुक्ति किया गया है जिसमें डॉ. नीरज शुक्ल, डॉ. मनीष कुमार, डॉ. उधम सिंह, डॉ. नलिनी मिश्रा, डॉ. बुशरा अलवेरा आदि ने परीक्षा के सफल संचालन में महती भूमिका निभाई। देविका देवेंद्र मंगलामुखी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर बोर्ड ने औपचारिक भ्रमण किया। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ में आज उत्तर प्रदेश ट्रांसजेंडर कल्याण बोर्ड के सदस्य सलाहकार, देविका एस देवेंद्र मंगलामुखी द्वारा औपचारिक भ्रमण किया गया। इस दौरे का उद्देश्य ट्रांसजेंडर समुदाय की शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना और जागरूकता बढ़ाने के लिए संवेदनशीलता कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करना था।

लखनऊ के विकास नगर इलाके में धंसी सड़क, दो साल में पांचवी बार ऐसा हुआ

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के विकास नगर इलाके में सोमवार को एक सड़क धंस गई। यह दो साल में पांचवीं बार है जब इलाके में सड़क धंसने की घटना घटी है। इससे लोगों में दहशत है।

मामले की जानकारी पर नगर निगम की टीम पहुंची और गड्ढे के चारों ओर बैरिकेडिंग करते हुए रोड ब्लॉक कर दी है। घटना की सीसीटीवी में प्राप्त हुई है जिसमें देखा जा सकता है कि एक ट्रक के गुजरने के बाद सड़क धंस गई और करीब 20 फीट लंबा गड्ढा हो गया।

घटनास्थल पर पहुंचे जल निगम के अधिशासी अभियंता दिव्यांशु कुमार सिंह ने कहा कि यहां पर एक पाइप लाइन डाली है जिसके कारण नीचे की मिट्टी हटने से इस तरह की घटना हुई है। हम जल्द ही मरम्मत की कार्रवाई शुरू कर रहे हैं।

पत्नी के खौफनाक इरादों से अनजान था पति... प्यार से पिलाई शराब

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मलिहाबाद में बेगुनाह युवक गोसाईंगंज निवासी प्रेम कुमार (35) की हत्या जमीन के लालच व अवैध संबंध के चलते की गई थी। मृतक की पत्नी, सास, पत्नी के प्रेमी और बहनोई ने मिलकर 25 नंबर की रात शराब पिलाने के बाद युवक को कुएं में फेंक दिया था। इससे उनकी मौत हो गई थी। रहीमाबाद पुलिस ने कॉल डिटेल से इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

गोसाईंगंज के चांद सराय निवासी प्रेम कुमार कानपुर स्थित बिठूर में निजी कंपनी में इलेक्ट्रीशियन थे। 26 नवंबर को उनका शव रहीमाबाद के खडौंहा गांव स्थित ससुराल में मिला था। ससुराल वालों ने शिनाख्त तक नहीं की थी। लावारिस में पुलिस ने अंतिम संस्कार कर दिया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण

■ फिर घरवाली ने किया ऐसा हश्र; नहीं होगा यकीन

डूबना आया था। पांच दिसंबर को प्रेम कुमार की पहचान साले ने ग्राम प्रधान के मोबाइल पर शव की फोटो देखकर की। सूचना पर परिजन रहीमाबाद थाने पहुंचे और शव की फोटो व कपड़े देखकर बताया कि कुएं में मिला शव प्रेम कुमार का था। घरवालों और पुलिस को हैरानी हुई कि ससुरालवालों ने पहचान तक नहीं की। यहीं से पुलिस को शक हुआ और गहनता से जांच शुरू की। प्रेम कुमार के पिता ने 13 दिसंबर को बहू व ससुराल वालों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए रहीमाबाद थाने में केस दर्ज कराया था। पुलिस के सामने मुश्किल यह थी कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया था कि प्रेम कुमार की मौत डूबने से हुई है। यह तय नहीं था कि प्रेम खुद कुएं में गिरे या किसी ने धक्का दिया था।

एसओ रहीमाबाद अनुभव सिंह ने बताया कि प्रेम कुमार की पत्नी खुशबू की जब कॉल डिटेल खंगाली गई तो रहीमाबाद के बरगदी गांव निवासी सुशील यादव से लंबी बातचीत का रिकॉर्ड मिला। छानबीन में सामने आया कि खुशबू व सुशील के बीच काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। 25 नवंबर को सुशील की लोकेशन खडौंहा गांव में मिली। इस बीच चार दिसंबर को पुलिस को प्रेम कुमार की बाइक दुबग्गा थाने में लावारिस हालत में खड़े होने की सूचना मिली।

अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में सीएमएस छात्र 'कन्ट्री टॉपर'

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम प्रथम कैम्पस के कक्षा-8 के मेधावी छात्र अभिराज प्रताप सिंह नेगी ने इण्टरनेशनल मेन्टल मैथ्स वर्ल्ड कप-2024 में ऑल इण्डिया प्रथम रैंक अर्जित लखनऊ का गौरव बढ़ाया है एवं 'कन्ट्री टॉपर' का खिताब अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अभिराज ने विश्व में 7वीं रैंक अर्जित की है। यह जानकारी सी.एम.एस. के हेड, कम्युनिकेशन्स श्री ऋषि खन्ना ने दी है।

श्री खन्ना ने बताया कि इस अन्तर्राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता का आयोजन लाइव मैथ्स कम्पटीशन एण्ड लीग (लाइव एम.सी.एल.) के तत्वावधान में किया गया, जिसमें विश्व के 59 देशों के हजारों छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अन्तर्राष्ट्रीय

प्रतियोगिता के अन्तर्गत सी.एम.एस. के इस प्रतिभाशाली छात्र ने ग्रैण्डमास्टर कैटेगरी में अपनी बौद्धिक व मानसिक क्षमता एवं गणित ज्ञान का जोरदार प्रदर्शन कर 'कन्ट्री टॉपर' का खिताब अपने नाम किया है। प्रतियोगिता के आयोजकों ने अभिराज की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए ट्राफी, मेडल व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने इस प्रतिभाशाली छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

1600 मेगावाट थर्मल पावर प्रोजेक्ट के लिए अदानी घोषित हुए न्यूनतम निविदा डाता

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल व दक्षिणांचल के निजीकरण को लेकर हंगामा मचा है और लोग कयास लग रहे हैं कि अडानी टाटा टोरेन्ट जैसे बडे उद्योगपति यहां पर अपनी कोशिश में रहेंगे कि उन्हें वितरण क्षेत्र मिल जाए वहीं उपभोक्ता परिषद आज जो बड़ा खुलासा करने जा रहा है सभी के होश उडा देगा अदानी पावर ने मिर्जापुर में 800 मेगा वाट की दो इकाई यानी कुल 1600 मेगावाट का थर्मल पावर प्लांट लगाने के लिए जून 2024 में भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड भेल (बीएचईएल) को पावर प्लांट लगाने का लगभग 7000 करोड का दोनों टरबाइन और प्लांट इक्विपमेंट का आदेश दिया और आपको जानकर आश्चर्य होगा की उत्तर प्रदेश में लगने वाले 1600 मेगावाट के इस ग्रीन फील्ड अल्ट्रा सुपरक्रिटिकल पावर

■ फिक्स कॉस्ट रुपया 3.72 प्रति यूनिट चौंकाने वाला मामला

हाउस का टेंडर खुला और टेंडर 10 अक्टूबर 2024 में खुला जिसमें अदानी पावर न्यूनतम निविदा जाता है और उसकी फिक्स कास्ट की दर रुपया रुपया 3.727 प्रति यूनिट आई वहीं द्वितीय न्यूनतम निविदा डाता टोरेन्ट तथा जिसकी फिक्स कास्ट की दर रुपया 4.06 प्रति यूनिट आई ।अब सबसे बडा सवाल या उठता है कि अदानी पावर के पास कौन सी ऐसी दूरबीन है की टेंडर उनका अक्टूबर में खुला और उन्होंने टरबाइन मशीन का आर्डर जून 2024 में ही दे दिया इसका मतलब कहीं ना कहीं पूरे मामले की सीबीआई से जांच करने की आवश्यकता है।

उपभोक्ता परिषद ने कहा इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय अथवा सीबीआई से जांच होना जरूरी है और उपभोक्ता परिषद प्रदेश के मुख्यमंत्री से मांग करता है कि कुछ उच्च अधिकारी जल्दबाजी में इसे उत्तर प्रदेश की कैबिनेट से अनुमोदन लेने की जगत में लगे हैं इसलिए इस पूरे मामले पर विशेष निगरानी बरतने की जरूरत है। 6के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा उत्तर प्रदेश को जो डॉमेस्टिक कॉल अलर्ट है वह इन्हें आसानी से मिलेगा क्योंकि वह 1600 मेगा वाट के लिए ही पहले से आवंटित है तो यह भी कहना पूरी तरह उचित होगा कि कोयला भी सस्ती दर पर मिलेगा लेकिन वर्तमान में जब यह पावर हाउस लगभग 4 साल में बनकर तैयार होगा और उसे समय वेरिएबल कास्ट को भी इसमें जोडा जाएगा तो लगभग बिजली जो हमें इस पावर हाउस से मिलेगी इसकी दर रुपया 6 प्रति यूनिट से कम तो होना ही नहीं है।

टीएमयू कृषि एक्सपर्ट प्रो. महेश सिंह अंतर्राष्ट्रीय पटल पर छाए

लखनऊ। कहते हैं, नॉलेज का स्पेस सम्पूर्ण ब्रहमाण्ड है। इसे किसी देश की सीमाओं से नहीं बांधा जा सकता है। ज्ञान को पंख दीजिएगा तो उसकी उड़ान अनंत है। सच यह है, डिजिटल क्रांति के चलते नॉलेज का प्रसार चांद के पार भी संभव है। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर साइंस में प्लांट पैथोलॉजी के प्रोफेसर डॉ. महेश सिंह का ध्येय भी यही है। नॉलेज को अपने तक सीमित न रखिए, बल्कि इसे वैश्विक प्लेटफार्म दीजिएगा। प्रो. सिंह लंबे समय से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओपन स्कूलिंग- एनआईओएस- स्टुडियो, नोएडा से संबंद्ध हैं। टाइम-टू-टाइम प्रो. महेश दुनिया के धरतीपुत्रों को फसल प्रबंधन से लेकर प्लांट पैथोलॉजी के तमाम दुश्वारियों के निदान और न्यू रिसचर्स पर अपनी अनमोल राय साझा करते रहते हैं। उन्होंने एनआईओएस- स्टुडियो, नोएडा से हाल ही में गेहूं की फसल के प्रमुख रोग और कीटः पहचान।

आया है यीशु आया है, अनुयायियों ने सुनाए गीत

मुम्बई के जतिन की उपस्थिति में हो रहें है यह भव्य आयोजन

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। बेतहसदा फैलोशिप ट्रस्ट की ओर से क्रिसमस सेलिब्रेशन वीक का आयोजन 16 से 22 दिसम्बर तक किया जा रहा है। इस क्रिसमस मीटिंग्स के लिए विशेष रूप से मुम्बई से जतिन जागले को आमंत्रित किया गया है। बिशप आर.सी. शेत के अनुसार 16 को क्रिसमस मीटिंग जहां दुबग्गा में हुई वहीं इसी क्रम में यह आयोजन मलिहाबाद, कैठुलिया, दया का घर में भी होंगे।

सोमवार 16 दिसम्बर को दुबग्गा में दया के घर चर्च द्वारा क्रिसमस पर्व का जोरदार आगाज किया गया। इसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। समारोह में संगीत

दल ने मनभावन यीशु मसीह के गीत गाए गए और परमेश्वर के नाम की महिमा का गुणगान भी किया। मसीह गीत आया है यीशु आया है, मुकटिया साथ आया, मेरा प्रभु जन्मा मेरा प्रभु जन्मा, पापी कारण तारण हारा प्यार साथ आया है का आनंद अनुयायियों ने सबसे ज्यादा लिया। इस अवसर पर ब्रदर पप्पू, ब्रदर राजा, ब्रदर राजू, सुनील कुमार, मनीष कुमार, सुमन, पास्टर अजय ,पास्टर राजेश ,भाई राम आसरे ,पास्टर सुशील कुमार, बिशप आर.सी. शेत ने यीशु मसीह के जीवन पर प्रकाश डाला।

निष्क्रिय खातों को पुनर्जीवित करने के लिए अभियान शुरू

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंक, ने प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खातों सहित सभी निष्क्रिय खातों को पुनर्जीवित करने के लिए एक देशव्यापी अभियान शुरू किया है। यह अभियान, जो 24 दिसंबर तक चलेगा, सक्रिय खातों को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बैंक के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है, ग्राहकों को अपने निष्क्रिय बचत व चालू खातों को फिर से सक्रिय करने, नियमित लेनदेन को बढ़ावा देने और खातों को निष्क्रिय होने से रोकने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह अभियान देश भर में ग्राहक से जुड़ने और अनुभव को बढ़ाने के लिए पीएनबी के रणनीतिक प्रयासों का भी हिस्सा है।

'ऋषि साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है'

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत ''बी.आर. कॉलेज ऑफ़ नर्सिंग एंड फार्मेसी इंस्टिट्यूट, राजेपुर मल्लावां, जिला हरदोई'' के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 428वाँ ऋषि वांङ्मय की स्थापना कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उपरोक्त साहित्य गायत्री परिवार की सक्रीय कार्यकत्री श्रीमती निर्मला गुप्ता ने अपने प्रिय पुत्र स्व0 राहुल गुप्ता की स्मृति में भेंट किया तथा सभी छात्र-छात्राओं, संकाय सदस्यों, विभागाध्यक्षों एवं फार्मेसी के अधिकारीगणों को (हिन्दी) अखण्ड ज्योति पत्रिका भेंट की।

इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि साहित्य नैतिक शिक्षा प्रदान करता है। डॉ. नीलम गुप्ता ने भी अपने विचार व्यक्त किये, संस्थान के विभागाध्यक्ष सीमा पाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'रण उत्सव' पर जारी विशेष आवरण देश-दुनिया में होगा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। गुजरात के धोरडो गाँव में रण उत्सव के तहत आयोजित भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम 'कच्छड़ों बारेमास' में भारतीय डाक विभाग द्वारा 'रण उत्सव' पर एक विशेष आवरण और विरूपण गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल द्वारा 15 दिसंबर, 2024 को जारी किया गया। सौराष्ट्र एवं कच्छ परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने मुख्यमंत्री को विशेष आवरण की प्रथम प्रति भेंट किया। इस विशेष आवरण पर कच्छ कशीदाकारी पर जारी डाक टिकट लगाकर इसका विशिष्ट विरूपण किया गया।

इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने कहा कि 2005 में गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र भाई मोदी द्वारा शुरू किया गया रण उत्सव आज एक वैश्विक उत्सव बन

■ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल ने 'रण उत्सव' पर कच्छ संस्कृति की झलक दिखाने वाला जारी किया विशेष डाक आवरण और विरूपण

गया है। देश-विदेश के लोग आतुरता से इस उत्सव का इंतज़ार करते हैं। प्रकृति, संस्कृति, कला, परम्परा और विरासत के इस उत्सव ने न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति दी है बल्कि इसे वैश्विक सांस्कृतिक मंच में बदल दिया है।डाक विभाग द्वारा रण उत्सव पर जारी विशेष आवरण की सराहना करते हुए कहा कि डाक टिकट और विशेष आवरण किसी भी राष्ट्र की संस्कृति और विरासत को अन्य भागों से जोड़कर सांस्कृतिक आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करते हैं और सांस्कृतिक संदर्भ स्थापित करते हैं । मुख्यमंत्री ने रण उत्सव में हस्तशिल्प और कारीगरी के विभिन्न स्टॉल के साथ डाक विभाग के स्टॉल का भी विजिट किया और डाक सेवाओं की सराहना की। इस अवसर पर उन्हें गुजरात की थीम पर आधारित पर्सनलाइज्ड माई स्टैंप भी भेंट किया गया।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी प्रतिनिधि मंडल ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

आजमगढ़। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी द्वारा आजमगढ़ जिला अधिकारी को प्रदेश संयोजक शिवमोहन शिल्पकार ने अपने प्रतिनिधि मंडल के साथ मांग -पत्र को सौंपते हुए कहा कि आजमगढ़ जनपद के थाना मुबारकपुर क्षेत्र के ग्राम सभा गजहाड़ा के गरीब वंचित शोषित परिवार नूरशबा के साथ हो रहें अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी आज लाम बंद हुई है। उक्त ग्राम सभा के निवासी अनिल पाल द्वारा इनके घर के अंदर घुसकर मारपीट ईटा पत्थर चलाना एवं उनके समरसेबुल के सभी सामानों को निकाल कर फेंक दिया उक्त विपक्षियों द्वारा डायल 112 पुलिस को बुलाया और मौका देखकर उनको बताया कि वह कार्य सही हो रहा है जिससे हम रोक नहीं सकते अगर कोई मुकदमा हो दीवानी या कोई स्थगन आदेश हो तो बताएं परंतु ऐसा कुछ नहीं था और डायल 112 द्वारा काम को नहीं बंद कराया परंतु स्थानी थाना मुबारकपुर के थाना अध्यक्ष एवं चौकी इंचार्ज लोहारा के आदेश से दो सिपाही मौके पर आकर कार्य को दबंगई दिखाते हुए बन्द करा दिया उक्त विपक्षियों द्वारा हमेशा नुरशबा एवं उसके परिजनों को भी जान माल की धमकी देते हैं।

जिलाधिकारी ने यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को शुचितापूर्ण संपन्न कराने के दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद में 22 दिसंबर को आयोजित होने वाली यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के संबंध में सोमवार की दोपहर शाम चार बजे बैठक संपन्न हुई।

बैठक में लोक सेवा आयोग से आए समन्वयी पर्यवेक्षक एसके मिश्रा ने यूपीपीसीएस प्रारंभिक परीक्षा को शुचितापूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लोक सेवा आयोग से जारी गाइडलाइन तथा दिशा निर्देशों की जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं नोडल अधिकारियों के कर्तव्य व कार्यो की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जनपद बलिया में 16 परीक्षा केंद्र बनाए गए है। यह परीक्षा दो पालियों- प्रथम पाली की परीक्षा प्रातः साढ़े नौ बजे से साढ़े 11 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराहन ढाई बजे से साढ़े चार बजे तक आयोजित की जाएगी। परीक्षार्थियों को प्रातः आठ

बजे से आठ बजकर 45 बजे तक परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश दिया जाएगा। प्रातः आठ बजकर 45 मिनट के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश की अनुमति नहीं रहेंगी। परीक्षा में कुल 7296 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। जिलाधिकारी ने नियुक्त सभी अधिकारियों को लोक सेवा आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन की विधिवत जानकारी देते हुए कहा कि आयोग की गाइडलाइन को विधिवत पढ़ लिया जाय तथा गाइडलाइन एवं मानक के अनुसार व्यवस्थाएं व दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा सुचितापूर्ण संपन्न कराई जाय। उन्होंने सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट से कहा की परीक्षा के एक दिन पूर्व अपने-अपने परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर आयोग के मानक के अनुसार सभी कार्यवाही सुनिश्चित कर लिया जाय। सीसीटीवी की सक्रियता को सुनिश्चित कर लिया जाय। स्टैटिक मजिस्ट्रेट पूर्ण सतर्कता के साथ ड्यूटी करें। किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। सीटिंग प्लान बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाय। इसके साथ ही यह भी ध्यान दिया जाय कि कोई भी परीक्षार्थी प्रतिबंधित सामग्री परीक्षा कक्ष में लेकर न जाने पाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरा, पेयजल तथा पर्याप्त प्रकाश आदि व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर लिया जाय। उन्होंने एआरएम रोडवेज से कहा कि परीक्षार्थियों के आने-जाने के लिए पर्याप्त बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक कृपा शंकर, डीआईओएस देवेंद्र गुप्ता सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनेगी ललितपुर-चंदेरी-पिपरई की 80 किलोमीटर रेल लाइन

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। चंदेरी के रास्ते पिपरई गांव एवं ललितपुर को जोड़ने वाली 80 किलोमीटर रेल लाइन जिसके लिए रेल बोर्ड रेल मंत्रालय द्वारा फाइनल लोकेशन सर्वे आर्डर जारी किया गया है, इस रेल लाइन का निर्माण होने का रास्ता अब पूरी तरह साफ हो गया है। यह नई रेलवे लाइन जहां दो संसदीय क्षेत्र झांसी ललितपुर एवं गुना शिवपुरी अशोक नगर को एक नई सौगात होगी वहीं दूसरी ओर यह रेल मंत्रालय के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाएंगे। भारत सरकार के केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर राज्य विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जो,गुना शिवपुरी अशोक नगर संसदीय क्षेत्र से सांसद हैं एवं झांसी ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग शर्मा इन दोनों सांसदों के लगातार प्रयास करने पर यह ललितपुर चंदेरी पिपरई 80 किलोमीटर रेल लाइन की सौगात दो संसदीय क्षेत्रों को मिलने जा रही है। चंदेरी ललितपुर पिपरई रेलवे लाइन जो गुना सिंगरौली का वैकल्पिक मार्ग होगी और जिससे ललितपुर एवं पिपरई के बीच की दूरी 32 किलोमीटर कम होगी यह दो महत्वपूर्ण तथ्य इस नई रेलवे लाइन के लिए इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का काम करेंगे। इस 80 किलोमीटर रेलवे लाइन से ललितपुर सिंगरौली रेल मार्ग से आने वाली कोयला खनिज एवं लोहे तथा अन्य संसाधनों से भरी हुई मालगाडियां चंदेरी रेल लाइन के माध्यम से गुना रुठियाई के रास्ते कोटा, राजस्थान की ओर जा सकेंगी, वहीं दूसरी ओर गुना के आगे इंदौर मार्ग से होती हुई यह उज्जैन, रतलाम और आगे गुजरात तथा महाराष्ट्र की ओर जा सकेंगी इससे चंदेरी रेल लाइन एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का काम करेगी जिसके माध्यम से विभिन्न संसाधनों खनिज लोहा स्टील सीमेंट एवं अन्य उत्पादों को देश के पूर्व विभाग से देश के पश्चिमी भाग पर आसानी से भेजा जा सकेगा। इस तरह देश के पश्चिमी राज्यों राजस्थान गुजरात एवं महाराष्ट्र में जो औद्योगीकरण है उससे उत्पन्न विभिन्न प्रकार के उत्पादों को पश्चिम से पूर्व की ओर आसानी से ले जाया जा सकेगा, इस तरह भारत के ईस्ट डेडिकेटेड फ्राइट कॉरिडोर का संबंध देश के पश्चिमी डेडिकेटेड फ्राइट कॉरिडोर से हो जाएगा और इससे चंदेरी रेल लाइन की उपयोगिता में बढ़ोतरी होगी और यह रेलवे लाइन आजीवन रेल मंत्रालय के लिए लाभकारी रहेगी। इन्हीं सब महत्वपूर्ण तथ्यों के मद्देनजर चंदेरी रेल लाइन एक इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का काम करेगी। इस नई रेल लाइन के बन जाने पर ललितपुर एवं झांसी जिलों का सीधा संबंध कोटा राजस्थान एवं गुजरात तथा महाराष्ट्र राज्य से सीधे तौर पर जुड़ जाएगा इस प्रकार यह नई रेलवे लाइन जहां ललितपुर को एक बड़ा जंक्शन बनाएगी वहीं दूसरी ओर यह झांसी ललितपुर संसदीय क्षेत्र के सामाजिक, आर्थिक, पर्यटन एवं व्यापारिक तथा औद्योगिक विकास के लिए वरदान भी साबित होगी। ललितपुर चंदेरी पिपरई 80 किलोमीटर रेल लाइन जहां एक और मुख्य ट्रैक दिल्ली मुंबई से कनेक्ट हो रही है वहीं दूसरी ओर यह लाइन पिपरई से जोड़कर दो तरफ एक और पश्चिम के राज्यों को तथा दूसरी ओर दक्षिण के राज्यों को आपस में जोड़ देगी इससे जो भी पैसेंजर ट्रेन एवं सुपरफास्ट ट्रेन इस मार्ग से आ जा सकेगी, जो भविष्य में एक पर्यटन सर्किट तथा औद्योगिक तथा सामाजिक आर्थिक विकास के लिए तथा नागरिकों एवं क्षेत्र के लिए चौमुखी विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। मुंबई हावड़ा के लिए तीसरे ट्रक का विकल्प भी होगी ललितपुर चंदेरी पिपरई 80 किलोमीटर रेल लाइन क्योंकि यह ललितपुर सिंगरौली से जुड़ने पर पूर्व में हावड़ा से कनेक्ट हो जाएगी और पश्चिम में इंदौर के आगे मुंबई से जोड़ने पर यह मुंबई हावड़ा का तीसरा ट्रैक बनेगी जो रेल मंत्रालय के लिए आजीवन लाभकारी होगी।

सव्यसाची ने जो लिखा उसे जीवन में जीया

मथुरा। सव्यसाची राजनीतिक विज्ञान के आदर्श शिक्षक, महान संगठनकर्ता, जनवादी विचारों के श्रेष्ठ उद्घोषक व विस्तारक थे, उनके लिखे जनवादी साहित्य से देश के लाखों युवाओं को दुनिया को देखने समझने की वैज्ञानिक और व्यवहारिक दृष्टि प्रदान की। ये विचार रविवार को जनवादी लेखक संघ एवं जन सांस्कृतिक मंच के बैनर तले देश के जाने माने जनवादी लेखक, विचारक प्रो. सव्यसाची की पुण्य तिथि की पूर्व संध्या पर आयोजित विचार गोष्ठी मे वक्ताओं ने व्यक्त किए। वक्ताओं ने आगे कहा कि सव्यसाची ने जो लिखा उसे जीवन में जीया। उनके विचार और आचरण में कथनी करनी का फर्क नहीं था। वक्ताओं ने उनके साथ बिताए पलों के छुए-अनछुए पहलुओं का ज़िक्र किया। इस मौके पर मंच के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अशोक बंसल द्वारा सव्यसाची पर बनाई लघु फ़िल्म कतरा कतरा सच का भी प्रदर्शन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करने वालों में प्रमुख रूप से डॉ. जेड हसन, डॉ. हरबंश चतुर्वेदी, डॉ. आरके चतुर्वेदी, रविप्रकाश भारद्वाज, सुनील आचार्य, मुरारी लाल अग्रवाल आदि रहे। गोष्ठी में उपस्थित लोगों में उपेन्द्रनाथ चतुर्वेदी, अर्पित जादौन, आकाश दीप वशिष्ठ, कैलाश वर्मा, पत्रकार विवेक दत्त मथुरिया, पवन सत्यार्थी आदि उपस्थित रहे।

पौधों के संरक्षण में न हो लापरवाही : जिलाधिकारी

- अमरपुर मण्डी में मियावाकी पद्धति से लगाए गए 8 हजार पौधे, संरक्षण करने के निर्देश
- औद्योगिक आस्थान चंदेरा में मियावा की पद्धति से लगाए जाएंगे 4 हजार पौधे
- ईओ को दिसंबर माह के अंत तक वृक्षारोपण कार्य पूर्ण करने के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने मियावाकी पद्धति से कराये गए वृक्षारोपण की स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से अमरपुर मण्डी एवं औद्योगिक स्थान चन्देरा का औचक निरीक्षण किया गया। औद्योगिक आस्थान चन्देरा में मियावाकी योजना के अन्तर्गत चन्देरा में पार्कों के सौन्दर्यकरण एवं वृक्षारोपण का कार्य किया जा रहा है, इसके निरीक्षण में पाया गया कि यहां पर गड्ढा खुदान एवं भराव का कार्य पूर्ण हो चुका है, यहां पर 8 बेड बनाए गए हैं, प्रत्येक बेड में 500 पौधे लगाए जाएंगे, इस प्रकार कुल 4 हजार पौधे मियावाकी पद्धति से लगाए जाएंगे। जिलाधिकारी ने ईओ को निर्देशित किया कि दिसंबर माह के अंत तक वृक्षारोपण का कार्य पूर्ण कराएं, साथ ही वृक्षारोपण के बाद पौधों के संरक्षण का कार्य भी सुनिश्चित कराएं। अमरपुर मंडी के निरीक्षण के दौरान बताया गया कि शासन द्वारा माह जुलाई में जनपद में 89 लाख 14 हजार 113 वृक्षारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके तहत नोडल अधिकारी व मा0 जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में अमरपुर मण्डी से अभियान की शुरुआत कर पूरे जनपद में सघन वृक्षारोपण कराया गया था, मौके पर पौधों की ग्रोथ काफी अच्छी हो रही है, यहां पर पूर्व में 20×5 के 16 बेड बनाए गए थे, प्रत्येक बेड में 500 पौधे रोपित किए गए थे, इस प्रकार कुल 8 हजार पौधे मियावाकी पद्धति से लगाए गए थे, जो आज काफी अच्छी स्थिति में पाए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि पौधों की अच्छी तरह से देखभाल की जाए, ताकि ये बड़े होकर वृक्ष बन सकें और हमें शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान कर सकें। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी नगर पालिका दिनेश विश्वकर्मा, जेई आशीष दूरबार उपस्थित रहे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को सक्षम ने दी श्रद्धांजलि

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। समदृष्टि विकास एवं अनुसंधान मण्डल सक्षम ने शहर के प्रमुख चौराहे पर स्थित लौहपुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धान्जलि देते हुए उन्हें भारत छोडो आन्दोलन का पुरोधा बताया।

कहा कि उन्होंने अन्नदाता किसान की समृद्धि व उत्थान के लिए जनजागरण के अनेक अभियान चलाए। सक्षम जिलाध्यक्ष अक्षय अलया ने कहा सरदार पटेल ने चम्पारण आन्दोलन नमक सत्यागह सहित अनेक आन्दोलनों में अग्रणी भूमिका निभाई और किसानों को समृद्धि की नई ऊंचाई तक पहुंचाया। महामंत्री अजय जैन साइकिल ने देश के एकीकरण के लिए दिए गए योगदान को अविस्मरणीय बताया। इस दौरान तेजस्व, रामकुमार निरंजन एड., महेश पटैरिया, वीरेन्द्र जैन सोनू, रविशंकर राठौर, ध्रुव साहू, अजय श्रीवास्तव, दीपक सिंघई, संजीव सौरया आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मथुरा की तीन आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों बनेगी गणतंत्र दिवस की अतिथि

मथुरा। वर्ष 2025 में दिल्ली में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेश की 15 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां अतिथि के रूप में शाम इनमें 3 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मथुरा जनपद की हैं।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती बुद्धि मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष गणतंत्र दिवस समारोह में महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वावधान में कार्य कर रही आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को गणतंत्र दिवस समारोह के लिए प्रदेश स्तर से चयनित किया गया है। इनमें जिन्होंने सरकार की सभी योजनाओं के लिए अच्छा कार्य करने वाली कार्यकत्रियां शामिल हैं। जिनमें से भारत सरकार ने 15 कार्यकत्रियों को पूरे उत्तर प्रदेश से चयनित किया है। जो 26 जनवरी 2025 को आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

यूपी जर्नलिस्ट एसोसिएशन की बैठक संपन्न

- उपजा की तहसील इकाई की घोषणा
- अध्यक्ष अजय बुन्देला और महामंत्री प्रमोद बने

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। बार भवन तालबेहट में उत्तर प्रदेश जर्नलिस्ट एसोसिएशन की एक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन विस्तार और संगठन के कार्यों से अवगत कराया गया। इस दौरान तहसील इकाई का सर्वसम्मति से गठन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार अजय उपाध्याय के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ठ पत्रकार महेन्द्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में उपजा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में वरिष्ठ पत्रकार अजय उपाध्याय ने कहा कि पत्रकार समाज और प्रशासन की बेहतर कड़ी बने। समाज में अपने को बेहतर साबित करें और सेवक की भूमिका में जन सरोकारों को प्रशासन तक ले जाए। जिला संरक्षक सुनील त्रिपाठी ने तहसील इकाई के गठन की प्रक्रिया सम्पन्न कराई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि तहसील पदाधिकारी एकजुट रहकर अपने साथियों का सहयोग और समर्थन करें। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से तहसील संरक्षक महेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह, नरेन्द्र दीक्षित, तहसील अध्यक्ष पद पर अजय बुन्देला नन्हे, महामंत्री प्रमोद बबेले, उपाध्यक्ष कुलदीप पटैरिया, राहुल सैनी बांसी, मंत्री संजय नामदेव,कोषाध्यक्ष संजय बिलगैंया, तहसील मीडिया प्रभारी एड.रामरतन कुशवाहा मनोनीत किए गए। शेष कार्यकारिणी के शीघ्र गठन के निर्देश दिए गए।

बैठक में विनोद सुडेले, सुरेन्द्र पस्तोर, देवेन्द्र सिंह यादव, सौरभ जैन, राम लखन बार, बलवंत सिंह, बृजेश पस्तोर, सोनू चौबे, राम अवतार समेत अन्य पत्रकार मौजूद रहे। सभी मनोनीत पदाधिकारियों को माला पहना कर स्वागत किया गया। संचालन मनोज तिवारी और आभार गोपाल सोनी ने किया।

संक्षिप्त समाचार

पैंशनर दिवास का आयोजन आज बहजोई कलक्टेट सभागार मे आयोजित किया जायेगा

सम्भल (बहजोई) वरिष्ठ कोषाधिकारी सम्भल प्रवीन कुमार ने बताया कि जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशानुसार दिनांक 17 दिसम्बर 2024 दिन मंगलवार को अपराह्न 2 बजे कलक्ट्रेट सभागार बहजोई में पैंशनर दिवस का आयोजन किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार जिलाधिकारी अथवा उनके द्वारा नामित अपर जिलाधिकारी/ मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पैन्शनर दिवस आयोजित किया जाएगा। शासनादेश के अनुसार समस्त कार्यालय अध्यक्ष स्वयं अथवा कार्यालय के किसी वरिष्ठ राजपत्रित अधिकारी इसमें प्रतिभाग करें। ताकि पैंशनरों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु कार्यवाही सुनिश्चित हो सके।

छात्राओ को आत्म रक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

चंदौसी (सम्भल) जिलाधिकारी के दिशानिर्देशों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत सातवें दिन चंदौसी के रामप्यारी आर्य कन्या इंटर कॉलेज में छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का डटकर सामना कर सकें, ताइक्वांडो सचिव सुरेश कुमार व ब्लैक बेल्ट होल्डर महिला कोच रेखा व गरिमा तोमर ने सभी छात्राओं को वृक्षासन, लेग राइस, फ्रंट किक, फ्रंट जंप किक, फेस पंच, पॉम अटैक की ट्रेनिंग दी तथा शरीर के सबसे कमजोर अंगों की जानकारी दी, छात्राओं ने बताया कि मार्शल आर्ट की ट्रेनिंग ले कर खुद को मजबूत महसूस कर रही हैं व उनके आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है, जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि छात्राएं काफी संख्या में उपस्थित हो रही हैं, छात्राओ को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार और महिला कल्याण विभाग द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, छात्रवृति आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया। इस मौके पर कॉलेज का समस्त स्टाफ और अन्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की नई विदेश नीति का एआइपीएमएम ने किया स्वागत

लखनऊ। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ ने विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के उस महत्वपूर्ण बयान का स्वागत किया है, जिसमें उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य के तहत विदेश नीति में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया है। महाज़ ने इसे भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम बताया है और सभी नागरिकों से आपसी मतभेद भुलाकर देशहित में योगदान देने की अपील की है। विदेश मंत्री के बयान पर महाज़ का मानना है कि विदेश नीति केवल संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों तक सीमित न रहते हुए अब वैश्विक समस्याओं के समाधान और विश्व के विकास में योगदान पर भी केंद्रित होनी चाहिए। भारत को विश्वपटल पर अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए आपसी सौहार्द, भाईचारा, और सामाजिक एकता बेहद महत्वपूर्ण है। संगठन ने कहा भारत को जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद, खाद्य सुरक्षा, और ऊर्जा संकट जैसी वैश्विक चुनौतियों में नेतृत्वकारी भूमिका निभानी होग और व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने के लिए नए साझेदारों की तलाश और भारत को एक स्थिर निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत करना।

अपने पैर पर फिर से खड़ी हो सकी प्रिया

- मरीज के परिजनों ने केएम अस्पताल के हड्डी विशेषज्ञों के कार्य की प्रशंसा

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। दो महीने पूर्व कालेज से घर आते समय 18 वर्षीय प्रिया कुंतल पुत्री करवार निवासी मगोर्रा गांव मकेरा का एक्सीडेंट होने से कूल्हे की हड्डी पर चोट आई थी। इसके चलते परिवारीजनों ने मथुरा के बड़े बड़े अस्पताल में दिखाया, किन्तु उम्र कम होने व चोट गंभीर होने के कारण सभी हॉस्टिल ने इसको दिल्ली व जयपुर को रैफर कर दिया। ऐसे में इनके घरवाले इन्हें केएम सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल लेकर आये जहां वह हड्डी रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर डा. हर्षित जैन व असिटेंट प्रोफेसर पंकज त्यागी से मिले। जहां डाक्टरों ने बताया कि प्रिया के उल्टे पैर का गुल्ला उसकी कप से निकल गया है व कूल्हे के बाल्व उसके ऊपर का कप भी टूट गया है, क्षतिग्रस्त हो गया है। ऐसे में मरीज का तुरंत ऑपरेशन करना जरूरी है। डा. हर्षित जैन ने बताया कि मरीज को हिप डिस्लोकेशन के साथ हैड व एसेटाबुलम फैक्चर था, साथ में पैर की नस में भी सूजन थी, ऐसी चोट काफी विषम होती है व उपयुक्त इलाज न मिलने पर कूल्हें में सढाव, पैर में अपंगता आदि परेशानी हो सकती है, साथ में मरीज के कम उम्र के होने के कारण परिस्थिति और भयावह बन सकती थी। लेकिन मरीज के परिजनों ने केएम के आर्थोपेडिक विभाग की टीम पर पूर्ण विश्वास कर ऑपरेशन कराया। असिटेंट प्रोफेसर डा. पंकज त्यागी ने बताया कि मरीज की प्रथम सर्जरी उसके भर्ती होने के तुरंत बाद की गई थी, जिसमें उसकी बाल को जोड़ में बैठाया गया व अगले दिन दूसरी सर्जरी की गई जिसमें कूल्हे की बाल व कटोरी का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन में डा. हर्षित जैन, डा. पंकज त्यागी के अलावा निश्चेता विशेषज्ञ डा. अचल जैन, टैक्नीशियन नवीन व सोनू का सहयोग रहा। विभागाध्यक्ष डा. हर्षित जैन ने बताया कि मरीज अब पूर्णतः स्वस्थ है व अपने पैरों पर भलीभांति चल पा रहा है। मरीज के परिजनों ने डा. हर्षित जैन की टीम व केएम अस्पताल की सुखद व्यवस्थाओं की भूरि भूरि प्रशंसा करते थक नहीं रहे है। जहां वह निराश, हताश हो चुके थे, कि क्या अब उनकी प्यारी बिटिया कभी खड़ी हो पायेगी? चल पायेगी? लेकिन वह आज दो महीने के बाद ही खड़ी हो पा रही और चल पा रही है। केएम विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी, प्रो. वाइस चांसलर डा. शरद अग्रवाल, एडीशनल मेडीकल सुप्रीडेंट डा. आरपी गुप्ता, मेडीकल प्राचार्य डा. पीएन भिसे ने हड्डी विभाग की टीम को सफल ऑपरेशन के लिए बधाई दी है।

मोटी तोंद वाले पुलिसकर्मियों को देख भड़के एसएसपी

मथुरा। जनपद के तेज तर्रार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अपनी फिटनेस का बहुत ध्यान रखते है इसी कारण अपने हर काम को कुशलता से अंजाम देते रहते है जिसका लोहा मथुरा की जनता भी मानने लगी है हाल के वर्षो में जितने भी कप्तान मथुरा मै आए उनमें शैलेश कुमार पांडे ने अपने नाम का सिक्का जमा लिया, बड़े बड़े मामले को अपनी टीम को लीड कर सुलझाए।

पुलिस का प्रत्येक जवान फिट होना चाहिए। यही कारण है कि रोजाना ग्राउंड में परेड कराई जाती है। जिले के प्रत्येक थाना और चौकी से पुलिसकर्मी परेड ग्राउंड पहुंचते हैं और व्यायाम करते हैं। गत दिवस परेड के दौरान एसएसपी शैलेश कुमार पांडेय अधीनस्थों के बाहर निकले पेट को देख भड़क गए। उन्होंने पहले तो सभी को बुलाकर व्यायाम करने की सलाह दी। इसके बाद अधीनस्थों का उत्साह बढ़ाने के लिए वह परेड ग्राउंड में दौड़ने लगे।

एसएसपी ने अधीनस्थों के साथ ग्राउंड के दो चक्कर लगाए। इस दौरान कई अधिकारी ऐसे थे जिनकी पहले ही राउंड में सांस फूल गई। एसएसपी ने सामूहिक रूप से उन्हें रोजाना कसरत करने की सलाह दी।

पुलिस ने महिलाओं बालिकाओं को किया गया जागरूक

अवधनामा संवाददाता

मिशन शक्ति फेज-5 अभियान

ललितपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक व एएसपी अनिल कुमार के पर्यवेक्षण में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों, कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उ.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, पी.एम. स्वानिधि योजना, पी.एम. सम्मान निधि योजना, वन स्टाप सेन्टर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट योजना तथा विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी.एम. हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया।

अनुबंधित बस का संचालक लगा रहा है, दो विभागों को चुना

अवधनामा संवाददाता

- मथुरा डिपो से अनुबंधित 42 सीट बस, अवैध रूप से 52 सीट बनकर दौड़ रही है रोड पर
- जिलाधिकारी ने एआरटीओ को दिए कार्रवाई के निर्देश

मथुरा। भारतीय जनता पार्टी नीत योगी आदित्यनाथ की सरकार भले ही सुशासन और भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था देने का दम भरती लेकिन धरातल पर सत्यता कुछ और ही दिखाई दे रही है मथुरा में रोडवेज विभाग से अनुबंधित एक बस का संचालक नियम और कानून को ठेगा दिखाते हुए एआरटीओ से 42 सीट में पंजीकृत बस को 52 सीट की अवैध रूप से बनाकर धड़ल्ले से रोड पर संचालित की जा रही है यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो ऐसी परंपरा बन जाएगी इस संबंध में जिलाधिकारी ने के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार मथुरा रोडवेज बस डिपो से अनुबंधित बस जिसका पंजीयन सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी मथुरा के कार्यालय से अप 85 डीटी 1884 जो 42 सीट में पास है उसके संचालक ने इस बस में अवैध रूप से सीट लगाकर 52 सीट की बनाकर मथुरा से अलीगढ़ के लिए खर्राटे से रोड पर दौड़ती दिखाई दे रही है ऐसा नहीं है इस बस के अंदर जो अवैध खेल हुआ है उसकी जानकारी रोडवेज के अधिकारियों को नहीं हो इसके बावजूद इस बस पर आज तक बस संचालक की पकड़ के चलते कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है।

उक्त अनुबंधित बस के संचालक के हौसले इतने बुलंद हैं उसे नियम कानून और प्रशासन तथा विभागीय कार्रवाई का किंचित मात्र को भी भय नहीं है । इस संबंध में जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार सिंह को अवगत कराया गया तो उन्होंने एआरटीओ मथुरा को तत्काल आवश्यक एवं प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं देखना है जिलाधिकारी के आदेश इस मामले में कितने प्रभावी साबित होते हैं।

मंदिर की बेशकीमती सम्पत्ति को खुर्दबुर्द होने से बचाने की गुहार

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। रघुनाथजी बड़ा मंदिर के पास मोहल्ला चौबयाना निवासी शशिप्रभा चौबे पत्नी स्व.विजय नारायण चौबे ने जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र देते हुये बताया कि मंदिर की करीब 70 एकड़ जमीन को कुछ लोगों द्वारा सुनियोजित तरीके से षडयंत्र कर हड़पने की कोशिश करने और विगत 22 अक्टूबर 2024 को दिये गये शिकायती पत्र पर कार्यवाही न होने की बात कही। उन्होंने डीएम को अवगत कराया कि मंदिर की सम्पत्ति खेवट खतौनी सन 1429 फसली से 1432 के खाता संख्या 48 में दर्ज है। बताया कि कुछ लोगों द्वारा मंदिर का स्वयं को प्रबंधक घोषित करते हुये मंदिर व मंदिर की बेशकीमती सम्पत्तियों पर अपना एकाधिकार समझकर करोड़ों की भूमि नियम विरूद्ध तरीके से विक्रय की गयी, जबकि मंदिर की सम्पत्ति को विक्रय से पूर्व जिला प्रशासन की अनुमति अनिवार्य है, लेकिन उक्त लोगों द्वारा ऐसा नहीं किया गया। बताया कि उक्त लोगों ने मंदिर के प्रबंधक पद का लाभ लेते हुये शहर की बेशकीमती जमीनों के सैकड़ों विक्रय पत्र निष्पादित करते हुये कार्य किया है। शिकायतकर्ता ने डीएम के समक्ष करीब छह सूत्रीय अन्य बिन्दुओं को रखते हुये पूरे मामले की जांच करायी जाकर मंदिर की बेशकीमती सम्पत्तियों को खुर्दबुर्द होने से बचाये जाने की मांग उठायी है।

जलेश्वर महादेव मंदिर का तीन दिवसीय प्राणप्रतिष्ठा समारोह हुआ सम्पन्न

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। तीर्थ नगरी मथुरा शहर की घनी आबादी वाले चौबिया पाढ़ा के गजा पायसा स्थित प्राचीन जलेश्वर महादेव मंदिर का पुनर्निर्माण क्षेत्रवासियों के सहयोग से हुआ, तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की जानकारी जलेश्वर परमार्थ सेवा संस्था के महासचिव यज्ञदत्त चतुर्वेदी ने बताया कि बहुत लंबे समय से मंदिर पुनः निर्माण पर विचार चल रहा था।

जिस पर सभी लोग अपना कार्य कर रहे थे किंतु कार्य तब होता हैं जब प्रभु की इच्छा होती हैं सभी क्षेत्रवासियों के सहयोग से जलेश्वर परमार्थ सेवा संस्था सोसायटी को बनाकर मंदिर के निर्माण का कार्य 21 जनवरी 2024 को भूमि पूजन के साथ प्रारंभ किया गया, जिसके लिए संस्था सभी क्षेत्रवासियों का बहुत-बहुत आभार प्रकट करती हैं।

कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रातः श्रीयमुना पूजन कर कलश भरकर देव मूर्तियों का जलाभिषेक कराया गया उसके उपरांत देव स्थापन पूजन पं. देवदत्त शास्त्री देवों पंडित जी के आचार्यत्व में संस्था के पदाधिकारी मुकेश लवानिया, उमेश चतुर्वेदी, गजानन चतुर्वेदी, आलोक चतुर्वेदी, ने संयुक्त रूप से किया, एवं अखंड रामचरित मानस पाठ प्रारंभ ध्रुव व्यास, श्यामसुंदर व्यास, पाला व्यास ने सुंदर भजन प्रस्तुति के साथ हुआ तथा द्वितीय दिवस को अखंड रामायण समापन आरती अनिल सारस्वत, कामेश चतुर्वेदी, श्रीनाथ चतुर्वेदी, वीरेंद्र चामुंडावाले ,किशोरीलाल वर्मा, संजय चतुर्वेदी, अजय चतुर्वेदी, अशोक चतुर्वेदी, सागर चतुर्वेदी ने की। तृतीय दिवस देव प्राण प्रतिष्ठा में शिव पंचायत गणेश जी कार्तिकेय पार्वती नंदी , हनुमान जी राजराजेश्वरी दुर्गाजी का यज्ञ पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ तथा शाम 7 बजे शिव पंचायत हनुमान जी भगवती दुर्गा जी का भव्य फूल बंगला, एवं सुंदरकांड पाठ ध्रुव व्यास एवं आचार्य अनिल चतुर्वेदी द्वारा किया गया जिसमें विशिष्ट अतिथि समाजसेवी मनोज पाठक, वरिष्ठ नेता यामिनीरमण आचार्य, कुंवर नरेंद्र सिंह, डॉक्टर अशोक अग्रवाल, ने सभी क्षेत्रवासियों सहित दर्शन कर पुण्य के भागी बने तथा भंडारे में सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से राजू लाला, अरविंद चतुर्वेदी, मुकेश चतुर्वेदी,राकेश चतुर्वेदी, महेश वर्मा, भगवान सिंह, ललित चतुर्वेदी, सुभाष गुप्ता, मयंक सारस्वत, दीपक चतुर्वेदी, सौरभ चतुर्वेदी, सागर चतुर्वेदी एवं सभी क्षेत्रवासियों ने संयुक्त रूप से यज्ञ में आहुति देकर एवं भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने, ईशांत शर्मा को पछाड़ा

गाबा टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक मेजबान टीम भारत पर पूरी तरह से हावी नजर आ रही है। भारत ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 4 विकेट पर पहली पारी में 51 रन बनाए थे और अभी कंगारू टीम से 394 रन पीछे है। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 445 रन बनाए थे और भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट लिए। बता दें कि, जसप्रीत बुमराह भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे औ इन 6 विकेट की मदद से उन्होंने कुछ शानदार रिकॉर्ड्स भई अपने नाम किए। बुमराह ने 6 विकेट लेकर अनिल कुंबले और इशांत शर्मा जैसे दिग्गज गेंदबाजों को पीछे छोड़ने में भी सफलता हासिल की। बुमराह ने 28 ओवर में 76 रन दिए और 6 विकेट लिए जबकि इस दौरान उन्होंने 9 ओवर मेडन भी फेंके। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में बुमराह शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं कि और गाबा की पहली पारी में 6 विकेट लेने के बाद वो टेस्ट क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए। बुमराह ने कुंबले को पीछे छोड़ते हुए ये स्थान हासिल किया। बुमराह यहां पर अब तक 18 पारीयों में 50 विकेट ले चुके हैं जबकि कुंबले ने 18 पारियों में 49 विकेट लिए थे। इस लिस्ट में टॉप पर 21 पारियों में 51 विकेट लेकर मौजूद हैं। बुमराह गाबा की दूसरी पारी में अगर 2 विकेट ले लेते हैं तो वो कपिल से आगे निकल जाएंगे और टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया में भारत की तरफ से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले बॉलर बन जाएंगे।

वहीं बुमराह अब देशों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए। बुमराह ने देशों में अब तक 54 पारियों में 131 विकेट लिए जबकि इशांत शर्मा ने 71 पारियों में 130 विकेट लिए थे। देशों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर वसीम अकरम हैं जिन्होंने 55 पारियों में 146 विकेट चटकाए थे। वहीं दूसरे नंबर पर 67 पारियों में 141 विकेट लेकर अनिल कुंबले दूसरे नंबर पर हैं।

ईशा गुहा ने जसप्रीत बुमराह से मांगी माफी, कमेंट्री के दौरान भारतीय गेंदबाज पर की थी नस्लीय टिप्पणी

इंग्लैंड की पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर ईशा गुहा ने ब्रिस्बेन के गाबा में भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन रविवार को जसप्रीत बुमराह को प्राइमेट कहना भारी पड़ा। जिसके बाद उन्होंने बुमराह से माफी मांगी है। बता दें कि, प्राइमेट का मतलब बंदर होता है। ऐसे में ईशा पर बुमराह को लेकर नस्लीय टिप्पणी करने का आरोप लगा। सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी बवाल हुआ।

दरअसल, गुहा ने बुमराह के पांच विकेट लेने के बाद दूसरे दिन फॉक्स क्रिकेट के लिए कमेंट्री करते हुए कहा था कि खैर, वह हैं, है न? मोस्ट वैल्यूएबल प्राइमेट, जसप्रीत बुमराह। वह भारत के लिए पूरा योगदान देने वाले खिलाड़ी हैं और यही वजह है कि इस टेस्ट मैच से पहले उन पर इतना ध्यान दिया गया था। क्या वह फिट होंगे?

2008 के मंकीगेट कांड के दिनों से दोनों क्रिकेट टीमों के बीच ऐतिहासिक तनाव को देखते हुए प्राइमेट शब्द का इस्तेमाल ने सुर्खियां बटोरी। हालांकि, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर गुहा ने तीसरे दिन खेल शुरू होने से पहले ऑन-एयर माफी मांगी। उन्होंने कहा कि, कल कमेंट्री में मैंने एक ऐसा शब्द का इस्तेमाल किया जिसका कई अलग-अलग तरीकों से मतलब निकाला जा सकता है। सबसे पहले मैं किसी भी तह की ठेस के लिए माफी मांगना चाहती हूं। जब दूसरों के प्रति सहानुभूति और सम्मान की बात आती है तो मैंने खुद के लिए बहुत ऊंचे मानक तय किए हैं और अगर आप पूरी ट्रांसक्रिप्ट सुनें तो मेरा मतलब भारत के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक और ऐसे व्यक्ति की सबसे ज्यादा प्रशंसा करना था, जिसकी मैं भी बहुत तारीफ करती हूं।

ईशा ने आगे कहा कि, मैं समानता की समर्थक हूं और ऐसी व्यक्ति हूं जिसने अपना पूरा करियर खेल में समावेश और समझ के बारे में सोचने में बिताया है। मैं उनकी उपलब्धियों की विशालता को दर्शाने की कोशिश कर रही थी। मैंने गलत शब्द चुना है और इसके लिए मुझे गहरा खेद है। मैं दक्षिण एशियाई मूल की हूं इसलिए मुझे उम्मीद है कि लोग समझेंगे कि इसमें कोई और इरादा या दुर्भावना नहीं थी।

टिम साउदी ने नहीं कर पाए ये कमाल, क्रेस गेल को पछाड़ने में रहे नाकामयाब

इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। जहां इंग्लैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज गंवा चुकी न्यूजीलैंड की टीम तीसरे टेस्ट में मजबूत स्थिति में है। न्यूजीलैंड की टीम दूसरी पारी में 453 रन पर आउट हुई। इंग्लैंड को 658 रन का टारगेट मिला। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक 6 ओवर में 2 विकेट पर 18 रन बना लिए थे। उसे जीत के लिए 640 रन और चाहिए।

वहीं इंग्लैंड की हालात देखकर ऐसा लग रहा है कि, न्यूजीलैंड के दिग्गज खिलाड़ी टिम साउदी को जीत से विदाई मिलेगी। हालांकि, साउदी अपने आखिरी टेस्ट को यादगार बनाने से चूक गए। बल्लेबाजी में 2 और गेंदबाजी में 1 रिकॉर्ड वह अपने नाम कर सकते हैं। पहली पारी में 3 छक्के लगातार उन्होंने टेस्ट में छक्के लगाने के मामले में क्रिस गेल बराबरी कर ली थी।

टिम साउदी ने पहली पारी में 10 गेंद पर 1 चौके और 3 छक्के की मदद से 23 रन की पारी खेली थी। इस दौरान वह टेस्ट क्रिकेट में छक्का लगाने के मामले में साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी जैक कैलिस से आगे निकल गए। क्रिस गेल की बराबरी कर ली। दूसरी पारी में वह 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके साथ ही वह 100 छक्कों के रिकॉर्ड से चूक गए। टेस्ट क्रिकेटर में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के 100, ब्रेंडन मैकुलम के 107 और बेन स्टोक्स के नाम 133 छक्कों का रिकॉर्ड है।

टिम साउदी पहली पारी में एक भी विकेट नहीं ले पाए थे। दूसरी पारी में उन्होंने 1 विकेट लिया है। उनके 390 विकेट हो गए हैं। पहली पारी में उन्होंने 3-4 विकेट लिए होते तो उनके पास 400 विकेट लेने न्यूजीलैंड के दूसरे गेंदबाज बन जाते। रिचर्ड हेडली ने न्यूजीलैंड के लिए सबसे ज्यादा 431 विकेट लिए हैं।

बल्लेबाजों ने फिर किया निराश, बारिश के खलल के बीच भारत ने 51 रन तक चार विकेट गंवाए

भारतीय बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजी आक्रमण का सामना करने में असमर्थ रहे जिससे मेहमान टीम तीसरे क्रिकेट टेस्ट के वर्षा से प्रभावित तीसरे दिन सोमवार को यहां पहली पारी में 51 रन तक चार विकेट गंवाकर संकट में है। बारिश के लगातार खलल के बीच कई बार खेल रुका और फिर शुरू हुआ। जसप्रीत बुमराह ने 76 रन देकर छह विकेट चटकाए लेकिन ऑस्ट्रेलिया पहली पारी में 445 रन के बड़े स्कोर तक पहुंचने में सफल रहा। ऑस्ट्रेलिया ने सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलते हुए 40 रन और जोड़कर अपने बाकी बचे तीन विकेट भी गंवा दिए। एलेक्स कैरी ने 88 गेंद में 70 रन की पारी खेली। वह आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज रहे जबकि कल ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने विपरीत अंदाज में शतक जड़कर ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर की नींव रखी थी।

स्टंप के समय भारत के सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल 33 रन बनाकर खेल रहे हैं जबकि दूसरे छोर पर कप्तान रोहित शर्मा उनका साथ निभा रहे हैं जिन्होंने अभी खाता नहीं खोला है। भारत अब भी ऑस्ट्रेलिया से 394 रन से पीछे है जबकि उसके सिर्फ छह विकेट शेष हैं और मेहमान टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती फॉलोआन बचाने की है। ऑस्ट्रेलिया के बड़े स्कोर के जवाब में भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क (25 रन पर दो विकेट) ने दो और जोश हेजलवुड (17 रन पर एक विकेट) ने एक विकेट चटकाया जिससे भारत ने लंच तक 22 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (सात रन पर एक विकेट) ने दूसरे सत्र में ऋषभ पंत (09) का बड़ा विकेट लेकर भारत की हालत और खराब कर दी। भारतीय पारी के दौरान ऑस्ट्रेलियाई दबदबे के बीच कई बार बारिश के कारण खेल रोका गया और फिर शुरू हुआ लेकिन अधिक ओवर नहीं फेंके जा सके। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के दबदबे का अंदाजा इस बात से लगता है कि मेजबान टीम ने विकेट के आगे से ज्यादा क्षेत्ररक्षक विकेट के पीछे खड़े किए थे। कमिंस ने पंत को विकेटकीपर कैरी के हाथों कैच कराके भारत को चौथा झटका दिया जिसके कुछ देर बार बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा और फिर चाय का विश्राम लिया गया। चाय और समापन के बीच तीन ओवर भी नहीं फेंके जा सके। स्टार्क ने इससे पहले भारतीय पारी की दूसरी गेंद पर ही यशस्वी जायसवाल (04) को शॉर्ट मिडविकेट पर मिचेल मार्श के हाथों कैच कराया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज के अगले ओवर में शुभमन गिल (01) भी स्लिप में मार्श को कैच दे बैठे जबकि हेजलवुड ने विराट कोहली (03) को लंच से ठीक पहले विकेटकीपर एलेक्स कैरी के हाथों कैच कराके भारत को तीसरा झटका दिया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह सात विकेट पर 405 रन से आगे खेलना शुरू किया। कैरी ने 45 रन की पारी को आगे बढ़ाते हुए रविंद्र जडेजा की गेंद पर फाइन लेग की ओर चौका लगाकर 53 गेंद में अर्धशतक पूरा किया जबकि स्टार्क ने भी जडेजा को स्लॉग स्वीप करके स्क्वायर लेग पर छक्का जड़ा। अपनी सटीक गेंदबाजी से एक छोर पर रन गति पर अंकुश लगाने के लिए पहचाने जाने वाले जडेजा ने पांच रन प्रति ओवर की दर से रन दिए और उनके इस प्रदर्शन से तेज गेंदबाजों पर अतिरिक्त बोझ आया। गाबा की सतह पर थोड़ा टर्न और उछाल था लेकिन जडेजा बाएं हाथ के बल्लेबाजों को बहुत सीधी गेंदबाजी करने के दोषी रहे। स्टार्क (18) ने बुमराह पर मिडविकेट पर चौका मारा लेकिन चार गेंद बाद इस भारतीय तेज गेंदबाज की गेंद पर विकेटकीपर पंत को कैच दे बैठे। यह बुमराह का पारी का छठा, श्रृंखला का 18वां और ऑस्ट्रेलिया में 50वां विकेट था। बारिश के कारण कुछ देर के लिए खेल बाधित रहा और जब खेल दोबारा शुरू हुआ तो मोहम्मद सिराज (97 रन पर दो विकेट) ने नाथन लियोन (02) को बोल्ड कर दिया। आकाश दीप (95 रन पर एक विकेट) ने कैरी को बाउंड्री पर कैच कराकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

महान व्यक्तित्व उस्ताद ज़ाकिर हुसैन को किया याद, कहा उनकी हड्डियों में भी लय थी

प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन अब नहीं रहे। महान तबला वादक का रविवार, 15 दिसंबर को सैन फ्रांसिस्को, यूएसए में निधन हो गया। वे वहां एक अस्पताल के आईसीयू में हृदय संबंधी जटिलताओं के लिए उपचार ले रहे थे। कथित तौर पर, उनका निधन इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस, एक पुरानी फेफड़ों की बीमारी के कारण हुआ।

सद्गुरु ने महान तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन को याद करते हुए श्रद्धांजलि पोस्ट की, जिनका रविवार, 15 दिसंबर को निधन हो गया। आध्यात्मिक नेता ने कहा कि हुसैन को उनके शिल्प के प्रति समर्पण के लिए हमेशा प्यार, गर्व और कृतज्ञता के साथ संजोया जाएगा।

उनके ट्वीट में लिखा था शक्ति में फ्यूजन के शानदार समय से, जाकिर की हड्डियों में लय थी, उनके दिल में अपनी कला के लिए प्यार था और उन्होंने दुनिया भर में लाखों लोगों को खुशी दी। उन्हें हमेशा अपनी कला के प्रति समर्पण के लिए प्यार, गर्व और कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। उनके निधन से शोक संतप्त सभी लोगों के प्रति गहरी संवेदना और आशीर्वाद। परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रोस्पेक्ट पीआर के जॉन ब्लेचर ने इस खबर की पुष्टि की।

उस्ताद जाकिर हुसैन के बारे में

9 मार्च, 1951 को जन्मे जाकिर हुसैन महान तबला वादक उस्ताद अल्ला रक्खा के पुत्र थे। तबला बजाने की उनकी असाधारण प्रतिभा ने उन्हें कम उम्र में ही देश भर में पहचान दिलाई। अपनी किशोरावस्था में, जाकिर पहले से ही भारत के कुछ सबसे प्रसिद्ध शास्त्रीय संगीतकारों के साथ प्रदर्शन कर रहे थे।

अपने शानदार करियर के दौरान, उस्ताद जाकिर हुसैन ने पारंपरिक भारतीय और वैश्विक संगीत मंडलियों दोनों में प्रमुख हस्तियों के साथ काम किया। उन्होंने पंडित रविशंकर और उस्ताद विलायत खान जैसे दिग्गजों के साथ काम किया और गिटारवादक जॉन मैकलॉघलिन के साथ शक्ति और ग्रेटफुल डेड के मिकी हार्ट के साथ प्लेनेट ड्रम जैसे अंतरराष्ट्रीय फ्यूजन समूहों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनके बेजोड़ कौशल ने उन्हें चार ग्रैमी जीत के साथ एक वैश्विक सितारा बना दिया। भारत सरकार द्वारा उन्हें प्रतिष्ठित पद्मश्री (1988) और पद्म भूषण (2002) से भी सम्मानित किया गया।

कन्नप्पा से मोहनलाल का फर्स्ट लुक पोस्टर जारी, विष्णु मांचू ने उठाया अभिनेता के किरदार से पर्दा

विष्णु मांचू की पौराणिक ड्रामा कन्नप्पा बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म प्रभास, अक्षय कुमार, काजल अग्रवाल और मोहनलाल के दिलचस्प कैमियो की वजह से चर्चा में है। अब विष्णु मांचू अपनी फिल्म का प्रचार करने में जुटे हुए हैं। इस बीच उन्होंने फैंस का उत्साह बढ़ाने के लिए फिल्म से मोहनलाल का पोस्टर जारी किया है और उनके किरदार का भी खुलासा कर दिया है।

मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल अभिनेता विष्णु मांचू की आगामी बड़े बजट की फिल्म कन्नप्पा में किराता की भूमिका निभाएंगे। मोहनलाल का फर्स्ट-लुक कैरेक्टर पोस्टर 16 दिसंबर को जारी किया गया। मोहनलाल इस फिल्म में कई सितारों के साथ कैमियो रोल निभाएंगे। विष्णु मांचू ने एक्स पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, किराता। लीजेंड श्री मोहनलाल कन्नप्पा में। मुझे हमारे समय के सबसे महान अभिनेताओं में से एक के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करने का सम्मान मिला। यह पूरा सीक्वेंस होगा।

पोस्टर के अनुसार, मोहनलाल की भूमिका में किराता पशुपतास्त्र (भगवान शिव और देवी काली का मुख्य हथियार) के मास्टर हैं। वह आदिवासी पोशाक पहने हुए हैं और उनके हाथ में तलवार है। वह चेहरे पर रंग लगाए और बालों में लट लगाए हुए हैं और मजबूत और खतरनाक दिख रहे हैं। फिल्म की बात करें तो कन्नप्पा एक पौराणिक काल्पनिक फिल्म है, जिसका निर्देशन मुकेश कुमार सिंह ने किया है। विष्णु मांचू अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर हिंदू भगवान शिव के एक कट्टर भक्त की कहानी पर आधारित है। मुख्य भूमिका निभाने के अलावा विष्णु ने कन्नप्पा की पटकथा भी लिखी है। इसका निर्माण विष्णु मांचू के पिता और दिग्गज अभिनेता-निर्माता मोहन बाबू ने किया है। इसकी शूटिंग न्यूजीलैंड, हैदराबाद और अन्य स्थानों पर की गई है।

विष्णु मांचू कन्नप्पा में ऐश्वर्या भास्करन, मोहन बाबू, अक्षय कुमार, प्रभास, सरथकुमार, ब्रह्मानंदम, मुकेश ऋषि, मधु और प्रीति मुखुनदन जैसे कलाकार प्रमुख भूमिकाओं में हैं। आगामी बड़े बजट की फिल्म एवीए एंटरटेनमेंट और 24 फ्रेम्स फैक्ट्री के बैनर तले बनी है। मूल रूप से तेलुगु में शूट की गई कन्नप्पा को तमिल, कन्नड़, मलयालम, हिंदी और अंग्रेजी में डब किया जाएगा। कन्नप्पा 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

बाहुबली 3 में विद्या-माधुरी का आमना-सामना, पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन का जथारा सीन, जब इस साल 5 बार स्क्रीन पर समय थम गया

दो और दो प्यार में विद्या बालन और प्रतीक गांधी के अनप्लान्ड डांस से लेकर पुष्पा 2 में अल्लू अर्जुन के आइकॉनिक 21 मिनट के जथारा डांस तक, 2024 में स्क्रीन पर ये पांच बार जादू हुआ।

इसके बारे में कुछ भी रिहर्सल नहीं किया गया। जब विद्या बालन और प्रतीक गांधी ने डांस मूव्स किए, खासकर 1991 की फिल्म यारा दिलदारा के लीड पेयर आसिफ शेख और रुचिका पांडे से लिए गए सिग्नेचर मूव, तो गाने को आखिरकार वह ट्रीटमेंट मिला, जिसका वह हकदार था।

फ्रैंचाइज़ के दीवाने प्रशंसक भी इस बात से सहमत होंगे कि साड़ी में अल्लू अर्जुन का 21 मिनट का जथारा डांस फ़िल्म का मुख्य आकर्षण था। फ़िल्म का बाकी हिस्सा एक तरफ़, दूसरी तरफ़ दिव्यता का यह नृत्य। इसका कथानक से कोई प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष संबंध नहीं था। लेकिन किसे परवाह है? साड़ी में अल्लू का डांस उतना ही आकर्षक था जितना कि भूल भुलैया 3 में विद्या बालन का।

हमें लगा कि देवदास में माधुरी दीक्षित और ऐश्वर्या राय से बेहतर कोई नहीं कर सकता। लेकिन फिर माधुरी और विद्या ने हमें गलत साबित कर दिया जब वे अनीस बज्मी की ब्लॉकबस्टर में डांस फ़्लोर पर आईं। समय थम गया। हम स्पेशल नंबर को बार-बार रिवाइंड करना चाहते थे और फ़िल्म का बाकी हिस्सा किसी और समय देखना चाहते थे।

जब पुलिस अधिकारी दीपक डोबरियाल द्वारा प्रेम के रूप में मैसी से पूछताछ की जाती है, तो मैसी एक राक्षस में बदल जाता है, जिसे बिल्कुल भी शर्म या अपराधबोध नहीं होता है, वह ग्राफिक विवरण में बताता है कि कैसे उसने अपने आनंद के लिए बच्चों के झुंड को टुकड़े-टुकड़े कर दिया। यह एक राक्षसी एकालाप है, जो शानदार फिल्म से एक भयावह संदेश है।

इस साल वरुण ने जो सबसे बेहतरीन काम किया, वह कपिल शर्मा के शो पर पोल डांस था। जब वह उस चिकने पोल पर ऊपर-नीचे फिसल रहा था, तो हमने वरुण के लिए एक वैकल्पिक करियर देखा।

सलमान खान-बिश्नोई विवाद से लेकर ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के अलगाव की खबरों तक, साल के सबसे बड़े विवाद

सलमान खान का लॉरेंस बिश्नोई के साथ विवाद नई धमकियों के कारण और गहरा गया, जबकि शाहरुख खान को छत्तीसगढ़ के एक वकील से जुड़ी जान से मारने की धमकियाँ मिलीं। दिव्या खोसला ने आलिया भट्ट की जिगरा पर बॉक्स ऑफिस में हेराफेरी का आरोप लगाया। अरशद वारसी की प्रभास पर जोकर टिप्पणी ने लोगों को झकझोर कर रख दिया। नीचे 2024 के सबसे बड़े बॉलीवुड विवादों के बारे में और पढ़ें!

सलमान खान बनाम लॉरेंस बिश्नोई झगड़ा

सलमान खान और गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के बीच लंबे समय से चल रहा तनाव तब और बढ़ गया जब नई धमकियाँ सामने आईं। बिश्नोई गैंग के साथ सलमान का विवाद पूरे साल सुर्खियों में रहा। काले हिरण के शिकार की घटना से उपजा यह मामला सलमान को नई जान से मारने की धमकियों की रिपोर्ट के बाद और भी गंभीर हो गया। कड़ी सुरक्षा और चल रही जाँच के बावजूद, यह मुद्दा व्यापक रूप से लोगों और मीडिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

शाहरुख खान को जान से मारने की धमकी का मामला

बांद्रा पुलिस स्टेशन को शाहरुख खान को निशाना बनाकर एक धमकी भरा संदेश मिला, जिसके बाद जबरन वसूली का मामला दर्ज किया गया। जाँच में पता चला कि कॉल छत्तीसगढ़ के एक वकील फैजान खान के नाम से पंजीकृत एक फ़ोन नंबर पर आई थी। फैजान ने दावा किया कि 2 नवंबर को उसका फ़ोन खो गया था और उसने इस घटना को अपने खिलाफ़ एक साज़िश बताते हुए शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने पहले शाहरुख खान के खिलाफ कथित तौर पर धार्मिक कलह पैदा करने के लिए शिकायत दर्ज कराई थी। मुंबई पुलिस ने उन्हें जान से मारने की धमकी देने और 50 लाख रुपये मांगने के आरोप में रायपुर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया।

दिव्या खोसला कुमार बनाम जिगरा विवाद

आलिया भट्ट की जिगरा ने तब विवाद खड़ा कर दिया जब दिव्या खोसला ने आरोप लगाया कि आलिया ने बॉक्स ऑफिस के आंकड़ों में हेराफेरी की है, और दिव्या ने यह भी दावा किया कि कहानी उनकी फिल्म सावी से मिलती जुलती है। जवाब में, जौहर ने अपने प्रोजेक्ट का बचाव करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और आरोपों को निराधार बताया। सार्वजनिक आदान-प्रदान ने प्रशंसकों के बीच बहस को हवा दे दी।

अरशद वारसी ने प्रभास पर जोकर टिप्पणी की

अरशद वारसी ने एक साक्षात्कार के दौरान कल्कि 2898 ई. में प्रभास के चरित्र को जोकर कहकर विवाद खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी ने प्रभास के प्रशंसकों को नाराज कर दिया, जिसके कारण सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया हुई। दक्षिण अभिनेता नानी ने वारसी की टिप्पणी को ध्यान आकर्षित करने का एक हताश प्रयास कहा। बाद में, वारसी ने स्पष्ट किया कि उनके बयान का लक्ष्य चरित्र था, न कि स्वयं प्रभास।

ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की अलग-अलग उपस्थिति

बच्चन दंपति की शादी में संभावित तनाव की अफवाहों ने तब लोगों का ध्यान खींचा जब ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन अंबानी की शादी में अलग-अलग शामिल हुए। इससे उनके रिश्ते के बारे में अटकलें लगाई जाने लगीं, हालाँकि दंपति ने आधिकारिक तौर पर अफवाहों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी, सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने पूछा, कैसे एक अंतरिम आदेश के जरिए कानूनी प्रावधानों को निलंबित किया जा सकता है? सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी होती है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। याचिका में गुजरात सरकार के अशांत क्षेत्रों में संपत्तियों पर 1991 के कानून के कुछ प्रावधानों को निलंबित करने की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए पीठ ने पूछा, कैसे एक अंतरिम आदेश के जरिए कानूनी प्रावधानों को निलंबित किया जा सकता है? हर कानून के साथ संवैधानिकता की धारणा जुड़ी होती है। गौरतलब है कि गुजरात उच्च न्यायालय ने याचिका दायर कर गुजरात के संपत्ति कानून, 1991 के अचल संपत्ति के हस्तांतरण पर रोक और अशांत क्षेत्रों में किरायेदारों को बेदखल किए जाने से बचाने के प्रावधानों को निलंबित करने की मांग की गई थी, लेकिन 28 अक्टूबर को गुजरात उच्च न्यायालय ने उस याचिका को खारिज कर दिया था। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता अधिनियम के प्रावधानों को चुनौती देने वाली अपनी याचिका को लेकर उच्च न्यायालय जा सकते हैं। शीर्ष न्यायालय ने कहा, हम उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा पारित आदेश में हस्तक्षेप करने के इच्छुक नहीं हैं और याचिका को खारिज किया जाता है।

150 करोड़ रिश्वत के आरोपों पर सिद्धारमैया ने विजयेंद्र को घेरा; भाजपा का पलटवार

आदेश

सिद्धारमैया से जब यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा, मणिप्पाडी ने यह कहा।

बंगलूरू। सिद्धारमैया से जब यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को उठाया जाएगा और इस पर चर्चा की जाएगी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शनिवार को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर अल्पसंख्यक आयोग के पूर्व अध्यक्ष अनवर मणिप्पाडी को 150 करोड़ रुपये की रिश्वत देने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। उनके इस आरोपों को भाजपा नेता ने खारिज कर दिया। हालांकि, विजयेंद्र द्वारा इन आरोपों को खारिज करने के एक दिन बाद कर्नाटक के सीएम ने बताया कि उनके पास वीडियो फुटेज है, जिसमें अनवर मणिप्पाडी को भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र पर रिश्वत लेने का आरोप लगाते हुए देखा गया है। उनके इन आरोपों पर भाजपा ने भी प्रतिक्रिया दी। पार्टी ने इस मामले में सीबीआई जांच की मांग की। सिद्धारमाया ने कहा, मनिप्पाडी ने खुद यह बात बताई थी। अब कौन सा बयान सच है और कौन सा झूठ मनिप्पाडी ने ही सबसे पहले यह बात कही थी। अगर अब वह न कहता है तो इसमें क्या किया जाएगा। मेरे अनुसार, हमारी प्रतिक्रिया सही है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आगे कहा, वह (मणिप्पाडी) वही हैं जिसने दावा किया था कि उसे 150 करोड़ रुपये की पेशकश की गई थी। इसका वीडियो रिकॉर्डिंग भी है। उसने यह बात एक प्रेस वार्ता में कही। अब इतने वर्षों बात वह इससे इनकार कर रहा है। सिद्धारमैया से जब यह पूछा गया कि क्या वे मणिप्पडी के कथित दावों की सीबीआई जांच का आदेश देंगे? उन्होंने कहा, मणिप्पाडी ने यह कहा। इस मुद्दे को उठाया जाएगा और चर्चा की जाएगी। सिद्धारमैया ने इससे पहले अपने बयान में कहा था कि मणिप्पाडी ने सार्वजनिक रूप से यह बयान दिया था कि बी.एस. येदियुरप्पा के मुख्यमंत्री रहते हुए विजयेंद्र ने उनके घर पर आकर वक्फ संपत्ति घोटाले की रिपोर्ट पर चुप रहने के लिए डेढ़ सौ करोड़ रुपये की रिश्वत देने की पेशकश की थी। उन्होंने यह भी कहा कि मणिप्पाडी ने विजयेंद्र को अपने घर से बाहर निकाला था और इस मामले की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को दी थी। इस मामले में सीबीआई जांच की मांग करते हुए सिद्धारमैया ने अपने बयान में कहा कि मणिप्पाडी ने उन्हें बताया था कि जब विजयेंद्र ने पैसे की पेशकश की तो उन्होंने (मणिप्पाडी) उन्हें अपने घर से बाहर भेज दिया था। उन्होंने (मणिप्पाडी) ने इस घटना की जानकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष को दी। अपने ऊपर लगे आरोपों पर भाजपा नेता बी.वाई. विजयेंद्र ने रविवार को प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा था, आज अनवर मनिप्पाडी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि विजयेंद्र ने नहीं, बल्कि कांग्रेस के लोगों ने उनसे संपर्क किया था।

महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिसे

नई दिल्ली। याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने हमें इस पर ध्यान देने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक खास याचिका पर विचार करने पर सहमति जताई। दरअसल, याचिका में समाज में महिलाओं, बच्चों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के लिए एक सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए अखिल भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों तथा उनसे संबंधित विभागों को नोटिस जारी किया। साथ ही मामले की अगली सुनवाई जनवरी में तय की। याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट वुमन लॉयर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता महालक्ष्मी पवानी ने कहा कि छोटे शहरों में महिलाओं के खिलाफ यौन उत्पीड़न की कई घटनाएं हो रही हैं और उन्हें दर्ज नहीं किया जा रहा है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या की घटना के बाद यौन हिंसा की करीब 95 घटनाएं हुई हैं, लेकिन इन्हें उजागर नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि स्कैंडिनेवियाई देशों की तरह अपराधियों को रासायनिक नपुंसक बनाने जैसी सजाएं मिलनी चाहिए। पीठ ने कहा कि वह याचिका में उल्लेख किए गए कई अनुरोधों को स्वीकार नहीं करेगी क्योंकि वे बर्बर और भयावह हैं, लेकिन कुछ ऐसे मुद्दे हैं जो बहुत नए हैं और उनकी जांच की आवश्यकता है। न्यायाधीश सूर्य कांत ने कहा कि सार्वजनिक परिवहन में उचित व्यवहार बनाए रखने का सवाल विचार करने लायक मुद्दों में से एक है और बसों, मेट्रो और ट्रेनों में किसी को कैसे व्यवहार करना चाहिए, इस पर जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है।

विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए चीन जा सकते हैं डोभाल

नई दिल्ली। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था। तब जून में गलवां घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। यह गतिरोध एक समझौते के तहत देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद समाप्त हुआ था। सैनिकों की वापसी के समझौते को 21 अक्तूबर को अंतिम रूप दिया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल अगले कुछ सप्ताह में बीजिंग की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान वे व्यापक सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधि वार्ता के नए संस्करण में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। यह वार्ता करीब पांच साल के अंतराल के बाद होगी। इससे पहले विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की वार्ता दिसंबर 2019 में नयी दिल्ली में हुई थी। वार्ता के इस तंत्र को बहाल करने का निर्णय 23 अक्तूबर को कजान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में लिया गया था। सूत्रों के मुताबिक, एनएसए डोभाल 23वें दौर की एसआर वार्ता में भाग लेने के लिए संभवत- जल्द ही चीन की यात्रा करेंगे। एसआर वार्ता इस महीने के अंत में या जनवरी की शुरुआत में हो सकती है। हालांकि, अभी इस बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है कि एसआर वार्ता किस जगह पर होगी।भारत और चीन ने पांच दिसंबर को अपनी कूटनीतिक वार्ता में विशेष प्रतिनिधि वार्ता की तैयारी की थी। वार्ता के लिए भारत के विशेष प्रतिनिधि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल हैं, जबकि चीनी पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं। पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के कारण पिछले पांच साल में कोई विशेष प्रतिनिधि वार्ता नहीं हुई। भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था। तब जून में गलवां घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच संबंधों में तनाव आ गया था।

विधानसभा में परभाणी हिंसा पर चर्चा के लिए तैयार फडणवीस, लाड़की बहिन योजना भी आया बड़ा अपडेट

मुंबई। परभाणी हिंसा के एक दिन पहले बीड में मसजोग गांव के सरपंच संतोष देशमुख का नौ दिसंबर को अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। सोमवार को कांग्रेस नेता नाना पटोले ने विधानसभा में परभाणी हिंसा का मुद्दा उठाया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को बताया कि वह हाल ही में हुए परभणी हिंसा और बीड़ में सरपंच की हत्या के मामले में राज्य विधान मंडल में चर्चा के लिए तैयार हैं। विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के पहले दिन नीचले सदन में बोलते हुए उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली महायुति के सत्ता में आने के बाद घटी दोनों घटनाओं को गंभीर बताया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरोध में कोलकाता में निकाली रैली, अंतरिम सरकार के खिलाफ नाराजगी

संशोधित

लोकसभा सचिवालय की संशोधित सूची में सोमवार के एजेंडे में यह विधेयक शामिल नहीं हैं। कोहरा एक बार फिर यात्रियों के लिए परेशानी लेकर आया।

कोलकाता कोलकाता में बंगाली हिंदू सुरक्षा समिति ने सोमवार को बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों और हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में रैली निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सियालदाह स्टेशन से शुरू हुई रैली दो किमी की दूरी तय करते हुए रानी रशमोनी रोड पर समाप्त हुई। इस दौरान लोगों ने चिन्मय कृष्ण दास की रिहाई की मांग को लेकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि मोहम्मद युनूस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों को रोके। भगवा झंडे और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने हिंदुओं और उनके पूजा स्थलों को निशाना बनाकर जारी हिंसा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने हिंदुओं की सुरक्षा के लिए अंतरिम सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग की। इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव जल्द ही सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सामने पेश हो सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिसंबर को उनके बयान को लेकर समाचार पत्रों की खबरों पर संज्ञान लिया था और हाईकोर्ट से इस संबंध में पूरा ब्योरा तलब किया था। स्थापित प्रथाओं के अनुसार, अगर किसी न्यायाधीश के खिलाफ किसी विवादास्पद मुद्दे पर शीर्ष अदालत की ओर से संबंधित हाईकोर्ट से रिपोर्ट मांगी जाती है, तो उसे सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के सामने अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाता है।

सरकार ने लोकसभा में एक देश-एक चुनाव से जुड़े विधेयक पेश करने की योजना को वित्तीय कामकाज पूरा होने तक के लिए टाल दिया है। दो विधेयकों संविधान (129वां संशोधन) विधेयक और केंद्रशासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक) को सोमवार को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया था। सूत्रों के अनुसार एक देश-एक चुनाव विधेयक को अब सप्ताहांत में लाया जा सकता है। लोकसभा सचिवालय की संशोधित सूची में सोमवार के एजेंडे में यह विधेयक शामिल नहीं हैं। कोहरा एक बार फिर यात्रियों के लिए परेशानी लेकर आया। इससे रविवार को यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में कोहरे ने ट्रेनों की रफ्तार को थाम दिया है। वहीं, सड़कों पर भी वाहनों का आवागमन प्रभावित रहा। दृश्यता घटने की वजह से दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से 30 से अधिक विमान देरी से उड़ान भर सके। 35 से अधिक ट्रेनें रविवार को देरी से दिल्ली पहुंचीं। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल विशेष प्रतिनिधि वार्ता के लिए जल्द ही चीन जाएंगे। एलएसी से पीछे हटने को लेकर हुए समझौते के बाद डोभाल की यह पहली चीन यात्रा होगी। सीमा विवाद को लेकर 2020 में एनएसए डोभाल और चीन के विदेश मामलों के मंत्री वांग यी ने फोन पर बात की थी। इससे पहले 21 दिसंबर 2019 को दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच दिल्ली में विशेष बैठक हुई थी। गुजरात के सूरत में 2.57 करोड़ की जाली भारतीय मुद्रा के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से तीन महाराष्ट्र निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि चारों को सारोली चेक पोस्ट के पास से शनिवार शाम पकड़ा गया, जब वे तीन बैगों में जाली नोट लेकर जा रहे थे। आरोपियों ने 500 रुपये के जाली नोटों के 43 बंडल और 200 रुपये के जाली नोटों के 21 बंडल बना रखे थे। पूछताछ में पता चला कि आरोपियों ने बैंकों व बाजारों में जाली नोटों से अनजान लोगों को ठगने की साजिश रची थी।

नेतन्याहू और ट्रंप के बीच फोन पर हुई खास बातचीत

तेल अवीव नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में ट्रंप से हुई बातचीत पर कहा कि ये बहुत दोस्ताना और अहम बातचीत रही। हमने इस्राइली जीत के बारे में बात की, साथ ही बंधकों को छुड़ाने की कोशिशों पर भी चर्चा की। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बात की। नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। नेतन्याहू ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छी, अहम और गर्मजोशी भरी बातचीत हुई। नेतन्याहू ने ये भी कहा कि उन्होंने ट्रंप को बताया कि इस्राइल को इस लड़ाई को खत्म करने के लिए क्या मदद चाहिए। हमास ने बीते साल 7 अक्तूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। हमास का पूरा नेतृत्व खत्म हो चुका है, लेकिन अभी भी इस्राइली बंधक गाजा में कैद हैं, जिन्हें छुड़ाने की कोशिशें जारी हैं। नेतन्याहू ने वीडियो संदेश में ट्रंप से हुई बातचीत पर कहा कि ये बहुत दोस्ताना और अहम बातचीत रही। हमने इस्राइली जीत के बारे में बात की, साथ ही बंधकों को छुड़ाने की कोशिशों पर भी चर्चा की। नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल, बंधकों को घर वापस लाने के लिए लगातार काम कर रहा है और मैं ये कहना चाहता हूं कि हम इसके बारे में जितना कम बात करेंगे, उतना ही बेहतर होगा और भगवान की मदद से हम जरूर सफल होंगे। रविवार को इस्राइली पीएम ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में नेतन्याहू ने कहा कि मैंने कहा था कि हम पश्चिम एशिया का नक्शा बदल देंगे और अब ये ही हो रहा है। सीरिया अब पहले वाला सीरिया नहीं है। लेबनान और गाजा भी अब पहले जैसे नहीं हैं। ईरान भी वैसा नहीं है। हम हिजबुल्ला को सशस्त्र नहीं होने देंगे। यह इस्राइल की परीक्षा है और हमें इसे पूरा करना ही होगा। सीरिया में बशर अल असद सरकार के सत्ता से हटने के बाद वहां हयात तहरीर अल शाम के नेतृत्व में बागी सत्ता पर काबिज हुए हैं। सीरिया में सत्ता परिवर्तन के बाद से ही इस्राइल द्वारा सीरिया में भी हवाई हमले किए जा रहे हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सीरियाई सेना द्वारा गोलन हाइट्स इलाके में जो पोस्ट खाली छोड़ दी गई हैं, अब उन पर इस्राइली सैनिक काबिज हो गए हैं। इस्राइली सेना का कहना है कि वे कोशिश कर रहे हैं कि भविष्य में गोलन हाइट्स इलाके से इस्राइल पर हमले न हो सकें।

श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके ने की पीएम मोदी से मुलाकात; इन अहम मुद्दों पर हुई बातचीत

नई दिल्ली। श्रीलंकाई राष्ट्रपति दिसानायके अभी भारत दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर दोनों देशों के बीच के रिश्ते में और मजबूती के लिए कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमार दिसानायके तीन दिवसीय भारत की राजकीय यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के अलावा रक्षा, व्यापार और निवेश बढ़ाने के लिए व्यापक बातचीत की। बता दें कि श्रीलंका के राष्ट्रपति बनने के बाद दिसानायके की ये पहली विदेश यात्रा है, जिसके लिए वो रविवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली पहुंचे। वार्ता से पहले राष्ट्रपति दिसानायके का राष्ट्रपति भवन में स्वागत किया गया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की।

जो आजादी के लिए लड़े ही नहीं, उन्हें इसकी कीमत कैसे पता होगी, भाजपा पर भड़के खरगे

आरक्षण

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरक्षण विरोधी है और इसी वजह से वे जातीय जनगणना का विरोध कर रही है।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरक्षण विरोधी है और इसी वजह से वे जातीय जनगणना का विरोध कर रही है। आप पंडित नेहरू के नाम पर सभी का अपमान कर रहे हैं। सरदार पटेल, आंबेडकर भी उनके साथ थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा में संविधान पर चर्चा के दौरान केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। खरगे ने इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी पर निजी हमले भी किए और कहा कि उन्होंने पिछले 11 साल में संविधान को मजबूत करने के लिए कुछ नहीं किया है। खरगे ने अपने भाषण के दौरान संघ पर भी कड़ा हमला किया। खरगे ने कहा कि जो लोग देश की आजादी के लिए लड़े ही नहीं, उन्हें देश की आजादी और संविधान की अहमियत कैसे पता होगी? प्रधानमंत्री हमें सिखा रहे हैं और कह रहे हैं कि हम झूठे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री खुद एक नंबर के झूठे हैं। उन्होंने कहा था 15 लाख रुपये आएंगे, लेकिन नहीं आए। ये लोग देश को गुमराह कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को देश को बताना चाहिए कि बीते 11 साल में उन्होंने संविधान को मजबूत करने के लिए क्या किया। खरगे ने सत्ता पक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आप पंडित नेहरू के नाम पर सभी का अपमान कर रहे हैं। सरदार पटेल, आंबेडकर भी उनके साथ थे। पंडित नेहरू ने मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा था, जिसके बारे में प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में जिक्र किया, लेकिन प्रधानमंत्री ने तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पंडित नेहरू को बदनाम किया। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। हम इसकी मांग करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा, आरक्षण विरोधी है और इसी वजह से वे जातीय जनगणना का विरोध कर रही है। प्रधानमंत्री को इस देश की आजादी की लड़ाई के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। खरगे ने देश के संविधान की तारीफ करते हुए कहा कि जब कई शक्तिशाली देशों में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार नहीं था, महिलाओं को वोट देने का अधिकार नहीं था, उस समय भारत ने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार दिया, महिलाओं को मतदान का अधिकार दिया। ये कांग्रेस ने दिया, संविधान दिया। जबकि आरएसएस, जनसंघ ने इसका विरोध किया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि साल 1949 में संघ के नेताओं ने भारत के संविधान का विरोध किया था क्योंकि ये मनुस्मृति पर आधारित नहीं था। न ही उन्होंने तिरंगे का स्वीकारा था।

ब्रिटेन ने सीरियाई बागियों के साथ शुरू किए कूटनीतिक संबंध, लेकिन अभी भी मानता है आतंकी संगठन

संबंध

ब्रिटेन की सरकार ने सीरिया की सत्ता पर काबिज होने वाले बागी समूहों के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित कर लिए हैं।

अमेरिका। मोल्दोवा के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मिहाईल पॉपसोई 15 से 17 दिसंबर तक अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर हैं। वे रविवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। उनकी यात्रा का मकसद भारत और मोल्दोवा के रिश्तों को मजबूत करना है। अमेरिका के टेनीसी प्रांत के मेम्फिस में हुए सड़क हादसे में एक भारतीय छात्रा की मौत हो गई, जबकि दो अन्य छात्र घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दुर्घटना शुक्रवार मध्य रात्रि के बाद हुई। नागा श्री वंदना परीमाला (26), पवन व निकित कार से कहीं जा रहे थे। इस दौरान उनकी कार दूसरे वाहन से टकरा गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल वंदना व उसके साथियों को अस्पताल ले गई। वहां वंदना ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। हिंद महासागर में उठे चक्रवात चिडो के कारण फ्रांसीसी क्षेत्र मायोट में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई। फ्रांसीसी गृह मंत्रालय ने रविवार को बताया कि घायलों की सटीक संख्या अभी ज्ञात नहीं है, लेकिन मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। मायोट के एक अस्पताल ने बताया कि 255 लोग घायल हुए हैं, जिनमें नौ लोगों की हालत गंभीर है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात दक्षिण-पूर्वी हिंद महासागर से होकर गुजरा, जिसका असर कोमोरोस व मेडागास्कर पर भी पड़ा। ब्रिटेन की सरकार ने सीरिया की सत्ता पर काबिज होने वाले बागी समूहों के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित कर लिए हैं। हालांकि ब्रिटेन अभी भी इन समूहों को आतंकी संगठन ही मानता है। हयात तहरीर अल शाम के नेतृत्व में बीते दिनों विद्रोही समूहों ने बशर अल असद सरकार को सत्ता से हटाकर खुद सत्ता कब्जा ली है। इन विद्रोही समूहों को पश्चिमी देश आतंकी संगठन मानते हैं, लेकिन अब ब्रिटेन की सरकार ने इनके साथ ही कूटनीतिक संबंध स्थापित कर लिया है।

असद सरकार के सत्ता से हटने का असर, कतर ने 13 साल बाद खोला अपना दूतावास

दमिश्क। तुर्किए ने भी 12 साल बाद दमिश्क में अपना दूतावास फिर से खोल दिया। सीरिया के उत्तर-पश्चिम में तुर्किए का काफी प्रभाव है और सीरिया की राजनीति में भी तुर्किए की खास जगह है। सीरिया में बशर अल असद सरकार के सत्ता से हटने और बागी समूहों द्वारा सत्ता कब्जाने के बाद अब दुनियाभर के देशों ने भी नई सरकार को स्वीकार कर लिया है और उनके साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित करने शुरू कर दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत सीरिया की राजधानी दमिश्क पहुंच चुके हैं। विशेष दूत ने सीरिया के नए नेता और हयात तहरीर अल शाम के प्रमुख अबू मोहम्मद अल जोलानी से भी मुलाकात की। इस मुलाकात में उन्होंने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की जरूरत है कि देश में एक विश्वसनीय न्याय प्रणाली स्थापित हो, अपराधों के लिए न्याय और जवाबदेही हो और बदले की भावना से काम न किया जाए। कतर के दूतावास भी 13 साल बाद मंगलवार से फिर से दमिश्क में काम करना शुरू कर देगा। कतर ने 13 साल पहले सरकार विरोधी विद्रोह के शुरुआती दौर में दमिश्क में अपना दूतावास बंद कर दिया था। इस विद्रोह के बाद ही सीरिया में गृहयुद्ध शुरू हुआ था, जो 13 साल चला। गृहयुद्ध के दौरान दुनिया के अन्य देशों ने बशर अल असद सरकार के साथ अपने संबंध जारी रखे, लेकिन कतर ने ऐसा नहीं किया।

मो. यूनुस के राज में बांग्लादेश में कैसे मन रहा विजय दिवस

ढाका। यह जानना अहम है कि जब बांग्लादेश 26 मार्च को स्वतंत्रता दिवस मनाता है तो आखिर उसका पाकिस्तान से आजाद होने का जश्न यानी विजय दिवस 16 दिसंबर को क्यों मनाया जाता है? इस साल विजय दिवस मनाने के तरीके में क्या अंतर रहा? बांग्लादेश की मीडिया ने इस साल विजय दिवस समारोह का कवरेज कैसे किया? बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने अपने लंबे भाषण के दौरान इस समारोह को लेकर क्या कहा? आइये जानते हैं... भारत और बांग्लादेश में आज विजय दिवस समारोह मनाया जा रहा है। जहां भारत और बांग्लादेश दोनों ही इस मौके पर अपने-अपने स्तर पर जश्न मना रहे हैं, वहीं सम्मिलित तौर पर इस बार रिश्तों में उतनी गर्माहट देखने को नहीं मिली। बीते पांच दशकों में इस दिन पर हुए समारोह की बात करें तो शेख हसीना के शासन में जहां दोनों देश हर वर्ष साझा तौर पर पाकिस्तान पर विजयी के प्रतीक रहे इस दिन के लिए कई कार्यक्रम आयोजित करते रहे, वहीं इस बार दोनों देशों में तल्खी साफ नजर आ रही है। ऐसे में यह जानना अहम है कि जब बांग्लादेश 26 मार्च को स्वतंत्रता दिवस मनाता है तो आखिर उसका पाकिस्तान से आजाद होने का जश्न यानी विजय दिवस 16 दिसंबर को क्यों मनाया जाता है? इस साल विजय दिवस मनाने के तरीके में क्या अंतर रहा है? बांग्लादेश की मीडिया ने इस साल विजय दिवस समारोह का कवरेज कैसे किया है? बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने अपने लंबे भाषण के दौरान इस समारोह को लेकर क्या कहा? आइये जानते हैं... भारत और बांग्लादेश दोनों ही देश 16 दिसंबर, 1971 को पाकिस्तान पर विजय का जश्न मनाते हैं। सही मायनों में देखा जाए तो यह बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस भी माना जा सकता है। हालांकि, बांग्लादेश अपनी स्वतंत्रता का दिन 26 मार्च को मनाता है। इसकी वजह यह है कि पश्चिमी पाकिस्तान (अब पाकिस्तान) के खिलाफ तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) ने 26 मार्च 1971 को ही पहली बार आजादी की आवाज उठाई थी और आधिकारिक तौर पर उत्तराधिकार देने की मांग की गई थी। तब भारत की प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी ने उनके स्वतंत्रता संघर्ष में उनका समर्थन किया था। बांग्लादेश के इसी एलान के बाद पाकिस्तानी सेनाओं ने पूर्वी पाकिस्तान में व्यापक नरसंहार किया।

मुठभेड़ में हिस्ट्रीशीटर संतोष गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। पुलिस मुठभेड़ में लुटेरा हिस्ट्रीशीटर संतोष उर्फ प्रतीक उपाध्याय को लगी गोली, घायल/गिरफ्तार, कब्जे से 01 तमंचा .315 बोर व एक जिन्दा कारतुस , एक खोखा कारतूस .315 बोर व चोरी की एक मोटर साइकिल बरामद। डा0 अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण एवं उनकी गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे सघन अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) के कुशल पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी मछलीशहर के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्र मय हमराह कर्मचारीगण थाना मुगराबादशाहपुर जौनपुर द्वारा जाड़े की रात्रि में चोरी व संगीन अपराध रोकने के दृष्टिगत इटहरा तिराहा पर चेकिंग की जा रही थी तभी जनपद प्रतापगढ की तरफ से एक व्यक्ति मोटर साइकिल से तेजी से आ रहा था कि प्रभारी निरीक्षक मय टीम के द्वारा रोकवाने का प्रयास किया गया तो संदिग्ध व्यक्ति मछलीशहर से जौनपुर कि तरफ तेजी से भागा कि प्रभारी निरीक्षक द्वारा जरिए थाना कन्ट्रोल रुम आस पास के थानो से घेरा बन्दी करने हेतु अवगत कराया गया कि इस सूचना पर थानाध्यक्ष मछलीशहर त्रिवेणी सिंह मय हमराह कर्म0गण व थानाध्यक्ष पवारा प्रियंका सिंह मय हमराह कर्म0गण के साथ सहयोगार्थ अपने-अपने थानो से चल दिये तथा रामनगर बेलवार रोड पर संदिग्ध व्यक्ति द्वारा भागने में असफल होने व पकड़े जाने के डर से पुलिस वालो के ऊपर जान से मारने की नियत से फायर किया गया जिसकी जबावी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक मुगराबादशाहपुर व थानाध्यक्ष मछलीशहर मय टीम के साथ सुरक्षार्थ फायर किया गया तो संदिग्ध व्यक्ति के तरफ से फायर आना बन्द हो गया । सिखलाये गये तरीके से नजदीक जाने पर व्यक्ति के बाँये पैर में गोली लगी थी वह कराह रहा था । मौके पर पुलिस बल द्वारा पहुचकर संदिग्ध व्यक्ति से नाम पता पूछा गया तो अपना नाम संतोष उर्फ प्रतीक उपाध्याय पुत्र देवमणि उर्फ मटरु निवासी ग्राम अल्लैया सतहरना थाना सुजानगंज जनपद जौनपुर उम्र करीब 24 वर्ष बताया तथा भागने व फायर करने के सम्बन्ध मे पूछा गया तो लूट व तस्करी व हत्या करने जैसी घटना कारित करने हेतु बताया। मौके पर अभियुक्त उपरोक्त द्वारा घटना में प्रयुक्त एक तमन्चा .315 बोर , एक जिंदा व एक खोखा कारतुस 315 बोर व चोरी की एक मोटर साइकिल HF डिलक्स बरामद हुआ। अभियुक्त के जीवन सुरक्षा व मानवता को देखते हुए चिकित्सा उपचार हेतु पुलिस बल के साथ अस्पताल रवाना किया गया।

बाल मित्र स्कूल के वार्षिक खेल में ब्लू हाउस बना विजेता

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। बाल मित्र ग्रुप ऑफ स्कूल्स का वार्षिक खेल दिवस समारोह उत्साह कुंभ मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में सम्पन्न हुआ। समारोह में ब्लू हाउस सर्वाधिक 70 अंक लेकर पहले स्थान पर रहा। यलो हाउस (50 अंक) दूसरे, रेड हाउस (40 अंक) तीसरे और ग्रीन हाउस 37 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहा। समारोह शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। मार्च पास्ट के बाद विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में पिरामिड, पीटी डिस्प्ले, 100, 200, 400 मीटर दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, एवं समूह नृत्य लोक नृत्य आदि सांस्कृतिक भी हुए। अंत में हुए रस्साकस्सी में ग्रीन हाउस विजेता एवं ब्लू हाउस द्वितीय स्थान पर रहा। समारोह के अतिथियों बाल मित्र स्कूल के संस्थापक सीआर यादव, बाल मित्र ग्रुप ऑफ स्कूल्स के निदेशक अर्पण यादव एवं चंदन यादव ने पुरस्कार वितरित किये। कार्यक्रम में डॉ. जय प्रकाश पार्षद अमरजीत सिंह एवं बाल मित्र ग्रुप के सभी प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

जौनपुर प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष कपिल देव मौर्य का हुआ दाह संस्कार

- डीएम और पुलिस अधीक्षक रहे उपस्थित

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जौनपुर प्रेस क्लब के जिला अध्यक्ष कपिल देव मौर्य का आज सोमवार को दाह संस्कार आदि गंगा गोमती नदी पावन तट रामघाट पर पूरे नागरिक सम्मान के साथ हुआ। उनके अंतिम दर्शन हेतु जनपद जौनपुर के जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा, पूर्व विधायक गुलाब सरोज, पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व विधायक लाल बहादुर यादव जनपद के जनप्रतिनिधि व अधिवक्ता समाजसेवी जनपद के तमाम पत्रकार में वरिष्ठ पत्रकार लोलरक दुबे, शंभू नाथ सिंह, राकेश कांत पांडेय, आशीष पांडेय, सोनू उपाध्याय, अधिवक्ता रमेश चंद्र पाल, दीवानी बार के अध्यक्ष सुभाष चंद्र यादव सहित सैकड़ो की संख्या में पत्रकार गण उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार कपिल देव मौर्य का कल रविवार को दोपहर हृदय गति रुकने से निधन हो गया। वे लगभग 66 वर्ष के थे।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जिले में सदर तहसील एवं जफराबाद थाना क्षेत्र के उतरगांवा गांव निवासी कपिल देव मौर्य ने 1984 से जौनपुर से प्रकाशित हिंदी दैनिक तरुण मित्र से अपनी पत्रकारिता की शुरुआत की। उसके पश्चात उन्होंने दैनिक मान्यवर में भी कुछ दिन तक काम किया, उसके बाद वे स्वतंत्र भारत, चौथी दुनिया, कुबेर टाइम्स और जनसत्ता एक्सप्रेस में भी जिला संवाददाता के रूप में काम करते रहे। वर्तमान में लखनऊ से प्रकाशित साप्ताहिक अपना भारत के जिला संवाददाता रहे और न्यूज़ पोर्टल सच खबरें चलाते रहे।

पानी भरे गड्ढे में गिरी कार दुल्हन की मौसी की मौत

अवधनामा संवाददाता

बैरिया। बैरिया थाना क्षेत्र के मधुबनी गांव में रविवार की देर शाम बाइक सवार को बचाने के चक्कर में एक कार पानी भरे गड्ढे में गिर गयी। हादसे में कार सवार एक महिला की पानी में डूबने से दर्दनाक मौत हो गयी, जबकि चालक सुरक्षित निकलने में सफल रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, महिला की मौत से घर-परिवार में कोहराम मचा हुआ है। बता दें कि माधुरी देवी (48) पत्नी संजय कुमार (निवासी छाता, थाना बांसडीहरोड) रविवार को क्षेत्र के मधुबनी गांव में अपनी बहन की बेटी की शादी में भाग लेने आ रही थी। गांव में प्रवेश करते ही सामने से बाइक सवार आ गया, जिसे बचाने के चक्कर में चालक ने ब्रेक ले लिया। इससे कार असंतुलित होकर सड़क के बगल में स्थित पानी से भरे गहरे गड्ढे में पलट गई। पानी में डूबने के कारण कार सवार माधुरी देवी की मौत हो गई। माधुरी देवी की मौत के बाद शादी के घर में मातम पसर गया। आनन फानन में मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दी गई। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस बाबत पूछने पर सुरेमनपुर चौकी इंचार्ज अशोक कुमार ने बताया कि मधुबनी निवासी कैलाश गुप्ता के घर बारात आई थी। जिस लड़की की शादी हो रही थी, वह मृतका की बहन की बेटी है। उसी की शादी में भाग लेने के लिए माधुरी आई टेन कार से आ रही थी, तभी यह हादसा हो गया। क्रेन बुलवाकर घंटों मशक्कत के बाद क्रेन के सहारे कार को गड्ढे से बाहर निकलवाया गया।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट के लिए मिला अनुदान

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के छात्रों को सीएसटी उत्तर प्रदेश इंजीनियरिंग छात्र प्रोजेक्ट अनुदान 2024-25 के अंतर्गत अनुदान प्राप्त हुआ। अनुदान प्राप्त करने वाले छात्रों एवं उनके प्रोजेक्ट निर्देशक को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने भी शुभकामनाएं दिया।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में कार्यरत सहायक प्रोफेसर प्रवीण कुमार पाण्डेय के निर्देशन में प्रोजेक्ट कार्य कर रहे छात्र शुभम कुमार और राहुल मौर्य, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ विक्रांत भटेजा के निर्देशन में प्रोजेक्ट कर रहे छात्र कृष्ण देव राय और रिंसिका दुबे और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर सौरभ वी कुमार के निर्देशन में प्रोजेक्ट कार्य कर रहे छात्र देवेंद्र यादव को प्रोजेक्ट के लिए अनुदान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल ने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने प्रोजेक्ट कार्य के सभी प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करें। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को ऐसा प्रोजेक्ट करना चाहिए जो कि हमारे समाज के लिए उपयोगी हो। साथ ही छात्रों को शोध के लिए प्रेरित करना भी आवश्यक है। इसके साथ ही संस्थान के छात्रों और अध्यापकों को शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट प्रकाशन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि शोध कार्य को संरक्षित किया जा सके।

त्रिपुरेश का चयन एमपी की अंडर-23 टीम में

प्रयागराज। बीसीसीआई द्वारा रायपुर (छत्तीसगढ़) में होने वाली अंडर-23 स्टेट 'ए' ट्रॉफी के लिए शहर के युवा क्रिकेटर त्रिपुरेश सिंह का चयन मध्य प्रदेश की टीम में हुआ है। ओम गायत्री नगर सलोरी निवासी राजकुमार सिंह के पुत्र त्रिपुरेश ने अपना प्रारंभिक प्रशिक्षण ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज मैदान पर बीसीसीआई लेवल वन कोच विवेक सिंह से प्राप्त किया है। दायें हाथ के मध्यम तेज गेंदबाज और मध्यक्रम के उपयोगी बल्लेबाज त्रिपुरेश मध्य प्रदेश की ओर से इसी साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पदार्पण किया था। वह एमपी की अंडर-16 विजय मर्चेंट ट्रॉफी, अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी के अलावा ऑल इंडिया विजी ट्रॉफी भी खेल चुके हैं। त्रिपुरेश अंडर-16 आयु वर्ग में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में भी भाग ले चुके हैं। त्रिपुरेश सिंह के चयन पर पर ईश्वर शरण पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आनंद शंकर सिंह, कीड़ा प्रभारी, डॉ. एकात्म देव, प्रो. धीरज चौधरी, प्रो. मान सिंह, प्रो. अनुजा सलूजा ने हर्ष जताते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं ने जीता चैंपियनशिप का खिताब

बलिया। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में मंडलीय रैली में चैंपियनशिप का खिताब जीतने के बाद सोमवार की दोपहर दो बजे गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज की बालिकाओं को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार व विकास भवन में सीडीओ ओजस्वी राज ने सममानित किया।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि मंडलीय रैली का आयोजन बीते दिनों श्री शंकर जी इंटर कॉलेज कटवा गहजी आजमगढ़ में हुआ था। इसमें गुलाब देवी बालिका इंटर कॉलेज ने नगर क्षेत्र जूनियर संवर्ग में प्रथम पुरस्कार के साथ-साथ गाइड विंग में तीनों मंडल में चैंपियनशिप का खिताब जीता। जिलाधिकारी अध्यक्ष प्रवीण कुमार लक्षकार और मुख्य विकास अधिकारी चीफ कमिश्नर ओजस्वी राज के निर्देशन में कुल 6 टीमों ने प्रतिभाग किया था। चैंपियनशिप का खिताब जीतने पर जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय के प्रधानाचार्या पूनम कुमारी, यूनिट लीडर गौरी वर्मा और सभी बच्चों को बधाई शुभकामनाएँ देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया है।

'गुफ़्तगू साहित्य समारोह-2024' का आयोजन आज

प्रयागराज। साहित्यिक संस्था गुफ्तगू का वार्षिक कार्यक्रम 'गुफ्तगू साहित्य समारोह-.2024' का आयोजन मंगलवार को दोपहर 2:30 बजे से सिविल लाइंस स्थित बाल भारती स्कूल में किया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में मुंबई के फिल्म निर्माता-निर्देशक और अभिनेता तिग्मांशु धूलिया मौजूद रहेंगे। अध्यक्षता मशहूर गीतकार यश मालवीय करेंगे।

पीएम किसान सम्मान निधि के लिए कराए फार्मर रजिस्ट्री : जिलाधिकारी

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जनपद के किसानों का आधार की तर्ज पर किसान कार्ड बनाया जा रहा है, इसके लिए जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा रोस्टर जारी कर जिले की समस्त राजस्व गांवो में शिविर लगाकर किसान रजिस्ट्री की जा रही है, इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी डा. दिनेश चंद्र द्वारा सदर तहसील के प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर विकास खण्ड क्षेत्र सिरकोनी में एग्री स्टैक योजनान्तर्गत कराए जा रहे फार्मर रजिस्ट्री कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कर दी जाए। जिलाधिकारी ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री में किसान का आधार नंबर, खेत का रकवा नंबर, खसरा नंबर, मोबाइल नंबर आदि का विवरण दर्ज किया जाएगा, पूरा विवरण दर्ज होने के बाद किसानों को एक यूनिक नंबर जारी होगा इस नंबर के जरिए ही संबंधित किसान का पूरा विवरण देखा जा सकेगा। रजिस्ट्री का कार्य पूर्ण होने के बाद किसान कार्ड बनाया जाएगा कार्ड से मिलने वाले नंबर के जरिए ही पीएम किसान सम्मन निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ किसानों को दिया जाए। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय बशीरपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि विद्यालय आने के लिए रास्ता ठीक कराया जाए। जिलाधिकारी ने बच्चों से संवाद किया तथा उनसे पढ़ाई और मिड डे मील के संदर्भ में जानकारी ली। उन्होने निर्देश दिया कि बच्चों की उपस्थिति बढाई जाए। मिड डे मील के अर्न्तगत निर्धारित मीनू के अनुसार पौष्टिक भोजन दिया जाए। इसके साथ ही उन्हे खाने में हरी और मौसमी सब्जियां दी जाए। उन्होने शिक्षको को निर्देश दिया कि बच्चों में पढाई के अलावा संस्कार, नैतिक शिक्षा की जानकारी दी जाए। इस मौके पर उप कृषि निदेशक हिमांशु पांडेय, उप परियोजना निदेशक आत्मा/जनपद स्तरीय मास्टर ट्रेनर डा0 रमेश चंद्र यादव, तहसीलदार सदर सौरभ कुमार, लेखपाल, पंचायत सहायक आदि मौजूद रहे।

पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने उप निरीक्षक पवई को किया निलंबित

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने उप निरीक्षक पवई को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि 4 दिसंबर को हुई एक घटना के मामले में थाना पवई के अंतर्गत गांव सरायपुर में एक व्यक्ति गगन यादव जो परिवारजनों से मिलने गए थे। उसमें शांति व्यवस्था के लिए एक सब इंस्पेक्टर और दो सिपाहियों की ड्यूटी लगाई गई थी। जिसमें सब इंस्पेक्टर द्वारा सेल्यूट किया गया जो उनके कर्तव्य और प्रोटोकॉल के नियम के अनुरूप नहीं है। इस मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। इस सूचना का संज्ञान लेते हुए तत्काल प्रभाव से सब इंस्पेक्टर गोपाल मौर्य को निलंबित किया गया है और उनके विरुद्ध जांच की जा रही है जो भी तथ्य प्रकाश में आएंगे। उसके हिसाब से कार्रवाई की जाएगी।

युवा कल्याण व उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेंल लींग द्वारा आयोजन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग आजमगढ़ द्वारा खेल संघों के समन्वय से ''उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग'' के अन्तर्गत 03 दिवसीय जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन स्व. सुखदेव पहलवान स्पोर्ट्स स्टेडियम ब्रह्मस्थान आजमगढ़ में किया गया, जिसका शुभारम्भ श्रीकृष्ण पाल जी जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी आजमगढ़ द्वारा राष्ट्रगान के गायन एवं शान्ति स्वरूप गुब्बारों को आकाश में उड़ाकर किया गया। मुख्य अतिथि श्रीकृष्ण पाल द्वारा प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों से उनका परिचय पूछा गया एवं अपने सम्बोधन में कहा कि खेल से ही स्वस्थ शरीर का विकास होता है, युवा कल्याण विभाग ग्रामीण खेल प्रतियोगिता के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का जो अवसर प्रदान कर रहा है वो सराहनीय है। सभी खिलाड़ी अपने परिश्रम से अपने जनपद, राज्य एवं देश का नाम रोशन करें, यही मेरी शुभकामना है। जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिवस जनपद के 22 विकास खण्डों से चयनित एथलेटिक्स एवं कबड्डी के खिलाड़ियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। जनपद स्तरीय ग्रामीण खेल प्रतियोगिता के प्रथम दिवस का परिणाम निम्न प्रकार रहा-सबजूनियर पुरूष-100मी. दौड़- सौरभ कुमार कोयलसा प्रथम, धीरज प्रजापति अतरौलिया द्वितीय, 800मी. दौड़-विकास यादव ठेकमा प्रथम, राममिलन निषाद अहिरौला द्वितीय, महिला-100मी. दौड़-खुशी मिर्जापुर प्रथम, प्रीती अतरौलिया द्वितीय, 800मी. दौड़-मुस्कान मिर्जापुर प्रथम, हेमा मेहनगर द्वितीय, जूनियर (पुरूष)-400मी. दौड़-नागेन्द्र यादव मेहनगर प्रथम, आकाश चौहान अजमतगढ़ द्वितीय, 1500मी. दौड़-शिवा यादव सठियांव प्रथम, प्रदीप वर्मा महराजगंज द्वितीय, जूनियर महिला-200मी. दौड़-मुस्कान बानों कोयलसा प्रथम, शिवांगी चौहान मिर्जापुर द्वितीय, 400मी. दौड़-किरन वर्मा कोयलसा प्रथम, प्रियांजली यादव लालगंज द्वितीय, 800मी. दौड़-किरन वर्मा कोयलसा प्रथम, अर्चिता यादव मिर्जापुर द्वितीय, सीनियर पुरूष-100मी. दौड़-अयोध्या गोस्वामी महराजगंज प्रथम, दुर्गविजय कोयलसा द्वितीय, 400मी. दौड़-अरविन्द कन्नौजिया महराजगंज प्रथम, दुर्गविजय कोयलसा द्वितीय, 1500मी. अरविन्द कन्नौजिया महराजगंज प्रथम, महिला-100मी. दौड़-सकीना बानों कोयलसा प्रथम, हीना यादव लालगंज द्वितीय, 400मी. दौड़-रूची यादव फूलपुर प्रथम, 800मी. दौड़-अंतिमा यादव मिर्जापुर प्रथम, कबड्डी सबजूनियर (महिला)-रानीकीसराय प्रथम, लालगंज द्वितीय, कबड्डी जूनियर-लालगंज प्रथम, अतरौलिया द्वितीय, कबड्डी सीनियर-अजमतगढ़ प्रथम रहें। निर्णायक मण्डल में सचिव जिला कबड्डी संघ-श्री माया प्रसाद राय एवं पूर्व सचिव जिला कबड्डी संघ श्री प्रेम कुमार राय, कमलेश सिंह, राजेश यादव, श्रवण कुमार, संजय प्रसाद, अंजू गौड़, वामिक खान, एथलेटिक्स निर्णायकगण -रामफ्ल यादव, पुरन्दर यादव द्वारा निर्णायक की भूमिका अदा की गयी। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व जिला युवा कल्याण अधिकारी राजनेति सिंह, सुरेन्द्र सोनकर, जगदीश प्रसाद यादव कार्यक्रम प्रभारी अनीश कुमार मौर्य, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी रोहित यादव, उमेश कुमार, अनिल कुमार खरवार, भारत शुभम साहू, मुस्ताक, शशिशेखर राय, आस्था सिंह, कनिष्ठ सहायक रणधीर कुमार एवं पी.आर.डी. के जवान उपस्थित रहें। प्रतियोगिता का संचालन देवेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया। स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कार व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पश्चिमी पंगत के मुखिया का हुआ अभूतपूर्व ऐतिहासिक पट्टाभिषेक

प्रयागराज। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन की परंपरा में पहली बार कुंभ के पहले संपूर्ण भेष भगवान की मौजूदगी में पश्चिमी पंगत के महंत का चयन हुआ। महंत पद पर दिल्ली दरबार श्री हरिहर आश्रम के ब्रह्मलीन महंत गुरुशरण दास जी महाराज के शिष्य संत रामनौमी दास जी का पट्टाभिषेक किया गया। इस अवसर पर संपूर्ण राष्ट्र से विराजमान संत समाज ने उन्हें तिलक चादर कर पद विभूषित किया सम्मानित किया। कुंभ के पहले ऐसा अवसर पहली बार हुआ है। बहुत ही हर्ष और उल्लास के साथ गाजे बाजे की मंगलमय ध्वनि के मध्य पौष प्रतिपदा के दिन श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के मुख्यालय कीडगंज में इस भव्य आयोजन को संपूर्ण पारंपरिक पौराणिक व्यवस्था के साथ आहूत किया गया। इस अवसर पर सभी अखाड़ों के मंहत, संत, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष, श्री हनुमान जी मंदिर बंधवा वाले के मुख्य कर्ताधर्ता महंत आदि सभी की सन्निधि में सभी की सहमति से बाल्यावस्था से संत परंपरा का अनुगमन कर रहे श्री रामनौमी दास जी को पश्चिमी पंगत का महंत विभूषित किया गया।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं0	106-Sig-Tender-17-2024-25
कार्य का नाम	"एस एंड टी वर्क इन कनेक्शन विथ रोड अंडर ब्रिज (1 + 1) ऐट ए0सी0 गेट्स इन जेड0 बी0 डी0–ए0 वाई0 सी0 सेक्शन ऑफ लखनऊ डिवीज़न ऑफ नॉर्थर्न रेलवे।"
अनुमानित लागत	रु0 6483320.06
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु0 129700.00
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	08.01.2025 15.30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/ लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है। • समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है। • मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू0सं0–106–सिग–टेन्डर–17/2024–25 दिनांक 16.12.2024 3848/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

आधुनिक जियो ट्यूब तकनीक से ट्रीट होगें सभी 22 अनटैप्ड नाले

- गंगा नदी में किसी भी अनट्रीटेड नाले का पानी न जाने के सीएम योगी के निर्देश का हो रहा पालन
- जल निगम नगरीय ने लगाया है सलोरी में 55 करोड़ रुपये की लागत से लगाया है ट्रीटमेंट प्लांट

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में 13 जनवरी से लेकर 26 फरवरी तक दुनिया के सबसे बड़े मानवीय समागम महाकुम्भ-2025 का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर प्रयागराज में तैयारियां अपने अंतिम दौर में हैं। सीएम योगी की प्रेरणा से इस बार महाकुम्भ को दिव्य-भव्य के साथ स्वस्थ और सुरक्षित महाकुम्भ बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। इस दिशा में ही यूपी जल निगम, नगरीय ने प्रयागराज के सलोरी में जियो ट्यूब तकनीक आधारित ट्रीटमेंट प्लांट लगाया है, जो शहर के सभी अनटैप्ड 22 नालों के अपशिष्ट जल का शोधन करेगा, ताकि सीएम के निर्देशों के मुताबिक गंगा नदी में कोई भी नाले का पानी बिना ट्रीट किए नहीं डाला जायेगा। इससे गंगा जी के जल को स्वच्छता के मानकों के अनुरूप निर्मल व अविरल बनाने में मदद मिलेगी। महाकुम्भ में करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम में पवित्र स्नान करने आते हैं। लेकिन, 2019 के पहले के माघ और कुम्भ मेलों में संगम के दूषित जल में स्नान करने के लिए उन्हें बाध्य होना पड़ता था। सीएम योगी के स्पष्ट निर्देशानुसार इस बार महाकुम्भ में किसी भी नाले या सीवेज से अनट्रीटेड अपशिष्ट जल का दूषित पानी पवित्र नदियों में नहीं गिराया जाएगा। उनके निर्देशों के मुताबिक जल निगम, नगरीय ने प्रयागराज के सभी अनटैपड 22 नालों के ट्रीटमेंट के लिए जियो ट्यूब तकनीकी आधारित ट्रीटमेंट प्लान, सलोरी में लगाया है। इसके बारे में बताते हुए अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि 55 करोड़ रुपये की लागत से बने इस ट्रीटमेंट प्लांट का अभी ट्रायल रन चल रहा है जो कि 01 जनवरी से अपनी पूरी क्षमता से कार्य करने लगेगा।

जियो ट्यूब तकनीक जलीय जीवन के संरक्षण में भी मददगार

जल निगम, नगरीय के अधिशासी अभियंता सौरभ कुमार ने बताया कि जियो ट्यूब तकनीकि सीवेज वाटर ट्रीटमेंट की आधुनिक तकनीक है। इसमें सीवेज वाटर की 40 से 50 फीसदी बीओडी लेवल और लगभग 80 प्रतिशत टीएसएस जियो ट्यूब्स में ही ट्रीट कर लिया जाता है। इसके बाद इस ट्रीटेड पानी को हाइड्रोजन पैरॉक्साइड से शोधित कर उसका ओजोनाइजेशन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस ट्रीटमेंट प्लांट में क्लोरीनाइजेशन की जगह ओजोनाइजेशन किया जाता है क्योंकि ट्रीटेड पानी में अधिक मात्रा में घुला क्लोरीन जलीय जीवों के लिए नुकसानदेह होता है।

तालाब में तैरता मिला युवती का शव भाई ने जताई हत्या की आशंका

आजमगढ़। कंधरापुर थाना क्षेत्र के भोर्रा मकबूलपुर गांव के पास तालाब में युवती का शव मिला। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवती के भाई ने हत्या की आशंका जताई है। बताया कि बहन आठ दिसंबर की भोर से ही लापता हुई थी। इसे लेकर कंधरापुर थाने में भी गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। कंधरापुर थाना क्षेत्र के भोर्रा मकबूलपुर गांव निवासी पूजा यादव (20) के भाई राहुल की शादी चार दिसंबर को थी। घर पर मेहमानों का जुटान था। शादी बीत जाने के बाद भी कुछ मेहमान राहुल के घर थे। राहुल ने बताया कि आठ दिसंबर की भोर में बहन पूजा किसी को दिखाई नहीं दी। सुबह होने पर हर संभावित स्थानों पर तलाश की लेकिन नहीं मिली। इसके बाद परिजनों ने कंधरापुर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजन उसकी तलाश के लिए सोशल मीडिया का भी इस्तेमाल किए लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इसके बाद रविवार की दोपहर करीब एक बजे घर से 300 मीटर दूर पर स्थित तालाब में पूजा का शव ग्रामीणों ने देखा।

जिलाधिकारी ने कार्यों में प्रगति लाने के दिए निर्देश

अवधनामा संवाददाता

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने सोमवार की शाम पांच बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक कर जल-जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे हैं कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

जिलाधिकारी ने जल-जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे हैं कार्यों यथा-ओवरहेड टैंकों का निर्माण कार्य, पाइपलाइन बिछाने के कार्य एवं कनेक्शन आदि कार्यों में प्रगति न पाए जाने एवं कार्यों में रुचि न लेने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधिशासी अभियंता जल निगम मुकीम अहमद को एजेंसियों के विरुद्ध कार्यवाही के लिए शासन को पत्र प्रेषित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी एजेंसियों से कहा कि कार्ययोजना बनाकर ओवरहेड टैंक का निर्माण, पाइप लाइन बिछाने का कार्य तथा कनेक्शन के कार्यों में प्रगति सुनिश्चित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़क को मानक के अनुसार बनाया जाय। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज को प्रत्येक सप्ताह जल जीवन मिशन के अंतर्गत कराए जा रहे कार्यों की समीक्षा करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार गुप्ता , जिला विकास अधिकारी आनन्द प्रकाश तथा जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राजेश कुमार सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

भारतीय अर्थव्यवस्था 2024 के अंत तक मजबूत स्थिति में रहेगी; दिसंबर में कंपोजिट पीएमआई 60.7 पर

नई दिल्ली। भारत के निजी क्षेत्र ने दिसंबर में मजबूत वृद्धि देखी, जो चार महीनों में इसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों ने त्वरित वृद्धि दिखाई, जिसे नए व्यापार प्रवाह में वृद्धि और रोजगार सृजन में वृद्धि का समर्थन मिला। आंकड़े क्या कहते हैं, आइए जानें। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया कंपोजिट आउटपुट इंडेक्स, जो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र के संयुक्त उत्पादन को ट्रैक करता है, दिसंबर में 60.7 पर पहुंच गया, यह नवंबर में 58.6 था। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित एचएसबीसी डेटा के अनुसार कंपोजिट पीएमआई के अगस्त 2024 के बाद से सबसे मजबूत विस्तार दिखा। भारत के निजी क्षेत्र में दिसंबर में मजबूत वृद्धि देखी, जो चार महीनों में इसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान विनिर्माण और सेवा दोनों क्षेत्रों ने त्वरित वृद्धि दिखाई, जिसे नए व्यापार प्रवाह में वृद्धि और रोजगार सृजन में वृद्धि का समर्थन मिला। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई दिसंबर में 57.4 पर पहुंच गया, जो नवंबर के 56.5 से ऊपर है, यह मजबूत कारोबारी परिस्थितियों का संकेत देता है। उत्पादन में वृद्धि, नए ऑर्डर और रोजगार में घरेलू मांग में वृद्धि के समर्थन ने पीएमआई में रिकवरी को बढ़ावा दिया। सेवा क्षेत्र ने विकास की गति को आगे बढ़ाना जारी रखा। एचएसबीसी फ्लैश इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 58.4 से दिसंबर में 60.8 पर चढ़ गया। सेवा प्रदाताओं ने बिक्री और बैकलॉग में तेज वृद्धि दर्ज की, जो इस क्षेत्र के लचीलेपन को दर्शाता है। निजी क्षेत्र की फर्मों ने दिसंबर में अपने कार्यबल का काफी विस्तार किया, रोजगार सृजन इस दौरान एक नए शिखर पर पहुंच गया। नियोक्ताओं ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए स्थायी और अस्थायी दोनों तरह के कर्मचारियों को जोड़ा, जबकि मई 2024 के बाद से काम के बैकलॉग में सबसे तेज गति से वृद्धि हुई। एचएसबीसी के अर्थशास्त्री इनेस लैम के अनुसार इस फ्लैश रिलीज में, दिसंबर में हेडलाइन मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई में मामूली वृद्धि मुख्य रूप से मौजूदा उत्पादन, नए ऑर्डर और रोजगार में वृद्धि के कारण हुई। नए घरेलू ऑर्डर में विस्तार तेज हुआ, जो अर्थव्यवस्था की वृद्धि की गति में तेजी का संकेत देता है। इसके अलावा, इनपुट लागत में निरंतर वृद्धि ने निर्माताओं को बिक्री मूल्य बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। आउटपुट मूल्य सूचकांक फरवरी 2013 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जुलाई के बाद से भारतीय वस्तुओं और सेवाओं की मांग में सबसे तेज वृद्धि देखी गई, जिसमें घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ऑर्डर ने वृद्धि में योगदान दिया। नए निर्यात ऑर्डर पांच महीनों में सबसे तेज दर से बढ़े, जिसमें निर्यात वृद्धि में विनिर्माण ने सेवा क्षेत्र को पीछे छोड़ दिया। लगातार दूसरे महीने कारोबारी आशावाद मजबूत हुआ, जो सितंबर 2023 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। सकारात्मक मांग की उम्मीदों और मजबूत ग्राहक संबंधों ने निर्माताओं और सेवा प्रदाताओं दोनों के बीच आत्मविश्वास बढ़ाया। सितंबर के 15 महीने के उच्चतम स्तर से लागत दबाव थोड़ा कम हुआ, जो दीर्घकालिक औसत के अनुरूप है। हालांकि, खाद्य, माल ढुलाई और श्रम जैसी वस्तुओं के लिए इनपुट लागत में वृद्धि जारी रही।

लागत दबाव कम होने के बावजूद, फर्मों ने बिक्री मूल्य में वृद्धि हासिल की, हालांकि नवंबर के 12 साल के उच्चतम स्तर की तुलना में यह धीमी रही। दिसंबर में निर्माताओं की इनपुट खरीद में तेजी दिखी, जिसका फायदा वेंडर्स के बेहतर प्रदर्शन से मिला। प्री-प्रोडक्शन इन्वेंट्री में वृद्धि हुई, लेकिन तैयार माल के स्टॉक में कमी आई क्योंकि कंपनियों ने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए इन्वेंट्री का इस्तेमाल किया।

आसान क्लेम के लिए पूर्व बीमारियों की दें जानकारी, सूचना नहीं देना करार का उल्लंघन

नई दिल्ली। प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज (पीईडी) का अर्थ है...ऐसी कोई भी मेडिकल स्थिति, बीमारी या चोट, जिसका स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने से पहले इलाज किया गया हो या जिसके लक्षण मौजूद हों। प्री-एग्जिस्टिंग बीमारियां जोखिम आकलन व कवरेज शर्तों को निर्धारित करने में बड़ी भूमिका निभाती हैं। मेडिकल इमरजेंसी जैसी चुनौतीपूर्ण स्थितियों में स्वास्थ्य बीमा मददगार होता है। हालांकि, यह तभी संभव है, जब स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी में आपकी और कंपनी की ओर से दी गई जानकारियां स्पष्ट हों। स्पष्ट जानकारियों के अभाव में बीमा कंपनियां क्लेम खारिज कर देती हैं। इन्हीं जानकारियों में से एक है...प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज (पीईडी) यानी पहले से मौजूद बीमारियां। पीईडी का अर्थ है...ऐसी कोई भी मेडिकल स्थिति, बीमारी या चोट, जिसका स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने से पहले इलाज किया गया हो या जिसके लक्षण मौजूद हों। प्री-एग्जिस्टिंग बीमारियां जोखिम आकलन व कवरेज शर्तों को निर्धारित करने में बड़ी भूमिका निभाती हैं। भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के दिशा-निर्देशों के मुताबिक, कोई भी मेडिकल स्थिति जिसका स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने से 48 महीने पहले इलाज किया गया हो, प्री-एग्जिस्टिंग डिजीज यानी पीईडी मानी जाती है। इनमें डायबिटीज, हाइपरटेंशन, अस्थमा जैसी पुरानी बीमारियों से लेकर पूर्व में हो चुके ऑपरेशन/इलाज भी शामिल हैं। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी खरीदने से 48 महीने पहले अगर किसी व्यक्ति का हाइपरटेंशन का इलाज किया गया हो, तो इसे पीईडी माना जाएगा। अगर किसी व्यक्ति का तीन साल पहले घुटने का ऑपरेशन हुआ हो, तो वह भी पीईडी होगा। इरडा के मुताबिक, अगर किसी व्यक्ति का 10 साल पहले अपेंडिक्स का ऑपरेशन हुआ हो और पिछले 48 महीनों में उसे कोई परेशानी नहीं हुई हो या व्यक्ति को इसके लिए कोई दवा नहीं लेनी पड़ी हो, तो उसे बीमा जोखिम के मूल्यांकन की शर्तों के तहत पीईडी नहीं माना जाएगा। पॉलिसी खरीदने के दौरान पहले से मौजूद बीमारियों की जानकारी जरूर दें। बेहतर कवरेज पाने में आसानी होगी। कई अन्य लाभ भी मिलेंगे। खारिज नहीं होगा क्लेम = इन बीमारियों के बारे में पहले से बताने पर आसानी से क्लेम मिल जाएगा। जानकारी छुपाने पर कंपनी न सिर्फ क्लेम खारिज कर सकती है, बल्कि पूरी पॉलिसी रद्द कर सकती है। मिलेगा बेहतर कवरेज : पीईडी का खुलासा कर पॉलिसीधारक पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, जिससे अधिक कवरेज प्राप्त होता है। कई कंपनियां पीईडी के लिए विशेष कवरेज भी देती हैं।

नवंबर में भारत का निर्यात 4.85 प्रतिशत घटकर 32.11 अरब डॉलर रहा, व्यापार घाटे में इज़ाफा

नई दिल्ली। नवंबर महीने में व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच का अंतर बढ़कर 37.84 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। इस वर्ष अक्तूबर में भारत का वस्तु निर्यात 17.25 प्रतिशत बढ़कर 39.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 2.17 प्रतिशत बढ़कर 284.31 अरब डॉलर और आयात 8.35 प्रतिशत बढ़कर 486.73 अरब डॉलर हो गया। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, नवंबर में भारत का वस्तु निर्यात 4.85 प्रतिशत घटकर 32.11 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले इसी महीने में 33.75 अरब डॉलर था। नवंबर माह में आयात 27 प्रतिशत बढ़कर 69.95 अरब डॉलर हो गया, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह 55.06 अरब डॉलर था।

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ में बिजनेस एनालिटिक्स और निर्णय विज्ञान कॉन्क्लेव

लखनऊ। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, लखनऊ ने 14 दिसंबर, 2024 को बिजनेस एनालिटिक्स और डिसीजन साइंसेज कॉन्क्लेव की मेजबानी की। इस कार्यक्रम की थीम विश्लेषण (एनालिटिक्स) के माध्यम से चपलता (ऐजिलिटी)= एक गतिशील बाजार में परिचालन लचीलापन बढ़ाना थी, जिसने आज के तेज-तर्रार बाजारों में नेविगेट करने में उन्नत संचालन और विश्लेषण की परिवर्तनकारी शक्ति पर प्रकाश डाला। आदित्य विक्रम कपूर , श्री आदित्य बनर्जी (बेहेरींगेर इंगेलहं), और श्री सुदीप्ता चौधरी जैसे प्रतिष्ठित उद्योग नेतृत्वकर्ताओं ने कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न पहलुओं पर अंतर्दृष्टि साझा की। विषय पर विचारों, इंटरैक्टिव सत्रों और विशेषज्ञ प्रस्तुतियों के साथ, इस कॉन्क्लेव ने विश्लेषण के माध्यम से परिचालन उत्कृष्टता के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में आज के अस्थिर बाजार में परिचालन चपलता और लचीलापन बढ़ाने में उन्नत विश्लेषण, पूर्वानुमानित अंतर्दृष्टि और वास्तविक समय के डेटा की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। चर्चाओं में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि संगठन व्यवधानों (आर्गेनाइजेशन डिसरप्शन्स) का सटीक अनुमान लगाने, अवसरों की पहचान करने और तेजी से बदलती वैश्विक मांगों के अनुकूल ढलने के लिए मशीन लर्निंग और एआई का लाभ कैसे उठा सकते हैं।

विशेषज्ञों ने विकेंद्रीकृत (डीसेंट्रलाइज़्ड) डेटा सिस्टम और प्रतिभा अंतराल (टैलेंट गैप) जैसी चुनौतियों को संबोधित किया, मजबूत डेटा एकीकरण और कुशल पेशेवरों की आवश्यकता पर जोर दिया। कॉन्क्लेव ने निष्कर्ष निकाला कि एनालिटिक्स को एक रणनीतिक सक्षमकर्ता के रूप में अपनाने वाली कंपनियां अनिश्चितताओं को दूर करने, परिचालन उत्कृष्टता प्राप्त करने और सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होती हैं ।

रूस से कच्चे तेल का आयात ढाई साल के निचले स्तर पर; खरीदारों में चीन पहले, भारत दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली। छूट में कटौती के बाद भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात नवंबर, 2024 में घटकर करीब ढाई साल के निचले स्तर पर आ गया। इसके बावजूद रूस अब भी भारत के लिए कच्चे तेल का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। इसके बाद इराक व सऊदी अरब का स्थान है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) ने रिपोर्ट में कहा, नवंबर में भारत के रूसी कच्चे तेल के आयात में 55त्न की भारी गिरावट आई। यह जून, 2022 के बाद का सबसे निचला स्तर है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले महीने चीन ने सबसे ज्यादा 47% कच्चा तेल रूस से खरीदा। उसके बाद भारत ने 37% कच्चे तेल का आयात किया। यूरोपीय संघ व तुर्किये ने क्रमशः 6-6 फीसदी कच्चे तेल की खरीदारी की। फरवरी, 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद भारत रूसी कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। रूस से भारत की कच्चे तेल की खरीद एक फीसदी से कम होती थी, जो बढ़कर 40% पर पहुंच गई। रिपोर्ट के मुताबिक, पांच दिसंबर, 2022 से नवंबर, 2024 के अंत तक रूस से कोयला खरीदने वाले शीर्ष-5 देशों में चीन सबसे आगे रहा। चीन ने रूस के सभी कोयला निर्यात का 46% हिस्सा खरीदा। उसके बाद भारत ने 17% कोयला आयात किया। तुर्किये ने 11%, दक्षिण कोरिया ने 10त्न और ताइवान ने 5% कोयले की खरीदारी की। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के लिए 2 दिसंबर तक 7.15 करोड़ से अधिक ग्राहक नामांकन करा चुके हैं। इस योजना को वित्त मंत्रालय ने हाल ही में मील का पत्थर घोषित किया था। कार्यक्रम की सफलता पर प्रकाश डालते हुए मंत्रालय ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, अटल पेंशन योजना 7 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवानिवृत्ति के बाद मन की शांति सुनिश्चित कर रही है। देश का कोयला आयात चालू वित्त वर्ष के पहले सात माह (अप्रैल-अक्तूबर) के दौरान 4.2 फीसदी बढ़कर 16.24 करोड़ टन पर पहुंच गया है।

नए साल से कम दर पर होम लोन मिलने की आस, एक फीसदी तक घट सकता है ब्याज

नई दिल्ली। आरबीआई ने ब्याज दरों को करीब दो साल से स्थिर रखा है। इससे होम लोन की दरें इस समय 13 फीसदी के ऊपर तक पहुंच गई हैं। ऐसे में अगर आप थोड़ा इंतजार करते हैं तो सस्ते दर पर कर्ज मिल सकेगा। इसका गणित बताती रिपोर्ट-

होम लोन लेने वालों के लिए यह साल ऊंची ब्याज दरों वाला रहा है। हालांकि, कर्ज अब सस्ता होने की उम्मीद है, क्योंकि नए साल में ब्याज दर घट सकती है। इसकी शुरुआत फरवरी से होने की संभावना है। इससे आपको राहत मिलेगी। केंद्रीय बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में तरलता संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए नकद आरक्षित अनुपात यानी सीआरआर में कटौती की है। इससे बैंकों को कर्ज देने के लिए ज्यादा पैसा मिल सकेगा। इस कदम से कर्ज दरों में कमी आने की उम्मीद है। इससे कर्ज लेने को और प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे आर्थिक गतिविधियों में तेजी आएगी। दिसंबर के पहले हफ्ते में आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक में दरों को जस का तस रखा गया है। लेकिन, जापानी बैंकर नोमुरा को उम्मीद है कि ब्याज दरों में कटौती का

सिलसिला अब शुरू हो सकता है। फरवरी में इसमें कम-से-कम 0.25 फीसदी कटौती की उम्मीद है।

जब दरें घटने का सिलसिला चालू होगा तो यह एक फीसदी तक घट सकती है। यानी जो रेपो दर अभी 6.5 फीसदी पर है, वह 5.5 फीसदी पर आ सकती है। ऐसे में बैंक भी दरों को घटाने पर मजबूर होंगे। हालांकि, इसके साथ जमाकर्ताओं को नुकसान होगा, क्योंकि कर्ज के साथ जमा पर भी ब्याज दरें घटेंगी। ऐसे में होम लोन लेने वालों को अगले पूरे साल में ब्याज पर एक फीसदी का फायदा हो सकता है। यदि होम लोन लेने की योजना बना रहे हैं, तो ब्याज दर की तुलना करना सुनिश्चित करना चाहिए, क्योंकि कम ब्याज दर पर मासिक भुगतान कम करना होता है। इस समय ब्याज दरें काफी ऊंची हैं, इसलिए लोन लेते समय कई बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों की ब्याज दर जरूर देखें। अगर आप होम लोन ले रहे हैं, तो उससे जुड़े महत्वपूर्ण कारकों जैसे प्रीपेमेंट शुल्क, टॉपअप नियम और अन्य संबंधित शुल्कों को भी नजरअंदाज न करें। होम लोन की पात्रता और ब्याज दर आपकी आयु, योग्यता, आय, आश्रितों की संख्या, पति/पत्नी की आय, व्यावसायिक स्थिरता और देनदारियां व बचत के साथ खरीदे जा रहे घर के मूल्य से निर्धारित होती है।

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर विजन को नई दिशा देने बौमा कॉनेक्सपो इंडिया

लखनऊ। बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 ने भारत के निर्माण, खनन और इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योगों के लिए एक परिवर्तनकारी मापदंड स्थापित किया है। 11 से 14 दिसंबर 2024 तक, ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित इस संस्करण ने देश के इंफ्रास्ट्रक्चर सफर में माइलस्टोन साबित हुआ।135,000 वर्ग मीटर से अधिक प्रदर्शनी क्षेत्र में बौमा कॉनेक्सपो इंडिया 2024 ने अत्याधुनिक नवाचारों का प्रदर्शन किया, जिससे 83 देशों से 51,118 व्यापारिक आगंतुक आकर्षित हुए। इस व्यापार मेला ने 6,298 प्रभावशाली खरीदार-विक्रेता बैठकों को बढ़ावा दिया और 20,000 से अधिक अग्रणी उत्पादों और समाधानों का अनावरण किया, जिससे भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाए गए। 984 प्रदर्शकों के साथ यह मेले ने नवाचार, सहयोग और सतत विकास के लिए एक गतिशील मंच तैयार किया, और इसे उत्तर भारत के सबसे बड़े निर्माण व्यापार मेले के रूप में अपनी पहचान बनाई। इस व्यापार मेले का उद्घाटन भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने किया। उद्घाटन अवसर पर दीप जलाकर उन्होंने इस आयोजन की शुरुआत की। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा, भारत तेजी से एक वैश्विक इंफ्रास्ट्रक्चर शक्ति के रूप में बदल रहा है, जिसमें ?70 लाख करोड़ से अधिक के बड़े पैमाने पर परियोजनाएं पहले से ही चल रही हैं। इस गति को बनाए रखने के लिए, हमें प्रौद्योगिकी नवाचार, अनुसंधान एवं विकास में निवेश और स्थायी ईंधन अपनाने पर जोर देना होगा। निर्माण उपकरण उद्योग, जो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उद्योग है, के पास निर्यात बढ़ाने और भारत की निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की विशाल संभावना है। भूपिंदर सिंह, सीईओ, Messe Muenchen India: "bauma CONEXPO INDIA 2024 ने खुद को एक ऐसे मंच के रूप में स्थापित किया है जो भारत की विशिष्ट आवश्यकताओं को वैश्विक विशेषज्ञता से जोड़ता है, और विकसित भारत के विज़न को आकार देने में योगदान करता है। इस साल की मजबूत भागीदारी से यह स्पष्ट होता है कि भारत निर्माण और प्रगति में नवाचार का एक प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उन्नत मशीनरी के लाइव प्रदर्शन से लेकर सततता, उभरती तकनीकों और परियोजना निष्पादन पर केंद्रित चर्चाओं तक, इस संस्करण ने यह दिखाया कि उद्योग किस प्रकार भारत के महत्वाकांक्षी इंफ्रास्ट्रक्चर लक्ष्यों को पूरा करने के लिए व्यावहारिक कदम उठा रहा है। यह उद्योग की सामूहिक प्रेरणा को दर्शाता है, जो नवाचार और सहयोग को भारत के लिए एक स्थिर, सतत भविष्य निर्माण के लिए महत्वपूर्ण उपकरण मानती है।

थोक महंगाई दर तीन महीने के निचले स्तर पर

नई दिल्ली। नवंबर में थोक मूल्य मुद्रास्फीति घटकर 1.89 प्रतिशत पर आ गई। आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की थोक कीमतें कम होने से थोक महंगाई दर में नरमी आई है।

सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों और प्याज की कीमतों में भारी गिरावट के कारण भारत की थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति नवंबर में तीन महीने के निचले स्तर 1.89 प्रतिशत पर आ गई, यह अक्तूबर में 2.36 प्रतिशत थी।

पिछले वर्ष नवंबर में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 0.39 प्रतिशत थी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं, विशेषकर सब्जियों के दाम कम होने से नवंबर महीने में थोक मूल्य आधारित मुद्रास्फीति के कम होने में मदद मिली। आंकड़ों के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 8.63 प्रतिशत रह गई, जबकि अक्तूबर में यह 13.54 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति में गिरावट के कारण मुद्रास्फीति 28.57 प्रतिशत रही, जबकि अक्तूबर में यह 63.04 प्रतिशत थी।

हालांकि, आलू की बात करें तो मुद्रास्फीति 82.79 प्रतिशत के उच्च स्तर पर बनी रही, जबकि प्याज की मुद्रास्फीति नवंबर में तीव्र गिरावट के साथ 2.85 प्रतिशत पर आ गई।

ईंधन और बिजली श्रेणी में नवंबर में 5.83 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई, जबकि अक्तूबर में इस श्रेणी में 5.79 प्रतिशत की अपस्फीति देखी गई थी। विनिर्मित वस्तुओं के मामले में में नवंबर में मुद्रास्फीति 2 प्रतिशत रही, जबकि अक्तूबर में यह 1.50 प्रतिशत थी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने कर्नाटक में कौशल इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए टोयोटा यूथ कनेक्ट कार्यक्रम शुरू किया

बैंगलोर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने भारत के भावी कार्यबल को आकार देने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, टोयोटा यूथ कनेक्ट कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कर्नाटक के सभी 30 जिलों में यह तीन सप्ताह की एक पहल थी। शिक्षा और उद्योग के बीच की खाई को पाटने के लिए डिज़ाइन किए गए इस कार्यक्रम ने छात्रों को ऑटोमोबाइल उद्योग की गतिशील दुनिया से परिचित कराया। इसमें करियर के लिए तैयार कार्यबल बनाने में कौशल विकास और अप्रेंटिसशिप के अवसरों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया। 7,700 से अधिक युवाओं तक पहुँचने और 70 से अधिक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के साथ सहयोग करते हुए, इस पहल ने प्रतिभागियों को उद्योग-विशिष्ट कौशल के महत्व, उपलब्ध अवसरों की व्यापकता और पेशेवर कार्यस्थल संस्कृतियों के अनुकूल होने के महत्व के बारे में शिक्षित किया। ऐसे प्रभावशाली कार्यक्रमों के माध्यम से, टोयोटा कर्नाटक के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करना जारी रखता है और ÷कौशल भारत÷ तथा ÷मेक इन इंडिया जैसी राष्ट्रीय पहल का समर्थन करता है।

ऐसा मंच तैयार होता है जहाँ व्यावहारिक ज्ञान का मेल अकादमिक शिक्षा से होता है। टोयोटा यूथ कनेक्ट जैसे कार्यक्रमों के साथ, कंपनी सामाजिक विकास और लोगों के सशक्तिकरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है, खुद को एक कुशल, भविष्य के लिए तैयार कार्यबल बनाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में स्थापित करती है जो भारत की ऑटोमोटिव और औद्योगिक प्रगति को आगे बढ़ाएगा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, वित्त और प्रशासन, श्री जी शंकर ने कहा, ÷ टोयोटा यूथ कनेक्ट कार्यक्रम आज के तेजी से विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में सफल करियर के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान के साथ भारत के युवाओं को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारा मानना है कि एक कुशल कार्यबल एक मजबूत और टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नींव है। इन जैसी पहलों के माध्यम से, हमारा लक्ष्य युवा प्रतिभाओं को पोषित करना है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, उन्हें अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए आवश्यक संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करना है। कर्नाटक के युवाओं को विश्व स्तरीय तकनीकी कौशल से लैस करके, हम न केवल उनके व्यक्तिगत भविष्य में निवेश कर रहे हैं, बल्कि एक कुशल और आत्मनिर्भर भारत के व्यापक दृष्टिकोण में भी योगदान दे रहे हैं। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम युवाओं को कुशल ट्रेड में मूल्य देखने, उनकी क्षमताओं में आत्मविश्वास पैदा करने और सीखने व विकास के लिए आजीवन जुनून जगाने के लिए प्रेरित करेगा।

क्या मुझे ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए?: भारतीय मूल के सीईओ ने पूछा सवाल, टेस्ला प्रमुख एलन मस्क ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली। टेस्ला और स्पेसएक्स के अरबपति सीईओ एलन मस्क ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर अपने एक जवाब से हलचल मचा दी है। मस्क ने इस बार, यह जवाब एआई-संचालित सर्च इंजन परप्लेक्सिटी एआई के भारतीय मूल के सीईओ अरविंद श्रीनिवास के एक पोस्ट पर दिया। अरविंद ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पूछा था कि क्या उन्हें ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए। श्रीनिवास, जो तीन साल से अमेरिका में ग्रीन कार्ड स्टेटस का इंतजार कर रहे हैं, ने पोस्ट किया= ÷मुझे लगता है कि मुझे ग्रीन कार्ड मिल जाना चाहिए। क्यों? मस्क, जो अपनी छोटी लेकिन प्रभावशाली सोशल मीडिया टिप्पणियों के लिए जाने जाते हैं, ने इसका बस इतना ही जवाब दिया,हाँ। श्रीनिवास ने दो इमोजी उनके इस जवाब का जवाब दिया। उन्होंने एक लाल दिल और हाथ जोड़कर आभार व्यक्त करते हुए इमोजी के कारण इसका आभार व्यक्त किया। दोनों बिजनेस लीडर्स के बीच हुए इस कम्युनिकेशन ने जल्द ही लोकप्रियता हासिल कर ली और प्रशंसकों और फॉलोअर्स ने भी इस पर अपनी प्रतिक्रिया दी। अरविंद श्रीनिवास, परप्लेक्सिटी एआई के सह-संस्थापक और सीईओ हैं। यह एक एआई संचालित सर्च इंजन है, जिसे जेफ बेजोस सहित उच्च-प्रोफ़ाइल निवेशकों का समर्थन प्राप्त है।

'ठुकरा के मेरा प्यार' बना डिज़्नी+ हॉटस्टार पर सबसे ज्यादा सब्सक्राइब और देखा जाने वाला शो

मुंबई। यूपी की कहानी, बिहार की बेटी अब डिज़्नी+ हॉटस्टार पर इंडिया का नंबर 1 शो बन गया है। हॉटस्टार स्पेशल्स 'ठुकरा के मेरा प्यार' पिछले चार सालों में डिज़्नी+ हॉटस्टार पर सबसे ज्यादा सब्सक्राइब किया जाने वाला शो और 2024 में सबसे ज्यादा देखा गया शो बन गया है। यह सफलता शो के लॉन्च के पहले सोलह दिनों में स्ट्रीम की गई घंटों की संख्या पर आधारित है। भारतीय दिलों को छूने वाले इस शो में होनहार और युवा प्रतिभाओं ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है, जिन्होंने 'ठुकरा के मेरा प्यार' के जरिए खुद को साबित किया है। कमल पांडे द्वारा लिखित और सचिन पांडे के बॉम्बे शो स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस अनोखी कहानी का निर्देशन श्रद्धा पासी जयरथ ने किया है। पीछा करने और प्यार की इस असाधारण कहानी में धवल ठाकुर

और संचिता बशु जैसे नये कलाकारों ने अभिनय किया है, जबकि अनिरुद्ध दवे और कपिल कनपुरिया जैसे लोकप्रिय कलाकारों की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिकाएं हैं। जियोस्टार में हिन्दी स्पेशल्स फॉर स्ट्रीमिंग के हेड विवेक श्रीवास्तव ने कहा, ''ठुकरा के मेरा प्यार' को मिली शानदार प्रतिक्रिया से हम खुश हैं। इस शो के साथ हम आज के युवाओं की भावनाओं एवं अनुभवों से जुड़ना चाहते थे। हमें इसका प्रोडक्शन स्टाइल भी आधुनिक रखना था और आखिरकार हमारी सभी अपेक्षाओं से बढ़कर नतीजे मिले। यह शो धवल ठाकुर और संचिता बशु जैसी उभरती प्रतिभाओं के लिये एक मंच भी बना। उन्होंने अपनी कला से दर्शकों का दिल जीत लिया। 'ठुकरा के मेरा प्यार' की सफलता हमारे दर्शकों को पसंद आने वाले शानदर क्वॉलिटी के कंटेन्ट पेश करने की हमारी प्रतिबद्धता दिखाती है। आने वाले समय में हम ऐसी और भी दमदार कहानियाँ पेश करने के लिए उत्साहित हैं।''बॉम्बे शो स्टूडियोज के प्रोड्यूसर सचिन पांडे ने अपना रोमांच दिखाते हुए कहा, ''ठुकरा के मेरा प्यार' की सफलता से मैं वाकई बहुत ज्यादा खुश हूं। यह उपलब्धि हमारी टीम के बेहतरीन गठजोड़ का एक सबूत है। इसमें कमल पांडे की शानदार राइटिंग से लेकर संचिता बशु और धवल ठाकुर के दिलचस्प परफॉर्मेंसेस तक सब-कुछ कमाल का रहा। इसे बनाने की प्रक्रिया से जुड़े हर इंसान पर मुझे गर्व है, क्योंकि उनके कारण ही पूरी कोशिश ईमानदारी से हो सकी। हमें साथ मिलकर रिकॉर्ड तोड़ते रहने और कई यादगार कहानियाँ लेकर आने की पूरी उम्मीद है।''शो की डायरेक्टर श्रद्धा पासी जयरथ ने कहा, ''ठुकरा के मेरा प्यार' की सफलता से मैं सचमुच बहुत खुश हूँ। यह उपलब्धि हमारी टीम द्वारा साथ मिलकर किये गये बेहतरीन कार्य को प्रमाणित करती है, जिसमें कमल पांडे के उत्कृष्ट लेखन और संचिता बशु तथा धवल ठाकुर के दिलचस्प प्रदर्शन को शामिल किया जा सकता है। मेरी सोच पर भरोसा करने के लिये मैं उनकी बहुत आभारी हूँ। उन्होंने पूरी प्रकिया को अपनापन दिया और अपनी कला के प्रति ईमानदार रहे।

आपका संगीत सीमाओं से परे है : सत्या नडेला ने उस्ताद जाकिर हुसैन को किया याद

नई दिल्ली। जाकिर हुसैन का 73 वर्ष की आयु में इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस की जटिलताओं के कारण निधन हुआ। वे दो सप्ताह तक अस्पताल में रहे और फिर उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू यूनिट में ले जाया गया। 73 साल की उम्र में जाकिर हुसैन के निधन के बाद तबला वादक का वंडर मोमेंट पर आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हो रहा है। उनके निधन पर सत्या नडेला और गौतम अदाणी जैसे उद्योगपियों ने अपनी श्रद्धांजलि दी है।

माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्य नडेला और भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी ने भारतीय तबला वादक और संगीतकार उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपनी श्रद्धांजलि दी। उस्ताद जाकिर हुसैन भारतीय और वैश्विक संगीत में अपने योगदान के लिए जाने जाते थे। सत्य नडेला ने पोस्ट किया, एक सच्चे लीजेंड, उस्ताद जाकिर हुसैन, जिन्होंने अपनी लयबद्ध प्रतिभा के जरिए अपार आनंद दिया। उन्होंने आगे कहा, आपका संगीत सीमाओं से परे है और हमेशा जिंदा रहेगा। सलीजेंड सअलविदा सम्यूजिकलाइव्सऑन। जाकिर हुसैन का 73 वर्ष की आयु में इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस की जटिलताओं के कारण निधन हुआ। वे दो सप्ताह तक अस्पताल में रहे और फिर उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें आईसीयू यूनिट में ले जाया गया। 73 साल की उम्र में जाकिर हुसैन के निधन के बाद तबला वादक का वंडर मोमेंट पर आखिरी इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हो रहा है। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी ने भी विश्व प्रसिद्ध तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन के निधन पर श्रद्धांजलि दी है।

अवधनामा

लखनऊ, मंगलवार, 17 दिसम्बर 2024

लाखों रुपए से खरीदे गए डस्टबिन फांक रहा धूल, नगर में गंदगी का अंबार

नपं मथौली के वार्ड नंबर 9 सिरसिया पंचायत भवन में रखा गया है डस्टबिन

सिरसिया पंचायत भवन में धूल फांक रहा डस्टबिन

वार्ड नंबर 12 में लगा कूड़े का ढेर

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। नगर को स्वच्छ एवं साफ सुथरा बनाने के लिए लाखों रुपए से खरीदे गए स्टील की चादर से बने डस्टबिन वार्ड नंबर 8 सिरसिया पंचायत भवन में धूल फांक रहा है। नगर के विभिन्न वार्डों में डस्टबिन नहीं होने से लोग सड़कों पर कूड़ा फेंकने के लिए मजबूर हैं। नगर पंचायत की ये लापरवाही स्वच्छता अभियान को भी पलीता लग रहा है।

बता दें कि नगर पंचायत मथौली ओडीएफ प्लस में चयनित है। यहां थूकना, खुले में कूड़ा फेंकना, खुले में पेशाब करना सब मना है। ऐसा करने पर जुर्माना भी तय किया गया है। लेकिन नगर पंचायत द्वारा इससे निजात पाने के लिए लाखों रुपए से स्टील का डस्टबिन

ओडीएफ प्लस में चयनित है नगर पंचायत मथौली

(कूड़ेदान) खरीदा गया है, लेकिन नगर प्रशासन की लापरवाही से किसी भी वार्ड में ये डस्टबिन नहीं लगाया गया है। हालांकि मथौली नगर की आबादी करीब 26 हजार हैं। नगर को स्वच्छ बनाए रखने के उद्देश्य से स्टील की चादर से बने डस्टबिन खरीदे गए थे। पिछले एक वर्ष से सिरसिया पंचायत भवन में धूल फांक रहा है। उधर नगर के प्रत्येक वार्ड में जगह-जगह कचरे की ढेर लगे हैं। नगर के लोगों का कहना है कि नगर में कहीं भी डस्टबिन नहीं होने से कूड़ा सड़क पर डाला जा रहा है। इसे आवारा जानवर इधर-उधर बिखेर देते हैं। इससे जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। कूड़ा डालने के लिए कोई व्यवस्था नहीं होने से लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। इस संबंध में अधिशाषी अधिकारी मथौली सर्वेश कुमार श्रीवास्तव से बात करने की कोशिश की गई तो उनके फोन की घंटी बज रही थी लेकिन फोन नहीं उठाए।

> नगर पंचायत में स्वच्छता अभियान को लेकर जो अभियान चल रहा है वह पूरी तरह से फ्लॉप है। नगर पंचायत ओडीएफ प्लस में चयनित हो गया। यहां थूकना, खुले में कूड़ा फेंकना, खुले में पेशाब करना सब मना है। लेकिन नगर पंचायत कूड़ा डालने के लिए लाखों रुपए का डस्टबिन खरीदा है। अभी तक किसी वार्ड में नहीं लगाया है जिससे लोग कूड़ा इधर-उधर डालने के लिए मजबूर हैं।

मोनू शर्मा

यशवंत सिंह

> नगर में जब कूड़ादान ही नहीं दिख रहा हैं, तो लोग कूड़ा डालने कहां जाएं। मजबूरी में ही सड़क पर व अगल बगल खाली पड़े जगहों पर कूड़ा डाला जा रहा है। शिकायतों के बाद भी कोई व्यवस्था नहीं हुई है। सफाई कर्मी भी नाली साफ करने के बाद उसमें से निकलने वाले कचरे सड़क पर ही ढेर लगा दे रहे है। नगर पंचायत में कूड़ा धोने वाली गाड़ी तीन चार दिन बात आती है। वार्ड के लोग बदबू से परेशान रहते है।

हॉस्टल से गायब बीएससी छात्रा, मां ने दी है तहरीर

अमेठी अवधनामा संवाददाता। क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित संस्थान में पढ़ने वाली बीएससी की छात्रा एक सप्ताह पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। छात्रा को ढूंढते हुए उसकी मां सेंटर पहुँची लेकिन उसका कहीं पता ना चला उसके बाद मां ने थाने में तहरीर दी है।मिली जानकारी के अनुसार बलिया की रहने वाली बीएससी की छात्रा 8 तारीख को हॉस्टल से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। वहीं जब 8 तारीख को बेटी का फोन नहीं उठा तो मां सेंटर पहुंची और उसकी खोज शुरू की लेकिन उसका कहीं पता ना चला। मां ने संग्रामपुर थाने में तहरीर देते हुए आरोप लगाया कि उसकी बेटी संस्थान के छात्रावास में रहती थी 8 दिसंबर को उसने छात्रावास के वार्डन के पास कई बार फोन किया लेकिन वार्डन ने फोन नहीं उठाया। जानकारी के बाद पता चला कि एक लड़के के साथ उसकी बेटी कहीं चली गई। मां ने कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है बेटी को ढूंढने के लिए उसकी मां पिछले कई दिनों से अमेठी में दर दर की ठोकरे खा रही है। पूरे मामले पर टीकरमाफी चौकी इंचार्ज ने कहा की छात्रा की मां की तहरीर पर गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सिल्ट सफाई के बाद नहरों में शुरू हुआ पानी का संचालन

अमेठी अवधनामा संवाददाता। अधिशासी अभियंता (नोडल) शारदा सहायक खंड 41 मनीष रंजन ने जनपद अमेठी के समस्त सम्मानित कृषकों को सूचित करते हुए बताया है कि जनपद अमेठी में नहरों की सिल्ट सफाई के उपरान्त शाहमऊ रजबहा अमेठी रजबहा टिकरी रजबहा औरंगाबाद रजबहा चिलबिला रजबहा डीह रजबहा नागापुर रजबहा गोपालपुर रजबहा जायस रजबहा इन्हौना रजबहा एवं कल्याणपुर रजबहा में पानी का संचालन हो रहा है। इसके अतिरिक्त जौनपुर शाखा तथा इससे सीधे निकलने वाली अल्पिकाओं में आवश्यकतानुसार पानी का संचालन हो रहा है। नहरों के कमाण्ड क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले समस्त सम्मानित कृषकों से अनुरोध है कि नहर संचालन के दौरान सिंचाई कार्य कर लें। कृपया जल का अपव्यय न करें। सिंचाई विभाग के टोल फ्री नं0 18001805450 पर सिंचाई से सम्बन्धित शिकायतों मांगों को भी अवगत करा सकते हैं।

छात्रवृत्ति योजना के लिए संशोधित समय-सारिणी जारी

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी आशुतोष पाण्डेय ने जानकारी दी है कि अल्पसंख्यक वर्ग के लिए राज्य पोषित पूर्वदशम (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति योजना के सुचारू संचालन हेतु आवेदन प्रक्रिया से लेकर छात्रवृत्ति वितरण तक के लिए संशोधित समय-सारिणी जारी की गई है। विद्यालयों द्वारा मास्टर डाटा तैयार करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। छात्र-छात्राएं 10 जनवरी तक अपना रजिस्ट्रेशन पूरा कर सकते हैं, जबकि ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 13 जनवरी है। आवेदन का फाइनल सबमिशन 15 जनवरी तक किया जा सकता है। छात्रों को अपने ऑनलाइन आवेदन पत्र की हार्ड कॉपी, सभी आवश्यक संलग्नकों सहित, 17 जनवरी तक अपने विद्यालय में जमा करनी होगी। विद्यालयों को आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन और अग्रसारण 20 जनवरी तक पूरा करना होगा। कक्षा 10 में अध्ययनरत नवीनीकरण के छात्रों के लिए केवल कक्षा 10 में प्रवेश की तिथि और कक्षा 9 का परीक्षाफल दर्ज कर आवेदन ऑनलाइन अग्रसारित किया जाएगा।

अंशकालिक प्रशिक्षकों के पदों पर आवेदन 21 तक

अमेठी अवधनामा संवाददाता। उप क्रीड़ाधिकारी मो मोसर्रफ खां ने बताया कि वितीय वर्ष 2024-25 में अवशेष अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्तियों के सापेक्ष तीरन्दाजी नेटबाल टेबुल टेनिस तलवारबाजी जिम्नास्टिक बैडमिन्टन वुशू टेनिस तैराकी बास्केटबाल भारोत्तोलन स्कवैश शूटिंग ताइक्कांडो खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों की रिक्तियों पर तैनाती हेतु सेवायोजन पोर्टल के माध्यम से सेवाप्रदाता फर्म मेसर्स टी एण्ड एम सर्विसेज कन्सल्टिंग प्रा लि दहीसार मुम्बई द्वारा उक्त 14 खेलों में अंशकालिक मानदेय प्रशिक्षकों हेतु आवेदन करने की तिथि बढ़ायी गयी है। आवेदन करने के लिए रिक्तियां पोर्टल पर आवेदन करने की अन्तिम तिथि 21 दिसंबर 2024 निर्धारित की गई है।

भाजपा मण्डल अध्यक्ष के 18 पर्चे दाखिल

भटनी (देवरिया) अवधनामा संवाददाता। जे डी माध्यमिक विद्यालय रामपुर खुरहुरिया भटनी के प्रांगण मे काफी गहमागहमी के बीच भाजपा मण्डल अध्यक्ष भटनी के चुनाव के लिए कुल 18 प्रत्याशियों ने चुनाव अधिकारी संजय तिवारी के देख रेख मे अपना नामांकन किया। मण्डल के पद के लिए पर्चा दाखिल करने वालो मे सुनील कुमार यादव शैलेन्द्र मिश्र तेज प्रताप सिंह सुबोध तिवारी हरिहर पासवान सत्यब्रत मिश्र मुन्ना राय रोहित मिश्र कन्हैया कुशवाहा चन्द्रहास कुशवाहा प्रतीक मिश्र अजीत सैनी अशोक कुमार गुप्त दिनेश कुमार साहनी दीपक वर्मा आशीष पासवान व जयप्रकाश मिश्र आदि का नाम शामिल है ।मण्डल अध्यक्ष के नामांकन के समय चुनाव अधिकारी संजय तिवारी के अलावे निवर्तमान मण्डल अध्यक्ष योगेश प्रजापति जितेन्द्र तिवारी भी सहयोग करते देखे गये ।नामांकन के दौरान नगर पंचायत अध्यक्ष विजय कुमार गुप्त पूर्व चेयरमैन रमेशचन्द्र वर्मा डॉ बलराम जायसवाल पूर्व मण्डल अध्यक्ष हितेन्द्र तिवारी जिला पंचायत सदस्य व भाजपा नेता अजीत कुमार सिंह अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रोशन जमीर (कल्लू) शिवमंगल सिंह प्रमुख रुप से उपस्थित रहे। चुनाव के लिए नामांकन के समय यह चर्चा जोरो पर रही की अनेको लोग नामांकन के लिए अपनी जन्मतिथि आधार कार्ड से बदलवाने मे लगे रहे जन्मतिथि मे सुधार हुआ की नही ये पता नही चल पाया। लेकिन चर्चा जोरों पर रही।

जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में अण्डर ट्रायल रिव्यू कमेटी द्वारा किया गया जिला कारागार का निरीक्षण

देवरिया अवधनामा संवाददाता। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री देवेन्द्र सिंह के अध्यक्षता में जिलाधिकारी श्रीमती दिव्या मित्तल, पुलिस अधीक्षक देवरिया श्री संकल्प शर्मा एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया श्री मनोज कुमार तिवारी द्वारा निरुद्ध कैदियों के रिहाई हेतु जिला कारागार देवरिया का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण में ऐसे निरुद्ध बंदी जो पूर्ण सजा के सापेक्ष आधी सजा से अधिक अवधि व्यतीत कर चुके हैं उससे संबंधित बंदियों के मामलों को अधीक्षक जिला कारागार देवरिया द्वारा प्रस्तुत की गयी। माननीय जनपद न्यायाधीश श्री देवेन्द्र सिंह द्वारा निर्देशित किया गया कि जो भी बंदी उक्त निर्देशों के अनुरूप रिहाई के पात्रता के अन्तर्गत आते हैं उनके नियमानुसार रिहाई की कार्यवाही की जायें। उन्होंने पाकशाला, चिकित्सालय तथा बैरकों का निरीक्षण किया। तथा निरंतर स्वच्छता बनाये रखने हेतु निर्देशित किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवरिया के सचिव/ अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री मनोज कुमार तिवारी ने कहा कि ऐसे बन्दी जिनकी जमानत न्यायालय से हो चुकी है परन्तु जमानतदार के अभाव में कारागार में निरुद्ध है उनके के अन्तर्गत प्राप्त प्रार्थना पत्र पर चर्चा की गयी व उसके संबंध में अधीक्षक जिला कारागार देवरिया को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया, वृद्ध बंदियों एवं असाध्य रूप से बीमार बंदियों हेतु गठित जिला स्तरीय इकाई द्वारा भी वृद्ध बंदियों एवं असाध्य रूप से बीमार बंदियों की सूची तैयार की गयी। जिसे त्वरित निस्तारित करने हेतु सचिव द्वारा कारागार अधीक्षक को निर्देशित किया गया।

पूर्व राज्यमंत्री राधेश्याम सिंह हाउस अरेस्ट, भूमि अधिग्रहण के विरोध में करने जा रहे थे प्रदर्शन

एथेनॉल फैक्ट्री के लिए 76 किसानों ने भूमि देने से किया इनकार

अवधनामा ब्यूरो

कुशीनगर। सोमवार की सुबह पूर्व राज्यमंत्री व सपा नेता राधेश्याम सिंह को प्रशासन ने हाउस अरेस्ट कर लिया। वे ढाढा के हरपुर गांव में एथेनाल फैक्ट्री के लिए ली गई भूमि के मामले को लेकर हाटा तहसील परिसर में विरोध प्रदर्शन करने जा रहे थे। इस संबंध में पूर्व मंत्री ने हरपुर के किसानों से संबंधित एक पत्र एसडीएम हाटा को सौंपा।

बता दें कि रविवार को प्रशासन ने विरोध प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। इसके बाद भी किसान हित की बात कहते हुए पूर्व राज्यमंत्री सपा कार्यकर्ताओं संग तहसील परिसर जाने की तैयारी कर रहे थे। फैक्ट्री के लिए ली गई भूमि से जुड़े 76 किसानों ने भूमि देने से इनकार करते हुए मुआवजा लेने से ही मना कर दिया। एक पखवारे के पूर्व इस मामले को लेकर पूर्व राज्यमंत्री ने किसानों की सहमति से भूमि लेने, उचित मुआवजा देने व भूमिहीन किसानों के परिवार एक सदस्य को नौकरी देने की मांग को लेकर 16 दिसंबर को विरोध प्रदर्शन का एलान किया था। इसकी अनुमति मांगी तो प्रशासन ने सिरे से इनकार कर दिया। इसके बाद भी पूर्व राज्यमंत्री पगरा स्थित आवास पर जुटे सपा कार्यकर्ताओं संग विरोध प्रदर्शन करने के लिए हाटा तहसील परिसर जाने की तैयारी में थे। इसी बीच डीएम के निर्देश पर प्रदर्शन की अनुमति न मिलने की बात कहते हुए पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। **पुलिस व किसानों के बीच हुई थी झड़प-** इससे पहले ढाढा चीनी मिल की एथेनाल फैक्ट्री के लिए अधिग्रहित भूमि पर कब्जा दिलाने गई पुलिस व प्रशासन की टीम से किसानों की झड़प हो गई थी। अधिग्रहित भूमि पर कब्जे का विरोध कर रहे किसानों को पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर खदेड़ा और मिल प्रशासन को कब्जा दिलाया था। भगदड़ में लगभग एक दर्जन किसानों को हल्की चोटें आई थीं। पुलिसिया कार्रवाई से नाराज महिला ने मिट्टी का तेल छिड़क कर जान देने की कोशिश की हालांकि पुलिसकर्मियों ने उसे बचा लिया। विरोध प्रदर्शन कर रहे 13 किसानों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने तीन महिलाओं समेत सात को हिरासत में लिया था।

एसडीएम को ज्ञापन देते पूर्व मंत्री राधेश्याम सिंह

भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम की निशानी है विजय दिवस : पवन मिश्र

अवधनामा संवाददाता

देवरिया। भाजपा किसान मोर्चा देवरिया नगर मण्डल द्वारा विजय दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में किसान मोर्चा कार्यकर्ताओ ने सैनिक पुनर्वास कल्याण केंद्र स्थित अमर जवान स्मारक पर पुष्पांजलि कर 1971 में हुए भारत-पाकिस्तान युद्ध मे शहीद हुए सैनिकों को नमन किया।

इस अवसर पर उपस्थित किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष पवन कुमार मिश्र ने कहा कि 1971 के भारत- पाकिस्तान युद्ध मे भारतीय सैनिकों ने अपने अदम्य साहस का परिचय दिया और पाकिस्तान पर विजय प्राप्त किया था, युद्ध के अंत मे 16 दिसम्बर 1971 को पाकिस्तानी सेना के प्रमुख जनरल ए. नियाजी खान ने पाकिस्तानी सेना के 93000 सैनिकों के साथ भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण किया था। उन्होंने कहा कि विजय दिवस भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम की निशानी है और प्रत्येक भारतीय के हृदय में उमंग और उत्साह पैदा करने वाला दिन है। पूर्व जिला मीडिया प्रमुख भाजपा अम्बिकेश पाण्डेय ने कहा कि भारत-पाकिस्तान युद्ध मे शहीद हुए सैनिकों की शहादत पर पूरे देश को गर्व है। विजय दिवस हम सभी के लिये गौरवशाली दिन है। इस अवसर पर किसान मोर्चा नगर मण्डल अध्यक्ष अरुण मिश्र, विजय कुशवाहा, प्रताप यादव, डॉ विनोद पाण्डेय, सन्तोष सिंह, राजू मिश्र, नित्यानंद पाण्डेय, वीरेंद्र पाठक उपस्थित रहे।

28 मंडलों में मंडल अध्यक्ष पद के लिए नामांकन

देवरिया। भाजपा संगठन निर्वाचन के निमित्त जनपद के सभी 28 मंडलों में मंडल अध्यक्ष पद के दावेदारों ने अपना अपना नामांकन किया। उक्त आशय की जानकारी जिला चुनाव अधिकारी बालेंदु मणि त्रिपाठी और भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने दी। जिला चुनाव अधिकारी बालेंदु मणि त्रिपाठी ने बताया कि पार्टी के निर्देशानुसार जनपद के सभी 28 मंडलों में मंडल चुनाव अधिकारियों की उपस्थिति में दावेदारों ने अपने नामांकन का पर्चा भरा है उन्होंने बताया कि जिन लोगों ने भी नामांकन किया है उनके नामांकन पत्र की जांच के उपरांत आगे की प्रक्रिया संचालित की जाएगी। जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष पद के लिए विभिन्न मंडलों से काफी संख्या में आवेदन आया है, निर्वाचन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कर्मठ और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को मौका दिया जाएगा । हर कार्यकर्ता संगठन परिवार का हिस्सा है तथा पार्टी के कार्यों में बढ़ चढ़ कर भाग लेता है, अपनी क्षमता के अनुसार संगठन को मजबूत करने में अपना सहयोग करता है।

शीतलहर के आगे कमजोर साबित हो रही धूप

अवधनामा संवाददाता

अमेठी। जनपद में पिछले कई दिनों से शीत लहर का प्रकोप जारी है। लिहाजा धूप निकलने के बावजूद लोग सर्दी से बेहाल नजर आ रहे हैं। सोमवार को भी सुबह लोग धुंध में सर्दी से कांपने को मजबूर हुए।पिछले सप्ताह से ही सर्द हवाएं लोगों को परेशान कर रही थी राहगीर ठिठुर कर आवागमन करने को मजबूर रहे।स्कूल जाने वाले बच्चों को सुबह आवागमन में दिक्कत हुई। दिनभर सर्द हवाएं चलती रही। शाम को सर्दी और भीषण हो गई अलाव के सहारे लोग दिनचर्या व्यतीत कर रहे हैं। सुबह शाम कड़ाके की सर्दी के बावजूद सार्वजनिक स्थानों पर अलाव न जलने के कारण राहगीर सर्दी से बेहाल नजर आ रहे हैं लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। धूप सर्द हवाओं के आगे तेज होने के बाद भी कमजोर साबित हुई। खुले आसमान के नीचे बैठकर जगह-जगह लोग धूप सेंकते नजर आए। कड़ाके की सर्दी के कारण शाम ढलते ही लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो रहे हैं।

जिले में 13 स्थानों पर बनाए गए रैन बसेर, नामित किए गए नोडल अधिकारी

अवधनामा ब्यूरो

- रैन बसेरा में सभी बुनियादी आवश्यक संसाधन रहें उपलब्ध : डीएम
- कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे सोने के लिए नहीं होगा विवश

कुशीनगर। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज ने बताया कि शीतलहर एवं घने कोहरे को देखते हुए जिले में 13 जगहों पर रैन बसेरा बनाया गया है। इसके साथ ही उक्त रैन बसेरा का देखभाल करने लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त कर दिए गए। उक्त रैन बसेरा में निराश्रित बुजुर्गों यात्रियों, असहाय, कमजोर व गरीब व्यक्तियों सहित आम जनता की सुरक्षा और सहायता के लिए रात्रि निवास कर सकते है।

रैन बसेरों में केयर टेकर, प्रकाश की व्यवस्था, पर्याप्त मात्रा में कम्बल, गद्दे एवं स्वच्छ बिस्तर, मेडिकल किट, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, महिलाओ एवं पुरुषों के अलग-अलग रहने की व्यवस्था, महिलाओ एवं किशोरियों की सुरक्षा व्यवस्था, अलाव की व्यवस्था आदि आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था भी की गई है। सम्बन्धित अधिकारी के कार्यक्षेत्र में कोई भी व्यक्ति सड़क पर या खुले आसमान के नीचे सोया पाया जाता है, तो उन्हें रैन बसेरे तक पहुंचाया जाय। यह उनकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी। समय-समय पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम के माध्यम से प्रचार-प्रसार कराते हुए सम्बन्धित रैन बसेरों की जानकारी दी जाय। अपने स्तर से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाते हुए सार्वजनिक स्थल/बस स्टेशन/ रेलवे स्टेशन आदि स्थलो पर रात्रि भ्रमण के दौरान संलग्न रैन बसेरों की सूची के अनुसार हर जरुरतमंद व्यक्ति को रैन बसेरों तक पहुंचाया जाय। यदि उक्त रैन बसेरो के अतिरिक्त अन्य शेल्टर होम की आवश्यकता हो तो व्यक्तिगत तौर पर अधोहस्ताक्षरी को तत्काल अवगत कराया जाय। जनपद के समस्त ग्राम पंचायतो में यदि रैन बसेरा न हो तो पंचायत भवनों में स्थापित कर लिया जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि हर जरूरतमंद व्यक्ति को रैन बसेरे की सुविधा उपलब्ध हो। यदि कोई शिकायत अथवा प्रतिकूल तथ्य हो तों अधोहस्ताक्षरी को तत्काल अवगत कराया जाय। जिलाधिकारी ने उक्त के संबंध में प्रभावी कार्यवाही के निर्देश समस्त उप जिलाधिकारी गण, क्षेत्राधिकारी, खंड विकास अधिकारी, नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी तथा सहायक क्षेत्रीय प्रबंधन रोडवेज पडरौना कुशीनगर को दिए हैं।

रैन बसेरों के नोडल अधिकारी व उनका मो. नंबर

जिलाधिकारी ने नगर निकाय, शेल्टर होम, रैन बसेरा का विवरण देते हुए बताया कि जल कल भवन परिसर कार्यालय नगर पालिका परिषद पडरौना के रैन बसेरा प्रभारी का मो0न0- 9721974550, कुशीनगर स्थित विश्वकर्मा मंदिर फाजिलनगर रोड कुशीनगर के रैन बसेरा प्रभारी का मो0न0- 9793306073, विवाह भवन गोला बाजार कुशीनगर में रैन बसेरा प्रभारी का मो0नं0- 9794190 799, बस स्टेशन परिसर कुशीनगर के रैन बसेरा प्रभारी का मो0नं0- 9140242979 इसी प्रकार फाजिलनगर स्थित वार्ड नंबर 13 पंचायत भवन पिपरा रज्जब के रैन बसेरा के प्रभारी का मो0नं0 6390450775, कप्तानगंज स्थित राम जानकी नगर वार्ड नंबर 5 के रैन बसेरा प्रभारी मो0नं0 6391350963, रामकोला स्थित धर्मशमदा नगर वार्ड नंबर 12 रामकोला के प्रभारी का मो0नं0- 9838953020, तमकुही राज अंतर्गत वार्ड नंबर 2 पंचायत भवन हरिहरपुर के प्रभारी का मोबाइल नंबर 7850003009, विवाह भवन वार्ड नंबर 7 सुभाष चौक नगर पंचायत दुदही के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 9838089475, सामुदायिक विवाह भवन नगर पंचायत परिषद सेवरही के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नं. 7380556013, खड्डा अंतर्गत नगर पंचायत धर्मशाला वार्ड नंबर 8 इंदिरा नगर के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 7068266075, छितौनी अंतर्गत वार्ड नंबर 11 पनियहवा नगर पंचायत भवन के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 9369055982, हाटा अंतर्गत वार्ड नंबर 1 बागनाथ तिराहा के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 8423062098, सुकरौली अंतर्गत पंचायत भवन वार्ड नंबर 8 मालवीय नगर के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 811564525 तथा मथौली अंतर्गत पंचायत भवन वार्ड नंबर 16 सरदार वल्लभभाई पटेल नगर के रैन बसेरा प्रभारी का मोबाइल नंबर 951765 4710 है।

नरायनपुर से होम्योपैथी अस्पताल हटाने के विरोध में तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

80 वर्षों से चला आ रहा है, सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल, क्षेत्र में आक्रोश

तहसीलदार कप्तानगंज के ज्ञापन देते प्रधान प्रतिनिधि व ग्रामीण

अवधनामा संवाददाता

कप्तानगंज, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम सभा नरायनपुर के प्रधान प्रतिनिधि विनय कुमार सिंह के अगुवाई में सोमवार को दर्जनों ग्रामीणों ने गांव में स्थित सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल हटाने के संबंध में विरोध दर्ज कराते हुए नायब तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा तथा मांग किया कि अस्पताल से काफी संख्या में मरीज लाभान्वित होते हैं। बता दें कि उक्त ग्राम सभा में 80 वर्षों से गांव में सरकारी होम्योपैथिक अस्पताल संचालित होता आ रहा है ल। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनय कुमार के मुताबिक रोजाना काफी संख्या में मरीज आकर अस्पताल से सेवा का लाभ लेते हैं। यदि अस्पताल यहां से हटाया गया तो मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। तहसीलदार जितेंद्र कुमार सिंह ने ग्रामीणों को कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान चंद्रावती देवी, शेषमणि पांडे, सुनील कुमार मौर्य, सरूद्दीन खान, सद्दाम खान, गोपाल साहनी, शंभू प्रसाद, संजय तिवारी, मोहन प्रजापति, सुनील कुशवाहा, अखिलेश प्रजापति समेत तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

पांच दिन से लापता युवक का गंडक नदी में मिली लाश

अवधनामा संवाददाता

मथौली बाजार, कुशीनगर। करीब पांच दिन पूर्व अपने मामा के घर गड़ेरीपट्टी आए युवक का सोमवार को छोटी गंडक नदी के सिकटिया गड़ेरीपट्टी घाट पर उसका लाश बरामद हुआ। सूचन पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हेतिमपुर के पास कोटवा गांव निवासी नीरज सिंह पुत्र जितेंद्र सिंह उम्र 19 वर्ष हाटा कोतवाली क्षेत्र के सिकटिया गड़ेरीपट्टी अपने मामा के यहां आया हुआ था। वह 12 दिसंबर को चौराहे के तरफ निकला था उसी दिन से वह घर नहीं लौटा। हैरान, परेशान युवक के परिजन व मामा खोजबीन में जुट गए। इसी बीच सोमवार को उसका लाश छोटी गंडक नदी के गड़ेरीपट्टी घाट पर लोगों ने देखा। इसकी सूचना मिलते ही युवक के मामा पहुंचे और शव का शिनाख्त किए। मौके से पहुंची पुलिस ने युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लोगों द्वारा क्याश लगाया जा रहा है कि युवक हो सकता है शौच करने आया हुआ होगा जिससे नदी में फिसल कर गिर गया और नदी में डूबने से उसकी मौत हो गई होगी। इस संबंध में कोतवाल हाटा ने कहा कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। तहरीर नहीं मिली है अगर मिलेगी तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

आटा चक्की मशीन के चपेट में आने से महिला की मौत

मथौली बाजार, कुशीनगर अवधनामा संवाददाता। हाटा कोतवाली क्षेत्र के गड़ेरीपट्टी निवासी एक अधेड़ महिला की आटा चक्की मशीन के चपेट में आने से बुरी तरह घायल हो गई जिसका गोरखपुर में इलाज के दौरान मौत हो गई। मौत की सूचना मिलते है परिजनों में कोहराम मच गया।

गड़ेरीपट्टी निवासी बासमती देवी पत्नी धन्नू गुप्ता उम्र करीब 56 वर्ष सोमवार को अपने घर पर ही लगे एक आटा चक्की मशीन के पट्टे में फंसकर बुरी तरह से घायल हो गई। परिजन नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहां चिकित्सकों ने गंभीरावस्था में मेडिकल कालेज गोरखपुर रेफर कर दिया। वहां इलाज के दौरान 01:30 बजे मृत्यु हो गई। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल हो गया है।

अजगर निकलने से गांव में दहशत

मुंशीगंज (अमेठी)। स्थानीय थाना क्षेत्र के पूरे राम मिश्र सरुवांवा गांव में अजगर मिलने से हड़कंप मच गया है। दो दिन से अजगर को देख ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। इसके बाद लोगों ने वन विभाग की टीम को सूचना दी है। वहीं ग्रामीणों का कहना है कि सूचना के दो दिन बाद भी वन विभाग की टीम गांव नहीं पहुंची। अजगर न पकड़े जाने से गांव में दहशत का माहौल है। परतोष चौकी प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम को सूचना दी गई है।

दो दिवसीय महाकाल भैरव मन्दिर का वार्षिकोत्सव संपन्न

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। शहर के त्रिमुहानी घाट श्मशान पर स्थित श्री श्री श्री महाकाल भैरव मंदिर के सप्तम दो दिवसीय वार्षिकोत्सव में महाराजाधिराज बाबा महाकाल भैरव का महाभिषेक व अष्ट भैरव संग चौसठ योगिनी पूजन, मात्रिका पूजन,महाकालिका पूजन के साथ ही नादी संस्कार भी किया गया। इस दौरान गुप्तवास के कारण परिसर में ही महाराजाधिराज बाबा काल भैरव जी की नगर भ्रमण यात्रा निकाली गई जहां उपस्थित श्रद्धालुओं ने यात्रा पर पुष्पार्पण कर आशीर्वाद प्राप्त किया। श्री श्री श्री काल भैरव श्मशान घाट सेवा मण्डल के तत्वाधान में शहर के स्वर्ग धाम त्रिमुहानी घाट स्थित श्री श्री श्री महाकाल भैरव मन्दिर पर सप्तम दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का आयोजन हुआ। आयोजन में महाराजाधिराज बाबा महाकाल भैरव जी का महाभिषेक,दश महाविद्या पूजन, महाकालिका पूजन एवं खप्पर भोग दिया गया। सर्वप्रथम प्रातः 9 से दोपहर 12 बजे तक मन्दिर में बाबा का अभिषेक हुआ इसके उपरान्त भैरव नाम संकीर्तन हुआ। रात्रि 9 बजे पुष्पों से सजे रथ में सवार होकर बाबा नगर भ्रमण के लिये निकले। इस बार गुप्तवास के चलते श्मशान परिसर में ही बाबा की शोभा यात्रा निकाली गई।

अपर पुलिस अधीक्षक व प्रभारी निरीक्षक ने किया बाबा काल भैरव के विग्रह का पूजन

रथ पर विराजित होने से पूर्व अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर राकेश कुमार सिंह ने बाबा महाकाल भैरव एवं दण्ड पूजन कर सम्पूर्ण नगरवासियों के लिए सुख शांति एवं समृद्धि की कामना की।

पूजन शुरू होने से पूर्व पूरे श्मशान परिसर सहित शव पीठों को दीपों से सजाया गया था। समूचे श्मशान में दीपावली जैसा दृश्य नजर आ रहा था। सभी भक्तगण बाबा के जयघोष से वातावरण को गुंजायमान कर रहे थे। बाबा महाकाल भैरव के दो दिवसीय वार्षिकोत्सव का संयोजन शाक्त ईशान रजनीश ने किया जबकि उत्तरदिशानी अघोर अखाड़ा परिषद तारा पीठ से पधारे नटेश्वरी पंथ के साधक श्री श्री श्री 1008 अघोरी बाबा बैजनाथ एवं अघोरी बाबा ज्ञानी नाथ,महाराष्ट्र राज्य के अघोरी बाबा अविनाश नाथ, गुजरात राज्य के नाथ योगी अघोरी बाबा शिवनाथ योगी के निर्देशन में विधिवत पूजन अर्चन सम्पन्न हुआ। इस दौरान भैरव जी को षोडशोपचार पूजन दिया गया। पूजन उपरान्त तीन भक्तों को अघोर अखाड़े में सम्मिलित करते हुए उनका नादी संस्कार,चोटी संस्कार, नामकरण संस्कार के साथ ही षोडस संस्कार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

अधेड़ महिला का पुआल में मिला शव

हलियापुर, सुल्तानपुर। धान के पुवाल में संदिग्ध परिस्थितियों में अधेड़ महिला की डेड बॉडी मिली है। हलियापुर थाना क्षेत्र के पूरे झुरहू गांव से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। मृतक महिला की पहचान राजकुमारी उम्र 45 वर्ष पत्नी रामस्वरूप के रूप में ग्रामीणों ने की है। पति के प्रार्थना पत्र पर डेड बॉडी पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। छत से रात के अंधेरे में पुवाल में महिला के गिरने से हुई मौत बताई जा रही है। थाना अध्यक्ष हलियापुर बोले, डेड बॉडी रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की सह पर्वहरियाली पर चल रहा आरा

कुड़वार, सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के अंतर्गत कुड़वार बाजार में पानी की टंकी मां सरस्वती क्लासेज के बगल दो सूखे व तीन हरे कुल पांच पेड़ आम के रविवार कै दिन काटे गये। पेड़ के ठूंठे मौके पर मौजूद है।एक तरफ सरकार द्वारा वन संरक्षण को लेकर प्रत्येक वर्ष लाखों वृक्ष लगाए जाते हैं। तो वहीं दूसरी तरफ बन माफियाओ द्वारा धड़ल्ले से प्रतिबंधित वृक्षों को लगातार काटा जा रहा है। जिले के वन अधिकारी की या तो मिली भगत है, या तो वन विभाग से चोरी कर बन माफिया बेखौफ होकर अंजाम दे रहे हैं। देखना यह होगा कि जिले के वन अधिकारी क्षेत्र में हो रहे बनकटान को रोक पाने में सफल होते हैं या नहीं।

गुरचरण स्कूल के अध्यापिका पर अभिभावक ने लगाया प्रताड़ना का आरोप--

सुल्तानपुर। नगर के गुरचरण पब्लिक स्कूल में पढ़ रही नर्सरी क्लास की बच्ची को सौम्या सिंह और श्वेता सिंह अध्यापिका द्वारा लगातार प्रताड़ित करने का अभिभावक आदित्य सिंह द्वारा आरोप लगाया गया है। इस संबंध में अभिभावक आदित्य सिंह द्वारा शिकायती पत्र जिलाधिकारी व बेसिक शिक्षा अधिकारी को रजिस्ट्री द्वारा भेजा गया है।अभिभावक आदित्य सिंह ने आरोप लगाया कि जब से उनकी बेटी का एडमिशन गुरुचरण स्कूल में हुआ है,लगातार अध्यापिका सौम्या सिंह ,श्वेता सिंह द्वारा प्रताड़ित किया जाता रहा है। स्थिति यह बन गई है की बच्ची अब स्कूल जाने से कतरा रही है।उक्त संबंध में विद्यालय के प्रबंधक पूर्व जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी जगजीत सिंह छंगू से बात की गई तो उन्होंने बताया कि इस तरह की जानकारी उन्हें भी सोशल मीडिया से मिलीं है,मामले की जांच करवाकर कार्यवाही की जायेगी।

25 बीघा फसल हुई जलमग्न

सुलतानपुर,दूबेपुर। विकास खंड क्षेत्र के शाहपुर, सरकंडेडीह(बाबू का पुरवा) में शारदा सहायक 49 की कमोलिया माइनर शनिवार देर रात कट गई।इससे करीब 25 बीघा गेहूं की फसल डूब गई। ग्रामीणों ने एकजुट होकर कटी पटरी को बांधा। यह शारदा सहायक खंड 49 की माइनर है।शुक्रवार को पानी छोड दिया गया है।ज्ञात रहे की अभी हाल ही में माइनर की सिल्ट सफाई में की जा रही मनमानी की खबर वायरल हुई थी। मिट्टी न निकाले जाने से माइनर के भीतर ही टीले लगे हुए है।इस वजह से माइनर में पानी का दबाव बढ गया और पटरी टूट गई। विभाग को सूचना देने के बाद भी दोपहर तक जेसीबी नहीं पहुंची।ग्रामीणों द्वारा स्वय बोरी में मिट्टी भरकर पटरी को बांधा गया।

उपजिलाधिकारी के आदेश पर दुकान की गई कुर्क

दोस्तपुर,सुल्तानपुर। उपजिलाधिकारी कादीपुर उत्तम तिवारी के आदेश पर नगर पंचायत दोस्तपुर के कजियाना उत्तरी मोहल्ले में स्थित जय बाबा लोकनाथ प्रतिष्ठान को कुर्क कर लिया गया। यह कार्रवाई अशोक कुमार और अशर्फीलाल के बीच चल रहे विवादित संपत्ति मामले के अंतर्गत की गई। सोमवार सुबह थाना प्रभारी पंडित त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस बल की टीम ने दुकान को कुर्क किया, और आसपास सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की गई ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था से बचा जा सके।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस टीम द्वारा महिला सम्बन्धी अपराध में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद द्वारा जनपद में वांछित अभियुक्तो की गिरफ्तारी हेतु चलाये गये विशेष अभियान के तहत, अपर अधीक्षक नगर के निकट पर्यवेक्षण में एवं क्षेत्राधिकारी टूण्डला के कुशल नेतृत्व में थाना नारखी पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 405/2024 में वांछित अभियुक्त साहिल उर्फगूँगा पुत्र वकील खाँ निवासी डौरी थाना नारखी जिला फिरोजाबाद को असन चौराहा जलेसर रोड के पास थाना क्षेत्र नारखी जनपद फिरोजाबाद से 16.12.2024 को किया गिरफ्तार है। अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह थाना नारखी जनपद फिरोजाबाद, उ0नि0 विजय चौधरी, का0 203 आशुतोष राणा सम्मिलित रहे।

नारायनी पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव 21 को

शिकोहाबाद। नारायनी पब्लिक स्कूल का वाषिकोत्सव (शुद्धोत्सव) के रूप में 21 दिसंबर को धूमधाम से स्कूल परिसर में मनाया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुप्रीर्म कोर्ट के न्यायाधीश होंगे। कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये जायेंगे। कार्यक्रम की थीम राजस्थानी रखी गई है। इसका मुख्य कारण है कि मुख्य अतिथि भी राजस्थान से आ रहे हैं। इस लिए स्कूल के ज्यादातर कार्यक्रम बच्चों ने राजस्थानी परिवेश पर ही तैयार किये हैं। यह जानकारी विद्यालय के प्रबंधक संजीव शाह, डायरेक्टर रजत शाह, ट्रस्टी मुदित शाह, प्रिंसिपल तरन्नुम जहीदी, ऋचा कुलश्रेष्ठ ने सामूहिक रूप से पत्रकार वार्ता में दी। इस अवसर पर प्रत्यूष शर्मा और पुष्पेंद्र प्रताप सिंह शिक्षक भी उपस्थित रहे।

क्रिसमस व नववर्ष पर रात्रि 11 बजे तक खुली रहेंगी मदिरा की दुकानें

फिरोजाबाद। राजस्वहित में यह निर्णय लिया गया है कि क्रिसमस के उत्सव 25-12-2024 क्रिसमस के एक दिन पूर्व से अर्थात् 24-12-2024 व 25-12-2024 को तथा नव वर्ष के अवसर पर मनाये जाने वाले उत्सव अर्थात् 31-12-2024 को मदिरा की दुकानें प्रातः 10.00 बजे से रात्रि 11.00 बजे तक खुली रहेंगी। तदनुसार अवगत होते हुए यथावश्यक कार्यवाही कराना सुनिश्चित उक्त सूचना आबकारी आयुक्त आदर्श सिंह द्वारा दी गयी।

ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को तराशने में लगा शिक्षा विभाग

राष्ट्रीय अविष्कार योजना के अंतर्गत रिसिया के 100 बच्चे एक्सपोज़र विज़िट पर निकले

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद के ग्रामीण क्षेत्र में छुपी प्रतिभाओं को तराशने व बच्चों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय अविष्कार योजना के अंतर्गत विकास खण्ड रिसिया के 100 बच्चों को विद्यालय परिवेश से बाहर एक्सपोज़र विज़िट के लिए ले जाया गया। थाना अध्यक्ष रिसिया व मटेरा ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर बस को सोमवार सुबह रवाना किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी रिसिया रणजीत कुमार ने बच्चों के दल की अगुवाई करते हुए सभी बच्चों को बस में अपनी देख-रेख में रवाना करने के साथ-साथ सभी बच्चों को शुभकामनाए दीं। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस एक्सपोज़र विज़िट में बच्चों को कैसरगंज स्थित पारले चीनी मिल व सुदेश इंडस्ट्रीज़ सरिया मिल का भ्रमण कराया जाएगा जिससे उनको कृषि उत्पादों खासकर गन्ने से किस प्रकार चीनी, गुड़ व अन्य रासायनिक पदार्थ किस प्रकार बनते हैं व उनका किस रूप में इस्तेमाल होता है इस सबकी जानकारी मिल सके। इसी क्रम में बच्चे किस प्रकार लौह अयस्क से सरिया व विभिन्न पदार्थ बनते हैं इसकी भी जानकारी प्राप्त करेंगे जिससे निश्चित ही उनके ज्ञान में वृद्धि होगी।

बच्चों के दल के साथ गए विज्ञानं एव गणित के अकादमिक रिसोर्स पर्सन श्यामपाल सिंह व देवव्रत श्रीवास्तव ने बताया की विज़िट के दौरान बच्चे बहुत ही उत्साहित रहे क्योंकि इन बच्चों के लिए उनके शैक्षिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने वाली ये पहली विज़िट थी। समूह की मार्गदर्शक व विज्ञानं शिक्षिका सबा एजाज़ सिद्दीक़ी ने कहा की सरकार द्वारा इस प्रकार की शैक्षिक यात्राओं से निश्चित हे बच्चों के मानसिक स्तर में वृद्धि के साथ साथ उनके वैज्ञानिक दृष्टिकोण को भी बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर ए0 आर0 पी0 जनकराम वर्मा, सत्य प्रकाश यादव, मो0 नसीम, शिक्षक ठाकुर प्रसाद के साथ अन्य शिक्षक भी उपस्थित रहे।

पेंशनर दिवस आज

अवधनामा संवाददाता

फिरोजाबाद। पेंशनर्स की विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान एवं निराकरण हेतु जनपद स्तर पर आज 17.12.2024 को पूर्वाह्न 11.00 बजे कलैक्ट्रेट सभागार में पेंशनर दिवस का आयोजन किया जाना है। इस आयोजन में जनपद के सभी कार्यालयाध्यक्षों को आंमत्रित/प्रतिभाग करने के लिये निर्देशित किया गया है, ताकि पेंशनर्स से सम्बन्धित समस्याओं की सुनवाई एवं उन पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

पेंशनर दिवस अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में आयोजित किया जायेगा जिसका संयोजन जनपद के वरिष्ठ कोषाधिकारी द्वारा किया जायेगा। पेंशनर दिवस में जनपद के समस्त कार्यालयाध्यक्ष स्वयं प्रतिभाग करेंगें ताकि पेंशनर्स की ऐसी समस्यायें जिसका निराकरण कार्यालयाध्यक्ष द्वारा किया जाना है, की भी सुनवाई हो सके एवं उन पर समुचित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। अतः पेंशनर दिवस के सफल कियान्वयन एवं आयोजन हेतु स्वयं प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

नासा किट वितरण समारोह का हुआ सफल आयोजन

अवधनामा संवाददाता

टूंडला। छात्रों को नासा किट वितरित करने के लिए एक उल्लेखनीय समारोह आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिष्ठित नासा कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के लिए उत्साह और प्रेरणा जगाई गई। इस कार्यक्रम में बिपिन कुमार यादव (मुख्य अतिथि), शिवानागरानी (प्रधानाचार्या) आदि सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उनके प्रेरक भाषणों ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार और अन्वेषण के महत्व पर प्रकाश डाला। नासा कार्यक्रम प्रभारी और भौतिकी विभाग के प्रमुख वरप्रसाद ने एक प्रेरक भाषण दिया, जिसमें छात्रों को बड़े सपने देखने और अपने लक्ष्यों की ओर लगन से काम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस समारोह में नोटबुक, पेन और टी-शर्ट वितरित करके योग्य छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण को मान्यता दी गई। कार्यक्रम का समापन हमारी प्रिंसिपल द्वारा दिए गए हार्दिक धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, जिन्होंने इसमें शामिल सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की और छात्रों को अकादमिक और व्यक्तिगत विकास दोनों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। नासा ओरिएंटेशन प्रोग्राम जैसे अवसरों को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के एक मूल्यवान मंच प्रदान करने के लिए प्रबंधन को विशेष धन्यवाद दिया गया। हम विक्रम रेड्डी गारू (कार्यकारी एजीएम), वाम्शी कृष्णा (एजीएम), सनम (कार्यकारी डीन), कपिल सक्सेना (क्षेत्रीय प्रभारी) और अन्य सभी लोगों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जिन्होंने इस आयोजन की सफलता में योगदान दिया। यह सफल समारोह प्रतिभा को पोषित करने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भविष्य के नेताओं को सशक्त बनाने के लिए संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

वादों के निस्तारण की प्रगति पर दें ध्यान

अवधनामा संवाददाता

मैनपुरी। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने तहसील करहल के निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार को आदेशित करते हुए कहा कि वादों के निस्तारण की प्रगति पर ध्यान दें, दायरा के अनुसार वादों का निराकरण किया जाए, धारा-34 का कोई वाद 45 दिन से अधिक समय तक लंबित न रहे। उन्होंने जानकारी करने पर पाया कि धारा-34 के 01 वर्ष से अधिक 03 वर्ष से कम के 01-01 वाद तहसीलदार, तहसीलदार न्यायिक करहल के कोर्ट में लंबित है, जिस पर उन्होंने तहसीलदार को निर्देशित करते हुए कहा कि तत्काल पुराने वादों का निस्तारण कर अवगत करायें। उन्होंने भू-अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान आर-06 रजिस्टर का अवलोकन करने पर पाया कि आर-06 में प्रविष्टियां करते समय लापरवाही बरती जा रही है, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार कोर्ट से परवाना जारी होने पर आर-06 में प्रविष्टि की जानी चाहिए लेकिन पत्रावली के आधार पर आर-06 में प्रविष्टियां दर्ज की जा रही है, जिस पर उन्होंने असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि तहसीलदार कोर्ट से ई-परवाना जारी किया जाए और उसी के आधार पर आर-06 में अमल दरामद किया जाए, तहसीलदार, उप जिलाधिकारी कोर्ट से जारी परवाने भी पत्रावली में सुरक्षित रखे जाएं, उप जिलाधिकारी, तहसीलदार आर-06 रजिस्टर का समय-समय पर अवलोकन करें। श्री सिंह ने अभिलेखागार के निरीक्षण के दौरान कहा कि बस्तों में अभिलेखों को व्यवस्थित ढंग से रखा जाए। उन्होने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि कुर्रा-जरावन में तत्कालीन लेखपाल द्वारा गलत विरासत दर्ज की गई, अविवाहित पुत्र की मृत्यु के पश्चात भूमि उसकी मां के नाम दर्ज होनी थी जबकि लेखपाल द्वारा मां के साथ उसके दोनों भाईयों का नाम भी शामिल कर फौती दर्ज की गई। उन्होंने उप जिलाधिकारी को आदेशित करते हुए कहा कि गलत फौती दर्ज करने वाले लेखपाल के विरुद्ध तत्काल कार्यवाही करें, तहसीलदार खतौनी में दर्ज नाम को खारिज करने की कार्यवाही करें। उन्होने आपूर्ति अनुभाग के निरीक्षण के दौरान तैनात कर्मियों से कहा कि राशन कार्ड जारी कराने हेतु प्राप्त प्रार्थना पत्रों पर तत्काल कार्यवाही करें, प्रत्येक पात्र व्यक्ति को समय से निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध हो, जानकारी करने पर पाया कि तहसील क्षेत्र में 133 दुकानें संचालित हैं, जिनके माध्यम से राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होने महिला शौचालय में ताला लगा पाये जाने, शौचालय में पर्याप्त सफाई व्यवस्था न होने पर कहा कि तहसील परिसर में साफ-सफाई की व्यवस्था दुरूस्त रहे, महिला शौचालय की तत्काल नगर पालिका के माध्यम से सफाई कराकर चालू कराया जाये।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड नं.-2 (सिविल), लो.नि.वि., लखनऊ

पत्रांक : 3204/ई-टेन्डर/2024-25 दिनांक : 09.12.2024

ई-प्रोक्योरमेण्ट नोटिस (विज्ञप्ति)

1. अधिशासी अभियन्ता, अनुरक्षण खण्ड-2, (सिविल) लो0नि0वि0, लखनऊ महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग के श्रेणी-ए, बी, सी एवं डी में भवन कार्य हेतु पंजीकृत निविदा दाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निम्नलिखित कार्य जिनकी निर्माण लागत सम्मुख अंकित है, प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित करते है।

क्रम सं.	जनपद	कार्य का नाम	निविदा लागत (लाख में)	बिड सिक्योरिटी रू.	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में) जी.एस.टी. सहित	कार्य पूर्ण करने की अवधि (दिनों में)
1	2	3	4	5	6	7
		(प्रथम बार निविदा आमंत्रण हेतु कार्य।)				
1	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-603 में क्षतिग्रस्त वार्ड रोब को बदलने, क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट को बदलने का कार्य, आवास में दीमक रोधी उपचार, आवास के क्षतिग्रस्त चौखट व पल्ले बदलने का कार्य, आवास में क्षतिग्रस्त फ्लोर टाइल्स व बाथरूम फिटिंग बदलने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धित कार्य।	3.56	35600.00	770.00	30 दिन
2	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-304 में दीमक रोधी उपचार करने का कार्य, दीमक की वजह से क्षतिग्रस्त वाडरोब, किचेन कैबिनेट व कपबोर्ड बदलने का कार्य, बालकनी व बाथरूम में पानी भरने की समस्या के रोकथाम हेतु फर्श को ठीक करने का कार्य, आवास के क्षतिग्रस्त चौखट व पल्ले बदलने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धित कार्य।	3.50	35000.00	770.00	30 दिन
3	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-704 में दीमक की वजह से क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट व कपबोर्ड बदलने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धित कार्य।	1.17	11700.00	680.00	30 दिन
4	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-402 में क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट वार्ड रोब को बदलने एवं दीमक ट्रीटमेन्ट व बालकनी में टाइल्स लगाने का कार्य अन्य सिविल सम्बन्धित कार्य।	2.80	28000.00	770.00	30 दिन
5	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-704 में क्षतिग्रस्त वार्डरोब बदलने, दीमकरोधी उपचार, आवास के क्षतिग्रस्त चौखट व पल्ले बदलने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धित अनुरक्षण के कार्य।	1.86	18600.00	680.00	30 दिन
6	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-602 में क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट, वार्डरोब को बदलने एवं दीमक ट्रीटमेन्ट दरवाजा बदलने एवं अन्य सिविल सम्बन्धी विभिन्न अनुरक्षण के कार्य।	2.39	23900.00	770.00	30 दिन
7	लखनऊ	विधायक निवास-1 दारूलशफा स्थित आवास सं0-54बी में दोनो बाथरूम का पूर्ण नवीनीकरण का कार्य, आवास मेंएस0एस0 पर्दा राड लगाने का कार्य, आवास के कमरो के क्षतिग्रस्त प्लास्टर को तोड़कर पुनः प्लास्टर करने का कार्य एवं अन्य आवश्यक कार्य।	3.24	32400.00	770.00	30 दिन
8	लखनऊ	विधायक निवास-4 रायल होटल स्थित आवास सं0-66 में किचेन कैबिनेट बनाने एवं दीमक रोधी उपचार करने का कार्य।	0.95	9500.00	650.00	30 दिन
9	लखनऊ	विधायक निवास-2 (पुराना) दारूलशफा स्थित आवास सं0-34बी में एल्युमिनियम पार्टीशन बनाने, कपबोर्ड बनाने, किचेन टाप बनाने व अन्य सिविल सम्बन्धी कार्य।	1.10	11000.00	680.00	30 दिन
10	लखनऊ	विधायक निवास-6 पार्क रोड स्थित आवास सं0-सी-1 में बाहर बने एक बाथरूम के नवीनीकरण करने का कार्य, जर्जर हो चुके लोहे के दरवाजे को बदलने का कार्य, एंट्रीपर इंटर लाकिंग टाइल्स लगाने का कार्य एवं अन्य सिविल सम्बन्धी कार्य।	1.89	18900.00	680.00	30 दिन
11	लखनऊ	गौतमपल्ली कालोनी स्थित आवास सं0-14 में क्षतिग्रस्त मेनगेट बदलना, बाउण्ड्रीवाल पर व्यू कटर लगाना, बाथरूम के क्षतिग्रस्त दरवाजे/पल्ले बदलना, मुख्य भवन के बाह्य भाग एवं बाउण्ड्रीवाल का जर्जर प्लास्टर को तोडकर पुनः प्लास्टर करने के साथ रंगाई पुताई व अन्य अति आवश्यक विभिन्न मरम्मती कार्य।	3.69	36900.00	770.00	30 दिन
12	लखनऊ	गोमतीनगर फेज-2 मंत्री आवास स्थित आवास सं0-डी-114 टाइप-4 में अध्यासन परिवर्तन के कारण दो क्षतिग्रस्त बाथरूमों की मरम्मत, क्षतिग्रस्त खिडकी दरवाजो की मरम्मत, क्षतिग्रस्त वार्डरोब की मरम्मत, स्टील पर्दा राड लगाने का कार्य एवं अन्य आवश्यक मरम्मती कार्य।	2.29	22900.00	770.00	30 दिन
13	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-604 में क्षतिग्रस्त वार्ड रोब को बदलने एवं दीमक ट्रीटमेन्ट, दरवाजा बदलने एवं अन्य सिविल सम्बन्धित विभिन्न अनुरक्षण के कार्य।	1.51	15100.00	680.00	30 दिन
14	लखनऊ	कालिदास मार्ग स्थित आवास सं0-9ए श्रेणी-6 में अध्यासन परिवर्तन के कारण क्षतिर्गस्त प्लास्टर की जगह पुनः प्लास्टर करना, क्षतिग्रस्त किचेन को माडूलर किचेन बनाना, किचेन कैबिनेट, किचेन टॉप, कपबोर्ड एवं बास्केट बदलना, वॉल एवं फ्लोर टाइल्स बदलना, बेडरूम की क्षतिग्रस्त फ्लोर टाइल्स बदलना, सम्पूर्ण आवास में दीमक रोधी उपचार करना, क्षतिग्रस्त दरवाजे चौखट बदलना, मास्टर बैडरूम, स्टाफ आफिस, जनता मीटिंग हाल में पी0वी0सी0 वॉल पैनल लगाना, बेडरूम ड्राइंग रूम में वार्ड रोब बनाना, क्षतिग्रस्त वार्ड रोब की मरम्मत करना एवं क्षतिग्रस्त मच्छर जाली बदलना, वाह्य भाग की रंगाई पुताई करना व अन्य आवश्यक विभिन्न मरम्मती कार्य।	10.00	100000.00	860.00	30 दिन
15	लखनऊ	कालिदास मार्ग स्थित आवास सं0-16 में दो बेडरूम के क्षतिग्रस्त दरवाजे/विण्डो को हटाकर यू0पी0वी0सी0 कीदरवाजे/विण्डो लगाना एवं बैडरूम के अटैच स्नानगृह/शौचालय का विस्तार कर पुनः टाइल्स एवं फिटिंग्स लगाना, आवास के दो बेडरूम में फाल्स सीलिंग करना एवं सर्वेन्ट क्वार्टर का क्षतिग्रस्त शेड बदलना व अन्य आवश्यक विभिन्न मरम्मती कार्य।	6.92	69200.00	860.00	30 दिन
16	लखनऊ	नवनिर्मित विधायक निवास दारूलशफा स्थित आवास सं0-202 में क्षतिग्रस्त किचेन कैबिनेट, वार्डरोब को बदलने एवं दीमक ट्रीटमेन्ट, दरवाजा बदलने एवं अन्य सिविल सम्बन्धित विभिन्न अनुरक्षण के कार्य।	3.19	31900.00	770.00	30 दिन
17	लखनऊ	विधायक निवास-2 (पुराना) स्थित आवास सं0-88-89बी के शेष बचे हुए बाथरूम का पूर्ण नवीनीकरण करने एवं उपरोक्त आवास के नीचे स्थित आवास सं0-56-57बी में सीलन के कारण क्षतिग्रस्त प्लास्टर को तोडकर पुनः करने व सतह के सुधारीकरण का कार्य।	1.85	18500.00	680.00	30 दिन
18	लखनऊ	विधायक निवास-2 (पुराना) स्थित कोठरी सं0-10 श्रेणी-1 में शौचालय व स्नानगृह की पुरानी जर्जर पानी की लाइन व सीवर लाइन को बदलने, जर्जर प्लास्टर की मरम्मत करने, किचेन टाप बदलने, दीमक द्वारा नष्ट किए जा चुके दरवाजे बदलने व अन्य विविध सिविल सम्बन्धी कार्य।	0.39	3900.00	650.00	30 दिन
19	लखनऊ	विधायक निवास -2 (नया) दारूलशफा स्थित आवास सं0-118बी में दोनो कमरों की जर्जर हो चुकी लोहे की खिड़कियों को हटाकर नयी यूपीवीसी खिड़की लगाने एवं स्टेनलेस स्टील के पर्दा राड लगाने सम्बन्धित सिविल कार्य।	0.78	7800.00	650.00	30 दिन
20	लखनऊ	विधायक निवास-2 (पुराना) दारूलशफा स्थित आवास सं0-6-7बी में माडूलर टाइप किचेन कैबिनेट व कपबोर्ड बनाने का कार्य, पूजारूम में अलमारी बनाने, एस0एस0 सिंक लगाने, आवास की गंदी फर्श पर मिरर पालिश करने एवं अन्य आवश्यक सिविल सम्बन्धी कार्य।	2.06	20600.00	770.00	30 दिन
21	लखनऊ	विधायक निवास-2 पुराना स्थित आवास सं0-34बी में समस्त बाथरूमों की फर्श व दीवार की टाइल्स को बदलने, क्षतिर्गस्त सीवर लाइन एवं पेयजल लाइन को बदलने, क्षतिग्रस्त फिटिंग्स एवं फिक्चर्स को बदलकर नयी फिटिंग्सफिक्चर्स लगाने सम्बन्धी सिविल कार्य।	2.36	23600.00	770.00	30 दिन
22	लखनऊ	राजभवन कालोनी स्थित आवास सं0-01 (पुराना) टाइप-6 में सीलन की रोकथाम हेतु पानी की टंकी को स्थानान्तरित करने का कार्य, आवास में बाथरूम की पुरानी व क्षतिग्रस्त आवाश्यक टाइल्स फिटिंग्स व पानी एवं सीवर पाइप लाइन को बदलने का कार्य।	3.25	32500.00	770.00	30 दिन
		(द्वितीय बार निविदा आमंत्रण हेतु कार्य।)				
23	लखनऊ	17ए माल एवेन्यू स्थित आवास सं0-ए-303, के जर्जरखिड़कियों को बदलने, बाथरूम में कमोड शीट लगाने का कार्य।	1.97	19700.00	680.00	30 दिन

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 19.12.2024 से 24.12.2024 तक उपलब्ध है जो दिनांक 24.12.2024 को समय दोपहर 12:00 बजे तक निविदादाता द्वारा सबमिट/अपलोड किये जा सकते है। इसकी निविदा दिनांक 24.12.2024 को दोपहर 12:30 बजे खोली जायेगी। निविदा से सम्बन्धित अधिक जानकारी दिनांक 19.12.2024 से वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है।

अधिषासी अभियन्ता
अनुरक्षण खण्ड-2 (सिविल),
लो.नि.वि., लखनऊ
ई-मेलः maintenancedivision2pwd@gmail.com

UPID-223886 Dated-13-12-2024
विज्ञापन आदेश के अनुसार www.upgov.in पर उपलब्ध

परीक्षा को नकलविहीन करानें हेतु बैठक

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा 22 दिसंबर 2024 को आयोजित की जाने वाली सम्मिलित राज्य / प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 के संबंध में समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट,स्टेटिक मजिस्ट्रेट व केंद्र प्रभारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में आयोजित किया गया।

इस अवसर पर समस्त सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र प्रभारी तथा परीक्षा के कार्य में लगाए गए अन्य संबंधित को सम्मिलित राज्य /प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 2024 को नकलविहीन, शांतिपूर्ण व निर्विघ्न रूप से संपन्न कराए जाने हेतु परीक्षा की बारीकियो के संबंध में विस्तार से अवगत कराते हुए उन्हें प्रशिक्षण दिया गया। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली पीसीएस परीक्षा राज्य की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। इसके अंतर्गत संपादित किए जाने वाले सभी कार्य आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देश के अनुसार /नियमानुसार किया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही पर सीधे एफआईआर दर्ज होगी। कहा कि परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराने में लगाए गए सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र प्रभारी तथा अन्य संबंधित के द्वारा अच्छे प्रकार से प्रशिक्षण ले लिया जाए तथा आयोग के दिशा निर्देशों का भली भांति अवलोकन कर लिया जाए। कहा कि जिस गंभीरता से निर्वाचन प्रक्रिया के कार्य संपन्न कराए जाते हैं लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा के कार्य भी उसी गंभीरता के साथ संपादित किए जाने है इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता नहीं होने चाहिए। इसके अंतर्गत किए जाने वाले समस्त कार्य आयोग द्वारा निर्धारित की गई समय सीमा / गाइडलाइंस के अनुसार ही किया जाए।

इस दौरान लोक सेवा आयोग से आए हुए प्रतिनिधि मनोज यादव ने बताया कि सम्मिलित राज्य प्रवर अधीनस्थ सेवा परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रातः 9:30 से 11:30 तक तथा दूसरी पाली अपराह्न 2:30 बजे से 4:30 तक आयोजित होगी। परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों के प्रवेश करने की समय सीमा आयोग द्वारा निर्धारित है। परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति प्रथम पाली में प्रातः 8:00 बजे से प्रातः 8:45 तक होगी तथा दूसरी पाली में अपराह्न 1:00 बजे से 1:45 बजे तक होगी। इस निर्धारित समय के बाद किसी भी परीक्षार्थी को किसी भी दशा में परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

इस मौके पर सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला, प्रभागीय वनाधिकारी, एडीएम वित्त एवं राजस्व विजय शंकर, एडीएम न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, एडीएम नमामि गंगे सुरेश कुमार, लोक सेवा आयोग के प्रतिनिधि मनोज यादव, जनपद के समस्त एसडीएम, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र प्रभारी तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

तेज रफ्तार डंपर ने खड़ी बोलेरो को मारी टक्कर, चालक की मौत

सुमेरपुर। कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अरतरा मोड़ के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़ी बोलेरो को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो चालक अंशुमान सिंह (45) की मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। थाना सुमेरपुर के इंगोहटा गांव के निवासी अंशुमान सिंह अपने साथियों रणविजय सोनकर, कालका सोनकर और जयराम निषाद के साथ निजी ट्यूबवेल पर पानी लगाने के लिए बोलेरो से निकले थे। सभी लोग पेशे से किसान हैं सुबह करीब साढ़े 6बजेचारों लोग अरतरा मार्ग के निकट हाई वे किनारे बोलेरो खड़ी कर उसमें बैठे थे। इसी दौरान हमीरपुर से मौदहा की ओर से जा रहे तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो और डंपर दोनों सड़क से नीचे उतरकर काफी दूर तक घिसटते चले गए।

अज्ञात नंबर से पत्रकार सुघर सिंह व उनके पुत्र को मिली धमकी

- थाना सैफई पुलिस ने किया मुकदमा दर्ज
- मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव गृह, डीजीपी, एसएसपी इटावा को पत्र भेजकर की सुरक्षा दिए जाने की मांग

अवधनामा संवाददाता

सैफई (इटावा)। इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया वेलफेयर एसोसिएशन के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार सुघर सिंह को शुक्रवार/शनिवार की रात 11:48 बजे से 12:07 बजे तक एक नंबर से तीन अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगातार गंदी-गंदी गाली गोली मारने व बम से उड़ाने, बेटे को गोली मारने की धमकी दी गई। सुघर सिंह पत्रकार द्वारा इस संबंध में थाना सैफई पुलिस को शिकायत की गई थी थाना पुलिस ने तत्काल मुकदमा पंजीकृत करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। सैफई के सुघर सिंह पत्रकार ने बताया रात्रि वह अपने घर पर मौजूद थे इस दौरान 11: 48 बजे 12:07 बजे तक मोबाइल नंबर 6266802365 से मेरे मोबाइल नंबर 9457262323 पर कॉल आई और कॉल करने वाले ने अनर्लग्न बातचीत करते हुए झूठे आरोप लगाते हुए गंदी गंदी गाली व जान से मारने की धमकी दी और बोला मैं काफी दिनों से तेरी रेकी कर रहा हूं लेकिन तू हर बार बच जाता है तुझे मारने का कई बार हमने प्रोग्राम बनाया लेकिन सफलता नहीं मिली। 2025 तक तुझे गोली मार दूंगा और तेरे लड़के की भी हत्या कर दूंगा तुझे ऐसी चोट दूंगा जो तू जिंदगी भर याद रखेगा इसके अलावा आरोपी ने बम से उड़ाने की भी सुघर सिंह पत्रकार को धमकी दी उक्त घटना के बाद सुघर सिंह पत्रकार द्वारा डीजीपी कंट्रोल रूम, डायल 112, एसएसपी इटावा, थाना सैफई पुलिस को सूचना दी। रात्रि में पुलिस ने मौके पर पहुंच कर धमकी देने बाले को फोन किया लेकिन फोन नही उठा। शनिवार को सुघर सिंह पत्रकार के द्वारा थाना सैफई में दी गई तहरीर के आधार पर अज्ञात अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मुकदमे की जांच पीजीआई चौकी इंचार्ज मोहन वीर द्वारा की जा रही है।

यूरिया खाद के लिए किसान आक्रोशित

अवधनामा संवाददाता

- राठ में जमकर किया हंगामा, पुलिस ने शांत कराया

राठ,हमीरपुर। राठ कस्बे के रामलीला मैदान के पास स्थित सहकारी क्रय विक्रय समिति में आज यूरिया खाद प्राप्त करने के लिए किसानों ने जमकर हंगामा किया और सड़क पर जाम लगा दिया। सैकड़ों की संख्या में किसान यूरिया खाद के लिए एकत्रित हुए थे, लेकिन खाद की किल्लत के चलते उन्हें निराशा हाथ लगी, जिसके बाद उन्होंने गुस्से में आकर सड़क पर जाम लगा दिया।

किसानों का कहना था कि बबलू की बुवाई के बाद यूरिया खाद की उन्हें अत्यधिक आवश्यकता थी, लेकिन यहां पर खाद नहीं मिल रही थी। इस पर किसान आक्रोशित हो गए और हंगामा करते हुए सड़क पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना पर पुलिस उपाधीक्षक और नायब तहसीलदार वीरपाल सिंह के अलावा कोतवाली पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और किसानों से बातचीत कर स्थिति को संभाला। नायब तहसीलदार और सीओ राठ ने किसानों को समझाया और यूरिया खाद का वितरण शुरू किया। इस मौके पर किसानों ने प्रशासन से खाद की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने की मांग की, ताकि आने वाले समय में ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े। इस दौरान सड़क पर जाम के कारण यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन प्रशासन की पहल से स्थिति शांत हुई और किसानों को खाद मिल सका।

कड़कड़ाती ठंड में भी नहीं जल रहे अलाव

सुमेरपुर हमीरपुर। सर्द हवाओं के चलते सर्दी कहर बरपा रही है। नगर पंचायत का दावा है कि सभी प्रमुख स्थानों में अलाव जल रहे हैं। सोमवार को तड़के 5:00 बजे से 6:00 बजे तक सभी प्रमुख स्थानों की पड़ताल में अलाव नदारत थे। बस स्टाप, रेलवे स्टेशन, अस्पताल में लोग ठंड से सिकुड़ रहे थे। अधिशाषी अधिकारी ने कहा कि अभी अलाव लायक ठंड नहीं है इंतजाम कराया जा रहा है। ठंड कोहरा बढ़ने पर अलाव जलाए जाएंगे। ठंड का कहर लगातार बढ़ रहा है। पिछले दो दिनों से रात का तापमान 6 डिग्री पहुंच रहा है। सोमवार को तड़के 5:00 बजे से 6:00 बजे के मध्य रेलवे स्टेशन, बस स्टाप, थाना चौराहा, सब्जी मंडी आदि प्रमुख जगहों की पड़ताल में सभी जगह से अलाव नदारत थे। रेलवे स्टेशन में धीरू यादव, शिवनरायन, गुड्डू गुप्ता ने बताया कि अभी तक अलाव नहीं जला है। अस्पताल में रामबाबू, रमेश कुमार, सुरेश आदि ने बताया कि अलाव नहीं जलता है। बस स्टाप में यात्री रामनरेश, भूपत सिंह, राजाराम, राम श्री, कमलेश ने बताया कि वह सुबह 5:00 बजे से बस के इंतजार में खड़े ठिठुर रहे हैं। अलाव कहीं नहीं नजर आया है।

वन विभाग की सांठगांठ से जंगल में हरे पेड़ों की हो रही अंधाधुंध कटाई

अवधनामा संवाददाता

सरीला (हमीरपुर) सरीला क्षेत्र के जंगलो मे इस समय हरे पेड़ो की कटाई चरम सीमा पर हैं। बताते चले की वेतवा नदी मे हो रहे खनन के चलते माफियों ने जंगल को निशाना बना लिया हैं। रास्तो मे बालू से भरे ट्रकों के निकलने के कारण सड़के धस जाती हैं जिसके चलते रास्ता तैयार करने मे जंगल के हरे पेड़ो को कटवाकर ट्रैक्टरो द्वारा दिनरात ढोया जा रहा हैं। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र के बसरिया गांव मे रोपे गये पौधों को वन माफियों द्वारा पुरे तरह से काट लिया गया हैं जहा जंगल मे कंकरीट और मिट्टी नजर आती हैं। वही हरसुंडी और खंडोत गांव मे अभी भी एक दर्जन से अधिक ट्रैक्टरो द्वारा जंगल के हरे पेड़ो को काटकर नदी मे रास्ता बनाने के उपयोग मे लाया जा रहा हैं। मजे की बात तो यह हैं की जंगल के रखवाले रूपये लेकर जंगल का अमंगगल करने मे कतई नहीं चूक रहे। जानकारों की माने तो सरीला रेंज मे तैनात जंगल कर्मचारियों को इन माफियों पर संरक्षण प्राप्त हैं जिसके चलते दिन रात बेखौफ होकर हरे पेड़ो की कटवाकर वन सम्पदा नस्ट करने मे लगे हुये हैं। विभाग पुराने पेड़ बचाने की बजाय नये लगाने की योजनाओं पर ज्यादा जोर देता है।

ग्लोबल-वार्मिग की समस्या से जूझ रही दुनिया के लिये पर्यावरण असंतुलन खतरा बन गया है। अंधाधुंध काटे जा रहे वृक्षों से सिमट रहे जंगल इसका प्रमुख कारण है। फिर भी कोई चेतने को तैयार नहीं हैं। ऐसा नहीं कि पर्यावरण संतुलन के लिए सरकारी योजनाएं नहीं हैं। इसको लेकर तमाम योजनाएं बनी हैं, बावजूद धरती सूनी ही है।

पर्यावरण असंतुलन को बढ़ावा देने में कई तरह के कारक शामिल हैं। इसका अहसास भी हो रहा है। बावजूद इसे गंभीरता से नहीं लिया जाता है, जिससे सरकारी या गैर सरकारी सभी योजनाएं अथवा अभियान फाइलों तक सिमट कर रह जाता है। रातो-रात धनवान बनने की चाहत और सुविधा का उपभोग करने की ललक में न केवल पेड़ों की कटाई हो रही है बल्कि काटे गये पेड़ की जगह दूसरा पौधा लगाने की फिक्र भी नहीं है। सरकारी स्तर पर वृक्षारोपण में स्थानीय लोगों का जुड़ाव नहीं हो पाता। एजेंसियां पेड़ लगा कर चली जाती हैं और बाद में उसमें कोई पानी देने वाला भी नहीं रहता। इन जगहों पर नियमित रूप से वृक्षारोपण का कार्य किया जाता है।

मनरेगा से वानिकीकरण

महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत तालाब व सड़कों के किनारे पौधे लगाये गये हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के मुताबिक मनरेगा से पिछले और इस वर्ष लांखो के तादाद मे पौधे जिले में लगाये गये थे। जिसमें कितने सूखे तथा कितने अभी जिंदा हैं यह बताना मुश्किल है। ज़ब डिस्ट्रिक्ट फारेस्ट ऑफिसर अनिल कुमार श्रीवास्तव से बात करने की कोशिश की तो उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

संक्षिप्त समाचार

डीएम ने फरियादियों के लिए लगवाई काफी मशीन

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने एक नवाचारी पहल करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर में कॉफी मशीन स्थापित कराई व कॉफी मशीन का शुभारंभ किया। इस कॉफी मशीन से जिलाधिकारी कार्यालय में आने वाले फरियादियों / आगंतुकों को तत्काल गरम कॉफी उपलब्ध हो सकेगी। इस दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि इससे ठंड में जनपद के दूर दराज के क्षेत्रों से जिलाधिकारी कार्यालय आने वाले फरियादियों/आगंतुकों को तत्काल निशुल्क गरम कॉफी उपलब्ध हो सकेगी तथा गर्म कॉफी मिलने से ठंड से बचाव में सहूलियत मिलेगी। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विजय शंकर ,डिप्टी कलेक्टर खालिद अंजुम ,कलेक्ट्रेट कर्मी तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

पूर्व सैनिक मिलन समारोह विजय दिवस के रूप में मना

इटावा, अवधनामा ब्यूरो। पूर्व सैनिक मिलन समारोह नुमाइश पंडाल मे विजय दिवस के रूप में हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इसमें विभिन्न संगठनों ने भाग लिया जिसमें राष्ट्रीय पूर्व सैनिक संगठन (ivo) इटावा के जिलाध्यक्ष के के त्रिपाठी और उनके समस्त पदाधिकारी और 50 उनके जो सदस्य गणों ने भाग लिया।समारोह में जिला संरक्षक रणवीर सिंह राजावत महामंत्री अनिल चतुर्वेदी जिला उपाध्यक्ष सुनील तिवारी जिला कोर्डिनेटर राजेश तिवारी जिला उपाध्यक्ष रणवीर सिंह चौहान अनिल तिवारी मीरा तिवारी संगीता राजपूत सूबेदार रामप्रसाद साहब सूबेदार अनिल कुमार साहब हलदर कैलाश बाबू नायक सूबेदार सौदान सिंह सूबेदार मेजर जयराम सिंह कैप्टन श्याम किशोर हरिराम साहब कमांडो विपिन शर्मा सूबेदार जागरण सिंह सूबेदार महेश पाल सूबेदार राम साहब आदि पूर्व सैनिक उपस्थित रहे।

एनसीएल निगाही को मिली अत्याधुनिक छः नए 100 टन क्षमता के डंपरों की सौगात

सोनभद्र/सिंगरौली। सोमवार को भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स (एनसीएल) की निगाही परियोजना के मशीनी बेड़े में 100 टन क्षमता के छः नए डंपर शामिल हुए। एनसीएल के निदेशक (तकनीकी/संचालन) जितेंद्र मलिक ने इन डंपरों को लोकार्पित कर राष्ट्र की ऊर्जा संरक्षा हेतु निगाही खदान में नियोजित किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रीय महाप्रबंधक (निगाही) सुमन सौरभ, महाप्रबंधक (उत्खनन) एनसीएल, प्रतीक सिन्हा, परियोजना जेसीसी मेंबर्स, निगाही विभागाध्यक्ष व विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ ही डंपर निर्माता कंपनी के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। एनसीएल की ओपनकास्ट खदानों में डंपर का उपयोग कोयले एवं अधिभार को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने के लिए होता है। इसी कड़ी में एनसीएल ने नवाचारी तकनीकी से युक्त इन डंपरों की तैनाती की है जो सभी सुरक्षा सुविधाओं से लैस हैं। इन नए छः डंपरों को मिलाकर एनसीएल की विभिन्न परियोजनाओं में 100 टन क्षमता के डंपर की कुल संख्या 263 हो जाएगी। गौरतलब है कि एनसीएल देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए प्रतिबद्ध है।

एस एस पी की पत्नी नीलम राय ने छात्र-छात्राओं को पहनाये मेडल व दिए प्रमाण पत्र

- अन्जुमन हिदायतुल इस्लाम हाई स्कूल में हुआ खेल कूद एवं पुरुस्कार वितरण समारोह

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। नगर के अन्जुमन हिदायतुल इस्लाम हाई स्कूल में मुख्य अतिथि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा की पत्नी नीलम राय ने छात्र-छात्राओं को खेल कूद एवं पुरुस्कार वितरण समारोह में मेडल पहनाकर व प्रमाण पत्र देकर बच्चों का हौसला बढ़ाया। मुख्य अतिथि राय का स्कूल के बच्चों व अध्यापकों ने गर्म जोशी के साथ स्वागत किया। राय को स्कूल में लगे स्लोगन बहुत पसंद आये। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों आप मेरीकॉम, सानिया मिर्ज़ा, सानिया नेहवाल जैसे खिलाड़ियों से प्रेरणा ले। राय ने कार्यक्रम में मौजूद बच्चों का खूब हौसला बढ़ाया। स्कूल के प्रधानाचार्य शाहनवाज़ अतहर ने इस अवसर पर 1904 से स्थापित अन्जुमन स्कूल का इतिहास पढ़ कर सुनाया। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि राय का प्रधानाचार्य अतहर, इफ्फत परवीन, एडवोकेट काशिफ़ा नाज़ व गुलफशा ने प्रतीक चिन्ह, बुके देकर व शाल उड़ाकर स्वागत व सम्मान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय कवि डॉ.कमलेश शर्मा व विशिष्ट अतिथि जमील कुरैशी का भी प्रतीक चिन्ह देकर व शाल उड़ाकर स्वागत किया गया। इफ्फत परवीन व मोहम्मद इमरान को प्रशंसा पुरुस्कार से मुख्य अतिथि ने नवाज़ा। कार्यक्रम का संचालन आमिर खान ने किया। इस अवसर पर बार्ड सभासद प्रतिनिधि मोहम्मद दिलशाद, बच्चों के अभिभावक व स्कूल का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

हिंडालको प्राइमरी स्कूल यूनिट 3 का वार्षिक समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

सोनभद्र/रेणुकूट। हिण्डाल्को प्राइमरी स्कूल यूनिट-3 का वार्षिक समारोह भव्य और उत्साहपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। इस वर्ष की थीम उत्साह को समर्पित इस समारोह का शुभारंभ हिंडालको संस्थान के नवनियुक्त क्लस्टर हेड समीर नायक एवं मानव संसाधन प्रमुख जसबीर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत आदित्य वंदना के साथ हुई, जिसने माहौल को भक्तिमय बना दिया। प्रधानाचार्य तनुश्री दत्ता पॉल के निर्देशन में स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने शानदार प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। नर्सरी के बच्चों ने वेलकम डांस की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों का स्वागत किया। वहीं, यूकेजी और कक्षा 1 के बच्चों ने इस्माइल डांस के जरिए खूब तालियां बटोरी। बच्चों द्वारा प्रस्तुत म्यूजिक शो ने समारोह को और भी खास बना दिया।

जिला कार्यकारिणी का विस्तार

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिला अध्यक्ष संतोष चौहान की संस्तुति पर महिला जिला अध्यक्ष सुनीता कुशवाहा ने जिला कार्यालय नुमाइश चौराहा पर महिला व्यापार मंडल की जिला कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए मंजू शाक्य एवं कांति दिवाकर को जिला महामंत्री बनाया साथ ही ज्योति जोहरी को जिला उपाध्यक्ष ममता मोर्य को जिला संगठन मंत्री शारदा देवी एवं यासमीन बेगम को जिला मंत्री घोषित किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ एके शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष एमपी सिंह तोमर प्रदेश वरिष्ठ मंत्री बीके वर्मा जिला वरिष्ठ महामंत्री हरि गोपाल शुक्ला जिला महामंत्री रमेश यादव जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया गोरखनाथ वर्मा जिला उपाध्यक्ष अभिषेक दीक्षित बंटू यादव वीना चौहान इकदिल महिला अध्यक्ष कृष्णा राजपूत बृजेंद्र सिंह तौफीक भाई आदि प्रमुख लोग़ उपस्थित थे जिला अध्यक्ष संतोष चौहान ने सभी घोषित महिला पदाधिकारी को बधाई दी साथ ही कहा कि महिला व्यापारियों का उत्पीड़न बर्दास्त नहीं किया जाएगा महिला जिला अध्यक्ष सुनीता कुशवाहा ने कहा कि महिलाओं की कोई भी समस्या होगी तो वह महिला व्यापारियों की लड़ाई लड़ने को तैयार है।

जनसुनवाई में आए 23 शिकायतों का निस्तारण

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। उ0प्र0 शासन द्वारा जन शिकायतों की सुनवाई तथा उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण के लिये प्रत्येक सोमवार को नगरीय निकायों में समाधान दिवस सम्भव का आयोजन हेतु दिये गये आदेश के क्रम में सोमवार को नगर पालिका परिषद सोनभद्र में रूबी प्रसाद मा0 अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद सोनभद्र की अध्यक्षता में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस का आयोजन किया गया। तत्कम में जनसुनवाई (सम्भव) दिवस में प्राप्त शिकायतें क्रमशः नगर पालिका परिषद सोनभद्र में 3, नगर पंचायत घोरावल में 1, नगर पंचायत चुर्क घुर्मा में 2, नगर पंचायत चोपन में 2, नगर पंचायत ओबरा में 3, नगर पंचायत रेनुकूट में 3, नगर पंचायत पिपरी में 4, नगर पंचायत दुद्धी में 2, नगर पंचायत डाला बाजार में 0. नगर पंचायत अनपरा में 3, समस्त निकायों को मिलाकर कुल 23 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें मुख्य रूप से साफ-सफाई, पेयजल व मार्ग प्रकाश, से सम्बन्धित सभी शिकायतों का तत्काल निस्तारण कराया गया। विजय कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी/ नोडल अधिकारी, नगर पालिका परिषद सोनभद्र द्वारा बताया गया कि जनता की समस्याओं से रूबरू होने व उसका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता पर है इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही की जा रही है। उक्त जानकारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी गई।

प्री प्लान दंगे करती है भाजपा: राघवेंद्र प्रताप

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। नगर के एक होटल परिसर में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के निवर्तमान उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मंडल प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के भ्रष्ट नीतियों के विषय में बढ़कर आम जनता को गुमराह ना होने की की अपील वहीं कांग्रेस नेताओं ने बताया कि जितने भी दंगे होते हैं भाजपा प्री प्लान कर कर करती है वहीं कांग्रेस इसका विरोध कर रही है विभिन्न मुद्दों को लेकर आज जनपद भ्रमण किया जा रहा है और आगामी आने वाले 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं के साथ रणनीति बनाई जाएगी और भाजपा सरकार के भ्रष्ट सरकार तंत्र के खिलाफ मोर्चा खोला जाएगा जिसमें रोजगार शिक्षा महिला अपराध किसानों का आंदोलन सहित विभिन्न मुद्दे सम्मिलित होंगे वह इसके उपरांत।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय के आवाहन पर दिनांक 18 दिसंबर को विधानसभा घेराव कार्यक्रम में सोनभद्र से भागीदारी हेतु सोमवार को सोनभद्र नगर के आशीर्वाद वाटिका में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक हुई जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के निवर्तमान उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव मंडल प्रभारी देवेंद्र प्रताप सिंह की उपस्थिति में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिला शहर कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न हुई जिसमें प्रदेश उपाध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप सिंह ने विधानसभा घेराव कार्यक्रम में सोनभद्र से सैकड़ो कार्यकर्ताओं के शामिल होने की बात कही कांग्रेस पदाधिकारीयो को संबोधित करते हुए प्रदेश महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि सोनभद्र के कांग्रेस के कार्यकर्ता लगातार दिल्ली लखनऊ के तमाम कार्यक्रमों में अच्छी भागीदारी और ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं इस बार और अधिक ऊर्जा से कार्यकर्ता शामिल होंगे बैठक के पहले प्रदेश उपाध्यक्ष और प्रदेश महासचिव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मीडिया के साथियों को पार्टी का पक्ष रखा और तमाम चैनल के साथियों के प्रश्नों का जवाब दिया और कहा किप्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी शक्ति के साथ विधानसभा घेराव कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे और सरकार को मजबूर करेंगे कि वह आम आदमी गरीब मजदूर किसान नौजवान महिलाओं के साथ न्याय करें बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामराज सिंह गोंड ने की संचालन शहर कांग्रेस कमेटी सोनभद्र के अध्यक्ष राजीव त्रिपाठी ने किया बैठक में प्रदेश सचिव इंजीनियर जितेंद्र पासवान पीसीसी सदस्य हाजी फरीद अहमद विनोद तिवारी राजेश द्विवेदी , राजीव त्रिपाठी,कमलेश ओझा श्रीमती संगीता श्रीवास्तव शशांक मिश्रा अभिषेक चौबे बृजेश तिवारी राजबली देव पांडे अमरेश देव पांडे निगम मिश्रा जितेंद्र देव पांडे संदीप शुक्ला बंशीधर देव पांडे रामविलास पनिका प्रदीप कुमार चौबे इंजीनियर शिवप्रसाद यादव आशीष शुक्ला विशिष्ट कुमार विमल शंकर लाल भारती प्रांजल श्रीवास्तव देवेंद्र शर्मा रिचार्ज डेबिट रेखा श्रीवास्तव ओम प्रकाश मालवीय शसीम अख्तर खान शरद पनिका नितेश सोनकर शीतला प्रसाद पटेल गुंजन श्रीवास्तव प्रदीप शाहिद सैकड़ो कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिसिया लापरवाही के चलते अनपरा बन रहा उड़ता पंजाब

अवधनामा संवाददाता

- हेरोइन बाज़ रोजाना चटका रहे ताले
- चोरों के दहशत में जी रहे लोग

सोनभद्र/अनपरा। पुलिस की लापरवाही, खुफिया तंत्र की नाकामी के चलते अनपरा परिक्षेत्र हीरोइन बाजों का पसंदीदा अड्डा बनता जा रहा है। चंद पैसों के चलते कई घरों के युवा खुद तो खोखले हो ही रहे हैं पूरे परिवार को बर्बाद कर दे रहे हैं। घर में चोरी करके अपने नशे को पूर्ण करने वाले युवा अब पड़ोसियों और आसपास के घरों के ताले चटकाने लगे हैं। जिसे रोकने में अनपरा पुलिस नाकाम साबित हो रही है। पिछले 48 घंटे में 2 से 3 घरों के ताले अकेले रेनू सागर में चटका दिए गए। रविवार को तड़के रेनू सागर निवासी अरविंद राय जो की ड्यूटी पर गए थे,उनकी पत्नी घर का ताला बंद कर पास में ही दूध लेने के लिए गई थी, वापस आए तो देखें कि घर का ताला टूटा हुआ है ।अलमारी और दीवान छिन्न भिन्न है, उसमें से कीमती जेवर और नगदी चोर उड़ा चुके हैं। इससे पूर्व रेणुसागर में ही कोलगेट पर जनरल स्टोर का छत तोड़कर उसमें से नगदी और कीमती सामान चोर उठा ले गए थे, इन दोनों का खुलासा करने में अनपरा पुलिस अब तक नाकाम साबित हुई है। बताते चले कि अनपरा परिक्षेत्र में रोजाना हीरोइन बेचने वालों की तादाद बढ़ रही है। सूत्र बताते हैं कि रेनू सागर ,कोलगेट, रेनू सागर शिव मंदिर, झूलन टाली, डिबुलगंज, सुभाष नगर, अनपरा कॉलोनी और कौवा नाला परिक्षेत्र में हीरोइन धड़ले के साथ बेची जा रही है। सूत्र बताते हैं कि इन मादक पदार्थों की बिक्री में खाकी वाले भी मिले हुए हैं। जिनके सर परस्ती में अनपरा परिक्षेत्र के युवा नशे के दलदल में फंसते जा रहे हैं, परिवार और समाज को तबाह कर रहे है।

कानपुर, लखनऊ सहित दस शहर हो जाएंगे स्मार्ट, सदन में सरकार ने बताए उन शहरों के नाम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। केंद्र की स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत यूपी के 10 शहर मार्च तक 100 फीसदी स्मार्ट हो जाएंगे। विधान परिषद में इस संबंध में पूछे गए सवाल पर नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बताया कि इन शहरों को स्मार्ट बनाने के लिए केंद्र से मिले 9290 करोड़ रुपये में से 8457 करोड़ खर्च किए जा चुके हैं। 833 करोड़ के 37 कार्य निर्माणाधीन हैं। ये कार्य मार्च-2025 तक पूरे हो जाएंगे। केंद्र की स्मार्ट सिटी योजना के तहत आगरा, अलीगढ़, बरेली, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, प्रयागराज, सहारनपुर और वाराणसी को चुना गया था। वहीं, राज्य की स्मार्ट सिटी योजना के तहत अयोध्या, फिरोजाबाद, गोरखपुर, गाजियाबाद, मेरठ, मथुरा-वृंदावन और शाहजहांपुर को चुना गया है। राज्य स्मार्ट सिटी योजना के कार्य वर्ष 2025-26 में पूरे हो जाएंगे। एमएलसी आशुतोष सिन्हा ने वित्त मंत्री से सवाल पूछा कि यूपी के राज्य कर्मचारी और अध्यापकों को नई पेंशन स्कीम के स्थान पर यूनीफाइड पेंशन स्कीम की तरह पुरानी पेंशन स्कीम चुनने का अधिकार कब मिलेगा। जवाब में बताया कि पुरानी पेंशन स्कीम का विकल्प एक बार दिया जा चुका है। जिनकी नियुक्ति राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली की अधिसूचना तारीख 28 मार्च 2005 से पहले अधिसूचित की गई थी एक अप्रैल 2005 या उसके बाद कार्यभार ग्रहण किया था, उन्हें पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ दिया गया है। एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा ने पूछा कि बिजली की हाइटेंशन लाइन से भवन का निर्माण कितनी दूरी पर कराया जाए। इस पर बताया गया कि इंडियन इलेक्ट्रिसिटी रूल्स के अनुसार लो एंड मीडियम वोल्टेज लाइन व सर्विस लाइन पर ऊर्ध्वाधर 2.5 मीटर और क्षैतिज 1.2 मीटर होने और हाई वोल्टेज लाइन व सर्विस लाइन पर ऊर्ध्वाधर 3.7 मीटर और क्षैतिज 2 मीटर होने पर अनुमति दी जाएगी। 33000 वोल्टेज या उसके अधिक पर ऊर्ध्वाधर 3.7 मीटर पर अनुमति मिलेगी।

घरों-चौराहों पर लगे अवैध होर्डिंग जानलेवा

एमएलसी विजय बहादुर पाठक और दिनेश कुमार गोयल ने खतरनाक होर्डिंग्स का मुद्दा उठाते हुए कहा कि लखनऊ में अवैध होर्डिंग घर की छतों से लेकर चौराहों तक में बड़े हादसे को दावत देते दिखाई पड़ते हैं। यही स्थिति प्रदेश के दूसरे महानगरों की है। बता दें, अमर उजाला लगातार इस मुद्दे को प्रकाशित कर रहा था। इस पर एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने यह समस्या विधान परिषद में उठाने का निर्णय लिया। उन्होंने इस पर चर्चा की मांग की।

कंप्यूटर के साथ प्रिंटर खरीदना जरूरी नहीं

पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम की ओर से 21.13 करोड़ के कंप्यूटर खरीद में प्रिंटर और कार्टेज भी उसी कंपनी से खरीदने के सवाल पर ऊर्जा मंत्री ने कहा कि कंप्यूटर खरीद में प्रिंटर व कार्टेज उसी कंपनी से खरीदना अनिवार्य नहीं है। लेकिन यदि कंपनी का सामान ही प्रिंटर में इस्तेमाल किया जाता है तो तीन वर्ष की वारंटी दी जाती है।

अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस पर होंगे विशेष कार्यक्रम

लखनऊ। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस (25 दिसंबर) के उपलक्ष्य में 18 दिसंबर से 25 दिसंबर 2024 तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को विस्तृत निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों के तहत विद्यार्थियों में अटल जी के जीवन मूल्यों, उनके योगदान और सुशासन की भावना को बढ़ावा देने के लिए अनेक प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। डॉ. महेंद्र देव ने बताया कि प्रदेश के माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुख्य रूप से निबंध लेखन, एकल काव्य पाठ, भाषण प्रतियोगिता और क्विज प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। निबंध लेखन प्रतियोगिता का विषय 'अटल जी और सुशासन' होगा, जिसमें कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। इसके अतिरिक्त, 'भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के जीवन और उनकी कविताओं' पर आधारित एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जाएगा।

गोवंश हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है: अध्यक्ष गो सेवा आयोग

अवधनामा ब्यूरो

■ गो आधारित उत्पादों का ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान बढ़ाने एवं गोशालाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु बैठक संपन्न

लखनऊ। गो सेवा आयोग के तत्वावधान में गो सेवा आयोग सभागार में एक महत्त्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त जी ने की, जिसमें उपाध्यक्ष महेश शुक्ल एवं सदस्यों राजेश सिंह सेंगर एवं रमाकांत उपाध्याय जी भी उपस्थित रहे। संगोष्ठी का विषय गो आधारित उत्पादों का ग्रामीण अर्थव्यवस्था में योगदान अवसर एवं चुनौतियां था। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गोवंश आधारित उत्पादों एवं पंचगव्य के महत्व को समझना तथा इन उत्पादों की उपयोगिता को जनसाधारण तक पहुंचाना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इनकी भूमिका को मजबूत करनाथा।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुये अध्यक्ष, गो सेवा आयोग श्याम बिहारी गुप्त जी ने अपने उदबोधन में कहा कि गोवंश हमारी संस्कृति और अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग है। गो उत्पाद जैसे पंचगव्य, जैविक खाद, औषधियां, और स्वदेशी उत्पाद न केवल ग्रामीण क्षेत्र के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर सकते हैं बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने में भी सहायक हो सकते हैं। यह संगोष्ठी इस दिशा में सार्थक कदम साबित होगी। अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्त जी ने कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया और कहा कि पंचगव्य आधारित उत्पाद गो आधारित प्राकृतिक कृषि के प्रशिक्षण केंद्र से समस्त गोशालाओं को बनाया जाएगा और उनको किसानों से जोड़ा जाएगा और युवाओं एवं एनआरएलएम की महिलाओं को स्किल डेवलपमेंट और स्टार्ट-अप से जोड़ा जाएगा। प्रदेश के 75 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के अंतर्गत गोशालाओं को आयोग द्वारा चिन्हित कर लिया गया है जहां पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

जचौंदा गांव में शिल्पग्राम का निर्माण किया जायेगा

■ शिल्पग्राम में हस्तशिल्प के विभिन्न उत्पादों को प्रदर्शित किया जायेगाः

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और गोवर्धन के बीच स्थित जचौंदा गांव में शिल्पग्राम के निर्माण के लिए पर्यटन विभाग द्वारा 18.34 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है, जिसमें से 9.17 करोड़ रूपये जारी किये जा चुके हैं। इस शिल्पग्राम के निर्माण से ब्रज क्षेत्र में निर्मित हस्तशिल्प से जुड़े उत्पादों को अच्छा मार्केट मिलेगा। इसके अलावा इस शिल्पग्राम में स्थानीय उत्पाद के क्रय के लिए देश-विदेश के सैलानी आगे आयेंगे। इससे स्थानीय शिल्पियों को आय के साधन सृजित होगे। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से विकास करने वाला राज्य है। मथुरा महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक लगभग सात करोड़ श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन करने आए। इसमें अधिकतर लोग दर्शन-पूजन के साथ-साथ परिक्रमा भी करते हैं।

प्रदेश के निर्यात को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगी उत्तर प्रदेश निर्यात नीति 2025-30: नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी

निवेश का सर्वोत्तम डेस्टिनेशन बन कर उभरा है उत्तर प्रदेश

अवधनामा ब्यूरो

■ नवीन निर्यात नीति 2025-30 लागू करने के पूर्व मंत्री नन्दी की अध्यक्षता में निर्यातकों, जानकारों एवं स्टेकहोल्डर्स के साथ हुई विस्तृत चर्चा

■ किसी भी राज्य के औद्योगिक विकास के लिए चार सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉ एण्ड ऑर्डर, कनेक्टिविटी और इंडस्ट्रियल पॉलिसीः नन्दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की वर्तमान में लागू निर्यात नीति 2020-25 की समयावधि समाप्ति की ओर होने के कारण नवीन निर्यात नीति 2025-30 लागू करने के पूर्व निर्यात संवर्धन परिषदों, औद्योगिक संगठनों, निर्यातकों, जानकारों एवं स्टेकहोल्डर्स के सुझाव एवं विचार जानने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, निवेश प्रोत्साहन एवं एनआरआई मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी की अध्यक्षता में सोमवार को होटल सेन्ट्रम में एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें सभी जानकारों, निर्यातकों आदि ने अपने विचार रखे और प्रस्तावित निर्यात नीति को लेकर अपने सुझाव दिए।

कार्यशाला में औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि किसी भी राज्य या देश के औद्योगिक विकास के लिए चार सबसे महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉ एण्ड ऑर्डर, कनेक्टिविटी और इंडस्ट्रियल पॉलिसी। भारतीय इतिहास के सबसे विजनरी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के सबसे परफार्मिंग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले सात वर्षों के दौरान इन चारों स्तम्भों को बेहद मजबूत किया है। उत्तर प्रदेश में वैश्विक स्तर की अवस्थापना सुविधाएं, चुस्त दुरूस्त कानून व्यवस्था, बेहतरीन एयर, वाटर, रेलवे व रोड कनेक्टिविटी और व्यवहारिक औद्योगिक नीति ने पूरे इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम को बदल दिया है।

इन सकारात्मक प्रयासों का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश निवेश का सर्वोत्तम डेस्टिनेशन बन कर सामने आया है। निवेशक और उद्यमी उत्तर प्रदेश में अपनी इण्डस्ट्री, इन्वेस्टमेंट व ट्रेड की सुरक्षा को लेकर पूर्णतः आश्वस्त हैं। हमारी सरकार ने औद्योगिक विकास के दोनों पहलुओं अर्थात निवेश और निर्यात दोनों को समान प्राथमिकता दी है।

संक्षिप्त समाचार

आरडीएसओ में पेंशनभोगियों की शिकायतों का समाधान

लखनऊ। आरडीएसओ में पेंशन अदालत का आयोजन किया गया, जिसमें पेंशनभोगियों की शिकायतों को सुनकर उनका तुरंत समाधान किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य सेवानिवृत्त कर्मचारियों केहित को सुनिश्चित करना और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से हल करना है। कार्यक्रम में प्रधानमुख्य कार्मिक अधिकारी/आरडीएसओ अमरनाथ दुबे सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। उन्होंने पेंशनभोगियों से संवाद कर उनकी समस्याओं का समाधान किया। उपस्थित पेंशनर्स की अधिकतर समस्यायें बैंक से सम्बंधित थी. इस सम्बंध में समाधान हेतु उन्हे आवश्यक जानकारी दी गयी। इस आयोजन के द्वारा आरडीएसओ सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के प्रति सम्मान और समर्पण को दर्शाता है।

बुरे दिन कभी भी लम्बे वक्त तक नहीं रहते : हुसैनी

लखनऊ। जमात-ए-इस्लामी हिंद और आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष सैय्यद सआदतुल्लाह हुसैनी के लखनऊ पहुंचने पर सोमवार को ऐशबाग स्थित इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया में स्वागत समारोह आयोजित हुआ। इमाम ईदगाह मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली की ओर से आयोजित स्वागत समारोह को सम्बोधित करते हुए सआदतुल्लाह हुसैनी ने कहा कि इस वक्त भारत के मुसलमान बहुत नाजुक, ऐतिहासिक और निर्णायक मोड़ पर हैं। लेकिन यह कोई नई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि कठिन से कठिन परिस्थितियों का भी सामना किया जा सकता है। बुरे दिन कभी भी लम्बे वक्त तक नहीं रहते। यह तेजी से आते हैं और तेजी से ही चले भी जाते हैं। लेकिन इससे उत्पन्न मायूसी और डर लम्बे वक्त तक बना रहता है। उन्होंने कहा कि देश की समस्याओं का समाधान अल्पकालिक नहीं बल्कि दीर्घकालिक है। देश की जनमत को सुचारू किया जाना चाहिए। इस्लाम को लेकर गलतफहमियां फैली हैं जो दूर होना चाहिए। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि हमें निराश नहीं होना चाहिए, बल्कि अल्लाह ने हमें जो क्षमता दी है उसका उपयोग रचनात्मक तरीके से करते रहना चाहिए। देशवासियों से अच्छे संबंध बनाएं ताकि वे इस्लाम की सही तस्वीर पेश कर सकें। स्वागत समारोह का संचालन डॉ. अमजद सईद फलाही ने किया। मौलाना नईमुर्रहमान सिद्दीकी और अरशद आजमी ने सआदतुल्लाह हुसैनी का आभार जताया। इस मौके पर सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं के साथ ही अधिवक्ता और पत्रकार शामिल थे।

उत्तर प्रदेश का पहला स्टार्टअप फाउंडर्स राउंडटेबल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के माननीय आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का पहला स्टार्टअप फाउंडर्स राउंडटेबल आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम 16 दिसंबर, 2024 को बापू भवन, लखनऊ में आयोजित हुआ। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन देना और नवाचार के माध्यम से उत्तर प्रदेश को एक मजबूत आर्थिक और तकनीकी हब के रूप में विकसित करना था। बैठक में विभिन्न क्षेत्रों के स्टार्टअप्स ने भाग लिया और अपनी परियोजनाएँ प्रस्तुत कीं। इनमें स्पोर्ट्स स्टार्टअप ने बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने पर जोर दिया, जबकि बायोडीजल जनरेशन स्टार्टअप ने वेस्ट ऑयल से बायोडीजल उत्पादन कर स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की पहल की। स्किल डेवलपमेंट स्टार्टअप ने गैर-तकनीकी उम्मीदवारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें तकनीकी क्षेत्र में कुशल और रोजगार योग्य बनाने पर ध्यान केंद्रित किया। इसके अलावा, वेस्ट मैनेजमेंट स्टार्टअप ने स्मार्ट पोर्टल के माध्यम से कचरे के स्मार्ट पृथक्करण और पुनर्चक्रण की आधुनिक व्यवस्था प्रस्तुत की।

पीएनबी ने निष्क्रिय खातों को पुनर्जीवित करने के लिए अभियान शुरू किया

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), सार्वजनिक क्षेत्र में देश के अग्रणी बैंक, ने प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) खातों सहित सभी निष्क्रिय खातों को पुनर्जीवित करने के लिए एक देशव्यापी अभियान शुरू किया है। यह अभियान, जो 24 दिसंबर तक चलेगा, सक्रिय खातों को बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने में बैंक के निरंतर प्रयासों को रेखांकित करता है, ग्राहकों को अपने निष्क्रिय बचत व चालू खातों को फिर से सक्रिय करने, नियमित लेनदेन को बढ़ावा देने और खातों को निष्क्रिय होने से रोकने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह अभियान देश भर में ग्राहक से जुड़ने और अनुभव को बढ़ाने, वित्तीय समावेशन को मजबूत करने और अपने चालू खाता और बचत खाता (कासा) जमा आधार को मजबूत करने के लिए पीएनबी के रणनीतिक प्रयासों का भी हिस्सा है। बैंक ने खातों को फिर से सक्रिय करने को सुगम बनाने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं, जिसमें बैंक प्रतिनिधि विभिन्न संचार माध्यमों के जरिए ग्राहकों तक सक्रिय रूप से पहुंच रहे हैं।

आवंटित धनराशि को ससमय व्यय किया जाए डॉ. निषाद

अवधनामा ब्यूरो

■ अभियान चलाकर 1000 समितियों के गठन का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाए

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री डा0 संजय कुमार निषाद ने आज यहां मुख्यभवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में मत्स्य विभाग के कार्यों की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की अद्‌तन प्रगति, आवंटित बजट व व्यय विवरण की गहन समीक्षा की। मत्स्य मंत्री ने अधिकारियों को माह फरवरी, 2025 तक शत-प्रतिशत बजट के सदुपयोग करने के सख्त निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु आवंटित धनराशि को ससमय व्यय किया जाए और प्रधानमंत्री मत्स्य योजना के लक्ष्यों को पूरा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि मत्स्य योजनाओं और मछुआ समुदाय के हितार्थ कार्यों में धनराशि के अभाव में किसी प्रकार का विलम्ब न होने पाए। मत्स्य मंत्री ने बहुद्देशीय मत्स्य जीवी सहकारी समितियों के गठन के कार्य की धीमी प्रगति पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अभियान चलाकर 1000 नई समितियों के गठन का कार्य यथाशीघ्र पूरा किया जाए ताकि मछुआ समुदाय के अधिक से अधिक मछुआरों को रोजगार दिया जा सके।

एलडीए ने की अवैध निर्माणों पर कार्रवाई

■ चौक, सआदतगंज, चिनहट, गुड़म्बा और गोमती नगर में अवैध रूप से किये जा रहे थे निर्माण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार के निर्देश पर प्रवर्तन टीम ने शहर के अलग-अलग इलाकों में अभियान चला अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान प्रवर्तन टीमों ने चौक, सआदतगंज, चिनहट, गुड़म्बा और गोमती नगर में कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से किये जा रहे 6 निर्माण कार्यों को सील कराया। प्रवर्तन जोन-7 के जोनल अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि इसरार अहमद और अन्य की ओर से सआदतगंज के पुराना चबूतर चौराहा के पास लगभग 100 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर व्यवसायिक निर्माण, बब्बू, फैनू और अकील की ओर से चौक पुरानी सब्जी मण्डी में निर्मला हैण्डीकेयर के सामने लगभग 500 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर भवन का निर्माण बिना मानचित्र स्वीकृत कराए कराया जा रहा था। विहित न्यायालय के सीलिंग के आदेश पर सहायक अभियंता जितेन्द्र कुमार के नेतृत्व में अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव, अम्बरीष त्यागी और राहुल प्रताप विश्वकर्मा ने सीलिंग की कार्रवाई कराई। प्रवर्तन जोन-5 के जोनल अधिकारी रविनंदन सिंह ने बताया कि इश्तियाक और अन्य की ओर से गुड़म्बा में इंटीग्रल विवि से आगे दसौली गांव में लगभग 350 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से पांच मंजिला इमारत का निर्माण कराया जा रहा था। इसके अलावा विपिन सिंह व अन्य की ओर से चिनहट के तिवारीगंज के आतिफ विहार में लगभग 240 वर्गमीटर क्षेत्रफल के भूखण्ड पर चार मंजिला भवन का निर्माण कराया जा रहा था। दोनों निर्माण कार्यों के खिलाफ विहित न्यायालय ने सीलिंग के आदेश दिये थे, जिस पर कार्रवाई कराते हुए सहायक अभियंता शिवा सिंह के नेतृत्व में अवर अभियंता इम्तियाज अहमद और शिव कुंवर ने सीलिंग कराई। प्रवर्तन जोन-1 के जोनल अधिकारी देवांश त्रिवेदी ने बताया कि सरोज प्रसाद व अन्य की ओर से गोमती नगर के विशाल खण्ड में भूखण्ड संख्या 3/499 पर लगभग 300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में निर्माण कराया जा रहा था। इसी तरह नीतू व अन्य की ओर से विशाल खण्ड में भूखण्ड संख्या 3/497 पर लगभग 300 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध तरीके से परिसर की सील खोल स्थल पर फिनिशिंग व निर्माण कराया जा रहा था। प्रवर्तन टीम ने दोनों अवैध निर्माणों को दोबारा सील कराया।

योगी सरकार जनता से जुड़े हर मुद्दे पर फेल: अजय

अवधनामा ब्यूरो

■ भाजपा भूल गयी कि पहली बार आंदोलनों के दम पर ही सत्ता में आई थी

■ मुख्यमंत्री राजनीतिक कार्यकर्ताओं को कर रहे आतंकितः प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि जनता से जुड़े हर मुद्दे पर पूरी तरह फेल योगी सरकार कांग्रेस के विधानसभा घेराव से डर गयी है। श्री राय ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस महानिदेशक को आदेश दिया है कि जिलों के पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करें कि कोई कांग्रेसी कार्यकर्ता घर से निकल कर लखनऊ नहीं पहुंच सके। जिन जिलों के कार्यकर्ता लखनऊ पहुंचेंगे वहां के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। श्री राय सोमवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को सम्बोधित कर रहे थे। वह दिन भूल गये जब पुलिस के डर से संसद में फूट-फूट कर रोए थे श्री राय ने कहा कि मुख्यमंत्री वह दिन भूल गये जब इसी पुलिस के डर से वे संसद में फूट-फूट कर रोए थे और तब सभी ने उनका साथ दिया था। आज मुख्यमंत्री के पद पर बैठ वे इसी पुलिस के बल पर राजनीतिक कार्यकर्ताओं को आतंकित कर रहे हैं। हजारों मुकदमे लगा रहे हैं और लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचलते हुए धरना-प्रदर्शन और आंदोलन-घेराव रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा भूल गयी कि पहली बार आंदोलनों के दम पर ही सत्ता में आई थी और यह भी भूल रही है कि 2027 में फिर सत्ता में नहीं रहेगी तो आज जो कर रही है वही सब और वही पुलिस के तरीके उसके सामने होंगे। कुछ भी करो पर लखनऊ पहुंचो उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कुछ भी करो पर लखनऊ पहुंचो का आह्वान करते हुए कहा कि विधानसभा घेराव कर सरकार को आईना दिखाना है कि उसका जंगलराज अब बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि कहीं अगर पुलिस बल ताकत का इस्तेमाल करे तो वहीं धरने पर बैठ जाएं और पुलिस से कहें कि या तो हमें जाने दे या फिर जेल भेजे। श्री राय ने चेतावनी देते हुए कहा कि मेरे किसी कार्यकर्ता को रोका न जाए। हम गांधीवादी दल हैं और आंदोलन की मर्यादा जानते हैं। भारत में अभी पूरी तरह फासीवाद नहीं आया है बल्कि लोकतंत्र है। इसलिए लोकतंत्र की हत्या का कोई प्रयास कांग्रेस बर्दाश्त नहीं करेगी। श्री राय ने कहा कि जब हम अंग्रेजों से नहीं डरे तो अंग्रेजों के मुखबिरों और दलालों से क्या डरेंगे। मर्यादा में रहें पुलिस अधिकारी, सत्ता में आने पर करेंगे हिसाब उन्होंने पुलिस अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि अपनी मर्यादा में रहें और सरकार के दबाव में लोकतंत्र की हत्या न करें। शांति से आंदोलन करना राजनीतिक दल का अधिकार है और यह सत्ता और कांग्रेस की लड़ाई है। इसे कांग्रेस और पुलिस की लड़ाई न बनाएं वर्ना याद रखें कि 2027 में हम सत्ता में आ रहे हैं और कार्यकर्ताओं पर जुल्म करने वाले एक-एक अधिकारी का नाम नोट करके रखेंगे और तब हिसाब करेंगे। आज मुकदमे लगाओ तो कल अधिक मुकदमे झेलने को तैयार रहो श्री राय ने कहा कि आयकर और ईडी लोगों पर दबाव बना विपक्षी दलों के नेताओं को भाजपा में शामिल करा रही है और लोगों को आत्महत्या को मजबूर कर रही है। प्रदेश में पूरी तरह जंगलराज कायम है और इसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। कांग्रेस हर दिन हर जगह हर मुद्दे के खिलाफ लड़ेगी। आज आप मुकदमे लगाओ तो कल उससे कई गुना ज्यादा मुकदमे झेलने को तैयार रहो। आज आप रोको तो कल घर में कैद रहने को भी तैयार रहो।

कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस की ओर से 18 दिसम्बर को विधानसभा घेराव को लेकर शहर कांग्रेस कमेटी दक्षिणी की ओर से सोमवार को बैठक हुई। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस सचिव धीरज गुर्जर मौजूद थे। नेताद्वय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से जनसमस्याओं को लेकर बुधवार को होने वाले विधानसभा घेराव को कामयाब बनाने का आह्वान किया। शहर कांग्रेस अध्यक्ष दक्षिणी डॉ. शहजाद आलम ने कार्यकर्ताओं से विधानसभा घेराव को सफल बनाते हुए जनसमस्याओं को लेकर संघर्ष का आह्वान किया। बैठक को निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष शरद मिश्रा ने भी सम्बोधित किया। बैठक में निवर्तमान प्रदेश महासचिव सैफ अली नकवी, प्रदेश सचिव अतुल सिंह, कोषाध्यक्ष शिव पाण्डेय, महिला अध्यक्ष मध्य जोन ममता चौधरी, अशोक सिंह, मुकेश सिंह चौहान, राजेश जायसवाल, मेहताब जायसी, डॉ. ऋचा कौशिक, अनुसुइया शर्मा, तनवीर फातिमा, शहाना सिद्दीकी, मोहम्मद नोमान, बलदेव सिंह लाठी, शकील, सावन श्रीवास्तव, के.के. शुक्ला, मोहम्मद हाशिम, शैलेन्द्र द्विवेदी, दिनेश दुबे सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

101 रेल कर्मियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार

भारत मंडपम में आयोजित कार्यक्रम में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव करेंगे पुरस्कृत

अवधनामा ब्यूरो

गोरखपुर/लखनऊ। भारतीय रेल द्वारा 101 कर्मचारियों और अधिकारियों को अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। चयनित कर्मचारी एवं अधिकारियों को रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा 21 दिसम्बर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। चयनित अधिकारियों और कर्मचारियों में 15 रेल कर्मियों को नवाचार, रेल की आय में वृद्धि हेतु शानदार प्रयास, उत्पादकता में वृद्धि के लिए समर्पण और आयात पर निर्भरता को कम करने के लिए एवं स्वदेशी तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। 16 कर्मचारी एवं अधिकारियों को अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना दूसरों की जान एवं रेलवे की संपत्ति की रक्षा हेतु विशिष्ट कदम उठाने के लिए अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार दिया जा रहा है। 17 अधिकारियों और कर्मचारियों को रेल की आय बढ़ाने एवं टिकटलेस ट्रैवल एवं राजस्व की चोरी रोकने के प्रयासों के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। रेल परिचालन, सुरक्षा और संरक्षा तथा रेलवे की परिसंपत्तियों के बेहतर संरक्षण हेतु अद्वितीय प्रयास करने हेतु 22 कर्मचारियों और अधिकारियों को पुरस्कृत किया जा रहा है जबकि 16 कर्मचारी एवं अधिकारियों को विभिन्न परियोजनाएं रिकॉर्ड समय में पूरा करने के लिए चयनित किया गया है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन कर भारतीय रेल का गौरव बढ़ाने वाले दो खिलाड़ियों को भी अति विशिष्ट रेल सभा पुरस्कार देने का फैसला लिया गया है। अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार हेतु चयनित कर्मचारियों एवं अधिकारियों में पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबन्धक/वाराणसी एस.एस. रहमान, वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी/ गोरखपुर बलराम, टेक्नीशियन-।।।/वाराणसी मिथुन कुमार तथा ट्रैक मेन्टेनर/वाराणसी प्रिंस कुमार कन्नौजिया सहित मध्य रेलवे के सात, पूर्व तटीय रेलवे के तीन, पूर्व मध्य रेलवे के पांच, पूर्व रेलवे के आठ, उत्तर मध्य रेलवे के पांच, पूर्वोत्तर सीमान्त रेलवे के दो, उत्तर रेलवे के बारह, उत्तर पश्चिम रेलवे के चार, दक्षिण मध्य रेलवे के छः, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के दो, दक्षिण पूर्व रेलवे के सात, दक्षिण रेलवे के आठ, दक्षिण पश्चिम रेलवे के चार, पश्चिम मध्य रेलवे के दो, पश्चिम रेलवे के आठ कर्मचारी एवं अधिकारी शामिल हैं।